

Kumar Edutainment Presents
Current Affairs Magazine

MAR - 2025

महत्वपूर्ण घटनाक्रम

- ग्रीस, रोमानिया, बेल्जियम, सीरिया और बेलारूस को मिले नए प्रमुख
- काश पटेल, रेखा गुप्ता और ज्ञानेश कुमार की नई नियुक्तियाँ घोषित!
- हाईकोर्ट ने धारा 377 में वैवाहिक बलात्कार अपवाद को बढ़ाया
- भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक और हेनली पासपोर्ट सूचकांक जारी
- भारत ने महिला अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता
- भारतीय-अमेरिकी चन्द्रिका टंडन ने ग्रैमी अवॉर्ड जीता
- रणवीर इलाहाबादिया टिप्पणी विवाद का स्पष्टीकरण
- मणिपुर में राष्ट्रपति शासन: प्रक्रिया एवं प्रभाव
- 5 साल बाद RBI ने रेपो रेट में कटौती की
- केंद्रीय बजट 2025-26: मुख्य बातें

केंद्रीय बजट
2025



विशेषता:

- लघु लेख
- प्रश्न बैंक
- क्विक बाइट्स
- इन्फोग्राफिक्स

रेखा
गुप्ता



मुकेश कुमार



8882388888



Kumar Edutainment



your_kumar_sir



kumarsias.com

कुमार एडुटिमेंट

सभी कॉपीराइट सुरक्षित

पता: 7 जवाहर नगर, खंदारी, आगरा, उत्तर प्रदेश

दूरभाष: 8882388888

मेल: Kumariasacademy@gmail.com

वेब: <https://kumarsias.com/index-2.html>



अस्वीकरण

यह पुस्तक शैक्षिक और सीखने के उद्देश्यों के लिए है। पुस्तक के लेखक (ओं) ने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी उचित देखभाल की है कि पुस्तक की सामग्री किसी भी तरह से किसी भी व्यक्ति के किसी भी मौजूदा कॉपीराइट या अन्य बौद्धिक संपदा अधिकारों का उल्लंघन नहीं करती है। घटना में लेखक किसी भी स्रोत को ट्रैक करने में असमर्थ है / और यदि कोई कॉपीराइट अनजाने में उल्लंघन किया गया है, तो कृपया प्रकाशक को सुधारात्मक कार्रवाई के लिए लिखित रूप में सूचित करें।

इस प्रकाशन में त्रुटियों या चूक से बचने का हर संभव प्रयास किया गया है। इसके बावजूद, त्रुटियों में कमी हो सकती है। विख्यात किसी भी गलती, त्रुटि या विसंगति को हमारे ध्यान में लाया जा सकता है जिसे अगले संस्करण में ध्यान रखा जाएगा। यह अधिसूचित किया गया है कि प्रकाशक या लेखक या विक्रेता किसी भी प्रकार के, किसी भी तरीके से, किसी भी प्रकार की किसी भी क्षति या कार्रवाई के नुकसान के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। यह सुझाव दिया जाता है कि किसी भी सदेह से बचने के लिए पाठक को मूल प्रकाशन या सूचनाओं के साथ प्रकाशन के सभी तथ्यों, कानून और सामग्री को पार करना चाहिए।

बाइंडिंग मिस्टेक, मिसप्रिंट्स या गुम पृष्ठों आदि के लिए, प्रकाशक की देनदारी समान संस्करण द्वारा खरीद के सात दिनों के भीतर बदलने तक सीमित है। इस संबंध में सभी खर्च क्रेता द्वारा वहन किए जाने हैं।

सभी कॉपीराइट सुरक्षित

इस पुस्तक का कोई भी भाग किसी भी रूप में या किसी भी तरह से (ग्राफिक, इलेक्ट्रॉनिक या मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, टैपिंग, या सूचना पुनर्प्राप्ति प्रणाली सहित) या किसी डिस्क, टेप, छिद्रित मीडिया या अन्य सूचना भंडारण पर पुनः प्रस्तुत या कॉपी आदि, प्रकाशकों की लिखित अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है। इस शर्त का उल्लंघन कानूनी कार्रवाई के लिए उत्तरदायी है।

लेखक प्रतिनिधित्व करता है और वारंट करता है कि लेखक ही संपूर्ण रूप से सभी अधिकारों का एकमात्र मालिक है, कि कॉपीराइट के कार्यों के ऐसे अंशों को छोड़कर कार्य मूल है क्योंकि कॉपीराइट स्वामी की अनुमति के साथ शामिल किया जा सकता है, जिससे कार्य किसी भी व्यक्ति के निजता के अधिकार का हनन या उल्लंघन नहीं करता है और साथ ही यह किसी भी कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेंट या दूसरों के किसी भी अधिकार का उल्लंघन नहीं करता है।





Kumar Edutainment Presents **CURRENT AFFAIRS MAGAZINE**

प्रिय अभ्यर्थी,

में पूरे संस्थान की ओर से आपका स्वागत करता हूं और हम में आपकी रुचि दिखाने के लिए धन्यवाद।

वर्षों से हम युवा छात्र एवं छात्राओं को शिक्षित कर रहे हैं जिन्होंने हमारे साथ जुड़ कर एक जिम्मेदार नागरिकों और कॉरपोरेट्स प्रमुख में अपना परिवर्तन अनुभव किया। हमारे साथ जुड़कर, आप एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की शुरुआत कर रहे हैं जो परिवर्तनकारी है - अकादमिक, सामाजिक और व्यक्तिगत रूप से। "उत्कृष्टता और मूल्य" हमारे मार्गदर्शक सिद्धांत हैं जो संस्थान की प्रत्येक गतिविधि में परिलक्षित होते हैं।



हमारी हैंडबुक कई प्रतियोगी और सरकारी परीक्षाओं में बड़ी भूमिका निभाती है। यह आपकी सफलता के अवसर को बनाने या तोड़ने की शक्ति रखता है। इसलिए, उम्मीदवारों को करेंट अफेयर्स को अच्छी तरह और स्मार्ट तरीके से कवर करना चाहिए। विभिन्न परीक्षाओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए हमारी हैंडबुक को विभिन्न वर्गों में विभाजित किया गया है। दिए गए करेंट अफेयर्स की प्रस्तुति की योजना सावधानीपूर्वक बनाई गई है। इसे इस तरह से तैयार किया गया है कि यह पाठकों के जेहन में लंबे समय तक बना रहे।

हमारा मिशन एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है जिसमें प्रत्येक छात्र हमेशा बदलते, वैश्विक समुदाय के कुशल, उत्पादक सदस्य बनने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्राप्त करेगा। हमारे संकाय व्यक्तियों का एक बहुत ही समर्पित समूह है जो हमारे छात्रों के लिए सर्वोत्तम संभव निर्देश प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखता है।

एक बार फिर, साझा सिद्धांतों एवं मूल्यों के हमारे समुदाय में आपका स्वागत है। आने वाले वर्षों में आपके सुखद, स्वस्थ और फलदायी होने की कामना करते हैं।

संस्थान में आपका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

मुकेश कुमार



8882388888



Kumar Edutainment



your_kumar_sir



kumarsias.com



समाचार श्रेय:

बीबीसी/

रॉयटर्स/

अलजजीरा/

पीआईबी/

पीटीआई/

बिजनेस स्टैंडर्ड/

द हिंदू/

इंडियन एक्सप्रेस/

टाइम्स ऑफ इंडिया/

इकोनॉमिक टाइम्स/

बिजनेस लाइन/

इंडिया टुडे/

मनीकंट्रोल एवं अन्य

सभी प्रमुख समाचार

पत्र



Kumar Edutainment Presents

CURRENT AFFAIRS MAGAZINE

इस संस्करण में शामिल हैं

क्रम सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1	केंद्रीय बजट 2025-26 हाइलाइट्स	1
2	नियुक्तियाँ	9
3	राजतन्त्र एवं शासन	17
4	अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं घटनाएँ	21
5	अर्थव्यवस्था एवं व्यापार	26
6	रक्षा एवं सुरक्षा	31
7	सामाजिक मुद्दे एवं योजनाएँ	35
8	पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी	39
9	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	43
10	संस्कृति एवं इतिहास	49
11	खेल-कूद	55
12	निधन	61
13	परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण दिन	63
14	पुस्तकें एवं लेखक	64
15	अभ्यास हेतु प्रश्न बैंक	65
16	क्विक बाइट्स	92
17	इन्फोग्राफिक्स	96

हमारे बारे में:

संस्करण: मार्च 2025

संपादक का नाम: कुमार एडुटिमेंट

सलाहकार का नाम: मुकेश कुमार

पता: 7 जवाहर नगर, खंदारी, आगरा, उत्तर प्रदेश

दूरभाष: 8882388888

मेल: Kumariasacademy@gmail.com

वेब: <https://kumarsias.com/index-2.html>

केंद्रीय बजट 2025-26 हाइलाइट्स

Union Budget
2025

Highlights

बजट 2025 में नए आयकर स्लैब

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 में आयकर ढांचे में महत्वपूर्ण बदलावों की घोषणा की।

नई कर व्यवस्था के तहत, ₹12 लाख तक की आय वाले करदाताओं को कोई आयकर नहीं देना होगा, वेतनभोगी व्यक्तियों को ₹75,000 की मानक कटौती का लाभ मिलेगा, जिससे प्रभावी रूप से कर-मुक्त आय सीमा ₹12.75 लाख हो जाएगी।

नया आयकर विधेयक स्पष्टता और सरलीकरण पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिससे करदाताओं और कर प्रशासन दोनों के लिए समझना आसान हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, इन परिवर्तनों के कारण प्रत्यक्ष करों में लगभग ₹1 लाख करोड़ का राजस्व नुकसान होने की उम्मीद है।

अपडेट किए गए टैक्स स्लैब इस प्रकार हैं:

- ₹0-4 लाख: शून्य
- ₹4-8 लाख: 5%
- ₹8-12 लाख: 10%
- ₹12-16 लाख: 15%
- ₹16-20 लाख: 20%
- ₹20-24 लाख: 25%
- ₹24 लाख से ऊपर: 30%

TDS और TCS का युक्तिकरण

अनुपालन बोझ को कम करने के लिए, सरकार ने दरों और सीमाओं की संख्या को कम करके स्रोत पर कर कटौती (TDS) प्रावधानों को युक्तिसंगत बनाया है। प्रमुख परिवर्तनों में शामिल हैं:

- ✓ वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज आय पर TDS कटौती की सीमा ₹50,000 से बढ़ाकर ₹1 लाख कर दी गई है।
- ✓ किराए पर TDS छूट की सीमा ₹2.40 लाख से बढ़ाकर ₹6 लाख सालाना कर दी गई है।

- ✓ RBI की उदारीकृत विप्रेषण योजना (LRS) के तहत विप्रेषण पर स्रोत पर कर संग्रह (TCS) की सीमा ₹7 लाख से बढ़ाकर ₹10 लाख कर दी गई है।
- ✓ अब उच्च TDS कटौती केवल गैर-पैन मामलों में ही लागू होगी।
- ✓ TCS भुगतान में देरी के मामलों के लिए गैर-अपराधीकरण प्रावधान पेश किए गए हैं, बशर्ते कि वे विवरण दाखिल करने की नियत तिथि से पहले किए गए हों।

महिलाओं और एससी/एसटी उद्यमियों के लिए ऋण योजना

केंद्रीय बजट 2025-26 में पहली बार महिला उद्यमियों के साथ-साथ अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लोगों के लिए ₹2 करोड़ तक के टर्म लोन प्रदान करने वाली एक नई योजना शुरू की गई है। इस पहल का लक्ष्य अगले पाँच वर्षों में 5 लाख नए उद्यमियों को लाभ पहुँचाना है।

योजना का उद्देश्य

यह योजना हाशिए पर पड़े समूहों के लिए फंडिंग गैप को पाटने, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और महिलाओं और एससी/एसटी समुदायों के बीच उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के लिए बनाई गई है। विशेषज्ञों ने इस ऋण सहायता के प्रभाव को अधिकतम करने के लिए अतिरिक्त मेंटरशिप कार्यक्रमों और कौशल विकास पहलों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है।

महिला उद्यमियों के सामने आने वाली चुनौतियाँ

प्रगति के बावजूद, भारत को आर्थिक भागीदारी में लैंगिक असमानता का सामना करना पड़ रहा है। प्रमुख चुनौतियों में शामिल हैं:

- ✓ ऋण तक सीमित पहुँच: भारत में महिलाओं को उनके द्वारा दी गई जमा राशि के केवल 27% के बराबर ऋण मिलता है,

जबकि पुरुषों को उनकी जमा राशि के 52% के बराबर ऋण मिलता है।

- ✓ कम औपचारिक उधार: 90% महिला उद्यमियों ने कभी औपचारिक वित्तीय संस्थानों से उधार नहीं लिया है।
- ✓ वित्तीय भंडार की कमी: 2020 के लॉकडाउन के दौरान, महिलाओं के नेतृत्व वाले 72% व्यवसायों को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा, जबकि पुरुषों के स्वामित्व वाले 53% उद्यमों को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा।
- ✓ प्रतिबंधित पेशेवर नेटवर्क: 49% महिला उद्यमियों ने पेशेवर समर्थन की कमी की रिपोर्ट की।
- ✓ सामाजिक अपेक्षाएँ: महिलाएँ अक्सर व्यावसायिक जिम्मेदारियों और घरेलू कर्तव्यों दोनों को एक साथ निभाती हैं, जिससे उनकी व्यावसायिक दक्षता और विकास प्रभावित होता है।

महिला उद्यमियों के लिए मौजूदा सरकारी सहायता

कई पहल पहले से ही महिला उद्यमियों का समर्थन कर रही हैं, जिनमें शामिल हैं:

- ✓ मुद्रा योजना: महिलाओं के लिए कम ब्याज दरों के साथ सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए ₹10 लाख तक के जमानत-मुक्त ऋण प्रदान करती है।
- ✓ स्टैंड-अप इंडिया योजना: ग्रीनफील्ड व्यवसाय स्थापित करने के लिए प्रति बैंक शाखा कम से कम एक एससी/एसटी या महिला उद्यमी को ₹10 लाख से ₹1 करोड़ तक का ऋण प्रदान करती है।
- ✓ प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी): स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए नए सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- ✓ उद्यम शक्ति पोर्टल: महिला उद्यमियों के लिए व्यवसाय नियोजन, सलाह और बाजार अनुसंधान प्रदान करता है, ₹25 लाख तक की परियोजनाओं का समर्थन करता है।
- ✓ महिला उद्यमों और स्टार्ट-अप का आर्थिक सशक्तिकरण: असम, राजस्थान और तेलंगाना में ऊष्मायन और त्वरण कार्यक्रमों के माध्यम से महिला सूक्ष्म उद्यमियों का समर्थन करता है।

बजट 2025-26 में घोषित प्रमुख योजनाएँ

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने लगातार आठवें बजट में कृषि, विनिर्माण और रोजगार सृजन के उद्देश्य से कई प्रमुख पहल कीं।

पीएम धन धन्य कृषि योजना

100 कम उत्पादकता वाले जिलों में कृषि उत्पादकता में सुधार के लिए प्रधानमंत्री धन धन्य कृषि योजना शुरू की गई है। आकांक्षी जिला कार्यक्रम से प्रेरित होकर, यह पहल निम्नलिखित पर ध्यान केंद्रित करेगी:

फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि।

- ✓ पंचायत और ब्लॉक स्तर पर कटाई के बाद भंडारण।
- ✓ सिंचाई सुविधाओं में सुधार।
- ✓ दीर्घकालिक और अल्पकालिक ऋण तक बेहतर पहुँच।
- ✓ इस योजना से 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

बिहार में मखाना बोर्ड

मखाना के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन का समर्थन करने के लिए बिहार में एक मखाना बोर्ड स्थापित किया जाएगा। बोर्ड किसानों को प्रशिक्षण और सहायता भी प्रदान करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिले।

इसके अतिरिक्त, बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान की स्थापना की जाएगी, साथ ही आईआईटी पटना में बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जाएगा।

फुटवियर और चमड़ा उद्योग के लिए केंद्रित योजना

- ✓ भारत के फुटवियर और चमड़ा क्षेत्र की उत्पादकता, गुणवत्ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए एक फोकस उत्पाद योजना शुरू की गई है।
- ✓ इस योजना से 22 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।
- ✓ इसका लक्ष्य ₹4 लाख करोड़ का कारोबार करना है।
- ✓ लाख करोड़ से अधिक की निर्यात क्षमता।

राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन

- छोटे, मध्यम और बड़े उद्योगों का समर्थन करके "मेक इन इंडिया" पहल को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन शुरू किया गया है। मिशन निम्नलिखित प्रदान करेगा:
- ✓ नीति समर्थन और निष्पादन रोडमैप।
- ✓ मंत्रालयों और राज्यों के लिए शासन और निगरानी ढांचे।
- ✓ स्वच्छ-तकनीक विनिर्माण को बढ़ावा।
- ✓ इस पहल से घरेलू मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिलेगा और सौर पीवी सेल, ईवी बैटरी, मोटर और नियंत्रक, इलेक्ट्रोलाइजर, पवन टर्बाइन, उच्च-वोल्टेज ट्रांसमिशन उपकरण और ग्रिड-स्केल बैटरी के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित होगा।

कृषि क्षेत्र के लिए प्रमुख घोषणाएँ

दाल आत्मनिर्भरता मिशन

केंद्र सरकार ने दाल उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए तुअर, उड़द और मसूर पर ध्यान केंद्रित करते हुए छह वर्षीय "दाल आत्मनिर्भरता मिशन" की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य किसानों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करते हुए आयात पर निर्भरता को कम करना है।

- ✓ NAFED और NCCF जैसी केंद्रीय एजेंसियाँ अगले चार वर्षों तक पंजीकृत किसानों से इन दालों की खरीद करेंगी।

- ✓ भारत का दाल उत्पादन 16.3 मिलियन टन (2015-16) से बढ़कर 24.5 मिलियन टन (2023-24) हो गया, लेकिन आयात फिर भी दोगुना होकर 2023-24 में 3.74 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया।
- ✓ मुख्य आयात स्रोत: म्यांमार, ऑस्ट्रेलिया, रूस, कनाडा और अफ्रीकी देश।
- ✓ किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण सीमा में वृद्धि किसानों को आर्थिक रूप से सहायता प्रदान करने के लिए, संशोधित ब्याज अनुदान योजना (MISS) के तहत ऋण सीमा किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से लिए गए ऋण के लिए ₹3 लाख से बढ़ाकर ₹5 लाख कर दी गई है।
- ✓ केसीसी योजना वर्तमान में 7.7 करोड़ किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों को लाभान्वित करती है।
- ✓ यह कृषि गतिविधियों के लिए पर्याप्त और समय पर ऋण सुनिश्चित करती है। इन उपायों का उद्देश्य घरेलू दाल उत्पादन को बढ़ावा देकर और किसानों को बेहतर वित्तीय सहायता प्रदान करके भारत के कृषि क्षेत्र को मजबूत करना है।

शिक्षा और बुनियादी ढांचे के लिए प्रमुख घोषणाएँ

- 1 **कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र:** केंद्र युवाओं को वैश्विक अवसरों से लैस करने के लिए कौशल विकास के लिए पाँच राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करेगा।
- 2 **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में उत्कृष्टता केंद्र:** शिक्षा के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए ₹500 करोड़ आवंटित किए जाएंगे।
- 3 **आईआईटी के बुनियादी ढांचे का विस्तार:** 2015 के बाद स्थापित आईआईटी में बुनियादी ढांचे का विस्तार होगा, जिससे पाँच आईआईटी में 6,500 और छात्रों के लिए क्षमता बढ़ेगी। पिछले एक दशक में 23 आईआईटी में कुल छात्र क्षमता दोगुनी होकर 65,000 से 1.35 लाख हो गई है।
- 4 **कौशल विकास पहल:** व्यावहारिक शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 50,000 अटल टिकरिंग लैब स्थापित की जाएंगी।
- 5 **राज्य बुनियादी ढांचे के विकास के लिए ब्याज मुक्त ऋण**
- 6 **बुनियादी ढांचे के विकास के लिए राज्यों को 50 साल के ब्याज मुक्त ऋण के लिए ₹1.5 लाख करोड़ प्रदान किए जाएंगे।**
- 7 **नई परियोजनाओं के लिए परिसंपत्ति मुद्रीकरण योजना:** 2025-30 की अवधि के लिए परिसंपत्ति मुद्रीकरण योजना नई परियोजनाओं में ₹10 लाख करोड़ का निवेश करेगी।
- 8 **जल जीवन मिशन:** 100% कवरेज प्राप्त करने के लिए जल जीवन मिशन के लिए बजट परिव्यय बढ़ाया जाएगा।

शहरी विकास और आवास के लिए प्रमुख घोषणाएँ

शहरी चुनौती निधि और आवास पहल

- ✓ शहरों को "विकास केंद्र" में बदलने के लिए ₹1 लाख करोड़ का शहरी चुनौती निधि।
- ✓ 100,000 अटकी हुई आवासीय इकाइयों के निर्माण के लिए ₹15,000 करोड़ का SWAMIH 2.0 निधि (किफ़ायती और मध्यम आय वाले आवास के लिए विशेष विंडो)

पीएम स्वनिधि योजना का पुनर्गठन

- ✓ पीएम स्वनिधि योजना को बेहतर ऋण, UPI-लिंकड क्रेडिट कार्ड और क्षमता निर्माण सहायता के साथ नया रूप दिया जाएगा।
- ✓ रेहड़ी-पटरी वालों के लिए ₹80,000 का बिना किसी जमानत के ऋण उपलब्ध है, जिसमें नियमित पुनर्भुगतान और डिजिटल लेनदेन के लिए प्रोत्साहन शामिल हैं।

गिग इकॉनमी वर्कर्स के लिए सहायता

- ✓ गिग वर्कर्स के लिए पहचान पत्र जारी करना और ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण।
- ✓ पीएम जन आरोग्य योजना के तहत 10 मिलियन गिग इकॉनमी वर्कर्स के लिए बीमा कवरेज।

पीएम स्वनिधि योजना की मुख्य विशेषताएं

- ✓ 2020 में शुरू की गई यह योजना स्ट्रीट वेंडर्स को माइक्रो-क्रेडिट सहायता प्रदान करती है।
- ✓ जुलाई 2024 तक ₹11,680 करोड़ की राशि के 86 लाख से अधिक ऋण वितरित किए जा चुके हैं।

बजट घोषणाओं में कोई उल्लेख नहीं:

शहरी आजीविका मिशन या DAY-NULM 2.0 का कोई उल्लेख नहीं है।

बजट 2025 में परमाणु ऊर्जा मिशन: अनुसंधान और विकास के लिए 20,000 करोड़ रुपये आवंटित

राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा मिशन

- ✓ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा मिशन के तहत छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) के अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए 20,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।
- ✓ इस मिशन का लक्ष्य 2033 तक पांच एसएमआर को चालू करना और 2047 तक 100 गीगावाट की परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता हासिल करना है।

फेलोशिप और नए मिशन

- ✓ वित्त मंत्री ने अगले पांच वर्षों में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) और भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) में तकनीकी अनुसंधान के लिए 10,000 फेलोशिप की घोषणा की।

- ✓ बजट में पांडुलिपि विरासत के सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण और संरक्षण के लिए एक राष्ट्रीय स्थानिक मिशन और ज्ञान भारत मिशन की स्थापना का भी प्रस्ताव है।

निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए संशोधन

- ✓ निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए, सरकार परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम में संशोधन करने की योजना बना रही है।
- ✓ दिसंबर 2024 में, भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (NPCIL) ने भारत लघु रिएक्टर (BSR) स्थापित करने के लिए निजी खिलाड़ियों से प्रस्ताव आमंत्रित किए, जो भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को विकेंद्रीकृत करने के लिए एक कदम का संकेत है।

परमाणु ऊर्जा क्षमता में वृद्धि

- ✓ भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता 2031-32 तक 8,180 मेगावाट से बढ़कर 22,480 मेगावाट हो जाएगी, जिसका लक्ष्य 2047 तक 100 गीगावाट तक पहुँचना है।
- ✓ यह विस्तार 2030 तक उत्सर्जन तीव्रता को 45% तक कम करने और बिजली क्षेत्र में गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों को बढ़ाने की भारत की प्रतिबद्धता का समर्थन करता है।

परमाणु ऊर्जा को समझना

- ✓ परमाणु ऊर्जा एक शून्य-उत्सर्जन स्वच्छ ऊर्जा स्रोत है जो यूरेनियम परमाणुओं के विखंडन के माध्यम से उत्पन्न होता है, जो बिजली उत्पन्न करने के लिए गर्मी पैदा करता है।
- ✓ PHWR (प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर) तकनीक का उपयोग जीवाश्म ईंधन की तुलना में कम हानिकारक उप-उत्पादों के साथ परमाणु ऊर्जा का उत्पादन करने के लिए किया जाता है।

जीवन रक्षक दवाओं और सीमा शुल्क छूट पर प्रमुख घोषणाएँ

जीवन रक्षक दवाओं पर छूट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि कैंसर और दुर्लभ बीमारियों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं सहित 36 जीवन रक्षक दवाओं को मूल सीमा शुल्क से छूट दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, आगामी वित्तीय वर्ष में 37 और दवाओं को छूट दी जाएगी।

महत्वपूर्ण दवाओं पर शुल्क में कमी

ट्रास्टुजुमैब डेरक्सटेकन, ओसिमर्टिनिब और डर्बालुमैब पर सीमा शुल्क को पहले के 10% से घटाकर शून्य कर दिया गया, ताकि मरीजों पर बोझ कम हो सके।

छह जीवन रक्षक दवाओं पर रियायती शुल्क

छह अतिरिक्त जीवन रक्षक दवाओं पर 5% की रियायती सीमा शुल्क लगेगा।

जहाज निर्माण पर सीमा शुल्क में छूट

जहाज निर्माण में इस्तेमाल होने वाले इनपुट और घटकों के लिए सीमा शुल्क में छूट को अगले 10 वर्षों के लिए बढ़ाया जाएगा, जिससे घरेलू जहाज निर्माण को बढ़ावा मिलेगा।

इंटरएक्टिव फ्लैट पैनल डिस्प्ले पर सीमा शुल्क

इंटरएक्टिव फ्लैट पैनल डिस्प्ले पर मूल सीमा शुल्क दोगुना करके 20% कर दिया गया है।

हस्तशिल्प और चमड़ा निर्यात को बढ़ावा

चमड़े के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए गीले नीले चमड़े पर पूर्ण सीमा शुल्क छूट के साथ-साथ हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने की योजना की घोषणा की गई।

महत्वपूर्ण खनिजों पर आयात शुल्क हटाना

लिथियम-आयन बैटरी स्कैप, कोबाल्ट उत्पाद, एलईडी और जिंक सहित 12 महत्वपूर्ण खनिजों पर आयात शुल्क हटा दिया जाएगा।

समाज कल्याण अधिभार से छूट का प्रस्ताव

सीतारमण ने 82 टैरिफ लाइनों पर सामाजिक कल्याण अधिभार से छूट देने का प्रस्ताव रखा, जो वर्तमान में उपकर के अधीन हैं।

ईवी और मोबाइल फोन बैटरी विनिर्माण को बढ़ावा

वित्त मंत्री ने लिथियम-आयन बैटरी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बैटरी विनिर्माण के लिए 35 अतिरिक्त पूंजीगत सामान और मोबाइल फोन बैटरी विनिर्माण के लिए 28 अतिरिक्त पूंजीगत सामान जोड़ने का प्रस्ताव रखा।

संशोधित उड़ान योजना: अगले 10 वर्षों में 120 नए गंतव्यों को जोड़ा जाएगा

उड़ान योजना का विस्तार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि संशोधित उड़ान योजना अगले 10 वर्षों में 120 नए गंतव्यों को जोड़ेगी और अतिरिक्त 4 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करेगी।

बिहार में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों का विकास

सरकार बुनियादी ढांचे की जरूरतों को पूरा करने, राज्य और राष्ट्रीय दोनों कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए बिहार में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों के विकास में सहायता करेगी। बोधगया को एक प्रमुख आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

उड़ान की पिछली सफलता

2016 में शुरू की गई उड़ान योजना ने 88 छोटे शहरों को हवाई अड्डों के माध्यम से सफलतापूर्वक जोड़ा है, जिससे 1.4 करोड़ से अधिक यात्रियों को सेवा मिली है। अब तक 2 जल हवाई अड्डों और 13 हेलीपोर्ट सहित 619 मार्गों का संचालन किया जा चुका है।

उड़ान के लिए बजट आवंटन

2025-26 में उड़ान के लिए 530 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित किया गया है, जो पहले आवंटित 502 करोड़ रुपये से अधिक है, और 2024-25 के लिए संशोधित अनुमान 800 करोड़ रुपये से अधिक है।

हवाई अड्डे के विकास के लिए पूंजीगत व्यय

वित्त वर्ष 20 से वित्त वर्ष 25 तक हवाई अड्डे के विकास के लिए 91,000 करोड़ रुपये से अधिक की पूंजीगत व्यय योजना चल रही है, जिसमें नवंबर 2024 तक योजना का 91% हासिल किया जाएगा।

बिहार के बुनियादी ढांचे पर ध्यान

इस विस्तार में पटना हवाई अड्डे को अपग्रेड करना और राज्य में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे की परियोजनाओं के अलावा बिहटा में एक ब्राउनफील्ड हवाई अड्डे का विकास करना शामिल होगा।

स्वास्थ्य सेवा, रक्षा और बुनियादी ढांचे के विकास पर क्षेत्रवार आवंटन का ध्यान

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 1 फरवरी, 2025 को प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2025, आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण आवंटन की रूपरेखा तैयार करता है। नीचे प्रमुख क्षेत्रवार आवंटन का सारांश दिया गया है:

मुख्य पहल:

- कमजोर आबादी के लिए स्वास्थ्य कवरेज बढ़ाने के लिए ₹4,200 करोड़ के आवंटन के साथ आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) का विस्तार।
- उपचार की सुलभता में सुधार के लिए अगले तीन वर्षों में जिला अस्पतालों में 200 डेकेयर कैंसर केंद्रों की स्थापना।
- अगले वर्ष 10,000 नई मेडिकल सीटें शुरू की जाएंगी, जिसमें स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों की कमी को दूर करने के लिए पांच वर्षों में कुल 75,000 सीटें बढ़ाने की योजना है।

1. स्वास्थ्य सेवा: कुल आवंटन: ₹98,311 करोड़, पिछले वित्तीय वर्ष में ₹89,287 करोड़ से वृद्धि।
2. रक्षा: कुल आवंटन: ₹4,91,732 करोड़।
3. ग्रामीण विकास: कुल आवंटन: ₹2,66,817 करोड़।
4. गृह मंत्रालय: कुल आवंटन: ₹2,33,211 करोड़।

5. कृषि और संबद्ध गतिविधियाँ: कुल आवंटन: ₹1,48,000 करोड़।
6. शिक्षा: कुल आवंटन: ₹1,10,000 करोड़।
7. बुनियादी ढांचा विकास: कुल आवंटन: ₹1,00,000 करोड़।
8. ऊर्जा क्षेत्र: कुल आवंटन: ₹80,000 करोड़।
9. समाज कल्याण: कुल आवंटन: ₹70,000 करोड़।
10. परिवहन और संपर्क: कुल आवंटन: ₹60,000 करोड़।
11. विज्ञान और प्रौद्योगिकी: कुल आवंटन: ₹50,000 करोड़।
12. पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन: कुल आवंटन: ₹40,000 करोड़।
13. पर्यटन और संस्कृति: कुल आवंटन: ₹30,000 करोड़।
14. वित्तीय सेवाएँ: कुल आवंटन: ₹20,000 करोड़।
15. आवास और शहरी मामले: कुल आवंटन: ₹10,000 करोड़।

कैसे खर्च होगा केंद्र सरकार का पैसा
2025-26 के लिए बजट अनुमान, ₹ करोड़ में

कुल: 50,65,345	व्याज	12,76,338	वैज्ञानिक विभाग	55,679
	परिवहन	5,48,649	विदेश मामले	20,517
	रक्षा	4,91,732	पूर्वोत्तर का विकास	5,915
	प्रमुख सखिडी	3,83,407	अन्य	4,82,653
	पेंशन	2,76,618		
	ग्रामीण विकास	2,66,817		
	गृह (संघ राज्य क्षेत्र सहित)	2,33,211		
	कर प्रशासन	1,86,632		
	कृषि और संबद्ध कार्यकलाप	1,71,437		
	शिक्षा	1,28,650		
	स्वास्थ्य	98,311		
	शहरी विकास	96,777		
	आईटी और दूरसंचार	95,298		
	ऊर्जा	81,174		
	वाणिज्य और उद्योग	65,553		
	वित्त	62,924		
	सामाजिक कल्याण	60,052		

केन्द्रीय राजस्व एवं व्यय

रुपया आता है (Income) → रुपया जाता है (Expenditure)

उधार और अन्य देयताएं:	24	केन्द्रीय प्रायोजित योजनाएं:	8
निगम कर:	17	केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाएं:	16
आय कर:	22	व्याज अदायगी:	20
सीमा शुल्क:	4	रक्षा:	8
केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क:	5	आर्थिक सहायता:	6
जीएसटी और अन्य कर:	18	वित्त आयोग और अन्य अंतरण:	8
कर-भिन्न प्राप्तियां:	9	करों और शुल्कों में राज्यों का हिस्सा:	22
ऋण-भिन्न पूंजी प्राप्तियां:	1	पेंशन:	4
		अन्य व्यय:	8

केंद्रीय बजट 2025-26 विश्लेषण

श्रेणी	मुख्य बिंदु
◆ वित्तीय अवलोकन	
कुल व्यय	₹50.65 लाख करोड़ (+7.4% वृद्धि)
राजस्व प्राप्ति	₹34.96 लाख करोड़ (+11.1%)
राजस्व घाटा	1.5% जीडीपी (2024-25 में 1.9%)
राजकोषीय घाटा	4.4% जीडीपी (2024-25 में 4.8%)
परिणामी जीडीपी वृद्धि	10.1%
बकाया सरकारी ऋण	56.1% जीडीपी , 2031 तक इसे 50% तक घटाने का लक्ष्य
◆ कर एवं वित्तीय नीतियां	
आयकर सुधार	₹12 लाख तक की आय पर 100% छूट (पहले ₹7 लाख तक)
नए कर स्लैब	<ul style="list-style-type: none"> - 5%: ₹4-8 लाख - 10%: ₹8-12 लाख - 15%: ₹12-16 लाख - 20%: ₹16-20 लाख - 25%: ₹20-24 लाख - 30%: ₹24 लाख से अधिक
टीडीएस/टीसीएस में परिवर्तन	<ul style="list-style-type: none"> - किराए और अंतरराष्ट्रीय लेन-देन की उच्च सीमा - शिक्षा ऋण पर टीसीएस समाप्त
कस्टम ड्यूटी परिवर्तन	<ul style="list-style-type: none"> - कुछ उत्पादों पर कस्टम शुल्क कम किया गया - एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर सेस (AIDC) लागू
स्टार्टअप लाभ	कर छूट की पात्रता 1 अप्रैल 2030 तक बढ़ाई गई
◆ प्रमुख क्षेत्रीय बजट आवंटन एवं नीतियां	
🏠 वित्त एवं अर्थव्यवस्था	<ul style="list-style-type: none"> - बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा 100% तक बढ़ाई गई - नए कर सुधार विधेयक की योजना - निवेश अनुकूलता सूचकांक की शुरुआत
🌾 कृषि एवं ग्रामीण विकास	<ul style="list-style-type: none"> - जल जीवन मिशन के लिए ₹67,000 करोड़ (195% वृद्धि) - दालों में आत्मनिर्भरता के लिए 6 वर्षीय योजना - किसान क्रेडिट कार्ड लोन सीमा ₹5 लाख तक बढ़ाई गई
🏗️ बुनियादी ढांचा एवं ऊर्जा	<ul style="list-style-type: none"> - ₹1 लाख करोड़ शहरी विकास कोष - ₹25,000 करोड़ समुद्री विकास कोष - 120 नए हवाई अड्डों के लिए UDAN योजना - निजी क्षेत्र की भागीदारी के साथ ₹20,000 करोड़ न्यूक्लियर एनर्जी मिशन
🎓 शिक्षा एवं रोजगार	<ul style="list-style-type: none"> - 10,000 नए मेडिकल सीटें, 5 वर्षों में 75,000 सीटें - ₹1,28,650 करोड़ शिक्षा क्षेत्र के लिए (+12.8%) - IIT/IISc अनुसंधान के लिए 10,000 पीएम रिसर्च फेलोशिप - स्ट्रीट वेंडर्स के लिए UPI-लिंकड क्रेडिट कार्ड

श्रेणी	मुख्य बिंदु
💡 डिजिटल अर्थव्यवस्था एवं विज्ञान	- सभी ग्रामीण स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी - राष्ट्रीय भू-स्थानिक मिशन भूमि रिकॉर्ड्स के आधुनिकीकरण के लिए - डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार
◆ सरकारी ऋण एवं घाटे की रणनीति	
सरकारी ऋण-से-जीडीपी लक्ष्य	2031 तक 50% पर लाने का लक्ष्य (वर्तमान में 56.1%)
प्राथमिक घाटा	0.8% जीडीपी (2024-25 में 1.3%)
विनिवेश लक्ष्य	₹47,000 करोड़ (पिछले वर्ष ₹50,000 करोड़ से कम)
◆ सामाजिक कल्याण एवं ग्रामीण योजनाएं	
मनरेगा (रोजगार योजना)	₹86,000 करोड़ (2024-25 जैसा ही)
पीएम-किसान (किसानों को नकद सहायता)	₹63,500 करोड़ (कोई बदलाव नहीं)
प्रधानमंत्री आवास योजना	₹78,126 करोड़ (+64%)
नए रोजगार सृजन कार्यक्रम	₹20,000 करोड़ (+194%)
महिला एवं बाल कल्याण	₹5,65,161 करोड़ (+18.5%)
SC/ST कल्याण	- SC कल्याण: ₹1,68,478 करोड़ (+21.8%) - ST कल्याण: ₹1,29,250 करोड़ (+19.8%)
◆ मंत्रालय-वार बजट आवंटन	
रक्षा मंत्रालय	₹6,81,210 करोड़ (+6.3%)
सड़क परिवहन एवं राजमार्ग	₹2,87,333 करोड़ (+2.4%)
रेलवे	₹2,55,445 करोड़ (कोई वृद्धि नहीं)
गृह मंत्रालय	₹2,33,211 करोड़ (+5.8%)
खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण	₹2,15,767 करोड़ (+1.4%)
ग्रामीण विकास मंत्रालय	₹1,90,406 करोड़ (+8.3%)
शिक्षा मंत्रालय	₹1,28,650 करोड़ (+12.8%)
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	₹99,859 करोड़ (+11%)
जल शक्ति मंत्रालय	₹99,503 करोड़ (+93%)
आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय	₹96,777 करोड़ (+52%)

मुख्य निष्कर्ष

- ✓ संतुलित बजट: वित्तीय स्थिरता, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर ध्यान केंद्रित।
- ✓ कर राजस्व में वृद्धि: आयकर, जीएसटी और कॉर्पोरेट कर से **11.1%** वृद्धि का अनुमान।
- ✓ बुनियादी ढांचा निवेश बढ़ा: शहरी विकास, परिवहन और स्वच्छ ऊर्जा में भारी निवेश।
- ✓ स्टार्टअप और MSME को समर्थन: कर छूट, उच्च क्रेडिट एक्सेस, और बिजनेस रिफॉर्म्स।
- ✓ शिक्षा एवं रोजगार पर ध्यान: अधिक मेडिकल सीटें, डिजिटल शिक्षा, और नए रोजगार कार्यक्रम।

आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25

वित्त मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 में भारत की आर्थिक प्रगति, वित्तीय नीतियों, बुनियादी ढांचे, और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया है।

प्रमुख आर्थिक संकेतक

वास्तविक GDP वृद्धि: FY25 में 6.4%, और FY26 में 6.3-6.8% रहने का अनुमान।

खुदरा मुद्रास्फीति: FY24 में 5.4% से घटकर FY25 में 4.9% हुई, RBI का लक्ष्य FY26 में 4%।

बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र:

क्रेडिट ग्रोथ स्थिर, जमा वृद्धि के अनुरूप।

एनपीए (डूबत ऋण) 12 वर्षों में सबसे कम - 2.6%।

₹3.6 लाख करोड़ का समाधान दीवालिया संहिता (IBC) के तहत।

शेयर बाजार की मजबूती:

BSE मार्केट कैप टू GDP अनुपात - 136% (चीन - 65%, ब्राजील - 37%)।

₹11.1 लाख करोड़ पूंजी बाजार से जुटाए गए (5% वार्षिक वृद्धि)।
विदेशी मुद्रा भंडार: \$640.3 बिलियन, जो 10.9 महीनों के आयात के लिए पर्याप्त।

निर्यात प्रदर्शन:

कुल निर्यात - 6% वृद्धि।

सेवाएं - 11.6% YOY वृद्धि।

बुनियादी ढांचा और निवेश

पूंजीगत व्यय (CAPEX) वृद्धि: FY20-FY24 में 38.8% वृद्धि।

निजी क्षेत्र की भागीदारी आवश्यक दीर्घकालिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए।

रेलवे और सड़कें:

2024 में 2,031 किमी रेल नेटवर्क का विस्तार।

FY25 में 5,853 किमी राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण।

नवीकरणीय ऊर्जा (Renewable Energy):

भारत की कुल स्थापित क्षमता का 47% नवीकरणीय स्रोतों से।

2005-2023 के बीच 2.29 बिलियन टन CO2 के बराबर कार्बन सिंक बनाया गया।

"जिन्दगी में तकलीफ कितनी भी हो कभी हताश मत होना
क्योंकि धूप कितनी भी तेज क्यों न हो समंदर कभी
सुखा नहीं होता !!

शिक्षा और रोजगार

सरकारी स्वास्थ्य व्यय: 29% से बढ़कर 48%, जिससे नागरिकों पर वित्तीय बोझ कम हुआ।

PM-इंटरनेशनल योजना: रोजगार को बढ़ावा देने के लिए शुरू।
बेरोजगारी दर: FY23-24 में 3.2%, जो FY17-18 में 6% थी।

कृषि और खाद्य प्रबंधन

कृषि का योगदान: GDP में 16%।

खरीफ खाद्यान्न उत्पादन: 1,647.05 LMT (पिछले वर्ष से 89.37 LMT अधिक)।

उच्चतम वृद्धि दर (CAGR):

मत्स्य पालन - 8.7%,

पशुपालन - 5.8%।

प्रौद्योगिकी और उद्योग

99% स्मार्टफोन अब भारत में निर्मित, आयात पर निर्भरता घटी।

WIPO (बौद्धिक संपदा संगठन) रिपोर्ट: भारत शीर्ष 10 पेटेंट दाखिल करने वाले देशों में छठे स्थान पर।

₹50,000 करोड़ 'आत्मनिर्भर भारत फंड' MSMEs के लिए लॉन्च।

भू-राजनीति और भविष्य की रणनीति

वैश्वीकरण की जगह "Geo-Economic Fragmentation" (GEF) ले रहा है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में पुनर्संरचना आवश्यक।

Ease of Doing Business 2.0 और SME सेक्टर के विकास पर सरकार का फोकस।

"विकसित भारत 2047" विजन के तहत गगनयान (मानव अंतरिक्ष मिशन) और चंद्रयान-4 (लूनर सैपल रिटर्न मिशन) को प्राथमिकता।

निष्कर्ष

आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, वित्तीय स्थिरता, बुनियादी ढांचे के विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों को रेखांकित करता है। सरकार डिजिटल परिवर्तन, सतत विकास, और संरचनात्मक सुधारों के माध्यम से "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कार्य कर रही है।

"मैदान में हारा हुआ इंसान फिर भी जीत सकता है !
लेकिन मन से हारा हुआ इंसान कभी नहीं जीत सकता !!

नियुक्तियाँ

सीईए के रूप में वी. अनंथा नागेश्वरन का कार्यकाल 2 वर्ष बढ़ाकर मार्च 2027 तक किया गया



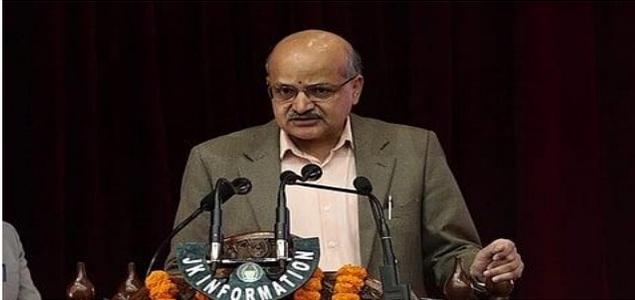
मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) के रूप में कार्यकाल का विस्तार:

भारत सरकार ने मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए), वी. अनंथा नागेश्वरन का कार्यकाल दो वर्ष बढ़ाकर मार्च 2027 तक कर दिया है।

सीईए के रूप में नागेश्वरन की भूमिका:

वी. अनंथा नागेश्वरन ने जनवरी 2022 में मुख्य आर्थिक सलाहकार की भूमिका संभाली। सीईए के रूप में, वे वार्षिक आर्थिक सर्वेक्षण तैयार करने के लिए जिम्मेदार हैं, जिसे केंद्रीय बजट से पहले प्रस्तुत किया जाता है।

नीति आयोग के सीईओ सुब्रह्मण्यम को एक साल का विस्तार मिला



भारत सरकार ने नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है, जो 24 फरवरी, 2025 से आगे प्रभावी होगा।

- नियुक्ति: छत्तीसगढ़ कैडर के सेवानिवृत्त 1987 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी सुब्रह्मण्यम को शुरू में फरवरी 2023 में दो साल के कार्यकाल के लिए नीति आयोग के सीईओ के रूप में नियुक्त किया गया था।
- विस्तार: कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने उनके कार्यकाल को एक साल के लिए बढ़ाने को मंजूरी दे दी है, जिससे उनका कार्यकाल 24 फरवरी, 2026 तक बढ़ गया है।
- यह विस्तार सुब्रह्मण्यम के नेतृत्व और नीति आयोग की पहलों को आगे बढ़ाने में उनकी भूमिका में सरकार के विश्वास को दर्शाता है।

काश पटेल को FBI निदेशक नियुक्त किया गया



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के वफादार काश पटेल को संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रमुख संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसी, संघीय जांच ब्यूरो (FBI) के 9वें निदेशक के रूप में चुना गया है। उनकी नियुक्ति को अमेरिकी सीनेट द्वारा संकीर्ण रूप से पुष्टि की गई थी। राजनीतिक तटस्थता सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किए गए FBI नियमों के अनुसार, पटेल 10 साल का कार्यकाल पूरा करेंगे।

पेशेवर पृष्ठभूमि

काश पटेल ने पहले निम्न पदों पर कार्य किया है:

- अमेरिकी रक्षा विभाग में चीफ ऑफ स्टाफ
- राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और इंटेलिजेंस पर हाउस परमानेंट सेलेक्ट कमेटी (HPSCI) के लिए वरिष्ठ वकील
- पूर्व संघीय डिफेंडर

भारत आईएएलए का उपाध्यक्ष चुना गया



भारत को सिंगापुर में आयोजित अपनी पहली आम सभा के दौरान समुद्री नौवहन सहायता के अंतरराष्ट्रीय संघ (आईएएलए) का उपाध्यक्ष चुना गया है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव टी.के. रामचंद्रन कर रहे हैं।

चुनाव का महत्व

यह चुनाव समुद्री सुरक्षा, नौवहन सहायता में वृद्धि और समुद्री क्षेत्र में वैश्विक सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह समुद्री मामलों में भारत के नेतृत्व और टिकाऊ और सुरक्षित समुद्री नौवहन के प्रति उसके समर्पण को भी पुष्ट करता है।

आगामी कार्यक्रम

भारत दिसंबर 2025 में IALA परिषद की बैठक की मेजबानी करने वाला है और सितंबर 2027 में मुंबई में IALA सम्मेलन और आम सभा का आयोजन भी करेगा।

IALA:

- पूरा नाम: इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ मरीन एड्स टू नेविगेशन एंड लाइटहाउस अथॉरिटीज (IALA)
- स्थापना: 1957
- मुख्यालय: सेंट-जर्मेन-एन-ले, फ्रांस
- प्रकार: अंतर-सरकारी संगठन (2021 से, पहले एक गैर-सरकारी संगठन)
- सदस्यता: इसमें दुनिया भर के राष्ट्रीय प्राधिकरण, उद्योग भागीदार और वैज्ञानिक संगठन शामिल हैं

उद्देश्य और कार्य

मुख्य लक्ष्य: मानकीकृत समुद्री नेविगेशन सहायता (AtoN) के माध्यम से समुद्र में नेविगेशन की सुरक्षा, दक्षता और स्थिरता में सुधार करना।

रेखा गुप्ता दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री बनीं



हाल ही में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में शालीमार बाग सीट जीतने के बाद रेखा गुप्ता को दिल्ली की नई मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया है। उन्होंने 1992 में दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) के माध्यम से अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया और बाद में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (DUSU) की अध्यक्ष बनीं। उन्होंने दिल्ली में भाजपा महिला मोर्चा की महासचिव के रूप में भी काम किया है।

चुनावी जीत

5 फरवरी को हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में गुप्ता ने शालीमार बाग सीट पर आम आदमी पार्टी (AAP) की उम्मीदवार बंदना कुमारी के खिलाफ 29,000 से अधिक वोट हासिल किए। भाजपा की शानदार जीत के बाद, 11 दिन बाद उनके नाम की घोषणा मुख्यमंत्री के रूप में की गई, जिससे दिल्ली में AAP का 10 साल का शासन खत्म हो गया।

नियुक्ति का महत्व

इस नियुक्ति के साथ, रेखा गुप्ता दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री बन गई हैं और मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा और सुषमा स्वराज के बाद यह पद संभालने वाली चौथी भाजपा नेता हैं। वह किसी भी भाजपा शासित राज्य की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री भी होंगी।

ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त



राजीव कुमार का कार्यकाल समाप्त होने के बाद चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को नया मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) नियुक्त किया गया है। ज्ञानेश कुमार केरल कैडर के 1988 बैच के पूर्व आईएस अधिकारी हैं और इससे पहले संसदीय कार्य मंत्रालय में सचिव के पद पर कार्यरत रह चुके हैं। इसके अतिरिक्त, हरियाणा कैडर के 1989 बैच के आईएस अधिकारी डॉ. विवेक जोशी को नया चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्तियाँ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने की हैं।

सीईसी और ईसी के लिए नई चयन प्रक्रिया

मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक चयन समिति की सिफारिश के आधार पर की जाती है। इस समिति में निम्नलिखित शामिल हैं:

प्रधानमंत्री (अध्यक्ष)

एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री

विपक्ष के नेता या लोकसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली एक खोज समिति, चयन समिति को विचार के लिए नामों का एक पैनेल प्रस्तावित करती है।

पिछली नियुक्ति प्रक्रिया

2023 अधिनियम के लागू होने से पहले, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति चुनाव आयोग (चुनाव आयुक्तों की सेवा की शर्तों और कामकाज का संचालन) अधिनियम, 1991 द्वारा विनियमित की जाती थी। हालाँकि, इस अधिनियम में चयन प्रक्रिया को परिभाषित नहीं किया गया था। परिणामस्वरूप, राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद की सलाह के आधार पर चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की।

2023 अधिनियम के तहत मुख्य परिवर्तन

- वेतन संरचना: 1991 अधिनियम के तहत, चुनाव आयुक्तों को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के बराबर वेतन मिलता था। 2023 अधिनियम अब उनके वेतन और सेवा शर्तों को कैबिनेट सचिव के बराबर करता है।
- पात्रता मानदंड: नया अधिनियम मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के लिए विशिष्ट योग्यताएं प्रस्तुत करता है, जिसके तहत उम्मीदवारों को:
 - ईमानदार व्यक्ति होना चाहिए
 - चुनाव प्रबंधन में ज्ञान और अनुभव होना चाहिए
 - सरकार का सचिव (या समकक्ष) होना चाहिए या रहा हो

अपरिवर्तित प्रावधान

नए अधिनियम के बावजूद, कुछ प्रावधान अपरिवर्तित बने हुए हैं: कार्यकाल और पुनर्नियुक्ति: कार्यकाल छह वर्ष या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक जारी रहेगा। पुनर्नियुक्ति की अनुमति नहीं है।

हटाने की प्रक्रिया: मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान ही रहेगी, जबकि चुनाव आयुक्तों को केवल मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारिश पर ही हटाया जा सकता है।

चयन प्रक्रिया में बदलाव का कारण

सुप्रीम कोर्ट ने अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ के फैसले में कहा कि चुनाव आयोग एक स्वतंत्र निकाय है और इसकी चयन प्रक्रिया को पूरी तरह से कार्यपालिका द्वारा नियंत्रित नहीं किया जाना चाहिए। कोर्ट ने सुझाव दिया कि संसद चयन प्रक्रिया को परिभाषित करने के लिए एक कानून बनाए।

जब तक ऐसा कानून नहीं बन जाता, सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि राष्ट्रपति द्वारा एक चयन समिति की सिफारिश के आधार पर नियुक्तियाँ की जाएँ, जिसमें शामिल हैं:

- प्रधानमंत्री
- लोकसभा में विपक्ष के नेता
- भारत के मुख्य न्यायाधीश

विवाद और कानूनी चुनौती

2023 अधिनियम ने चयन समिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश की जगह प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री को नियुक्त किया, जिससे नियुक्तियों पर कार्यपालिका का नियंत्रण बढ़ गया। इस परिवर्तन के कारण कानून की वैधता को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएँ दायर की गईं। सर्वोच्च न्यायालय ने मार्च 2024 में चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों पर रोक लगाने से इनकार करते हुए मामले की सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त की है, जिस पर अंतिम निर्णय अभी भी लंबित है।

पीडी सिंह को स्टैंडर्ड चार्टर्ड इंडिया का सीईओ नियुक्त किया गया



पीडी सिंह को 1 अप्रैल, 2025 से प्रभावी रूप से स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक इंडिया का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया गया है। वे जरीन दारूवाला की जगह लेंगे, जो 2016 से भारत में सीईओ के रूप में काम करने के बाद 31 मार्च को सेवानिवृत्त होने वाली हैं।

सिंह का अनुभव

सिंह के पास बैंकिंग का तीन दशकों से ज़्यादा का अनुभव है और वे इससे पहले भारत में जेपी मॉर्गन चैस बैंक के सीईओ के रूप

में काम कर चुके हैं, जहाँ उन्होंने कॉर्पोरेट बैंकिंग फ्रैंचाइज़ को आकार देने में अहम भूमिका निभाई थी। इससे पहले, उन्होंने कॉर्पोरेट और वाणिज्यिक बैंकिंग में HSBC में नेतृत्व की भूमिकाएँ निभाईं।

ग्रीस ने कॉन्स्टेंटाइन टैसौलस को नया राष्ट्रपति चुना



हेलेनिक संसद ने कॉन्स्टेंटाइन टैसौलस को ग्रीस का नया राष्ट्रपति चुना, जो कैटरीना सकेलारोपोलू का स्थान लेंगे। 66 वर्षीय टैसौलस, एक वकील और सेंटर-राइट न्यू डेमोक्रेसी पार्टी के सदस्य हैं, जिन्होंने 300 सदस्यीय संसद में 160 वोट हासिल किए।

राजनीतिक करियर:

- संसदीय अध्यक्ष: टैसौलस ने 2019 से हेलेनिक संसद के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है।
- मंत्री की भूमिकाएँ: उन्होंने 2014 में संस्कृति और खेल मंत्री का पद संभाला, जिसके दौरान उन्होंने ब्रिटिश संग्रहालय से पार्थेनन मूर्तियों को पुनः प्राप्त करने के ग्रीस के अभियान को पुनर्जीवित किया।

सांस्कृतिक विरासत की वकालत:

संस्कृति मंत्री के रूप में, टैसौलस ने 2,500 साल पुरानी पार्थेनन मूर्तियों, जिन्हें एल्विन मारबल्स के नाम से भी जाना जाता है, की वापसी के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए वकील अमल क्लूनी सहित अंतर्राष्ट्रीय हस्तियों के साथ सहयोग किया। ग्रीस में राष्ट्रपति की भूमिका काफी हद तक औपचारिक होती है, जिसमें राष्ट्रपति राज्य के प्रमुख के रूप में कार्य करता है और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक होता है। तस्सौलास को 13 मार्च, 2025 को शपथ दिलाई जाएगी।

इली बोलोजान को रोमानिया का अंतरिम राष्ट्रपति नियुक्त किया गया



सेंट्रिस्ट लिबरल पार्टी के नेता इली बोलोजान को रोमानिया का अंतरिम राष्ट्रपति नियुक्त किया गया है। इससे पहले वे सीनेट स्पीकर, मेयर और काउंटी काउंसिल हेड के पद पर रह चुके हैं। यह बदलाव कोट्रोसेनी पैलेस में हुआ, जहाँ बोलोजान ने आधिकारिक तौर पर रोमानिया के अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने से पहले इओहन्निस से मुलाकात की।

बदलाव का कारण

क्लॉस इओहन्निस द्वारा विपक्षी दलों द्वारा महाभियोग के प्रयास से बचने के लिए राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद बोलोजान ने पदभार संभाला।

रोमानिया

- राजधानी: बुखारेस्ट
- आधिकारिक भाषा: रोमानियाई
- मुद्रा: रोमानियाई ल्यू (RON)
- सरकार का प्रकार: एकात्मक अर्ध-राष्ट्रपति गणराज्य

इतिहास और संस्कृति

- स्वतंत्रता: 1877 में ओटोमन साम्राज्य से पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त की
- यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल हुआ: 2007

नोकिया ने इंटेल् के एआई प्रमुख होटार्ड को नया सीईओ नियुक्त किया



नोकिया ने 1 अप्रैल, 2025 से प्रभावी रूप से अपने नए अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में जस्टिन होटार्ड की नियुक्ति की घोषणा की है, जो इंटेल् के पूर्व कार्यकारी उपाध्यक्ष और डेटा सेंटर और एआई समूह के महाप्रबंधक थे। होटार्ड पेक्का लुंडमार्क का स्थान लेंगे, जिन्होंने अगस्त 2020 से कंपनी का नेतृत्व किया है। नोकिया के बोर्ड की अध्यक्ष सारी बाल्डौफ ने विकास को गति देने में होटार्ड के व्यापक अनुभव और एआई और डेटा सेंटर में उनकी विशेषज्ञता पर प्रकाश डाला, जो नोकिया के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण माने जाने वाले क्षेत्र हैं। इंटेल् में अपने कार्यकाल से पहले, होटार्ड ने हेवलेट पैकर्ड एंटरप्राइज में महत्वपूर्ण नेतृत्व भूमिकाएँ निभाईं, जहाँ उन्होंने उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग और एआई पर ध्यान केंद्रित किया। प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उनके विविध अनुभव से नोकिया की रणनीतिक पहलों को आगे बढ़ाने की उम्मीद है।

रूस ने दिमित्री बाकानोव को रोस्कोस्मोस का नया प्रमुख नियुक्त किया



रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दिमित्री बाकानोव को यूरी बोरिसोव की जगह रोस्कोस्मोस का महानिदेशक नियुक्त किया है। क्रेमलिन के आधिकारिक टेलीग्राम चैनल के माध्यम से यह घोषणा की गई।

दिमित्री बाकानोव की पृष्ठभूमि

39 वर्षीय बाकानोव ने पहले परिवहन उप मंत्री के रूप में कार्य किया, जो मानव रहित परिवहन प्रणालियों और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करते थे। परिवहन मंत्रालय में शामिल होने से पहले उन्होंने 2011 से 2019 तक गोनेट्स सैटेलाइट सिस्टम कंपनी का नेतृत्व भी किया।

यूरी बोरिसोव के अधीन रोस्कोस्मोस

2022 से रोस्कोस्मोस का नेतृत्व करने वाले बोरिसोव ने रूस के लुना 25 चंद्रमा मिशन की देखरेख की, जो अगस्त 2023 में विफल हो गया। अपने कार्यकाल के दौरान, रोस्कोस्मोस को भ्रष्टाचार के घोटालों, उपग्रहों के नुकसान और नवाचार की कमी का सामना करना पड़ा। हालांकि, क्रेमलिन ने उनके जाने को गतिशील विकास के उद्देश्य से एक नियोजित रोटेशन के रूप में वर्णित किया।

नासा नेतृत्व में परिवर्तन

इस बीच, बिल नेल्सन, नासा प्रशासक और उप प्रशासक पाम मेलरॉय ने डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे राष्ट्रपति कार्यकाल की शुरुआत के साथ ही पद छोड़ दिया।

अंतरिम नासा प्रमुख

ट्रम्प ने कैनेडी स्पेस सेंटर की पूर्व निदेशक जेनेट पेट्रो को पहली महिला कार्यकारी नासा प्रशासक नियुक्त किया। वह अमेरिकी सीनेट द्वारा नए प्रशासक की पुष्टि होने तक नासा के संचालन की देखरेख करेंगी।

नए नासा प्रशासक का नामांकन

दिसंबर 2024 में, ट्रम्प ने उद्यमी और वाणिज्यिक अंतरिक्ष यात्री जेरेड इसाकमैन को अगले नासा प्रशासक के रूप में नामित किया। उनकी पुष्टि सीनेट की मंजूरी के लिए लंबित है।

रोस्कोसमोस

- मुख्यालय: मास्को, रूस
- स्थापना: 25 फरवरी 1992
- सहायक: एनपीओ एनर्जोमाश
- महानिदेशक: यूरी बोरिसोव

बार्ट डी वेवर ने बेल्जियम के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली



बार्ट डी वेवर ने बेल्जियम के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है।

गठबंधन सरकार और कैबिनेट संरचना

डी वेवर की सरकार पांच दलों का गठबंधन है, जिसमें सात फ्रैंकोफोन मंत्री और सात फ्लेमिश मंत्री हैं। 15 सदस्यीय कैबिनेट विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करती है।

सरकार का एजेंडा

नई सरकार के एजेंडे में बजट सुधार, सख्त प्रवासन नीतियां और बेल्जियम में दबाव वाले मुद्दों को संबोधित करने के लिए आर्थिक पुनर्गठन शामिल है।

लैंगिक समानता पर चिंताएं

लैंगिक समानता को लेकर चिंताएं हैं, क्योंकि 15 सदस्यीय कैबिनेट में केवल तीन महिलाओं का प्रतिनिधित्व है, जो समावेशिता और प्रतिनिधित्व के बारे में सवाल उठाती है।

राजनीतिक और भाषाई चुनौतियां

नई सरकार को बेल्जियम के भाषाई और राजनीतिक विभाजन को पाटने की चुनौती का भी सामना करना पड़ रहा है, जो देश के शासन में एक सतत मुद्दा है।

बेल्जियम:

- राजधानी: ब्रुसेल्स
- मुद्रा: यूरो (€)
- आधिकारिक भाषाएँ: डच, फ्रेंच, जर्मन
- राजा: किंग फिलिप (2025 तक)
- सदस्य: यूरोपीय संघ, नाटो, संयुक्त राष्ट्र, शेंगेन क्षेत्र
- स्वतंत्रता दिवस: 4 अक्टूबर, 1830 (नीदरलैंड से)

संक्रमण के बीच अहमद अल-शरा को सीरिया का अंतरिम राष्ट्रपति नियुक्त किया गया



सीरिया के नए अधिकारियों ने 8 दिसंबर को बशर अल-असद को हटाए जाने के बाद अहमद अल-शरा को अंतरिम राष्ट्रपति नियुक्त करने की घोषणा की। इस्लामिस्ट समूह हयात तहरीर अल-शाम (HTS) के नेता अल-शरा को एक संक्रमणकालीन विधायिका बनाने और एक स्थायी संविधान स्थापित होने तक संक्रमणकालीन चरण के माध्यम से देश का नेतृत्व करने का काम सौंपा गया था।

संक्रमणकालीन सरकार और विधान परिषद

राज्य मीडिया ने बताया कि शरा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सीरिया का प्रतिनिधित्व करेंगे और एक अस्थायी विधान परिषद के गठन का नेतृत्व करेंगे। असद-युग की संसद को भंग कर दिया गया और 2012 के संविधान को निलंबित कर दिया गया। यह पाँच दशकों के बाद असद के शासन के पतन के बाद शासन में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है।

सैन्य और राजनीतिक पुनर्गठन

नए अधिकारियों ने सेना, सुरक्षा एजेंसियों और बाथ पार्टी के साथ-साथ असद के निष्कासन में शामिल सभी सशस्त्र समूहों को भंग करने की भी घोषणा की। नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक नया सुरक्षा तंत्र स्थापित किया जाएगा और सीरियाई सेना का पुनर्निर्माण किया जाएगा।

सीरिया की भविष्य की प्राथमिकताएँ

एक भाषण में, शारा ने सीरिया की प्रमुख प्राथमिकताओं को रेखांकित किया, जिसमें सत्ता की कमी को भरना, नागरिक शांति को बनाए रखना, राज्य संस्थानों का पुनर्निर्माण करना और आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि चुनाव होने में चार साल तक का समय लग सकता है और देश के संविधान को फिर से लिखने में तीन साल तक का समय लग सकता है।

सोनी ने हिरोकी टोटोकी को नया सीईओ नियुक्त किया



सोनी ग्रुप कॉर्प ने हिरोकी टोटोकी को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है, जो 1 अप्रैल से प्रभावी होगा। लंबे समय से वित्त प्रमुख रहे टोटोकी, निवर्तमान सीईओ केनिचिरो योशिदा के साथ सोनी की मनोरंजन पेशकशों को बढ़ाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के बाद, मनोरंजन क्षेत्र में कंपनी के विस्तार प्रयासों का नेतृत्व करेंगे।

नेतृत्व परिवर्तन और रणनीतिक कदम

केनिचिरो योशिदा बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में बने रहेंगे, जबकि हिदेकी निशिनो सोनी के गेम और नेटवर्क सेवा प्रभाग का प्रभार संभालेंगे। हर्मेन हुल्स्ट को सोनी के गेम स्टूडियो व्यवसाय का सीईओ नियुक्त किया गया है। ये नेतृत्व परिवर्तन सोनी के

दीर्घकालिक विकास को सुरक्षित करने के लिए पुनर्गठन का हिस्सा हैं।

सोनी ग्रुप कॉर्पोरेशन:

- स्थापना: 7 मई 1946
- संस्थापक: मासारू इबुका, अकियो मोरीता
- मुख्यालय: सोनी सिटी, मिनाटो, टोक्यो, जापान
- अध्यक्ष और सीईओ: केनिचिरो योशिदा
- अध्यक्ष और सीओओ: हिरोकी टोटोकी

मारुति सुजुकी ने हिसाशी टेकुची को एमडी और सीईओ के रूप में फिर से नियुक्त किया



मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के बोर्ड ने हिसाशी टेकुची को 1 अप्रैल, 2025 से 31 मार्च, 2028 तक तीन साल की अवधि के लिए प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में फिर से नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय 29 जनवरी, 2025 को आयोजित बोर्ड मीटिंग के दौरान लिया गया।

टेकुची की नियुक्ति की पृष्ठभूमि

टेकुची ने अपने पूर्ववर्ती केनिची आयुकावा का कार्यकाल पूरा होने के बाद 1 अप्रैल, 2022 को एमडी और सीईओ की भूमिका संभाली। वे जुलाई 2019 से मारुति सुजुकी के बोर्ड में कार्यरत हैं और वर्तमान पद पर पदोन्नत होने से पहले अप्रैल 2021 में उन्हें संयुक्त प्रबंध निदेशक (वाणिज्यिक) नियुक्त किया गया था।

पेशेवर अनुभव

टेकुची 1986 में सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन (एसएमसी) में शामिल हुए और उन्हें अंतरराष्ट्रीय परिचालन, विशेष रूप से विदेशी बाजारों में व्यापक अनुभव है। उनकी विशेषज्ञता ने मारुति सुजुकी के वैश्विक परिचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड:

- स्थापना: 24 फरवरी 1981
- मुख्यालय: नई दिल्ली, भारत
- अध्यक्ष: आर. सी. भार्गव

बेलारूस के राष्ट्रपति चुनाव में लुकाशेंको ने लगातार सातवीं बार जीत दर्ज की

वर्तमान राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने लगातार सातवीं बार बेलारूसी राष्ट्रपति चुनाव जीता है। केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा जारी प्रारंभिक परिणामों के अनुसार, लुकाशेंको को 86.82% वोट

मिले। उनके प्रतिद्वंद्वियों को काफी कम प्रतिशत मिले: सर्गेई सिरानकोव (3.21%), ओलेग गेदुकेविच (2.02%), अन्ना कनोपत्सकाया (1.86%), और अलेक्जेंडर खिजन्याक (1.74%)।



संविधान संशोधन

बेलारूस के राष्ट्रपति चुनाव हर पाँच साल में होते हैं। 2022 में पेश किए गए संवैधानिक संशोधनों के अनुसार, इस चुनाव के बाद राष्ट्रपति पर दो कार्यकाल की सीमा लगाई जाएगी। हालाँकि, इस चुनाव के लिए, लुकाशेंको सातवें कार्यकाल के लिए पात्र हैं, जो 1994 में शुरू हुए उनके राष्ट्रपति पद को जारी रखते हैं।

चुनाव कानून

बेलारूस के कानून के तहत, राष्ट्रपति का चुनाव सीधे लोगों द्वारा किया जाता है। जीतने के लिए उम्मीदवार को 50% से अधिक वोट हासिल करने की आवश्यकता होती है। यदि कोई भी उम्मीदवार इसे हासिल नहीं करता है, तो दो प्रमुख उम्मीदवारों को एक रनऑफ चुनाव का सामना करना पड़ता है। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में, लुकाशेंको को 80.1% वोट के साथ अपने छठे कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया।

बेलारूस:

- राजधानी: मिन्स्क
- मुद्रा: बेलारूसी रूबल

जेपी मॉर्गन ने नितिन माहेश्वरी और रवि शंकर को भारत में निवेश बैंकिंग के सह-प्रमुख नियुक्त किया



जेपी मॉर्गन चैस एंड कंपनी ने नितिन माहेश्वरी और रवि शंकर को भारत में निवेश बैंकिंग के नए सह-प्रमुख नियुक्त किया है। यह नियुक्ति हाल ही में नवीन वाधवानी के जाने के बाद हुई है, जिन्होंने अन्य अवसरों की तलाश के लिए बैंक छोड़ दिया था।

नियुक्त व्यक्तियों की पिछली भूमिकाएँ:

नितिन माहेश्वरी भारत के लिए विलय और अधिग्रहण (M&A) और वित्तीय प्रायोजकों के प्रमुख थे। रवि शंकर देश के लिए

प्रौद्योगिकी, मीडिया, दूरसंचार और उपभोक्ता और खुदरा क्षेत्रों के प्रमुख थे।

- नई रिपोर्टिंग संरचना: नए सह-प्रमुख एशिया प्रशांत के लिए निवेश बैंकिंग के प्रमुख पॉल उरेन और भारत में जेपी मॉर्गन के वरिष्ठ देश अधिकारी कौस्तुभ कुलकर्णी को रिपोर्ट करेंगे। माहेश्वरी APAC के लिए M&A के प्रमुख रोहित चटर्जी को भी रिपोर्ट करना जारी रखेंगे।

जेपी मॉर्गन चैस:

जेपी मॉर्गन चैस एंड कंपनी एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय वित्तीय सेवा फर्म है जिसका मुख्यालय न्यूयॉर्क शहर में है और डेलावेयर में निगमित है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे बड़ा बैंक है और 2023 तक बाजार पूंजीकरण के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा बैंक है

- स्थापना: 2000
- मुख्यालय: न्यूयॉर्क शहर, संयुक्त राज्य अमेरिका
- अध्यक्ष और सीईओ: जेमी डिमन
- अध्यक्ष और सीओओ: डैनियल ई. पिंटो

पूर्व RBI गवर्नर शक्तिकांत दास को प्रधानमंत्री मोदी का प्रधान सचिव-2 नियुक्त किया गया



पूर्व RBI गवर्नर शक्तिकांत दास को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रधान सचिव-2 नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल प्रधानमंत्री के कार्यकाल के साथ या अगले आदेश तक रहेगा।

शक्तिकांत दास की पृष्ठभूमि:

- एक पूर्व IAS अधिकारी (1980 बैच, तमिलनाडु कैडर), जिन्हें राज्य और केंद्र सरकार दोनों भूमिकाओं में व्यापक अनुभव है।
- दिसंबर 2018 से भारतीय रिजर्व बैंक के 25वें गवर्नर के रूप में कार्य किया, उस अवधि के दौरान जब कोविड-19 महामारी, भू-राजनीतिक तनाव और उच्च मुद्रास्फीति सहित आर्थिक चुनौतियाँ थीं।
- पिछले साल दिसंबर में आरबीआई से सेवानिवृत्त हुए और संजय मल्होत्रा ने उनकी जगह ली।

अतिरिक्त प्रमाण-पत्र:

- लोक प्रशासन में उनके योगदान के सम्मान में, दास को 2021 में उत्कल विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टर ऑफ लेटर्स (डी लिट) की उपाधि से सम्मानित किया गया।
- प्रधानमंत्री सचिवालय के भीतर संदर्भ:

- पूर्व आईएस अधिकारी पीके मिश्रा 11 सितंबर, 2019 से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव के रूप में कार्यरत हैं।
- दास की नियुक्ति के साथ, वह प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव का पद संभालने वाले दूसरे अधिकारी बन गए हैं।

रोमानियाई राष्ट्रपति क्लॉस इओहैनिस ने राजनीतिक संकट के बीच इस्तीफा दिया



रोमानियाई राष्ट्रपति क्लॉस इओहैनिस ने लोकलुभावन विपक्षी समूहों के दबाव के बाद अपने इस्तीफे की घोषणा की। रोमानिया के शीर्ष न्यायालय द्वारा राष्ट्रपति चुनाव को रद्द करने के दो महीने बाद उनका यह फैसला आया है।

राष्ट्रपति पद और संवैधानिक न्यायालय का फैसला

65 वर्षीय इओहैनिस 2014 से पद पर हैं, उन्होंने दो पाँच-वर्षीय कार्यकाल पूरे किए हैं। 8 दिसंबर को होने वाले मतदान से ठीक दो दिन पहले संवैधानिक न्यायालय द्वारा राष्ट्रपति चुनाव रद्द किए जाने के बाद दिसंबर में उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया था।

- देश: रोमानिया, एक दक्षिणपूर्वी यूरोपीय राष्ट्र और यूरोपीय संघ (ईयू) और नाटो का सदस्य है।
- राजधानी: बुखारेस्ट रोमानिया की राजधानी और सबसे बड़ा शहर है।
- रोमानिया की मुद्रा रोमानियाई ल्यू (आरओएन) है।
- राजनीतिक व्यवस्था: रोमानिया एक अर्ध-राष्ट्रपति प्रणाली का पालन करता है, जहाँ राष्ट्रपति प्रधानमंत्री और संसद के साथ कार्यकारी शक्तियाँ साझा करता है।

भारतपे के सीएमओ पार्थ जोशी ने नया उद्यम शुरू करने के लिए इस्तीफा दिया



भारतपे के मुख्य विपणन अधिकारी (सीएमओ) पार्थ जोशी ने उपभोक्ता ब्रांड क्षेत्र में अपनी उद्यमशीलता की महत्वाकांक्षाओं

को आगे बढ़ाने के लिए इस्तीफा दे दिया है। जून 2021 में भारतपे में शामिल हुए जोशी ने पोस्टपे और 12% क्लब जैसे कंपनी के सफल उपक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पेशेवर पृष्ठभूमि और उपलब्धियाँ

भारतपे से पहले, जोशी ने रेकॉर्ड में पाँच साल से अधिक समय तक मार्केटिंग के प्रमुख के रूप में काम किया और GSK और L'Oréal जैसी कंपनियों के साथ काम किया। 20 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, जोशी ने डेटॉल और हॉर्लिव्स सहित वैश्विक पोर्टफोलियो का प्रबंधन किया है।

भारतपे:

- स्थापना: 2018
- संस्थापक: अशनीर ग्रोवर और शाश्वत नकरानी
- मुख्यालय: नई दिल्ली, भारत
- सेवाएँ: भारतपे व्यापारियों के लिए भुगतान समाधान प्रदान करता है, जिसमें UPI भुगतान, उधार और वित्तीय उत्पादों के लिए QR कोड शामिल हैं।
- फंडिंग: भारतपे ने सिकोइया कैपिटल, टाइगर ग्लोबल और अन्य निवेशकों से महत्वपूर्ण फंडिंग जुटाई है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने राजनीतिक संकट के बीच इस्तीफा दिया

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने राज्य में जातीय हिंसा भड़काने के करीब 21 महीने बाद इस्तीफा दे दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर बढ़ती कलह के साथ-साथ विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव की धमकी के बाद उन्होंने इस्तीफा दिया। सिंह ने बजट सत्र से ठीक एक दिन पहले इंफाल में मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को अपना इस्तीफा सौंपा, जिसे बाद में रद्द कर दिया गया।



इस्तीफे के पीछे कारण

सिंह ने इस्तीफा तब दिया जब सुप्रीम कोर्ट ने लीक हुए ऑडियो टेप की फॉरेंसिक जांच का आदेश दिया, जिसमें कथित तौर पर जातीय हिंसा भड़काने की बात स्वीकार की गई थी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत विपक्ष ने भाजपा पर अपनी सरकार को गिरने से बचाने और कानूनी नतीजों से बचने के लिए देर से कार्रवाई करने का आरोप लगाया। मीतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा 3 मई, 2023 से जारी है, जिसमें हजारों लोग विस्थापित हुए हैं और मीतेई-कुकी शत्रुता तेज हुई है। कथित तौर पर भाजपा विधायकों ने सिंह के पद पर बने रहने पर विपक्ष के साथ अविश्वास प्रस्ताव में शामिल होने की धमकी दी है।

विभिन्न समूहों की प्रतिक्रिया

मेइतेई समूहों ने उनके इस्तीफे के समय की आलोचना की, उन्हें डर था कि इससे कुकी अलगाववादी ताकतें मजबूत हो सकती हैं। कुकी संगठनों, विशेष रूप से स्वदेशी आदिवासी नेता मंच (आईटीएलएफ) ने कहा कि इस्तीफा देर से दिया गया था और उन्होंने अलग प्रशासन की मांग पर जोर दिया।

" कोशिश हमेशा
आखरी सांस तक
करनी चाहिए !
या तो लक्ष्य हासिल
होगा या अनुभव !!"

"जिन्दगी के लिए
कभी खराब विचार
आये तो एक बात
हमेशा याद रखना !
तुम जो जिन्दगी जी
रहे हो वो भी किसी
के लिए सपने जैसी
ही होगी !!"

राजतन्त्र एवं शासन

केंद्र ने भूमि अभिलेखों को आधुनिक बनाने और किसानों को सहायता देने के लिए नक्शा पायलट कार्यक्रम शुरू किया

केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश के रायसेन में राष्ट्रीय भू-स्थानिक ज्ञान-आधारित भूमि सर्वेक्षण-नक्शा पायलट कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य आधुनिक तकनीक के माध्यम से भूमि अभिलेख प्रबंधन में क्रांति लाना है। इस पहल का उद्घाटन केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया, जिसमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी सहित प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

नक्शा कार्यक्रम के उद्देश्य

नक्शा पायलट कार्यक्रम भूमि अभिलेखों तक सुरक्षित और डिजिटल पहुंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे नागरिकों को अपनी भूमि के स्वामित्व को आसानी से सत्यापित करने में मदद मिलती है। भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर, इस पहल का उद्देश्य भूमि विवादों को कम करना, पारदर्शिता बढ़ाना और भूमि मालिकों के बीच विश्वास बढ़ाना है।

किसानों के लिए सहायता

शुभारंभ के दौरान, मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की कि अपने स्थानीय बाजारों के बाहर अपनी उपज बेचने वाले किसानों की परिवहन लागत सरकार द्वारा वहन की जाएगी। इस कदम से किसानों के लिए बाजार पहुंच में सुधार और कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की उम्मीद है।

अतिरिक्त पहल: वाटरशेड यात्रा

नक्शा कार्यक्रम के साथ-साथ वाटरशेड यात्रा को भी हरी झंडी दिखाई गई। यह पहल ग्रामीण और कृषि समुदायों को और अधिक सहायता प्रदान करने के लिए जल संरक्षण और सतत भूमि प्रबंधन पर केंद्रित है। नक्शा कार्यक्रम का शुभारंभ भूमि अभिलेख प्रबंधन को आधुनिक बनाने, किसान कल्याण में सुधार लाने और भारत में ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कर कानूनों को सरल बनाने के लिए नए आयकर विधेयक को मंजूरी दी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक नए आयकर विधेयक को मंजूरी दे दी है, जिसे अगले सप्ताह संसद में पेश किए जाने की उम्मीद है। विधेयक का उद्देश्य कर कानूनों को सरल और अधिक संक्षिप्त बनाने के लिए लगभग 30% तक की धाराओं को कम करना है। यह अनावश्यक प्रावधानों और जटिल व्याख्याओं को भी समाप्त करता है, जिससे करदाताओं के लिए अनुपालन आसान हो जाता है।

सरलीकरण और संरचनात्मक परिवर्तन

शब्दों की संख्या आधी कर दी गई है, और कानूनी शब्दावली को कम से कम किया गया है। विधेयक कर अधिकारियों को अत्यधिक शक्ति प्रदान नहीं करता है; प्रमुख कराधान निर्णय संसदीय नियंत्रण में रहेंगे। लंबे प्रावधानों के बजाय, प्रक्रियात्मक विवरणों को नियमों में स्थानांतरित किया जाएगा ताकि कानून को और अधिक कॉम्पैक्ट बनाया जा सके।

सार्वजनिक परामर्श और विशेषज्ञ योगदान

कानूनी अस्पष्टताओं को रोकने के लिए सरकार कार्यान्वयन से पहले सार्वजनिक प्रतिक्रिया मांगती है। 100 से अधिक अधिकारियों ने छह महीने की सख्त समय सीमा के तहत काम करते हुए विधेयक का मसौदा तैयार करने में योगदान दिया। इस विधेयक का उद्देश्य व्याख्या संबंधी मुद्दों को हल करना है जो पहले कानूनी विवादों का कारण बनते थे।

अपेक्षित लाभ

स्पष्ट और संक्षिप्त भाषा से व्यवसायों और व्यक्तियों के लिए समझ में सुधार होगा। संबंधित अनुभागों के विलय से नेविगेशन और अनुपालन में वृद्धि होगी। इस सुधार को करदाता-अनुकूल शासन की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

लघु लेख

कानूनी झटका: हाईकोर्ट ने वैवाहिक बलात्कार के अपवाद को धारा 377 तक बढ़ाया, बहस छिड़ी

एक महत्वपूर्ण फैसले में, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने माना है कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 375 के तहत वैवाहिक बलात्कार से छूट धारा 377 तक भी विस्तारित होती है, जिसमें "अप्राकृतिक यौन संबंध" को अपराध माना गया है।

मामले की पृष्ठभूमि

यह फैसला 2017 में अपनी पत्नी की मौत के लिए दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति द्वारा दायर अपील के जवाब में आया है। ट्रायल कोर्ट ने पाया था कि पत्नी बीमार हो गई थी और बाद में जबरन शारीरिक संबंध बनाने के कारण उसकी मृत्यु हो गई थी, इसलिए पति को आईपीसी की धारा 375 (बलात्कार), 377 (अप्राकृतिक अपराध) और 304 (हत्या के बराबर न होने वाली गैर इरादतन हत्या) के तहत दोषी ठहराया गया था। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस फैसले को पलट दिया।

उच्च न्यायालय द्वारा मुख्य टिप्पणियाँ

➤ वैवाहिक बलात्कार अपवाद: उच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि धारा 375 स्पष्ट रूप से पति को अपनी पत्नी के साथ गैर-सहमति वाले यौन संबंध के लिए मुकदमा चलाने से छूट देती है, यदि वह वयस्क है। बलात्कार की परिभाषा का

विस्तार करने वाले 2013 के संशोधन के बाद भी इस अपवाद को बरकरार रखा गया था।

- धारा 377 पर लागू न्यायालय ने सर्वोच्च न्यायालय के 2018 के निर्णय पर भरोसा किया, जिसने सहमति से समलैंगिकता को अपराध से मुक्त कर दिया, लेकिन धारा 377 को पूरी तरह से समाप्त नहीं किया। उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि यदि पति और पत्नी के बीच गैर-सहमति वाले यौन संबंध को धारा 375 के तहत बलात्कार नहीं माना जाता है, तो धारा 377 के तहत उनके बीच किसी भी "अप्राकृतिक" यौन कृत्य को भी अपराध नहीं माना जा सकता है।

निर्णय के निहितार्थ

धारा 377 पहले वैवाहिक बलात्कार अपवाद को देखते हुए गैर-सहमति वाले यौन कृत्यों का अनुभव करने वाली विवाहित महिलाओं के लिए एक कानूनी सहायता के रूप में काम करती थी। उच्च न्यायालय के फैसले के साथ, यह सुरक्षा अब प्रभावी रूप से समाप्त हो गई है।

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) से धारा 377 को हटाए जाने पर चिंताएं

बिना सहमति वाले कृत्यों के लिए कानूनी शून्यता: बीएनएस के तहत नए आपराधिक कानूनों से धारा 377 को हटाने का मतलब है कि अब बिना सहमति के शारीरिक संबंध बनाने के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं है।

पुरुष और LGBTQIA+ पीड़ितों पर प्रभाव: इस छूट के कारण पुरुषों और LGBTQIA+ व्यक्तियों को यौन हिंसा के खिलाफ कोई कानूनी सुरक्षा नहीं मिलती, क्योंकि BNS के तहत अपराध मुख्य रूप से महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर केंद्रित होते हैं।

संसदीय समीक्षा और कानूनी चुनौतियाँ: 2023 में एक संसदीय स्थायी समिति ने महिलाओं से परे बिना सहमति वाले यौन अपराधों को संबोधित करने वाले प्रावधान की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त, दिल्ली HC में दायर एक जनहित याचिका में धारा 377 को फिर से शुरू करने की मांग की गई, जिसमें अदालत ने केंद्र को याचिका की समीक्षा करने का निर्देश दिया। हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर 2024 में एक समान याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि अपराधों को परिभाषित करना संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है।

यह निर्णय और बी.एन.एस. में विधायी कमियां गैर-सहमति वाले यौन कृत्यों का सामना करने वाले व्यक्तियों के लिए कानूनी सुरक्षा की कमी के बारे में चिंताएं उत्पन्न करती हैं, जिससे यह मुद्दा निरंतर बहस और कानूनी जांच का विषय बन गया है।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन: यह कब और क्यों लगाया जाता है, यह कैसे काम करता है

राष्ट्रपति शासन का तात्पर्य भारतीय संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत राज्य की विधान सभा को निलंबित करके सीधे केंद्रीय प्राधिकरण द्वारा शासन लागू करना है। यह उपाय तब अपनाया जाता है जब कोई राज्य सरकार संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार काम करने में असमर्थ होती है। ऐसे परिदृश्यों में, भारत के राष्ट्रपति कार्यकारी अधिकार ग्रहण करते हैं, और राज्य के राज्यपाल केंद्र सरकार की ओर से प्रशासन चलाते हैं।

मणिपुर में हाल ही में लागू किया गया

13 फरवरी, 2025 को, भारतीय संघीय सरकार ने लंबे समय तक चली जातीय हिंसा के बीच मुख्यमंत्री एन. बीरिन सिंह के इस्तीफे के बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया। राज्य विधानसभा को निलंबित कर दिया गया, और राज्यपाल ने प्रशासनिक नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। यह निर्णय राज्यपाल की एक रिपोर्ट पर आधारित था, जिसमें संकेत दिया गया था कि राज्य सरकार अब संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार काम नहीं कर सकती।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन कब लगाया जा सकता है?

- मणिपुर में राष्ट्रपति शासन, किसी भी अन्य राज्य की तरह, निम्नलिखित परिस्थितियों में लगाया जा सकता है:
- संवैधानिक मशीनरी का टूटना: यदि निर्वाचित राज्य सरकार संविधान के अनुसार काम करने में विफल रहती है।
- कानून और व्यवस्था बनाए रखने में विफलता: यदि बड़े पैमाने पर हिंसा, विद्रोह या सुरक्षा संकट है जिसे राज्य सरकार संभाल नहीं सकती है।
- राजनीतिक अस्थिरता: यदि विधानसभा में स्पष्ट बहुमत नहीं है, जिससे अस्थिर सरकार बनती है।
- संघ के निर्देशों का पालन करने में विफलता: यदि राज्य सरकार अनुच्छेद 256 और 257 के तहत केंद्र के निर्देशों का पालन नहीं करती है।

राष्ट्रपति शासन के लिए अग्रणी परिस्थितियाँ

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करने के कई कारण थे:

जातीय हिंसा: 2023 से, मणिपुर में बहुसंख्यक मैतेई समुदाय और अल्पसंख्यक कुकी समुदाय के बीच तीव्र संघर्ष हुए हैं। इन संघर्षों के परिणामस्वरूप 250 से अधिक मौतें हुई हैं और हज़ारों लोग विस्थापित हुए हैं।

राजनीतिक अस्थिरता: मुख्यमंत्री एन. बीरिन सिंह के इस्तीफे के साथ-साथ सत्तारूढ़ दल द्वारा नए नेतृत्व पर आम सहमति बनाने में असमर्थता के कारण शासन में शून्यता की स्थिति पैदा हो गई। कानून और व्यवस्था का टूटना: जारी हिंसा और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने में राज्य की विफलता के कारण स्थिरता बहाल करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा हस्तक्षेप करना आवश्यक हो गया।

राष्ट्रपति शासन की व्यवस्था

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने पर:

केंद्रीय प्रशासन: राज्य की कार्यकारी शक्तियाँ भारत के राष्ट्रपति को हस्तांतरित कर दी जाती हैं। राज्यपाल, राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में, राज्य के प्रशासन की देखरेख करते हैं।

विधानसभा का निलंबन: राज्य विधानसभा या तो निलंबित होती है या भंग होती है। मणिपुर के मामले में, इसे निलंबित अवस्था में रखा गया था, जिसका अर्थ है कि यह निष्क्रिय रहती है लेकिन भंग नहीं होती है।

अवधि और संसदीय अनुमोदन: राष्ट्रपति शासन शुरू में छह महीने तक चल सकता है। इस अवधि से आगे विस्तार के लिए, संसद के दोनों सदनों से हर छह महीने में अनुमोदन की आवश्यकता होती है, जिसकी अधिकतम अवधि तीन वर्ष होती है।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन कैसे काम करता है

राज्य सरकार का विघटन/निलंबन: निर्वाचित सरकार को बर्खास्त कर दिया जाता है, और राज्य विधानसभा को निलंबित या भंग किया जा सकता है।

राज्यपाल की भूमिका: राष्ट्रपति की ओर से कार्य करते हुए राज्यपाल राज्य का प्रशासन अपने हाथ में लेता है।

केंद्र सरकार का नियंत्रण: राज्यपाल के माध्यम से केंद्र सरकार सीधे राज्य पर शासन करती है, सलाहकारों और अधिकारियों की नियुक्ति करती है।

संसद की निगरानी: राष्ट्रपति शासन को दो महीने के भीतर संसद के दोनों सदनों द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए। यह छह महीने तक चल सकता है और संसदीय अनुमोदन के साथ तीन साल तक बढ़ाया जा सकता है।

मणिपुर में ऐतिहासिक संदर्भ

मणिपुर में राजनीतिक अस्थिरता का इतिहास रहा है और 1972 में राज्य का दर्जा प्राप्त करने के बाद से इसे कई बार राष्ट्रपति शासन के अधीन रखा गया है। वर्तमान में लगाया गया राष्ट्रपति शासन ग्यारहवीं बार है, जो स्थिर शासन बनाए रखने में राज्य की आवर्ती चुनौतियों को रेखांकित करता है।

निहितार्थ और भविष्य की संभावनाएँ

राष्ट्रपति शासन लागू करने का उद्देश्य व्यवस्था को बहाल करना और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के लिए अनुकूल वातावरण बनाना है। हालांकि, यह राज्य की स्वायत्तता के अस्थायी निलंबन का भी संकेत देता है। केंद्र सरकार के तात्कालिक उद्देश्यों में जातीय संघर्ष के मूल कारणों को संबोधित करना, समुदायों के बीच संवाद को सुविधाजनक बनाना और एक निर्वाचित सरकार की शीघ्र बहाली सुनिश्चित करना शामिल है।

निष्कर्ष के तौर पर, मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करना जातीय तनाव और राजनीतिक अस्थिरता के जटिल अंतर्विरोध के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया को दर्शाता है। हालांकि यह व्यवस्था को फिर से स्थापित करने के लिए एक तंत्र के रूप में कार्य करता है, लेकिन मणिपुर की चुनौतियों के दीर्घकालिक समाधान के लिए

शांति स्थापना, समावेशी शासन और सामाजिक-आर्थिक विकास की दिशा में निरंतर प्रयासों की आवश्यकता है।

रणवीर अल्लाहबादिया टिप्पणी विवाद: भारत के 'अश्लीलता' कानूनों की व्याख्या

फरवरी 2025 में, बीयरबाइसेप्स के नाम से मशहूर पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया, एक ऑनलाइन कॉमेडी शो, "इंडियाज गॉट लेटेस्ट" के दौरान की गई टिप्पणियों के बाद कानूनी विवाद में उलझ गए। उनकी टिप्पणियों को कई लोगों ने अश्लील माना, जिसके कारण कई पुलिस शिकायतें हुईं और भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने आगे की सूचना तक उनके सभी शो को रोकने का निर्देश दिया। इस घटना ने भारत के अश्लीलता कानूनों के दायरे और आवेदन के बारे में चर्चाओं को फिर से हवा दे दी है।

भारत में अश्लीलता को नियंत्रित करने वाला कानूनी ढांचा

भारत की कानूनी प्रणाली विभिन्न कानूनों के माध्यम से अश्लीलता को संबोधित करती है, मुख्य रूप से ऐसी सामग्री पर ध्यान केंद्रित करती है जिसे सार्वजनिक शालीनता और नैतिकता के लिए अपमानजनक माना जाता है। मुख्य प्रावधानों में शामिल हैं:

भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) प्रावधान:

- धारा 292: यह धारा अश्लील सामग्री की बिक्री, वितरण और सार्वजनिक प्रदर्शन को प्रतिबंधित करती है। सामग्री को अश्लील माना जाता है यदि यह कामुक है, कामुक हितों को आकर्षित करती है, या उन व्यक्तियों को भ्रष्ट और भ्रष्ट करने की प्रवृत्ति रखती है जो इसे पढ़ने, देखने या सुनने की संभावना रखते हैं।
- धारा 293: 20 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों को अश्लील सामग्री की बिक्री, वितरण या प्रदर्शन को लक्षित करती है, ऐसे अपराधों के लिए कठोर दंड लगाती है।
- धारा 294: सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील कृत्यों और गीतों को संबोधित करती है, जो कोई भी व्यक्ति अश्लील कृत्य करता है या सार्वजनिक स्थानों पर या उसके आस-पास अश्लील गीत या शब्द गाता, सुनाता या बोलता है, जिससे दूसरों को परेशानी होती है, उसे दंडित करती है।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम, 2000:

धारा 67: इलेक्ट्रॉनिक रूप में अश्लील सामग्री के प्रकाशन या प्रसारण को प्रतिबंधित करती है। पहली बार अपराध करने वालों को तीन साल तक की कैद और 5 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है, साथ ही बाद में दोषी पाए जाने पर कठोर दंड भी हो सकता है।

महिलाओं का अश्लील चित्रण (निषेध) अधिनियम, 1986:

यह अधिनियम विज्ञापनों या प्रकाशनों, लेखों, चित्रों, आकृतियों या किसी अन्य तरीके से महिलाओं के अश्लील चित्रण को प्रतिबंधित

करता है, जिसका उद्देश्य महिलाओं की गरिमा को अपमानजनक और वस्तुपरक चित्रण से बचाना है।

न्यायिक व्याख्या और चुनौतियाँ

न्यायिक घोषणाओं के माध्यम से "अश्लीलता" की व्याख्या विकसित हुई है। भारतीय न्यायालय अक्सर "सामुदायिक मानकों" परीक्षण पर भरोसा करते हैं, यह आकलन करते हुए कि क्या विचाराधीन सामग्री समकालीन सामाजिक मानदंडों और मूल्यों के अनुरूप है। हालाँकि, यह दृष्टिकोण व्यक्तिपरक हो सकता है, जिससे अलग-अलग सामाजिक मानकों के आधार पर अलग-अलग व्याख्याएँ हो सकती हैं।

इलाहाबादिया मामले में, सर्वोच्च न्यायालय ने सामग्री के प्रति कड़ी अस्वीकृति व्यक्त की। यह स्वीकार्य अभिव्यक्ति की सीमाओं को चित्रित करने में न्यायपालिका की भूमिका को रेखांकित करता है, खासकर डिजिटल युग में।

सामग्री निर्माताओं के लिए निहितार्थ

इलाहाबादिया घटना भारत के डिजिटल परिदृश्य में काम करने वाले सामग्री निर्माताओं की अनिश्चित स्थिति को उजागर करती है। इंटरनेट रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान करता है, लेकिन यह रचनाकारों को अश्लीलता कानूनों के तहत कानूनी जांच के अधीन भी करता है। अश्लील सामग्री क्या है, इस पर स्पष्ट दिशा-निर्देशों की कमी से आत्म-सेंसरशिप हो सकती है, जिससे रचनात्मकता और खुले विचार-विमर्श में बाधा आ सकती है।

निष्कर्ष

रणवीर अल्लाहबादिया की टिप्पणियों को लेकर विवाद भारत के अश्लीलता कानूनों में निहित जटिलताओं को सामने लाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के साथ सामाजिक नैतिकता की सुरक्षा को संतुलित करना एक चुनौतीपूर्ण प्रयास बना हुआ है। जैसे-जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित होते जा रहे हैं, एक सूक्ष्म और स्पष्ट कानूनी ढाँचे की सख्त ज़रूरत है जो रचनात्मक स्वतंत्रता का अनुचित उल्लंघन किए बिना अश्लीलता को संबोधित करे।

"सफलता का मुख्य आधार !
सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास है !!"

"संघर्ष इंसान को मज़बूत बनाता है !
फिर चाहे वह कितना भी कमज़ोर क्यों न हो !!"

01 FEB



EDITION: 48th

**INDIAN
COAST GUARD
DAY**

Importance

To mark the inception of interim Indian Coast guard on 1 February 1977 to prevent sea-borne smuggling of goods.

This day is an opportune moment to reaffirm their resolute commitment and selfless service for safeguarding maritime interests of our nation. The ICG in its present shape was formally inaugurated on 18th August 1978.

Fact

India's 7516.60 kilometer coastline encompasses various states and some of the busiest trade routes kilometer coastline.

Note

- There are 9 Indian states and 4 Union Territories situated on the coast.
- These include Gujarat, Daman and Diu, Maharashtra, Goa, Karnataka, Lakshadweep, Kerala, Tamil Nadu, Puducherry, Andaman and Nicobar Islands, Andhra Pradesh, Odisha and West Bengal.

02 FEB



EDITION: 28th

INCEPTION: 1997

2025 THEME: Protecting Wetlands for Our Common Future

**WORLD
WETLANDS
DAY**

Importance

To mark the date of the adoption of Ramsar Convention on wetland on February 02, 1971, in the city of Ramsar, Iran.

It aims at drawing attention to the relevance of promoting biodiversity conservation and sustainable use of natural resources in such an important ecosystem.

Fact

India currently has 85 sites designated as Wetlands of International Importance (Ramsar Sites), with a surface area of 1,056,871 hectares.

Note

Largest wetland of India is Sunderban as it covers an area of 4230 sq. km.

अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं घटनाएँ

सरकार ने विदेशियों के लिए 5 साल तक के विस्तार के साथ आयुष वीजा की शुरुआत की

सरकार ने आयुष चिकित्सा पद्धति के तहत इलाज करवाने वाले विदेशियों के लिए 27 जुलाई, 2023 को आयुष वीजा की शुरुआत की। वीजा चार उप-श्रेणियों में दिया जाता है:

आयुष वीजा (AY-1)

- आयुष परिचारक वीजा (AY-2)
- ई-आयुष वीजा
- ई-आयुष परिचारक वीजा

उद्देश्य और पात्रता

आयुष वीजा उन विदेशियों को दिया जाता है जिनका प्राथमिक उद्देश्य सरकार या NABH, NCH, या NCISM जैसी मान्यता प्राप्त संस्थाओं द्वारा मान्यता प्राप्त अस्पतालों या वेलनेस सेंटरों में चिकित्सीय देखभाल और वेलनेस सेवाएँ प्राप्त करना है।

वीजा जारी करना

4 दिसंबर, 2024 तक, भारत में इलाज करवाने वाले अंतरराष्ट्रीय रोगियों को कुल 123 नियमित आयुष वीजा, 221 ई-आयुष वीजा और 17 ई-आयुष परिचारक वीजा जारी किए गए हैं।

एडवांटेज हेल्थकेयर इंडिया पोर्टल

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मेडिकल वैल्यू ट्रैवल (एमवीटी) के लिए आधिकारिक पोर्टल लॉन्च किया, जिसे एडवांटेज हेल्थकेयर इंडिया पोर्टल कहा जाता है। यह वन-स्टॉप पोर्टल भारत में चिकित्सा और स्वास्थ्य उपचार चाहने वाले अंतरराष्ट्रीय रोगियों के लिए जानकारी प्रदान करता है।

आयुष मेडिकल वैल्यू ट्रैवल समिट 2024

एमवीटी में भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए, सरकार ने 30 सितंबर, 2024 को मुंबई में आयुष मेडिकल वैल्यू ट्रैवल समिट 2024 का आयोजन किया। शिखर सम्मेलन का विषय, "आयुष में वैश्विक तालमेल: मेडिकल वैल्यू ट्रैवल के माध्यम से स्वास्थ्य और कल्याण को बदलना," पारंपरिक भारतीय चिकित्सा को आधुनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों के साथ एकीकृत करने पर केंद्रित है।

यूई ने भारतीय नागरिकों के लिए वीजा-ऑन-अराइवल का विस्तार किया

नई योजना की शुरुआत

यूई ने अतिरिक्त देशों में रहने वाले भारतीय पासपोर्ट धारकों के लिए अपनी वीजा-ऑन-अराइवल नीति का विस्तार किया है। 13 फरवरी, 2025 से प्रभावी यह अपडेटेड योजना छह और देशों-ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जापान, न्यूजीलैंड, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया से वैध वीजा, निवास परमिट या ग्रीन कार्ड रखने वाले भारतीय नागरिकों को यूई में आगमन पर वीजा प्राप्त करने की अनुमति देती है।

पात्रता मानदंड

वीजा-ऑन-अराइवल का लाभ उठाने के लिए, भारतीय नागरिकों को निम्नलिखित शर्तों को पूरा करना होगा:

कम से कम छह महीने की वैधता वाला वैध पासपोर्ट होना चाहिए। स्वीकृत देशों में से किसी एक से वैध वीजा, निवास परमिट या ग्रीन कार्ड होना चाहिए। यूई के नियमों के अनुसार लागू वीजा शुल्क का भुगतान करें। 14-दिवसीय प्रवेश वीजा की फीस 100 दिरहम (लगभग 2,400 रुपये) है, जिसे 250 दिरहम (5,900 रुपये) में 14 दिनों के लिए बढ़ाया जा सकता है। 60-दिवसीय वीजा 250 दिरहम में उपलब्ध है।

पिछली और नई नीति का विस्तार

यह नीति 2024 की पहल पर आधारित है, जिसके तहत वैध भारतीय नागरिकों को आगमन पर वीजा दिया जाएगा:

- अमेरिकी यात्रा वीजा या ग्रीन कार्ड
- ब्रिटेन निवास वीजा
- यूरोपीय संघ निवास वीजा

नए विस्तार में अब ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जापान, न्यूजीलैंड, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया के वीजा या ग्रीन कार्ड रखने वाले भारतीय नागरिक शामिल हैं।

राजनयिक और आधिकारिक पासपोर्ट के लिए वीजा छूट

वीजा-ऑन-अराइवल योजना के अलावा, भारत ने यूई सहित विभिन्न देशों के साथ वीजा छूट समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए हैं, जिससे राजनयिक और आधिकारिक पासपोर्ट धारकों को बिना वीजा के 90 दिनों तक यूई में रहने की अनुमति मिलती है।

बांग्लादेश ने 'ऑपरेशन डेविल हंट' शुरू किया

गाजीपुर में हाल ही में हुई हिंसक घटनाओं के जवाब में, बांग्लादेश ने कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए "ऑपरेशन डेविल हंट" नामक एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है।

पृष्ठभूमि

गाजीपुर में छात्रों और नागरिकों पर हमले के बाद यह अभियान शुरू किया गया था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि पूर्व मंत्री ए.के.एम. मौजमल हक के आवास पर छात्रों और स्थानीय निवासियों के एक समूह पर हमला किए जाने के बाद हिंसा भड़क उठी।

उद्देश्य और कार्यान्वयन:

"ऑपरेशन डेविल हंट" का प्राथमिक उद्देश्य पूरे देश में अशांति को रोकना और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस अभियान में बांग्लादेश पुलिस और रैपिड एक्शन बटालियन सहित संयुक्त बल शामिल हैं, जो व्यवस्था बहाल करने और हाल की हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों को पकड़ने के लिए समन्वय में काम कर रहे हैं।

अमेरिका के बाद, इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से भागीदारी वापस ले ली

अमेरिका के बाहर निकलने के बाद संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) से बाहर निकलने का इजराइल का निर्णय, इजराइल पर परिषद के रुख से गहरे असंतोष का संकेत देता है।

मुख्य निहितार्थ:

राजनयिक बदलाव - इजराइल का बाहर निकलना यूएनएचआरसी के साथ बढ़ते तनाव को दर्शाता है, जिस पर वह पक्षपात और अनुचित जांच का आरोप लगाता है।

- कम प्रभाव - पीछे हटने से, इजराइल अपना मामला पेश करने के लिए एक औपचारिक मंच खो देता है, हालांकि वह अभी भी सहयोगियों के माध्यम से निर्णयों को प्रभावित कर सकता है।
- यूएस-इजरायल संरक्षण - यह कदम इजराइल को ट्रम्प के पिछले रुख के साथ जोड़ता है, वैश्विक नीतियों पर अमेरिका के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करता है।
- भविष्य के प्रस्तावों पर प्रभाव - इजराइल के बाहर निकलने का मतलब है कि उसे बिना प्रत्यक्ष भागीदारी के अधिक महत्वपूर्ण प्रस्तावों का सामना करना पड़ सकता है।
- मध्य पूर्व कूटनीति - बाहर निकलने से इजराइल के संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों, विशेष रूप से फिलिस्तीनी अधिकारियों के लिए जोर देने वाले देशों के साथ संबंध खराब हो सकते हैं।
- इजराइल ने क्यों वापसी की? भेदभाव के दावे - इजराइल का तर्क है कि UNHRC उसे असंगत रूप से निशाना बनाता है, इजराइल के खिलाफ 100 से ज्यादा प्रस्ताव (ईरान, क्यूबा, उत्तर कोरिया और वेनेजुएला के संयुक्त प्रस्तावों से ज्यादा) के साथ।
- अमेरिका का उदाहरण - अमेरिका ने UNRWA को फंड देना बंद कर दिया, यह आरोप लगाते हुए कि कुछ कर्मचारी हमास के 7 अक्टूबर, 2023 के हमले में शामिल थे।
- अमेरिका से पहले बाहर निकलना - 2018 में, ट्रम्प ने "इजराइल के खिलाफ पुराने पक्षपात" का हवाला देते हुए UNHRC से अमेरिका को वापस ले लिया।

निष्कर्ष:

इजराइल का बाहर निकलना UNHRC की निष्पक्षता में अविश्वास का संकेत देता है और वैश्विक कूटनीति पर अमेरिका के साथ उसके संरक्षण को मजबूत करता है। हालांकि, यह इस बारे में भी चिंताएँ पैदा करता है कि इजराइल भविष्य में UN में मानवाधिकार बहस को कैसे आगे बढ़ाएगा।

UNHRC

- स्थापना: 15 मार्च 2006
- अध्यक्ष: जुर्ग लॉबर
- सीटें: अफ्रीकी राज्य (13), एशिया-प्रशांत राज्य (13), पूर्वी यूरोपीय राज्य (6), लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई राज्य (8) और पश्चिमी यूरोपीय और अन्य राज्य (7)

नाइजर ऑन्कोसेरसियासिस को खत्म करने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया

ऐतिहासिक उपलब्धि

नाइजर अफ्रीकी क्षेत्र का पहला देश बन गया है जिसने ऑन्कोसेरसियासिस को खत्म कर दिया है, जिसे रिवर ब्लाइंडनेस के नाम से भी जाना जाता है।

डब्ल्यूएचओ द्वारा मान्यता

नाइजर अब परजीवी ऑन्कोसेरका वॉल्वुलस के संचरण को सफलतापूर्वक रोकने वाला दुनिया का पाँचवाँ और अफ्रीका का पहला देश बन गया है। इस मील के पथर को हासिल करने वाले अन्य चार देश- कोलंबिया, इकाडोर, ग्वाटेमाला और मैक्सिको- सभी अमेरिका में हैं।

ऑन्कोसेरसियासिस के बारे में

ऑन्कोसेरसियासिस या रिवर ब्लाइंडनेस एक परजीवी बीमारी है जो आमतौर पर नदी के किनारे के इलाकों में पाई जाने वाली संक्रामक काली मक्खियों के काटने से फैलती है। यह ट्रैकोमा के बाद दुनिया भर में अंधेपन का दूसरा प्रमुख संक्रामक कारण है। यह बीमारी मुख्य रूप से उप-सहारा अफ्रीका और यमन में ग्रामीण आबादी को प्रभावित करती है, जबकि लैटिन अमेरिका के कुछ हिस्सों में छोटे स्थानिक क्षेत्र हैं।

राजनयिक तनाव के बीच बुर्किना फासो, माली और नाइजर ECOWAS से बाहर निकले

बुर्किना फासो, माली और नाइजर आधिकारिक तौर पर पश्चिम अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय (ECOWAS) से बाहर निकल गए हैं, जो एक प्रमुख क्षेत्रीय राजनीतिक और व्यापार ब्लॉक है। इन देशों में सैन्य तख्तापलट के बाद राजनयिक तनाव की अवधि के बाद यह बाहर निकल रहा है।

दरार की पृष्ठभूमि

संकट की शुरुआत जुलाई 2023 में नाइजर में तख्तापलट से हुई, जिसके बाद माली (2020) और बुर्किना फासो (2022) में सैन्य अधिग्रहण हुआ। ECOWAS ने आर्थिक प्रतिबंध लगाए और नाइजर में सैन्य हस्तक्षेप पर भी विचार किया, जिससे तीनों देशों ने आरोप लगाया कि ब्लॉक की कार्रवाई "अमानवीय, अवैध और नाजायज" थी।

साहेल राज्यों के गठबंधन (एईएस) का गठन

ईसीओडब्ल्यूएस नीतियों के जवाब में, बुर्किना फासो, माली और नाइजर ने जनवरी 2024 में तुरंत वापस जाने की अपनी मंशा की घोषणा की और बाद में अपना स्वयं का क्षेत्रीय ब्लॉक, साहेल राज्यों का गठबंधन (एईएस) स्थापित किया।

ईसीओडब्ल्यूएस की प्रतिक्रिया और भविष्य के संबंध

ईसीओडब्ल्यूएस ने कहा है कि उसके दरवाजे तीनों देशों के लिए खुले हैं और उनके नागरिक और सामान अगली सूचना तक मौजूदा ईसीओडब्ल्यूएस विशेषाधिकारों का आनंद लेना जारी रखेंगे।

भू-राजनीतिक बदलाव और सुरक्षा चिंताएँ

तीनों प्रस्थान करने वाले देशों ने फ्रांस के साथ सुरक्षा संबंध तोड़ लिए हैं और अब रूस, ईरान और तुर्की के साथ गठबंधन कर रहे हैं। टोगो और घाना सहित कुछ ईसीओडब्ल्यूएस सदस्यों ने

अलग हुए राज्यों के साथ संबंधों को सामान्य कर लिया है, घाना ने आईएस के लिए एक विशेष दूत भी नियुक्त किया है।

ट्रम्प ने इसराइल की जांच को लेकर ICC पर प्रतिबंध लगाने के आदेश पर हस्ताक्षर किए

- ICC पर अमेरिकी प्रतिबंध: पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसराइल की जांच को लेकर अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) पर प्रतिबंध लगाने वाले कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए।
- ICC जांच: ICC ने अक्टूबर 2023 में इसराइल पर हमले के हमले के बाद गाजा में कथित युद्ध अपराधों को लेकर इसराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए।
- गाजा में हताहत: हमले के बाद इसराइली सैन्य प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप बच्चों सहित हज़ारों फ़िलिस्तीनी हताहत हुए हैं।
- ICC पर अमेरिका और इसराइल का रुख: न तो अमेरिका और न ही इसराइल ICC का सदस्य है और न ही इसके अधिकार क्षेत्र को मान्यता देता है।
- प्रतिबंधों का कारण: कार्यकारी आदेश में दावा किया गया है कि ICC की कार्रवाई नाजायज़ और निराधार है, जिसमें न्यायालय पर राजनीतिक रूप से प्रेरित मामलों के ज़रिए अमेरिका और इसराइल को निशाना बनाकर अपनी शक्ति का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है।

इसका क्या मतलब है:

- ICC के काम को रोकना - प्रतिबंधों के तहत ICC के अधिकारियों को निशाना बनाया जा सकता है, उनकी यात्रा पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है, उनकी संपत्ति को प्रीज किया जा सकता है या उन्हें इजरायल के खिलाफ मामलों को आगे बढ़ाने से रोकने के लिए वित्तीय दंड लगाया जा सकता है।
- राजनीतिक दबाव - यह कदम इजरायल की सैन्य कार्रवाइयों की ICC की जांच के लिए अमेरिका के कड़े विरोध का संकेत देता है, जो संभवतः फिलिस्तीनी क्षेत्रों (गाजा, वेस्ट बैंक) से संबंधित है।
- कानूनी और कूटनीतिक संघर्ष - यह निर्णय अमेरिका और ICC के बीच तनाव को बढ़ाता है, क्योंकि वाशिंगटन ऐतिहासिक रूप से इजरायल सहित अमेरिकी सहयोगियों पर ICC के अधिकार क्षेत्र को अस्वीकार करता रहा है।
- इजरायल पर प्रभाव - प्रतिबंधों का उद्देश्य इजरायल को संभावित युद्ध अपराध के आरोपों से बचाना है, जिससे वैश्विक मंच पर इजरायल के लिए अमेरिकी राजनयिक समर्थन मजबूत होगा।
- अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया - इस कदम की मानवाधिकार समूहों और ICC का समर्थन करने वाले देशों से आलोचना हो सकती है, उनका तर्क है कि यह अंतरराष्ट्रीय न्याय और जवाबदेही को कमजोर करता है।

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC)

- सदस्य देश: 125
- अध्यक्ष: तोमोको अकाने
- अभियोजक: करीम अहमद खान
- रजिस्ट्रार: ओस्वाल्डो ज़वाला गिलर

भारत और श्रीलंका ने 1,500 सिविल सेवा अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप दिया

भारत के राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (NCGG) और श्रीलंका के विकास प्रशासन संस्थान (SLIDA) ने पाँच वर्षों में 1,500 श्रीलंकाई सिविल सेवा अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए अपने समझौता ज्ञापन (MoU) के कार्यान्वयन की योजना को अंतिम रूप दिया है।

प्रशिक्षण मॉड्यूल और कार्यान्वयन

समझौते के तहत, सालाना आठ प्रशिक्षण मॉड्यूल आयोजित किए जाएंगे। 40 श्रीलंकाई अधिकारियों का पहला बैच जल्द ही प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। समझौता ज्ञापन पर औपचारिक हस्ताक्षर से पहले ही 200 से अधिक श्रीलंकाई अधिकारियों को NCGG में प्रशिक्षण मिल चुका था।

भारत और नेपाल ने CSIR-NAST समझौता ज्ञापन के साथ वैज्ञानिक सहयोग को मजबूत किया

भारत और नेपाल ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अपने सहयोग को मजबूत किया है, क्योंकि वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR), भारत और नेपाल विज्ञान और प्रौद्योगिकी अकादमी (NAST) ने CSIR-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (CSIR-NPL), नई दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं।

एमओयू के उद्देश्य और दायरा

समझौते का उद्देश्य भारत और नेपाल के बीच वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देना है:

- वैज्ञानिक जानकारी, शोध सामग्री और वैज्ञानिकों का आदान-प्रदान
- संयुक्त शोध परियोजनाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सेमिनार
- केंद्रित सहयोग के लिए विषय-विशिष्ट कार्य समूहों का विकास
- शोध के प्रमुख फोकस क्षेत्र

साझेदारी विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर जोर देगी, जिनमें शामिल हैं:

- जैविक विज्ञान और खाद्य प्रौद्योगिकी
- जल और पर्यावरण प्रौद्योगिकी
- ईंधन और खनन विज्ञान
- धातु विज्ञान और सामग्री विज्ञान
- वैकल्पिक ऊर्जा और बहुलक विज्ञान
- दवा खोज और अन्य उभरते क्षेत्र

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और भविष्य की संभावनाएं

भारत और नेपाल का वैज्ञानिक सहयोग 1994 से शुरू हुआ है, पिछले समझौतों के कारण संयुक्त अनुसंधान, कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम हुए हैं। 2025 का समझौता ज्ञान इस साझेदारी को पुनर्जीवित करता है, जिससे भारत-नेपाल वैज्ञानिक जुड़ाव का दायरा बढ़ता है। इस समझौते से उन्नत अनुसंधान और ज्ञान के आदान-प्रदान के माध्यम से नवाचार, आर्थिक प्रगति और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

भारत और अर्जेंटीना ने लिथियम अन्वेषण में सहयोग को मजबूत किया

भारत और अर्जेंटीना ने लिथियम अन्वेषण और खनन में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञान (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। नई दिल्ली में भारत के कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी और अर्जेंटीना के कैटामार्का के गवर्नर राउल एलेजांद्रो जलील के बीच एक बैठक के दौरान इस समझौते को औपचारिक रूप दिया गया।

मुख्य चर्चाएँ

चर्चाएँ खनन क्षेत्र, विशेष रूप से लिथियम अन्वेषण और निवेश के अवसरों में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित थीं। दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी सुनिश्चित करने के लिए नीतिगत ढाँचों, नियामक पहलुओं और टिकाऊ खनन प्रथाओं पर विचार-विमर्श किया।

सामरिक महत्व

यह समझौता महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इस साझेदारी से लिथियम अन्वेषण परियोजनाओं में तेजी आने, संसाधन सुरक्षा में वृद्धि होने और अर्जेंटीना के खनन क्षेत्र में भारतीय कंपनियों के लिए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। यह सहयोग लैटिन अमेरिकी खनन परिदृश्य में भारत की भूमिका को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान के आदान-प्रदान और बुनियादी ढाँचे के समर्थन पर भी जोर देगा।

अर्जेंटीना :

- राजधानी: ब्यूनस आयर्स
- आधिकारिक भाषा: स्पेनिश
- मुद्रा: अर्जेंटीना पेसो (ARS)
- राष्ट्रपति (2024): जेवियर माइली
- प्रमुख नदी: पराना नदी
- पारंपरिक नृत्य और संगीत: टैगो
- स्पेन से स्वतंत्रता: 9 जुलाई, 1816

भारत-कतर ने महत्वपूर्ण सहमति पत्रों और आर्थिक सहयोग के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत किया

भारत और कतर ने दो महत्वपूर्ण सहमति पत्रों (एमओयू) के माध्यम से अपनी आर्थिक साझेदारी को मजबूत किया है। इन समझौतों पर कतरी व्यवसायी संघ (क्यूबीए) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के साथ-साथ इन्वेस्ट कतर और इन्वेस्ट

इंडिया के बीच हस्ताक्षर किए गए। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-कतर व्यापार मंच के उद्घाटन समारोह में इन समझौतों की घोषणा की।

व्यापार और वाणिज्य कार्य समूह का उन्नयन

व्यापार सहयोग को बढ़ाने के लिए, भारत और कतर के बीच व्यापार और वाणिज्य पर संयुक्त कार्य समूह को मंत्री स्तर पर उन्नत किया गया है। मंत्री पीयूष गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि भविष्य का सहयोग स्थिरता, प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और ऊर्जा पर आधारित होगा। उनके कतरी समकक्ष शेख फैसल बिन थानी बिन फैसल अल थानी ने मुख्य अतिथि के रूप में मंच में भाग लिया।

भारत ने कतर को प्रमुख क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया

मंत्री गोयल ने कतर की कंपनियों को विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और स्मार्ट शहरों सहित भारत के बढ़ते क्षेत्रों में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का विकसित भारत 2047 विजन कतर विजन 2030 के साथ संरेखित है, जो मजबूत आर्थिक संबंधों का मार्ग प्रशस्त करता है।

उभरती प्रौद्योगिकियों और वैश्विक चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करें

मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार पारंपरिक ऊर्जा विनिर्माण से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), सेमीकंडक्टर और क्रांटम कंप्यूटिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में विकसित हो रहा है। उन्होंने भू-राजनीतिक तनाव, जलवायु परिवर्तन और साइबर सुरक्षा खतरों जैसी वैश्विक चुनौतियों का भी उल्लेख किया, जिसमें एक स्थिर और बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की भूमिका पर जोर दिया गया।

भारत-फ्रांस रणनीतिक समझौते: पीएम मोदी की यात्रा की मुख्य विशेषताएं

भारत और फ्रांस ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान 10 समझौता ज्ञानों (एमओयू)/समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिससे प्रौद्योगिकी, परमाणु ऊर्जा और नवाचार में द्विपक्षीय संबंध मजबूत हुए। जनवरी 2024 में भारत के 75वें गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन की भागीदारी के बाद यह यात्रा पीएम मोदी की फ्रांस की छठी यात्रा थी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल सहयोग

भारत और फ्रांस ने नैतिक और जिम्मेदार एआई विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए एआई अनुसंधान में सहयोग बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर भारत-फ्रांस घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। इसके अतिरिक्त, भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और फ्रांस के आईएनआरआईए के बीच एक समझौते के माध्यम से डिजिटल विज्ञान के लिए इंडो-फ्रेंच सेंटर की स्थापना की गई। दोनों देशों ने नवाचार और वैज्ञानिक प्रगति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को चिह्नित करने के लिए भारत-फ्रांस नवाचार

वर्ष 2026 का भी शुभारंभ किया, जिसका आधिकारिक लोगो अनावरण किया गया।

स्टार्टअप और इनोवेशन के लिए समर्थन

फ्रांस में दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इनक्यूबेटर स्टेशन एफ में 10 भारतीय स्टार्टअप को समर्थन देने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे उद्यमिता और सीमा पार सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

परमाणु ऊर्जा और उन्नत रिएक्टर प्रौद्योगिकी

भारत और फ्रांस ने उन्नत मॉड्यूलर रिएक्टरों और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर आशय की घोषणा पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य अगली पीढ़ी की परमाणु प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ाना है। भारत के परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) और फ्रांस के कमिसारीट ए एल'एनर्जी एटॉमिक एट ऑक्स एनर्जीज अल्टरनेटिक्स (सीईए) के बीच परमाणु ऊर्जा सहयोग पर समझौता ज्ञापन को नवीनीकृत किया गया, जिससे परमाणु संबंधों को और मजबूती मिली। इसके अतिरिक्त, भारत के ग्लोबल सेंटर फॉर न्यूक्लियर एनर्जी पार्टनरशिप (जीसीएनईपी) और फ्रांस के इंस्टीट्यूट फॉर न्यूक्लियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएनएसटीएन) के बीच सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए एक कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

त्रिकोणीय विकास सहयोग और पर्यावरण भागीदारी

त्रिकोणीय विकास सहयोग के लिए एक संयुक्त आशय घोषणा जारी की गई, जिसके तहत भारत और फ्रांस इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में विकास परियोजनाओं पर सहयोग करेंगे, जिसमें स्थिरता और आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसके अलावा, भारत के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और फ्रांस के पारिस्थितिकी संक्रमण मंत्रालय के बीच जैव विविधता संरक्षण और जलवायु कार्रवाई को बढ़ावा देने के लिए पर्यावरण सहयोग पर आशय घोषणा पर हस्ताक्षर किए गए।

राजनयिक और क्षेत्रीय जुड़ाव

राजनयिक संबंधों को मजबूत करने के हिस्से के रूप में, मार्सिले में भारत के महावाणिज्य दूतावास का उद्घाटन पीएम मोदी और फ्रांसीसी अधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया। इसके अतिरिक्त, नेताओं ने एआई, परमाणु ऊर्जा और इंडो-पैसिफिक सुरक्षा के भविष्य सहित वैश्विक और क्षेत्रीय मामलों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने एआई एक्शन समिट के सफल आयोजन पर राष्ट्रपति मैक्रोन को भी बधाई दी, जबकि फ्रांस ने शिखर सम्मेलन के अगले मेजबान के रूप में भारत का स्वागत किया।

ये समझौते और सहयोग वैश्विक स्तर पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा सुरक्षा और कूटनीतिक जुड़ाव को आगे बढ़ाने के लिए भारत और फ्रांस की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।



04 FEB

WORLD CANCER DAY

2025 THEME: United by Unique
The theme seeks to counter the negative attitude and fatalistic belief that nothing can be done about cancer, and instead promotes how our personal actions can be powerful and impactful.

Importance
To mark the establishment of World Cancer Day on 4 February 2000 at the World Cancer Summit in Paris.

Motto
To raise awareness of cancer and to encourage its prevention, detection, and treatment.

Organisation Involved
Union for International Cancer Control (UICC).



06 FEB

International Day of ZERO TOLERANCE for FEMALE GENITAL MUTILATION

EDITION: 22nd
INCEPTION: 2003
2025 THEME:
Her Voice. Her Future. Investing in Survivor-Led Movements to End Female Genital Mutilation.

What is Female genital mutilation (FGM)?
It comprises all procedures that involve altering or injuring the female genitalia for non-medical reasons and is recognized internationally as a violation of the human rights, the health and the integrity of girls and women.

Importance
On February 6, 2003, Stella Obasanjo, the First Lady of Nigeria and spokesperson for the Campaign Against Female Genital Mutilation, made the official declaration on "Zero Tolerance to FGM" in Africa.

Motto
To amplify and direct the efforts on the elimination of female genital mutilation.

Organisation Involved
UNGA

Note
In 2012, the UN General Assembly designated February 6th as the International Day of Zero Tolerance for Female Genital Mutilation.

अर्थव्यवस्था एवं व्यापार

RBI ने सिटीबैंक, आशीर्वाद माइक्रो फाइनेंस, जेएम फिन होम लोन पर जुर्माना लगाया

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने नियामक मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए सिटीबैंक, आशीर्वाद माइक्रो फाइनेंस और जेएम फाइनेंशियल होम लोन पर मौद्रिक जुर्माना लगाया। केंद्रीय बैंक ने 'बड़े जोखिम' की सीमा में उल्लंघन की रिपोर्ट देरी से करने और क्रेडिट सूचना कंपनियों (CIC) से अस्वीकृति रिपोर्ट प्राप्त करने के सात दिनों के भीतर कुछ खंडों में सुधारित डेटा अपलोड नहीं करने के लिए सिटीबैंक पर 39 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। आशीर्वाद माइक्रो फाइनेंस पर कई कमियों के लिए जुर्माना लगाया गया।

जुर्माना: ₹6.2 लाख

मुद्दे: उधारकर्ता की घरेलू आय की रिपोर्ट करने में विफलता, गोल्ड लोन ग्राहकों के लिए तथ्यपत्रों की कमी और शिकायतों के लिए ऑटो-एस्केलेशन सिस्टम की अनुपस्थिति।

जेएम फाइनेंशियल होम लोन को जोखिम वर्गीकरण और ब्याज दरों में पारदर्शिता की कमी के लिए दंडित किया गया।

जुर्माना: ₹1.5 लाख

मुद्दे: जोखिम वर्गीकरण दृष्टिकोण का खुलासा न करना और उधारकर्ताओं को ब्याज दर के अंतर के बारे में अस्पष्ट संचार।

RBI ने न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक पर प्रतिबंध लगाए

प्रशासक की नियुक्ति और बोर्ड का निलंबन

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने SBI के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक श्रीकांत को न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, मुंबई का प्रशासक नियुक्त किया है। इसके अतिरिक्त, RBI ने खराब प्रशासन के कारण बैंक के निदेशक मंडल को 12 महीने के लिए हटा दिया है। रवींद्र सपरा (पूर्व SBI महाप्रबंधक) और अभिजीत देशमुख (चार्टर्ड अकाउंटेंट) सहित सलाहकारों की एक समिति बैंक के संचालन के प्रबंधन में सहायता करेगी।

परिचालन प्रतिबंध और निकासी सीमाएँ

RBI ने पर्यवेक्षी चिंताओं का हवाला देते हुए 13 फरवरी से बैंक पर कई प्रतिबंध लगाए हैं। बैंक को छह महीने की अवधि के लिए ऋण और जमा सहित सभी बैंकिंग परिचालन को रोकने का निर्देश दिया गया है, जो आगे की समीक्षा के अधीन है। बैंक के नकदी संकट के कारण जमाकर्ता बचत, चालू या अन्य खातों से कोई राशि नहीं निकाल सकते हैं। हालाँकि, RBI की शर्तों के अनुसार बैंक को जमा के विरुद्ध ऋण सेट करने की अनुमति है।

पात्र जमाकर्ताओं के लिए जमा बीमा पात्र

जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (DICGC) के माध्यम से ₹5 लाख तक का बीमा दावा प्राप्त करने के हकदार हैं। बैंक

के कामकाज के संबंध में आगे की कार्रवाई इसकी वित्तीय स्थिति और विनियामक अनुपालन में सुधार पर निर्भर करेगी।

ऋण और निवेश पर प्रतिबंध

RBI ने बैंक को बिना पूर्व स्वीकृति के ऋण देने या नवीनीकृत करने, नए निवेश करने या नई जमा स्वीकार करने से प्रतिबंधित कर दिया है। इन प्रतिबंधों का उद्देश्य बैंक के वित्तीय स्वास्थ्य को स्थिर करना और जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा करना है।

इरडा ने यूपीआई पर ब्लॉक की गई राशि के माध्यम से बीमा प्रीमियम भुगतान की अनुमति दी

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने एक नई भुगतान सुविधा, बीमा एप्लीकेशन सपोर्टेड बाय ब्लॉकड अमाउंट (बीमा-एसबीए) शुरू की है, जो पॉलिसीधारकों को यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) पर वन-टाइम मैडेट (ओटीएम) के माध्यम से बीमा प्रीमियम भुगतान के लिए अपने बैंक खातों में धनराशि ब्लॉक करने की अनुमति देती है।

बीमा-एसबीए की मुख्य विशेषताएँ

- सशर्त भुगतान: बीमाकर्ता द्वारा प्रस्ताव स्वीकार किए जाने के बाद ही ब्लॉक की गई राशि डेबिट की जाती है। यदि अस्वीकार कर दिया जाता है, तो धनराशि स्वचालित रूप से अनब्लॉक हो जाती है।
- प्रयोज्यता: यह सुविधा जीवन और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों दोनों के लिए उपलब्ध है।
- मैडेट अवधि: ब्लॉक की गई राशि अधिकतम 14 दिनों तक या अंडरराइटिंग निर्णय होने तक, जो भी पहले हो, तक बनी रहती है।
- संशोधन विकल्प: यदि अंतिम प्रीमियम ब्लॉक की गई राशि से अधिक है, तो बीमाकर्ता को अतिरिक्त सहमति प्राप्त करनी होगी।
- कार्यान्वयन की समयसीमा: यह सुविधा 1 मार्च, 2025 को या उससे पहले शुरू हो जाएगी।

नियामक आवश्यकताएँ

बीमा कंपनियों को कई बैंकों के साथ साझेदारी करनी चाहिए और आवश्यक संविदात्मक समझौते स्थापित करने चाहिए। यूपीआई के माध्यम से राशियों को अवरुद्ध करने के लिए एक मानक घोषणा इरडा के परिपत्र के एक सप्ताह के भीतर जारी की जानी चाहिए।

बीमा-एसबीए का विकल्प न चुनने के कारण पॉलिसीधारकों के प्रस्तावों को अस्वीकार नहीं किया जा सकता है।

निष्कर्ष

बीमा-एसबीए की शुरूआत का उद्देश्य बीमा प्रीमियम भुगतान को सुव्यवस्थित करना, पारदर्शिता बढ़ाना और यूपीआई-आधारित डिजिटल लेनदेन का उपयोग करने वाले पॉलिसीधारकों को अधिक सुविधा प्रदान करना है।

RBI ने आर्थिक और वित्तीय डेटा तक आसान पहुँच के लिए 'RBIDATA' ऐप लॉन्च किया

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने 'RBIDATA' मोबाइल एप्लिकेशन पेश किया है, जो उपयोगकर्ताओं को भारतीय अर्थव्यवस्था से संबंधित 11,000 से अधिक विभिन्न श्रृंखलाओं के आर्थिक और वित्तीय डेटा तक पहुँच प्रदान करता है। ऐप उपयोगकर्ता के अनुकूल और आकर्षक प्रारूप में व्यापक आर्थिक और वित्तीय आँकड़े प्रदान करता है।

RBIDATA ऐप की मुख्य विशेषताएँ

- ग्राफिकल प्रतिनिधित्व और डेटा विश्लेषण: उपयोगकर्ता ग्राफ़/चार्ट में समय श्रृंखला डेटा देख सकते हैं और विश्लेषण के लिए डेटा डाउनलोड कर सकते हैं।
- विस्तृत डेटा अंतर्दृष्टि: डेटा स्रोतों, माप की इकाइयों, आवृत्ति और हाल के अपडेट के बारे में जानकारी उपलब्ध है।
- बैंकिंग और SAARC देश की जानकारी
- बैंकिंग आउटलेट लोकेटर: उपयोगकर्ता अपने स्थान के 20 किलोमीटर के भीतर बैंकिंग सुविधाएँ पा सकते हैं।
- SAARC वित्त अनुभाग: व्यापक वित्तीय अंतर्दृष्टि के लिए SAARC देशों के बारे में आर्थिक डेटा प्रदान करता है।

लक्षित दर्शक और उद्देश्य

'RBIDATA' ऐप भारतीय अर्थव्यवस्था पोर्टल पर डेटाबेस तक त्वरित पहुँच सुनिश्चित करता है, जिसका उद्देश्य शोधकर्ताओं, छात्रों और आम जनता को नवीनतम वित्तीय जानकारी प्रदान करके लाभान्वित करना है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र को GIFT सिटी शाखा के लिए RBI की मंजूरी मिली

BoM IFSC में पहली अंतर्राष्ट्रीय शाखा स्थापित करेगा

बैंक ऑफ महाराष्ट्र (BoM) को GIFT सिटी, गांधीनगर, गुजरात में एक अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (IFSC) बैंकिंग इकाई स्थापित करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) से मंजूरी मिल गई है। यह BoM की पहली अंतर्राष्ट्रीय शाखा होगी, जो भारत से अपतटीय बैंकिंग परिचालन की सुविधा प्रदान करेगी।

GIFT सिटी शाखा का महत्व

IFSC बैंकिंग इकाई (IBU) BoM को अपने अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग व्यवसाय का विस्तार करने और ग्राहकों को विशेष बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम बनाएगी। यह शाखा वैश्विक वित्तीय बाजारों तक पहुँच प्रदान करेगी और BoM को बाहरी वाणिज्यिक उधार (ECB) जैसे विदेशी मुद्रा वित्तपोषण उत्पाद प्रदान करने की अनुमति देगी। इसके अतिरिक्त, बैंक अब विदेशी उपक्रमों का समर्थन करने और वैश्विक सिंडिकेशन में भाग लेने में सक्षम होगा।

GIFT सिटी: भारत का वैश्विक वित्तीय केंद्र

गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (GIFT सिटी) को अप्रैल 2015 में भारत के पहले IFSC के रूप में विकसित किया गया था, ताकि भारत को वैश्विक वित्तीय केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके। SEZ का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर विश्व स्तरीय वित्तीय सेवाएँ

प्रदान करना है, जिससे अपतटीय वित्तीय केंद्रों पर निर्भरता कम हो।

यह विस्तार भारत सरकार के अंतर्राष्ट्रीय वित्त में भारत की भूमिका को मजबूत करने और देश के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

RBI ने नैनीताल बैंक और उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक पर ₹68.1 लाख का जुर्माना लगाया

नैनीताल बैंक और उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक पर जुर्माना भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने विनियामक मानदंडों का पालन न करने के लिए दो बैंकों पर कुल ₹68.1 लाख का मौद्रिक जुर्माना लगाया है। नैनीताल बैंक लिमिटेड पर अग्रिमों पर ब्याज दर और बैंकों में ग्राहक सेवा संबंधी दिशानिर्देशों के उल्लंघन के लिए ₹61.40 लाख का जुर्माना लगाया गया है। इसके अतिरिक्त, उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक पर ऋण और अग्रिम - वैधानिक और अन्य प्रतिबंधों पर RBI के निर्देशों का पालन करने में विफल रहने के लिए ₹6.70 लाख का जुर्माना लगाया गया है।

श्रीराम फाइनेंस पर जुर्माना

इन दो बैंकों के अलावा, RBI ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (NBFC) श्रीराम फाइनेंस पर भी नो योर कस्टमर (KYC) दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने और क्रेडिट सूचना कंपनियों को क्रेडिट सूचना प्रस्तुत करने के लिए डेटा प्रारूप पर RBI के मानदंडों का पालन करने में विफल रहने के लिए ₹5.80 लाख का जुर्माना लगाया है।

विनियामक अनुपालन और RBI का रुख

RBI ने स्पष्ट किया कि ये दंड विनियामक कमियों के कारण लगाए गए थे और ऋणदाताओं और उनके ग्राहकों के बीच लेनदेन की वैधता को प्रभावित नहीं करते हैं। इसके अलावा, ये मौद्रिक दंड RBI को भविष्य में संबंधित संस्थाओं के खिलाफ कोई अतिरिक्त कार्रवाई करने से नहीं रोकते हैं।

अडानी ग्रीन ने श्रीलंका की 442 मिलियन डॉलर की पवन ऊर्जा परियोजना से हाथ खींच लिया

अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने श्रीलंका में दो पवन ऊर्जा परियोजनाओं से हटने की घोषणा की है, जिनका कुल मूल्य लगभग 442 मिलियन डॉलर है। यह निर्णय श्रीलंका सरकार द्वारा पहले से सहमत बिजली खरीद शुल्क पर फिर से बातचीत करने के लिए चर्चा शुरू करने के बाद आया है।

पृष्ठभूमि:

प्रारंभिक समझौता: मई 2024 में, पिछली श्रीलंकाई सरकार ने मन्नार और पूनरी के उत्तरी क्षेत्रों में दो पवन ऊर्जा संयंत्रों के लिए अडानी ग्रीन एनर्जी के साथ 20 साल का बिजली खरीद समझौता किया था। सहमत टैरिफ \$0.0826 प्रति किलोवाट-घंटा निर्धारित किया गया था।

टैरिफ पर फिर से बातचीत: वर्तमान श्रीलंकाई सरकार ने टैरिफ की समीक्षा करने और इसे \$0.06 प्रति किलोवाट-घंटा से कम

करने की मांग की, जिसका उद्देश्य अधिक अनुकूल आर्थिक शर्तों के साथ संरेखित करना था।

अडानी का जवाब:

अडानी ग्रीन एनर्जी ने श्रीलंका के संप्रभु अधिकारों को स्वीकार करते हुए, पुनर्वाता प्रयासों के कारण परियोजनाओं से हटने का फैसला किया। कंपनी ने इन परियोजनाओं से संबंधित प्रारंभिक गतिविधियों में पहले ही लगभग 5 मिलियन डॉलर का निवेश किया था।

जारी प्रतिबद्धताएँ:

इस वापसी के बावजूद, अडानी समूह श्रीलंका में अन्य उपक्रमों में लगा हुआ है, विशेष रूप से कोलंबो के बंदरगाह पर 700 मिलियन डॉलर के टर्मिनल का निर्माण।

RBI ने कोटक महिंद्रा बैंक पर व्यावसायिक प्रतिबंध हटाए

अप्रैल 2024 में, भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने सूचना प्रौद्योगिकी (IT) जोखिम और सूचना सुरक्षा प्रशासन में कमियों के कारण कोटक महिंद्रा बैंक पर व्यावसायिक प्रतिबंध लगाए थे। बैंक को ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग चैनलों के माध्यम से नए ग्राहकों को जोड़ने और नए क्रेडिट कार्ड जारी करने से रोक दिया गया था। बैंक द्वारा 2022 और 2023 के लिए जारी सुधारात्मक कार्य योजनाओं का पालन करने में विफल रहने के बाद प्रतिबंध लगाए गए थे, जिसके कारण बार-बार व्यवधान और ग्राहकों को असुविधा हो रही थी।

बैंक द्वारा किए गए उपचारात्मक उपाय

RBI के निर्देश के बाद, कोटक महिंद्रा बैंक ने सुधारात्मक उपायों को लागू किया, अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की और केंद्रीय बैंक की स्वीकृति के साथ एक बाहरी ऑडिट किया। RBI ने इन प्रस्तुतियों की समीक्षा की और उन्हें संतोषजनक पाया, जिसके परिणामस्वरूप लगाए गए प्रतिबंधों को हटा दिया गया।

RBI का निर्णय और वर्तमान स्थिति

दस महीने बाद, RBI ने कोटक महिंद्रा बैंक पर प्रतिबंध हटाने का फैसला किया, जिससे उसे नए ग्राहकों को डिजिटल रूप से जोड़ना और नए क्रेडिट कार्ड जारी करना फिर से शुरू करने की अनुमति मिल गई। हालांकि, पेटीएम पेमेंट्स बैंक के लिए "रोके और रोके" आदेश अभी भी लागू है।

RBI सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग के लिए 'bank.in' और 'fin.in' डोमेन लॉन्च करेगा

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने डिजिटल बैंकिंग में सुरक्षा बढ़ाने और साइबर धोखाधड़ी से निपटने के लिए विशेष इंटरनेट डोमेन- 'bank.in' और 'fin.in' शुरू करने की घोषणा की है। इस कदम का उद्देश्य फ़िशिंग हमलों, साइबर खतरों को संबोधित करना और डिजिटल वित्तीय सेवाओं में विश्वास को बढ़ाना है।

विशेषताएँ और कार्यान्वयन

'bank.in' डोमेन विशेष रूप से भारतीय बैंकों के लिए उपलब्ध होगा, जो एक सुरक्षित ऑनलाइन उपस्थिति सुनिश्चित करेगा और साइबर धोखाधड़ी के जोखिम को कम करेगा।

बैंकिंग प्रौद्योगिकी में विकास और अनुसंधान संस्थान (IDRBT) इन डोमेन के लिए विशेष रजिस्ट्रार के रूप में कार्य करेगा।

'bank.in' के लिए पंजीकरण अप्रैल 2025 में शुरू होने वाले हैं। RBI भविष्य में गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों के लिए 'fin.in' लॉन्च करने की योजना बना रहा है ताकि वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में सुरक्षा को और बढ़ाया जा सके।

नए डोमेन पर बैंकों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगे।

उद्देश्य

डिजिटल बैंकिंग सुरक्षा को मजबूत करना और फ़िशिंग खतरों को कम करना।

भारतीय वित्तीय संस्थानों के लिए एक विश्वसनीय और पहचान योग्य डिजिटल उपस्थिति स्थापित करना। ऑनलाइन बैंकिंग और डिजिटल भुगतान में ग्राहकों का विश्वास बढ़ाना।

RBI ने AFA के साथ अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन भुगतानों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा पेश की

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने ऑनलाइन भुगतान सुरक्षा को बढ़ाने के लिए क्रॉस-बॉर्डर कार्ड नॉट प्रेजेंट (CNP) लेनदेन के लिए अतिरिक्त प्रमाणीकरण कारक (AFA) की शुरुआत की घोषणा की है।

मौजूदा AFA उपयोग:

AFA पहले से ही भारत में घरेलू डिजिटल लेनदेन के लिए एक प्रमुख सुरक्षा सुविधा है।

यह एक अतिरिक्त सत्यापन चरण जोड़ता है, जैसे कि वन-टाइम पासवर्ड (OTP) या बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, धोखाधड़ी को कम करता है और ग्राहकों का विश्वास बढ़ाता है।

वर्तमान सुरक्षा अंतर:

अब तक, भारत द्वारा जारी किए गए कार्ड का उपयोग करके अंतर्राष्ट्रीय डिजिटल लेनदेन AFA द्वारा संरक्षित नहीं थे।

इससे भारतीय उपभोक्ता विदेशी व्यापारियों के साथ खरीदारी करते समय साइबर खतरों के प्रति संवेदनशील हो गए।

अतिरिक्त सुरक्षा की आवश्यकता:

क्रॉस-बॉर्डर CNP लेनदेन में धोखाधड़ी का जोखिम अधिक होता है क्योंकि भौतिक कार्ड मौजूद नहीं होता है।

AFA के बिना, धोखेबाज सुरक्षा खामियों का फायदा उठा सकते हैं, जिससे अनधिकृत लेनदेन हो सकते हैं।

RBI के निर्णय का उद्देश्य:

अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन को घरेलू भुगतानों के समान सुरक्षा मानकों के साथ संरेखित करना।

भारतीय कार्डधारकों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करना, चाहे वे स्थानीय स्तर पर खरीदारी करें या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर।

यह कदम उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करेगा, अंतरराष्ट्रीय लेनदेन में विश्वास बढ़ाएगा और भारतीय कार्डधारकों के लिए ऑनलाइन धोखाधड़ी के जोखिम को कम करेगा।

RBI ने रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती कर इसे 6.25% किया

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने रेपो दर में 25 आधार अंकों (bps) की कटौती की है, जिससे यह 6.50% से घटकर 6.25% हो गई है। दो वर्षों तक स्थिर दर बनाए रखने के बाद लगभग पाँच वर्षों में यह पहली रेपो दर कटौती है।

रेपो दर में कटौती का कारण

मौद्रिक नीति समिति (MPC) ने सर्वसम्मति से रेपो दर को कम करने का निर्णय लिया, ताकि उधार लेना सस्ता हो, खर्च और निवेश को बढ़ावा मिले और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिले। चूँकि मुद्रास्फीति RBI के लक्ष्य सीमा के भीतर बनी हुई है, इसलिए दर में कटौती का उद्देश्य मूल्य स्थिरता बनाए रखते हुए आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा देना है।

दर में कटौती का प्रभाव

कम EMI: घर और व्यक्तिगत ऋण पर ब्याज दरें कम होंगी, जिससे उधारकर्ताओं के लिए समान मासिक किस्तें (EMI) कम होंगी।

सस्ता उधार: बैंक अपनी बाहरी बेंचमार्क उधार दरों (EBLR) और फंड-आधारित उधार दरों की सीमांत लागत (MCLR) को कम करेंगे, जिससे ऋण अधिक सुलभ हो जाएगा।

आर्थिक विकास: कम ब्याज दरें निवेश, खर्च और रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करेंगी, जिससे भारत वैश्विक उदार मौद्रिक नीतियों के साथ जुड़ जाएगा। मुद्रास्फीति की चिंताएँ: जबकि कम रेपो दर विकास को बढ़ावा देती है, यह उच्च धन आपूर्ति और मांग के कारण मुद्रास्फीति को बढ़ा सकती है।

जीडीपी वृद्धि और मुद्रास्फीति अनुमान

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि 6.6% से संशोधित होकर 6.7% अनुमानित है। खुदरा मुद्रास्फीति 2025-26 के लिए 4.2% अनुमानित है, जिसमें आगे और कमी आने की उम्मीद है। रुपये के मूल्यहास और कमोडिटी मूल्य प्रवृत्तियों सहित वैश्विक कारक मुद्रास्फीति स्थिरता को प्रभावित कर सकते हैं। आरबीआई का निर्णय आर्थिक विकास और मुद्रास्फीति प्रबंधन के प्रति संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो आने वाले वित्तीय वर्ष में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करता है।

वर्तमान नीति दरों पर एक नज़र:

- पॉलिसी रेपो दर: 6.25%
- स्थायी जमा सुविधा दर: 6.00%
- सीमांत स्थायी सुविधा दर: 6.50%
- बैंक दर: 6.50%
- स्थिर रिवर्स रेपो दर: 3.35%
- सीआरआर: 4.00%
- एसएलआर: 18.00%

सेबी ने कमियों को दूर करने और निवेशकों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए एल्गो ट्रेडिंग नियमों को कड़ा किया

सेबी ने निवेशकों की सुरक्षा और बाजार की अखंडता को बढ़ाने के लिए एल्गो ट्रेडिंग नियमों को कड़ा किया है, खासकर खुदरा निवेशकों को एल्गो ट्रेडिंग तक पहुंच प्राप्त करने के लिए।

मुख्य परिवर्तन:

अनुमोदन आवश्यक - ब्रोकरों को प्रत्येक एल्गो के लिए एक्सचेंज की मंजूरी लेनी होगी।

अद्वितीय ऑर्डर टैकिंग - पारदर्शिता के लिए सभी एल्गो ट्रेडों की एक अद्वितीय आईडी होनी चाहिए।

एल्गो प्रदाताओं को पंजीकरण करना होगा - केवल अधिकृत संस्थाएं ही एल्गो ट्रेडिंग सेवाएं प्रदान कर सकती हैं।

जोखिम नियंत्रण - एक्सचेंजों में वास्तविक समय जोखिम प्रबंधन और दोषपूर्ण एल्गो को रोकने के लिए "किल स्विच" होना चाहिए।

निवेशक सुरक्षा - दुरुपयोग को रोकने के लिए शिक्षा और प्रकटीकरण में वृद्धि।

प्रभाव:

धोखाधड़ीपूर्ण ट्रेडिंग और बाजार में हेरफेर को रोकता है।

एल्गो ट्रेडिंग को खुदरा निवेशकों के लिए सुरक्षित और अधिक पारदर्शी बनाता है।

नवाचार को मजबूत नियामक निगरानी के साथ संतुलित करता है।

एल्गो ट्रेडिंग क्या है?

एल्गोरिथमिक ट्रेडिंग (एल्गो ट्रेडिंग) स्वचालित ट्रेडिंग की एक विधि है जहां पूर्व-प्रोग्राम किए गए कंप्यूटर एल्गोरिदम विशिष्ट बाजार स्थितियों के आधार पर ट्रेडों को निष्पादित करते हैं। यह मानवीय हस्तक्षेप को समाप्त करता है और वित्तीय बाजारों में उच्च गति, डेटा-संचालित निर्णय लेने की अनुमति देता है।

भारत ने 2025 के लिए संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट में 37.64 मिलियन डॉलर का योगदान दिया

भारत संयुक्त राष्ट्र के "सम्मान सूची" में शामिल हुआ

भारत ने 2025 के लिए संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट में 37.64 मिलियन डॉलर का योगदान दिया है, जिससे वह उन 35 सदस्य देशों में शामिल हो गया है, जिन्होंने अपने बजट आकलन का पूरा और समय पर भुगतान किया है। यह समय पर भुगतान संयुक्त राष्ट्र के नियमों के तहत अपने वित्तीय दायित्वों को पूरा करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

संयुक्त राष्ट्र के वित्तीय नियमों के अनुसार समय पर भुगतान योगदान पर संयुक्त राष्ट्र समिति के अनुसार, 31 जनवरी, 2025 तक, केवल 35 सदस्य देशों ने संयुक्त राष्ट्र के वित्तीय नियमों में निर्दिष्ट 30-दिवसीय नियत अवधि के भीतर अपने नियमित बजट का भुगतान किया था। भारत का भुगतान भी 31 जनवरी, 2025 को पूरा हो गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का पालन करने के लिए इसकी प्रतिष्ठा मजबूत हुई।

संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट के बारे में मुख्य तथ्य संक्षेप में:

- उद्देश्य: संचालन और शांति स्थापना सहित संयुक्त राष्ट्र की मुख्य गतिविधियों को निधि प्रदान करता है।
- वित्तपोषण: संयुक्त राष्ट्र के सभी 193 सदस्य देश संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट में योगदान करते हैं। हालाँकि, योगदान एक मूल्यांकन पैमाने पर आधारित होते हैं जो प्रत्येक देश की सकल राष्ट्रीय आय (GNI) को दर्शाता है।
- मूल्यांकन: योगदान महासभा द्वारा निर्धारित पैमाने पर आधारित होते हैं।
- अनुमोदन: बजट को हर दो साल में महासभा द्वारा अपनाया जाता है।
- घटक: इसमें राजनीतिक मामले, विकास, मानवीय सहायता और प्रशासन शामिल हैं।
- योगदान: देशों को समय पर भुगतान करना होगा या मतदान का अधिकार खोना होगा।
- निगरानी: संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम नियोजन, बजट और लेखा कार्यालय द्वारा प्रबंधित।
- घाटे: अवैतनिक योगदान बजट की कमी का कारण बन सकते हैं।
- प्रमुख योगदानकर्ता: अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी।

सेबी ने नियामक उल्लंघन के लिए एक्सिस सिक्योरिटीज पर ₹10 लाख का जुर्माना लगाया

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) ने स्टॉक ब्रोकर विनियमन और अन्य नियामक मानदंडों का उल्लंघन करने के

लिए एक्सिस सिक्योरिटीज पर ₹10 लाख का जुर्माना लगाया है। ब्रोकरेज फर्म को 45 दिनों के भीतर जुर्माना भरने का निर्देश दिया गया है।

पहचाने गए नियामक उल्लंघन:

सेबी के 82-पृष्ठ के आदेश में एक्सिस सिक्योरिटीज द्वारा कई चूकों का खुलासा किया गया, जिसमें रिपोर्टिंग विसंगतियाँ, क्लाइंट फंड का अनुचित संचालन और निपटान प्रक्रियाओं का पालन न करना शामिल है। फर्म ने क्लाइंट फंड और सिक्योरिटीज का उनकी प्राथमिकताओं के अनुसार निपटान नहीं किया और खाता विवरण के साथ उचित प्रतिधारण विवरण प्रदान करने में विफल रही।

मुख्य निष्कर्ष:

- असंगत रिपोर्टिंग: स्टॉक एक्सचेंजों और स्टॉक स्टेटमेंट को बढ़ी हुई पर्यवेक्षण रिपोर्टिंग में विसंगतियाँ।
- अनुचित फंड हैंडलिंग: क्लाइंट फंड और सिक्योरिटीज का सही तरीके से निपटान न करना।
- क्लाइंट को जुर्माना ट्रांसफर करना: मार्जिन के कम संग्रह के लिए स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा लगाए गए जुर्माने को आगे बढ़ाना।
- प्रतिभूतियों का दुरुपयोग: उचित प्रबंधन के बिना ग्राहकों की प्रतिभूतियों को "ग्राहक अवैतनिक प्रतिभूति खाते" में स्थानांतरित करना।
- मार्जिन उल्लंघन: स्वीकार्य मार्जिन ट्रेडिंग जोखिम को पार कर गया और क्लाइंट से मार्जिन संग्रह में कमी आई।
- राजनीतिक रूप से उजागर व्यक्तियों (पीईपी) रिपोर्टिंग का गैर-अनुपालन: पीईपी की पहचान करने और रिपोर्टिंग में चूक।

"एक सपने के
टूटकर चकनाचूर हो
जाने के बाद !
दूसरा सपना देखने
के हौसले को
ज़िन्दगी कहते हैं !!"

"आप अपना भविष्य
नहीं बदल सकते
लेकिन अपनी आदतें
बदल सकते हैं !
और निश्चित रूप से
आपकी आदतें आपका
भविष्य बदल देंगी !!

रक्षा एवं सुरक्षा

एयरो इंडिया शो 2025: एशिया का सबसे बड़ा रक्षा कार्यक्रम

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बेंगलुरु के येलहंका एयरफोर्स बेस में एशिया के सबसे बड़े एयरो इंडिया शो का उद्घाटन करेंगे।

अवधि और थीम

पांच दिवसीय कार्यक्रम की थीम "रनवे टू ए बिलियन ऑपच्युनिटीज" है, जो भारत की रक्षा क्षमताओं और स्वदेशी नवाचारों को प्रदर्शित करने पर केंद्रित है।

43 देशों के वायुसेना प्रमुख और रक्षा सचिव भाग लेंगे।

स्वदेशी रक्षा शोकेस

प्रदर्शन में शामिल विमान हैं:

- लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (LCA) तेजस
- लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (LCH) प्रचंड
- एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर
- C-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट (भारत में निर्मित)

एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (ADA) ने पांचवीं पीढ़ी की तकनीक वाले एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (AMCA) के प्रोटोटाइप का अनावरण किया है।

भारत में उन्नत लेजर चेतावनी प्रणाली के लिए साब और एचएएल ने हाथ मिलाया

- साझेदारी अवलोकन: स्वीडिश रक्षा कंपनी साब ने इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर लैंड लेजर चेतावनी प्रणाली-310 (LWS-310) को संयुक्त रूप से विकसित करने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं।
- उद्देश्य: लड़ाकू वाहन सुरक्षा को बढ़ाना: LWS-310 प्रणाली का उद्देश्य लेजर खतरों का तेजी से पता लगाने और वर्गीकरण प्रदान करके लड़ाकू वाहनों की आत्म-सुरक्षा क्षमताओं में सुधार करना है।
- कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम के साथ एकीकरण: यह प्रणाली प्रभावी जवाबी उपायों को तैनात करने, स्थितिजन्य जागरूकता को बढ़ाने और युद्ध के मैदान में जीवित रहने की क्षमता को बढ़ाने के लिए मौजूदा लड़ाकू प्रबंधन प्रणालियों के साथ एकीकृत होती है।
- भारत में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और विनिर्माण: समझौता ज्ञापन के हिस्से के रूप में, साब भारत में LWS-310 के स्थानीय विनिर्माण को सक्षम करने के लिए HAL को प्रौद्योगिकी हस्तांतरित करेगा। यह भारत की रक्षा खरीद प्रक्रिया के अनुरूप है और रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता का समर्थन करता है।
- बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण: इस समझौते में आवश्यक बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की स्थापना, साथ ही साब से एचएएल को तकनीकी विशेषज्ञता का हस्तांतरण

शामिल है, जिससे सिस्टम के लिए दीर्घकालिक समर्थन सुनिश्चित होगा।

- दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत करना: यह सहयोग साब और एचएएल के बीच दीर्घकालिक साझेदारी पर आधारित है, जो 2005 में उन्नत लाइट हेलीकॉप्टर कार्यक्रम के विकास के साथ शुरू हुआ था।
- स्थानीयकरण के लिए प्रतिबद्धता: साब इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मैट्स पामबर्ग ने स्थानीयकरण और स्वदेशीकरण के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जिससे भारतीय सशस्त्र बलों को समर्थन देने के लिए एक सुरक्षित और निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।
- रक्षा क्षमताओं को बढ़ाना: LWS-310 प्रणाली से उन्नत लेजर खतरों का पता लगाने और जवाबी तैनाती प्रदान करके भारतीय सशस्त्र बलों की रक्षा क्षमताओं में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है, जिससे लड़ाकू वाहनों की उत्तरजीविता और परिचालन प्रभावशीलता में वृद्धि होगी।

भारत, अमेरिका 10 वर्षीय रक्षा ढांचे पर हस्ताक्षर करेंगे, हथियार हस्तांतरण विनियमों की समीक्षा करेंगे

भारत और अमेरिका ने एक नए 10 वर्षीय रक्षा ढांचे समझौते पर हस्ताक्षर करने की योजना की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग और प्रौद्योगिकी साझाकरण को बढ़ाना है।

समझौते के मुख्य पहलू:

- बढ़ी हुई रक्षा सहयोग: इस ढांचे का उद्देश्य रक्षा संबंधों को मजबूत करना है, जिसमें प्रमुख हथियारों और प्लेटफार्मों का संभावित सह-उत्पादन शामिल है।
- हथियारों की बिक्री और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण: अमेरिका भारत को सैन्य हार्डवेयर की बिक्री बढ़ाने की योजना बना रहा है, जिसमें F-35 स्टील्थ फाइटर जेट जैसी उन्नत प्रणालियों पर चर्चा की जाएगी।

हथियारों के हस्तांतरण विनियमों की समीक्षा:

दोनों देश सहज प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान की सुविधा के लिए मौजूदा हथियार हस्तांतरण विनियमों पर फिर से विचार करने की आवश्यकता को पहचानते हैं। अंतर्राष्ट्रीय शस्त्र विनियम (ITAR) सहित वर्तमान अमेरिकी निर्यात नियंत्रण कानून, करीबी सहयोगियों के साथ भी रक्षा सहयोग के लिए चुनौतियां पेश कर सकते हैं।

प्रस्तावित रक्षा पहलों के सफल कार्यान्वयन के लिए इन नियामक बाधाओं को दूर करना आवश्यक है।

टाटा एलेक्सी, गरुड़ एयरोस्पेस स्वदेशी यूएवी के लिए भागीदार

डिजाइन और इंजीनियरिंग केंद्र की स्थापना:

टाटा एलेक्सी और गरुड़ एयरोस्पेस ने स्वदेशी ड्रोन प्रौद्योगिकियों के विकास पर केंद्रित एक डिजाइन, इंजीनियरिंग और प्रमाणन केंद्र स्थापित करने के लिए एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है।

यह सहयोग 'मेक इन इंडिया' पहल का समर्थन करता है और इसका उद्देश्य रक्षा, कृषि और स्मार्ट शहरों में ड्रोन अनुप्रयोगों को बढ़ाना है।

साझेदारी में भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ:

- टाटा एलेक्सी का योगदान: कंपनी एवियोनिक्स, लघुकरण, ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम, सुरक्षित संचार और ऊर्जा अनुकूलन में अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाएगी।
- यह यूएवी सबसिस्टम के डिजाइन, विकास, परीक्षण और प्रमाणन का नेतृत्व करेगी।
- गरुड़ एयरोस्पेस की भूमिका: मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) के रूप में, गरुड़ एयरोस्पेस व्यवसाय अधिग्रहण और वितरण पर ध्यान केंद्रित करेगा।

रक्षा मंत्रालय ने EON-51 सिस्टम के लिए BEL के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए 28 EON-51 सिस्टम की खरीद के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अनुबंध का मूल्य ₹642 करोड़ से अधिक है।

तैनाती

EON-51 सिस्टम को भारतीय नौसेना के लिए 11 नई पीढ़ी के अपतटीय गश्ती जहाजों (NGOPV) और तीन कैडेट प्रशिक्षण जहाजों पर स्थापित किया जाएगा।

EON-51 सिस्टम के बारे में

EON-51 एक इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल फायर कंट्रोल सिस्टम है जो इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल और थर्मल इमेजर्स का उपयोग करके लक्ष्यों की खोज, पता लगाने और वर्गीकरण को बढ़ाता है।

महत्व

अनुबंध अगले तीन वर्षों में रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद करेगा। यह एमएसएमई और भारतीय उद्योगों को रक्षा उत्पादन में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेगा। यह कदम आत्मनिर्भर भारत पहल के अनुरूप है, जो रक्षा विनिर्माण में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करता है।

आईडीईएक्स, अबू धाबी में एमएआरजी 155 मिमी/45 कैल माउंटेड गन सिस्टम का शुभारंभ

अबू धाबी में अंतर्राष्ट्रीय रक्षा प्रदर्शनी (आईडीईएक्स) के 17वें संस्करण और नौसेना रक्षा प्रदर्शनी (एनएवीडीईएक्स) के 8वें संस्करण में एमएआरजी 155 मिमी/45 कैल माउंटेड गन सिस्टम का अनावरण किया गया। ये प्रदर्शनियाँ अंतर्राष्ट्रीय शांति और

सुरक्षा को बढ़ाने वाली नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन करने के लिए वैश्विक रक्षा विशेषज्ञों को एक साथ लाती हैं।

आईडीईएक्स में भारतीय कंपनियाँ

आईडीईएक्स में 50 से अधिक भारतीय कंपनियों ने भाग लिया, जिनमें टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, भारत डायनेमिक्स, डीआरडीओ और ब्रह्मोस एयरोस्पेस शामिल हैं। एमएआरजी 45 मोबाइल गन सिस्टम को भारत फोर्ज की रक्षा सहायक कंपनी कल्याणी स्ट्रैटेजिक सिस्टम्स लिमिटेड द्वारा लॉन्च किया गया, जिसे 4x4 ऑल-टेरेन प्लेटफॉर्म पर लगाया गया।

एमएआरजी 45 की तकनीक और क्षमताएँ

एमएआरजी 45 में पारंपरिक गोला-बारूद का उपयोग करके 36 किमी से अधिक दूरी तक फायर करने में सक्षम बेहतर मारक क्षमता है। 23.5 टन वजन इस मिसाइल को तेजी से तैनाती के लिए डिजाइन किया गया है, जो विभिन्न युद्ध परिदृश्यों में असाधारण गतिशीलता और अनुकूलनशीलता प्रदान करती है। इस प्रणाली में दिन के दौरान 1.5 मिनट और रात में 2 मिनट में तेजी से काम करने का समय है। इसमें फायर की उच्च दर भी है, जो 3 मिनट में 10 राउंड फायर करने और 60 मिनट में 42 राउंड को बनाए रखने में सक्षम है।

रक्षा नवाचार के लिए भारतीय प्रतिबद्धता

राजदूत संजय सुधीर और भारत फोर्ज के अध्यक्ष बाबा कल्याणी ने रक्षा प्रौद्योगिकी में भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला, MArG 45 को उन्नत तोपखाने प्लेटफॉर्मों के विकास में भारत की आत्मनिर्भरता के प्रतीक के रूप में रेखांकित किया।

आईडीईएक्स और एनएवीडीईएक्स भागीदारी में वृद्धि

आईडीईएक्स के 2025 संस्करण में प्रतिभागियों में 16% की वृद्धि देखी गई, जिसमें 65 देशों की 1,565 कंपनियाँ शामिल थीं, और प्रदर्शनी स्थान में 10% की वृद्धि हुई। NAVDEX 2025 में दुनिया भर के युद्धपोतों के साथ नौसेना के जहाजों और प्रौद्योगिकियों का लाइव प्रदर्शन किया गया।

मत्स्य-6000: भारत की चौथी पीढ़ी की गहरे समुद्र में चलने वाली पनडुब्बी ने सफलतापूर्वक गीला परीक्षण पूरा किया**सफल गीला परीक्षण और भविष्य की योजनाएँ**

भारत की चौथी पीढ़ी की गहरे समुद्र में चलने वाली पनडुब्बी 'मत्स्य-6000' ने बंदरगाह पर अपना गीला परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जो गहरे समुद्र में अन्वेषण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पनडुब्बी अब 2025 के अंत तक 500 मीटर तक की गहराई पर उथले पानी के प्रदर्शनों से गुजरने के लिए तैयार है।

परीक्षण और विकास प्रक्रिया

गीले परीक्षण से पहले, मत्स्य-6000 ने एक्सो-स्ट्रक्चर के भीतर अपने सभी सिस्टम के सुचारू एकीकरण को सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत शुष्क परीक्षण किए। सफल शुष्क परीक्षणों के बाद, इसे चेन्नई के पास कट्टुपल्ली बंदरगाह पर जहाज निर्माण सुविधा में ले जाया गया, जहाँ इसकी कार्यक्षमता को सत्यापित करने के लिए गीला परीक्षण किया गया।

डीप ओशन मिशन के तहत विकसित

मत्स्य-6000 को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा डीप ओशन मिशन के तहत विकसित किया जा रहा है और इसे समुद्रयान परियोजना के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (NIOT) द्वारा डिज़ाइन किया गया है। इस पनडुब्बी को इसके 2.1 मीटर व्यास वाले गोलाकार पतवार के भीतर तीन चालक दल के सदस्यों को समायोजित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो भारत की महासागर अन्वेषण क्षमताओं में एक बड़ी उन्नति का प्रतिनिधित्व करता है।

अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस, DRDO ने भारत के व्हीकल-माउंटेड काउंटर-ड्रोन सिस्टम का अनावरण किया

बेंगलुरु में एयरो इंडिया 2025 कार्यक्रम में, अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) के सहयोग से अत्याधुनिक व्हीकल-माउंटेड काउंटर-ड्रोन सिस्टम का अनावरण किया।

काउंटर-ड्रोन सिस्टम की मुख्य विशेषताएं:

पता लगाने की क्षमता: X और S बैंड में काम करने वाले उन्नत 3D रडार सिस्टम से लैस, यह सिस्टम 30 मीटर से लेकर 10 किलोमीटर से अधिक की डिटेक्शन रेंज के साथ 360° कवरेज प्रदान करता है। यह एक साथ 100 से अधिक लक्ष्यों को ट्रैक कर सकता है और ड्रोन और अन्य हवाई वस्तुओं के बीच स्वचालित रूप से अंतर कर सकता है।

- सिग्नल इंटेलिजेंस (SIGINT): इस सिस्टम में डायरेक्शन फाइंडिंग (DF) और ड्रोन जियो-लोकेशन क्षमताओं के साथ एक लंबी दूरी की निष्क्रिय पहचान और वर्गीकरण सुविधा शामिल है।
- इसका सॉफ्टवेयर-परिभाषित रेडियो (SDR) 400MHz से 6000MHz स्पेक्ट्रम में वाइडबैंड स्कैनिंग और डिटेक्शन की अनुमति देता है।
- न्यूट्रलाइजेशन विधियाँ: खतरों को बेअसर करने के लिए, सिस्टम SMART जैमिंग तकनीक का उपयोग करता है जो अन्य आवृत्तियों को प्रभावित किए बिना सभी ऑपरेटिंग बैंड को कवर करता है।
- यह उन्नत तरंगों के साथ सर्वदिशात्मक और दिशात्मक एंटेना दोनों का समर्थन करता है और इसे टेक-ओवर और स्पूर्फिंग संचालन के लिए बढ़ाया जा सकता है।
- इसके अतिरिक्त, यह लंबी दूरी के न्यूट्रलाइजेशन के लिए हाई-पावर लेजर तकनीक का उपयोग करता है और आने वाले हवाई खतरों का मुकाबला करने के लिए जीपीएस-निषेधित वातावरण में संचालन करने में सक्षम अनुकूलित उच्च गति वाले ड्रोन तैनात कर सकता है।

फ्रांस ने यूक्रेन को पहला मिराज 2000-5 जेट दिया

रूस के खिलाफ अपनी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए यूक्रेन को नीदरलैंड से फ्रांसीसी मिराज 2000 लड़ाकू विमानों और अमेरिकी निर्मित F-16 लड़ाकू विमानों का पहला बैच मिला है।

यूक्रेन की वायु सेना का आधुनिकीकरण

शुरू में, यूक्रेन की वायु सेना में पुराने सोवियत युग के विमान शामिल थे। हालाँकि, रूस की बढ़ती बढ़त और लंबी दूरी के हमलों के साथ, यूक्रेन ने बख्तरबंद वाहनों, टैंकों, लंबी दूरी की मिसाइलों और लड़ाकू विमानों सहित उन्नत सैन्य उपकरणों के लिए पश्चिमी सहयोगियों से आग्रह किया है।

फ्रांस और नीदरलैंड से समर्थन

फ्रांस और नीदरलैंड ने यूक्रेन की वायु सेना के आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सुरक्षा कारणों से वितरित किए गए F-16 और मिराज जेट की सही संख्या अभी तक गुप्त रखी गई है, नीदरलैंड ने 24 F-16 देने का वादा किया है और रोमानिया में प्रशिक्षण प्रयासों का समर्थन करना जारी रखा है। फ्रांसीसी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मिराज 2000 जेट को हवा से जमीन पर हमला करने के लिए संशोधित किया गया है।

पायलट प्रशिक्षण और भविष्य का समर्थन

फ्रांस ने पहले यूक्रेनी पायलटों को डसॉल्ट निर्मित मिराज 2000 को संचालित करने के लिए प्रशिक्षित करने की प्रतिबद्धता जताई थी, जिसे अब फ्रांसीसी वायु सेना में राफेल द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है। एक फ्रांसीसी संसदीय रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांस के 26 के बेड़े से छह मिराज 2000 जेट यूक्रेन को प्रदान किए जाएंगे।

सैन्य सहायता पर आगामी बैठक

12 फरवरी को, फ्रांस यूक्रेन, प्रमुख यूरोपीय सहयोगियों, ब्रिटेन और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ कोव के लिए आगे के सैन्य समर्थन पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की मेजबानी करेगा।

महत्वपूर्ण सैन्य अभ्यास

धर्म गार्जियन

भारतीय सेना और जापान ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स (JGSDF) 25 फरवरी से 9 मार्च, 2025 तक जापान के माउंट फूजी में संयुक्त सैन्य अभ्यास 'धर्म गार्जियन' का छठा संस्करण आयोजित करेंगे। यह अभ्यास जनरल उपेंद्र द्विवेदी की अक्टूबर 2024 में जापान यात्रा के बाद हो रहा है, जहाँ दोनों देशों ने रक्षा सहयोग के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की थी।

उद्देश्य और महत्व

अभ्यास धर्म गार्जियन का प्राथमिक लक्ष्य संयुक्त राष्ट्र के आदेश के तहत संयुक्त शहरी युद्ध और आतंकवाद विरोधी अभ्यास के माध्यम से दोनों सेनाओं के बीच अंतर-संचालन को बढ़ाना है। यह अभ्यास दोनों सेनाओं को रणनीति को परिष्कृत करने, परिचालन तत्परता को मजबूत करने और सुरक्षा संचालन में सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने की अनुमति देगा।

इंडो-पैसिफिक में रणनीतिक महत्व

धर्म गार्जियन 2025 इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रणनीतिक महत्व रखता है, जो स्थिरता, समृद्धि और अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के पालन

के लिए भारत और जापान के साझा दृष्टिकोण को मजबूत करता है। यह अभ्यास संभावित खतरों से निपटने और क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा को बनाए रखने के उनके संकल्प को दर्शाता है।

सांस्कृतिक और व्यावसायिक आदान-प्रदान

सैन्य अभ्यास के अलावा, यह अभ्यास भाग लेने वाले सैन्य दलों के बीच सांस्कृतिक और व्यावसायिक संबंधों को भी बढ़ावा देगा। ये आदान-प्रदान आपसी सम्मान और एक-दूसरे की परंपराओं, मूल्यों और परिचालन रणनीतियों की गहरी समझ को बढ़ावा देते हैं, जिससे सैन्य सहयोग मजबूत होता है।

साइक्लोन 2025

भारत और मिस्र के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'साइक्लोन 2025' राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में आयोजित किया जा रहा है। 14 दिवसीय अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ाना है।

भाग लेने वाले बल

भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) के कर्मियों द्वारा किया जाता है, जबकि मिस्र की टुकड़ी में मिस्र के कमांडो स्काइन और मिस्र के एयरबोर्न प्लाटून शामिल हैं।

उद्देश्य और फोकस क्षेत्र

यह साइक्लोन अभ्यास का तीसरा संस्करण है, जिसे रेगिस्तानी वातावरण में विशेष बलों की अंतरक्रियाशीलता में सुधार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह अभ्यास आतंकवाद विरोधी अभियानों, टोही, छापे और अन्य विशेष मिशनों पर केंद्रित है। स्निपिंग, कॉम्बैट फ्री फॉल, निगरानी और लक्ष्य निर्धारण जैसे प्रमुख सैन्य कौशल का भी अभ्यास किया जा रहा है।

महत्व

भारत और मिस्र के बीच सैन्य सहयोग हाल के वर्षों में मजबूत हुआ है, दोनों देशों ने सुरक्षा प्रयासों को बढ़ाने और रणनीतिक रक्षा संबंधों को गहरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

ट्रॉपेक्स-25

भारतीय नौसेना का थिएटर लेवल ऑपरेशनल रेडीनेस एक्सरसाइज (ट्रॉपेक्स-25) वर्तमान में अपने द्विवार्षिक ऑपरेशनल-लेवल अभ्यास के हिस्से के रूप में हिंद महासागर क्षेत्र में चल रहा है। जनवरी से मार्च 2025 तक आयोजित इस बड़े पैमाने के अभ्यास में संयुक्त ऑपरेशनल तत्परता को बढ़ाने के लिए भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना (IAF) और भारतीय तटरक्षक बल की भागीदारी शामिल है।

उद्देश्य और दायरा

ट्रॉपेक्स-25 का उद्देश्य युद्ध कौशल को मान्य करना और पारंपरिक, असममित और हाइब्रिड खतरों सहित समुद्री सुरक्षा चुनौतियों के लिए एक समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है। यह अभ्यास कई चरणों में किया जा रहा है, जिसमें लड़ाकू अभियान, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, लाइव हथियार फायरिंग और एक उभयचर अभ्यास (AMPHEX) शामिल हैं।

प्रमुख प्रतिभागी और संपत्ति

इस अभ्यास में 65 भारतीय नौसेना के जहाज, 9 पनडुब्बियां और 80 से अधिक विमान शामिल हैं। उल्लेखनीय भागीदार प्लेटफॉर्म में शामिल हैं:

आईएनएस विक्रांत (स्वदेशी विमान वाहक)

- विशाखापत्तनम और कोलकाता श्रेणी के विध्वंसक
- कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियाँ
- मिग-29के, पी-8आई, हेल सी गार्डियन और एमएच-60आर हेलीकॉप्टर

इसके अतिरिक्त, भारतीय सेना, वायुसेना और भारतीय तटरक्षक बल ने भी अपने बलों को इस अभ्यास में शामिल किया है। वायुसेना ने सुखोई-30, जगुआर, सी-130, फ्लाइट रिफ्यूलर और एडब्ल्यूएसीएस विमान तैनात किए हैं, जबकि सेना ने 600 सैनिकों के साथ एक इन्फैंट्री ब्रिगेड का योगदान दिया है। तटरक्षक बल 10 जहाजों और विमानों के साथ भाग ले रहा है।

ट्रोपेक्स-25 का महत्व

ट्रोपेक्स-25 एक रणनीतिक अभ्यास के रूप में विकसित हुआ है, जो संयुक्त योजना, सटीक लक्ष्यीकरण और युद्ध प्रभावशीलता को बढ़ाता है। यह भारत की समुद्री सुरक्षा स्थिति को मजबूत करता है और यह सुनिश्चित करता है कि देश अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए कभी भी, कहीं भी और किसी भी तरह से तैयार है।

एकुवेरिन

अभ्यास एकुवेरिन का 13वां संस्करण

भारतीय सेना और मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (MNDF) के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'एकुवेरिन' का 13वां संस्करण मालदीव में शुरू हो गया है। यह द्विपक्षीय वार्षिक अभ्यास भारत और मालदीव में बारी-बारी से आयोजित किया जाता है ताकि दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को मजबूत किया जा सके। पिछला संस्करण जून 2023 में उत्तराखंड के चौबटिया में आयोजित किया गया था।

अभ्यास एकुवेरिन के बारे में

मालदीव की धिवेही भाषा में 'एकुवेरिन' शब्द का अर्थ 'मित्र' होता है। भारत और मालदीव के बीच द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को बढ़ाने के लिए 2009 में इस अभ्यास की शुरुआत की गई थी। यह आतंकवाद विरोधी अभियानों, मानवीय सहायता और आपदा राहत समन्वय पर केंद्रित है। इस सैन्य अभ्यास में दोनों देशों की एक प्लाटून-स्तरीय टुकड़ी भाग लेती है।

भारत और मालदीव के बीच रक्षा सहयोग

भारत और मालदीव एक मजबूत राजनीतिक और रक्षा साझेदारी साझा करते हैं। 1998 से, रक्षा और सुरक्षा सहयोग दोनों देशों के बीच सहयोग का एक प्रमुख क्षेत्र रहा है। 2016 में, रक्षा संबंधों को और मजबूत करने के लिए रक्षा के लिए एक व्यापक कार्य योजना पर हस्ताक्षर किए गए थे। भारत ने MNDF को सैन्य हार्डवेयर प्रदान किया है और विभिन्न रक्षा अभियानों में मालदीव के कर्मियों को प्रशिक्षित किया है।

सामाजिक मुद्दे एवं योजनाएँ

अरुणाचल प्रदेश मंत्रिमंडल ने 'मिशन शिक्षित अरुणाचल' के पूर्ण कार्यान्वयन को सुनिश्चित किया

अरुणाचल प्रदेश मंत्रिमंडल ने शिक्षा विभाग को राज्य के शिक्षा क्षेत्र में परिवर्तनकारी सुधारों को प्राप्त करने के लिए "2029 तक मिशन शिक्षित अरुणाचल" के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

मिशन की मुख्य विशेषताएँ

"अरुणाचल प्रदेश में शिक्षा परिदृश्य के परिवर्तन" के तहत प्रस्तुत मिशन निम्नलिखित पर केंद्रित है:

- बुनियादी ढांचे का विकास: एकल-शिक्षक विद्यालयों को समाप्त करना और सभी विद्यालयों में कक्षाएँ, छात्रावास, शौचालय, पेयजल और बिजली सुनिश्चित करना।
- डिजिटल परिवर्तन: कम से कम 80% सरकारी विद्यालयों में इंटरनेट कनेक्टिविटी, स्मार्ट कक्षाएँ और डिजिटल शिक्षण संसाधन प्रदान करना।
- शिक्षक प्रबंधन और प्रशिक्षण: ऑनलाइन स्थानांतरण प्रणाली के माध्यम से शिक्षकों का समान वितरण, विषयवार रिक्तियों को संबोधित करना और कार्यकाल, पदोन्नति और वेतन पुरस्कारों के लिए योग्यता-आधारित प्रणाली को लागू करना।
- शिक्षा प्रशासन: समग्र प्रशासन में सुधार के लिए डेटा-संचालित निर्णय लेने, स्कूल निगरानी और शिक्षक जवाबदेही को मजबूत करना।
- पाठ्यक्रम और सीखने में वृद्धि: शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों को बढ़ाने के लिए अनुभवात्मक शिक्षण विधियों और क्षमता निर्माण पहलों को पेश करना।

लक्ष्य और अपेक्षित परिणाम

मिशन का लक्ष्य है:

ग्रेड 1-3 में छात्रों के लिए पूर्ण आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता प्राप्त करना। 100% उत्तीर्ण दर सुनिश्चित करने के लिए कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा के परिणामों में सुधार करना। छात्रों के सीखने को बढ़ाने के लिए ग्रेड 1-12 से समग्र विकास पाठ्यक्रम शुरू करना।

ओडिशा सरकार ने सामुदायिक सहायता कर्मचारियों के लिए 'लक्षपति दीदी सहायिका योजना' शुरू की

योजना का उद्देश्य

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने 'लक्षपति दीदी सहायिका योजना' शुरू करने की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य सामुदायिक सहायता कर्मचारियों (सीएसएस) के पारिश्रमिक के लिए ग्राम पंचायत स्तरीय संघों (जीपीएलएफ) को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। यह पहल सुनिश्चित करती है कि 62,000

सीएसएस सदस्यों को अप्रैल 2024 से उनका वेतन मिलना शुरू हो जाए।

ओडिशा आजीविका मिशन के तहत कार्यान्वयन

यह योजना ओडिशा आजीविका मिशन (ओएलएम) के तहत संचालित होती है, जो राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) का हिस्सा है। यह स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) बनाकर और ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों में शामिल करके ग्रामीण आजीविका में सुधार लाने पर केंद्रित है। कार्यक्रम को गांव और पंचायत स्तर पर संरचित सहायता प्रदान करके एसएचजी, क्लस्टर स्तरीय संघों (सीएलएफ) और जीपीएलएफ को सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

सामुदायिक सहायता कर्मचारियों (सीएसएस) की श्रेणियाँ

इस पहल के तहत, सीएसएस सदस्य ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इसमें शामिल हैं:

- सामुदायिक संसाधन व्यक्ति सामुदायिक लामबंदी के लिए (सीआरपी-सीएम)
- मास्टर बुक कीपर (एमबीके)
- बैंक मित्र
- प्राणी मित्र

पिछली चुनौतियाँ और वित्तीय बाधाएँ

सीएसएस सदस्यों के लिए पारिश्रमिक शुरू में पहले तीन वर्षों के लिए 100% सरकारी सहायता के साथ संरचित किया गया था, उसके बाद चौथे वर्ष में 75% और पाँचवें वर्ष में 50%। पाँच वर्षों के बाद, जीपीएलएफ से पूरी पारिश्रमिक लागत वहन करने की अपेक्षा की गई थी। हालाँकि, वित्तीय बाधाओं के कारण, सीएसएस सदस्यों को पिछले दस महीनों से वेतन में देरी का सामना करना पड़ रहा है। नई योजना का उद्देश्य निरंतर वित्तीय सहायता सुनिश्चित करके इस मुद्दे को हल करना है।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए 'लक्षपति दीदी योजना'

इस पहल के साथ, सरकार ने 'लक्षपति दीदी योजना' शुरू की है, जिसका उद्देश्य एसएचजी में महिलाओं को कम से कम ₹1 लाख की वार्षिक आय प्रदान करना है। राज्य सरकार ने महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता और ग्रामीण आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए 2027 तक 25 लाख 'लक्षपति दीदी' बनाने का लक्ष्य रखा है।

पुडुचेरी में वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान भारत वय वंदना योजना शुरू की गई

योजना का उद्घाटन

आयुष्मान भारत वय वंदना योजना को पुडुचेरी में आधिकारिक रूप से लॉन्च किया गया, जिसमें उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन ने मुख्यमंत्री एन. रंगासामी की मौजूदगी में योजना का उद्घाटन

किया। कार्यक्रम के दौरान, पात्र वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सेवा लाभों तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए बीमा योजना कार्ड वितरित किए गए।

उद्देश्य और लाभ

केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को प्रति वर्ष ₹5 लाख तक का निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करना है। मुख्यमंत्री रंगासामी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह योजना चिकित्सा लाभ और स्वास्थ्य सेवा व्यय के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान करके बुजुर्ग व्यक्तियों की काफी मदद करेगी।

ओडिशा ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए 'बिकाशिता गांव बिकाशिता ओडिशा' योजना शुरू की

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने राज्य में ग्रामीण विकास को गति देने के लिए 'बिकाशिता गांव बिकाशिता ओडिशा' (बीजीबीओ) योजना शुरू की। इस योजना का उद्देश्य ओडिशा के सभी 53,845 राजस्व गांवों का विकास करना और ग्रामीण आबादी की आर्थिक स्थिति में सुधार करना है। ओडिशा की लगभग 81% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी विकास के बीच की खाई को पाटना है।

बजट आवंटन

ओडिशा सरकार ने पांच वर्षों (2024-25 से 2028-29) में इस योजना में ₹5,000 करोड़ निवेश करने की योजना बनाई है, जिसमें वार्षिक आवंटन ₹1,000 करोड़ है। इस निधि का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए किया जाएगा।

बुनियादी ढांचा और संपर्क विकास

बीजीबीओ योजना के तहत, बुनियादी ढांचे के विकास में सड़कों, पुलों, पुलियों और अन्य आवश्यक सुविधाओं का निर्माण शामिल होगा। यह योजना विशेष रूप से असंबद्ध गांवों, पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह) क्षेत्रों, माओवाद प्रभावित क्षेत्रों और दूरदराज के पहाड़ी क्षेत्रों में अंतर-गांव कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

नागरिक और सामुदायिक सुविधाएं

इस योजना में राज्य भर के गांवों में सामुदायिक केंद्र, कल्याण मंडप, बाजार शेड, स्नान घाट, जल निकायों के पास चेंजिंग रूम, नालों, भगवत तुंगियों और भोग मंडप जैसी नागरिक संपत्तियों के विकास को अनिवार्य बनाया गया है। इन सुविधाओं का उद्देश्य ग्रामीण आबादी के लिए 'जीवन की सुगमता' को बढ़ाना है।

शिक्षा, खेल और पर्यटन विकास

योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षिक और खेल बुनियादी ढांचे के सुधार के लिए भी धन आवंटित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, स्थानीय प्रशासन को गांवों में सूक्ष्म पर्यटन स्थलों के विकास, स्थानीय पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए धन का उपयोग करने का निर्देश दिया गया है।

योजना का महत्व

बीजीबीओ योजना से बेहतर बुनियादी ढांचे, बेहतर जीवन स्तर और बढ़े हुए आर्थिक अवसरों को सुनिश्चित करके ग्रामीण ओडिशा को बदलने की उम्मीद है। सरकार का लक्ष्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच विकासात्मक अंतर को कम करना है, जिससे राज्य भर में समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

सरकार ने एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए पारस्परिक ऋण गारंटी योजना को मंजूरी दी

भारत सरकार ने पिछले बजट में किए गए वादों और केंद्रीय बजट 2025 से ठीक पहले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए पारस्परिक ऋण गारंटी योजना (एमसीजीएस) को मंजूरी दे दी है। इस योजना का उद्देश्य एमएसएमई को पर्याप्त ऋण सहायता प्रदान करना है, विशेष रूप से संयंत्र, मशीनरी और उपकरणों की खरीद के लिए।

ऋण गारंटी और कवरेज

यह योजना वैध उद्यम पंजीकरण संख्या वाले एमएसएमई के लिए 100 करोड़ रुपये तक के ऋण के लिए 60% गारंटी कवरेज प्रदान करती है। इससे पात्र एमएसएमई अपने परिचालन को बढ़ावा देने और अपनी क्षमताओं का विस्तार करने के लिए ऋण प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

योजना की मुख्य विशेषताएं

- ऋण गारंटी: उपकरण या मशीनरी के लिए ऋण राशि का कम से कम 75% के साथ 100 करोड़ रुपये तक।
- पुनर्भुगतान अवधि: 50 करोड़ रुपये तक के ऋण की पुनर्भुगतान अवधि 8 वर्ष तक होती है, जिसमें 2 वर्ष तक मूलधन के पुनर्भुगतान पर रोक होती है। बड़े ऋणों की पुनर्भुगतान अवधि लंबी हो सकती है।
- योगदान और शुल्क: आवेदन के समय ऋण राशि का 5% अग्रिम योगदान देना आवश्यक है। वार्षिक गारंटी शुल्क पहले वर्ष के लिए माफ कर दिया जाता है और अगले तीन वर्षों के लिए 1.5% प्रति वर्ष निर्धारित किया जाता है, उसके बाद इसे घटाकर 1% प्रति वर्ष कर दिया जाता है।

विनिर्माण क्षेत्र पर प्रभाव

इस पहल से विनिर्माण क्षेत्र को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 17% योगदान देता है और 27.3 मिलियन से अधिक लोगों को रोजगार देता है। यह प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' के दृष्टिकोण के अनुरूप है, और इसका उद्देश्य विनिर्माण क्षेत्र के योगदान को सकल घरेलू उत्पाद में 25% तक बढ़ाना है।

परिचालन अवधि और अपेक्षाएं

एमसीजीएस-एमएसएमई योजना चार साल तक या 7 लाख करोड़ रुपये की कुल गारंटी जारी होने तक, जो भी पहले हो, चालू रहेगी। यह योजना उद्योग की लंबे समय से चली आ रही संपार्श्विक-मुक्त ऋणों की आवश्यकता को संबोधित करती है, जिससे एमएसएमई का विस्तार और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है।

कैबिनेट ने 16,300 करोड़ रुपये के राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम) को मंजूरी दी

कैबिनेट ने 16,300 करोड़ रुपये के निवेश के साथ राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम) को मंजूरी दे दी है। इस मिशन का उद्देश्य घरेलू और अपतटीय दोनों स्थानों पर महत्वपूर्ण खनिजों की खोज को बढ़ावा देना है, जिससे देश की आयात पर निर्भरता कम होगी और खनिज संसाधनों में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित होगी।

मूल्य श्रृंखला और अन्वेषण पर ध्यान

एनसीएमएम मूल्य श्रृंखला के सभी चरणों को कवर करेगा, जिसमें खनिज अन्वेषण, खनन, लाभकारीकरण, प्रसंस्करण और जीवन के अंतिम उत्पादों से पुनर्प्राप्ति शामिल है। यह विशेष रूप से भारत के भीतर और अपतटीय क्षेत्रों में महत्वपूर्ण खनिजों की खोज को तेज करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

नियामक और वित्तीय सहायता

मिशन महत्वपूर्ण खनिज खनन परियोजनाओं के लिए एक फास्ट-ट्रैक विनियामक अनुमोदन प्रक्रिया स्थापित करने और अन्वेषण के लिए वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करने का प्रयास करता है। यह ओवरबर्डन और टैलिंग से महत्वपूर्ण खनिजों की वसूली को भी बढ़ावा देगा।

वैश्विक अधिग्रहण और भंडार को प्रोत्साहित करना

यह मिशन भारतीय सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के उद्यमों को विदेशों में महत्वपूर्ण खनिज परिसंपत्तियों का अधिग्रहण करने और संसाधन संपन्न देशों के साथ व्यापार बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसके अतिरिक्त, यह देश के भीतर महत्वपूर्ण खनिजों के भंडार के विकास का प्रस्ताव करता है।

तेलंगाना ने चार नई कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं

तेलंगाना में कांग्रेस सरकार ने विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए अपने वादों के तहत चार नई कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपने विधानसभा क्षेत्र कोडंगल के चंद्रवंचा में इन योजनाओं की शुरुआत की। इन योजनाओं में रायथु भरोसा, इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा, इंदिराम्मा घर और नए राशन कार्ड शामिल हैं।

योजना का विवरण

1. रायथु भरोसा: किसानों को कृषि योग्य भूमि के लिए प्रति एकड़ 12,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।
2. इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा: भूमिहीन कृषि श्रमिक परिवारों को सालाना 12,000 रुपये मिलेंगे।
3. इंदिराम्मा इंदु आवास योजना: बेघर और पात्र परिवारों को घर बनाने के लिए 5 लाख रुपये मिलेंगे।
4. नए राशन कार्ड: सभी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नए राशन कार्ड जारी किए जा रहे हैं।

लॉन्च इवेंट और लाभार्थी सहायता

गणतंत्र दिवस पर, मुख्यमंत्री ने 12,000 रुपये के चेक वितरित किए। रायथु भरोसा और इंदिराम्मा इंदु आवास योजनाओं के तहत 734 लाभार्थियों को 11.80 करोड़ रुपये दिए गए। सरकार का लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2024-2025 में 22,500 करोड़ रुपये के बजट के साथ 4,50,000 घर बनाना है।

सरकार की कल्याणकारी पहल

सरकार ने पहले ही कई कल्याणकारी पहलों को लागू किया है, जिनमें शामिल हैं:

- बढ़िया धान की किस्मों के लिए किसानों को बोनास।
- आरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा।
- 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली आपूर्ति।
- 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर।

किसान सहायता और ऋण माफी

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस सरकार ने 2 लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफ किए हैं, जिससे 25 लाख किसानों को लाभ हुआ है और उनके बैंक खातों में 21,000 करोड़ रुपये जमा किए गए हैं। सरकार ने बढ़ती इनपुट लागत के कारण किसानों के लिए फसल निवेश सहायता भी बढ़ा दी है। इसके अतिरिक्त, रायथु भरोसा के तहत राशि आधी रात से किसानों के खातों में जमा कर दी जाएगी।

सरकारी कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (UPS) अधिसूचित

वित्त मंत्रालय ने एकीकृत पेंशन योजना (UPS) अधिसूचित की है, जो सेवानिवृत्ति से पहले पिछले 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन का 50% सुनिश्चित पेंशन प्रदान करेगी। यह योजना 1 अप्रैल, 2025 से चालू होगी और यह राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS) के तहत केंद्र सरकार के उन कर्मचारियों पर लागू होगी जो UPS का विकल्प चुनते हैं।

एकीकृत पेंशन योजना की मुख्य विशेषताएं सुनिश्चित भुगतान:

25 वर्ष की न्यूनतम योग्यता सेवा वाले कर्मचारियों को 50% सुनिश्चित भुगतान प्राप्त होगा। 25 वर्ष से कम सेवा के लिए, आनुपातिक भुगतान प्रदान किया जाता है। कम से कम 10 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत्त होने वालों के लिए प्रति माह ₹10,000 का न्यूनतम भुगतान सुनिश्चित है।

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति:

25 वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का विकल्प चुनने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति की उनकी काल्पनिक तिथि से सुनिश्चित भुगतान प्राप्त होगा।

- पारिवारिक पेंशन: भुगतानकर्ता की मृत्यु की स्थिति में, कानूनी रूप से विवाहित जीवनसाथी को सुनिश्चित भुगतान का 60% मिलेगा।
- महंगाई राहत (DR): अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (AICPI-IW) के आधार पर, सेवारत कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते (DA) के समान, DR सुनिश्चित और पारिवारिक भुगतान दोनों पर लागू होगा।

सरकारी योगदान:

UPS के तहत, सरकार का योगदान 14% से बढ़कर 18.5% हो जाएगा। कर्मचारी अपने मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 10% योगदान देंगे।

NPS से UPS में संक्रमण

प्रभावी तिथि (1 अप्रैल, 2025) को NPS के तहत मौजूदा कर्मचारी UPS का विकल्प चुन सकते हैं, जबकि भविष्य के कर्मचारियों के पास UPS और NPS के बीच चयन करने का विकल्प होगा। UPS का विकल्प चुनने वालों के लिए, बकाया NPS कोष उनके व्यक्तिगत UPS खाते में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

पिछली योजनाओं से तुलना

पुरानी पेंशन योजना (OPS) के तहत, कर्मचारियों को बिना किसी अंशदान के पेंशन के रूप में उनके अंतिम आहरित मूल वेतन का 50% मिलता था। 2004 में शुरू की गई NPS ने भुगतान को बाजार रिटर्न से जोड़ा, जिससे यह OPS की तुलना में कम आकर्षक हो गई।

पृष्ठभूमि और अनुमोदन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 24 अगस्त, 2024 को UPS को मंजूरी दी। इस योजना को NPS की कमियों को दूर करने के लिए टीवी सोमनाथन की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों के बाद शुरू किया गया था।

विनियमन और कार्यान्वयन

पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA) UPS को चालू करने के लिए विनियम जारी करेगा। प्रत्येक कर्मचारी के लिए योग्यता सेवा और लाभ कार्यालय प्रमुख द्वारा निर्धारित किए जाएंगे। एकीकृत पेंशन योजना का उद्देश्य कर्मचारियों के लिए सुनिश्चित लाभों को एक अंशदायी संरचना के साथ संतुलित करना है, जो NPS की सीमाओं से उत्पन्न चिंताओं को संबोधित करता है।

सरकार ने किसानों के लिए पीएम-आशा योजना के विस्तार को मंजूरी दी

पीएम-आशा को 2025-26 तक जारी रखना

सरकार ने प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजना को 15वें वित्त आयोग चक्र (2025-26) के अंत तक बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। इस योजना का उद्देश्य किसानों को उचित मूल्य सुनिश्चित करना और घरेलू दाल उत्पादन को बढ़ावा देना है।

2024-25 के लिए दालों की खरीद

सरकार ने 2024-25 खरीद वर्ष के लिए संबंधित राज्यों के उत्पादन के 100% तक को कवर करते हुए मूल्य समर्थन योजना (PSS) के तहत तुअर, उड़द और मसूर दालों की खरीद की अनुमति दी है। इस पहल का उद्देश्य आयात पर निर्भरता को कम करना और दालों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

तुअर दाल की राज्यवार खरीद

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में तुअर दाल की खरीद को मंजूरी दी है। खरीफ 2024-25 सीजन के तहत कुल खरीद 13.22 लाख मीट्रिक टन (LMT) है।

वर्तमान खरीद स्थिति

इस महीने की 15 तारीख तक, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में खरीद शुरू हो चुकी है, जिसमें 0.15 LMT तुअर दाल की खरीद की गई है, जिससे 12,000 से अधिक किसान लाभान्वित हुए हैं।

दालों में आत्मनिर्भरता के लिए बजट 2025 की घोषणा

बजट 2025 में, सरकार ने केंद्रीय नोडल एजेंसियों के माध्यम से अगले चार वर्षों के लिए तुअर, उड़द और मसूर दालों की 100% खरीद जारी रखने की घोषणा की, जिससे दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को बल मिला।

CURRENT AFFAIRS

"रास्ते कभी खत्म नहीं होते बस लोग हिम्मत हार जाते हैं !
तेरना सीखना है तो पानी में उतरना पड़ेगा यूं
किनारे पर बैठकर कोई गोताखोर नहीं बनता !!"

"नाकामयाब लोग दुनिया के डर से अपने फैसले
बदल देते हैं !
और कामयाब लोग अपने फैसले से पूरी दुनिया
बदल देते हैं !!"

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

दार्जिलिंग चिड़ियाघर में भारत का पहला वन्यजीव बायोबैंक खुला

पद्मजा नायडू हिमालयन जूलॉजिकल पार्क (दार्जिलिंग चिड़ियाघर) में भारत का पहला वन्यजीव बायोबैंक अब पूरी तरह से चालू हो गया है, जो वन्यजीव संरक्षण में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वन्यजीव बायोबैंक का उद्देश्य और कार्य:

बायोबैंक, जिसे "फ्रोजन जू" के रूप में भी जाना जाता है, लुप्तप्राय और मृत जानवरों से डीएनए, ऊतक और प्रजनन नमूनों जैसी आनुवंशिक सामग्री को संरक्षित करता है।

इन नमूनों को भविष्य के संरक्षण प्रयासों और अनुसंधान के लिए आनुवंशिक विविधता बनाए रखने के लिए तरल नाइट्रोजन में -196 डिग्री सेल्सियस पर क्रायोजेनिक परिस्थितियों में संग्रहीत किया जाता है।

लुप्तप्राय प्रजातियों और वर्तमान संग्रह पर ध्यान केंद्रित:

जुलाई 2024 में अपनी स्थापना के बाद से, बायोबैंक ने लुप्तप्राय प्रजातियों को प्राथमिकता देते हुए 23 प्रजातियों के 60 जानवरों से डीएनए और ऊतक के नमूने एकत्र किए हैं।

राष्ट्रीय संरक्षण योजना और सहयोग:

बायो-बैंक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत, सेलुलर और आणविक जीव विज्ञान केंद्र (CCMB) के सहयोग से एक व्यापक राष्ट्रीय संरक्षण पहल का हिस्सा है। भविष्य में दिल्ली राष्ट्रीय चिड़ियाघर और ओडिशा के नंदनकानन चिड़ियाघर के लिए बायोबैंक की योजना बनाई गई है।

डीएनए संरक्षण के माध्यम से प्रजातियों का पुनरुद्धार:

अमेरिकी काले पैरो वाले फेरेट और उत्तरी एक सींग वाले गैंडे जैसी प्रजातियों को संरक्षित डीएनए और बंदी प्रजनन का उपयोग करके सफलतापूर्वक पुनर्जीवित किया गया है।

पद्मजा नायडू हिमालयन जूलॉजिकल पार्क (दार्जिलिंग चिड़ियाघर):

यह चिड़ियाघर भारत का सबसे बड़ा उच्च ऊंचाई वाला जूलॉजिकल पार्क है, जो हिम तेंदुए, हिमालयी भेड़ियों और लाल पांडा सहित अल्पाइन प्रजातियों के बंदी प्रजनन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए जाना जाता है। इसमें गोरल, साइबेरियाई बाघ और दुर्लभ पक्षी जैसी लुप्तप्राय प्रजातियाँ भी हैं।

वैश्विक ऊर्जा प्रभाव के लिए पर्यवेक्षक के रूप में ब्राजील ओपेक+ में शामिल हुआ

ब्राजील पर्यवेक्षक के रूप में ओपेक+ में शामिल हुआ:

ब्राजील आधिकारिक तौर पर एक पर्यवेक्षक के रूप में ओपेक+ में शामिल हो गया है, जिससे उत्पादन में कटौती या मूल्य नियंत्रण के लिए प्रतिबद्ध हुए बिना प्रमुख तेल निर्यातक देशों के साथ रणनीतिक चर्चाओं तक पहुँच प्राप्त हुई है।

वैश्विक ऊर्जा बाजारों में ब्राजील का बढ़ता प्रभाव:

दुनिया के सातवें सबसे बड़े तेल उत्पादक के रूप में, ब्राजील प्रतिदिन 4.3 मिलियन बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करता है, जो वैश्विक उत्पादन का 4% योगदान देता है। 2024 में, कच्चा तेल ब्राजील का शीर्ष निर्यात बन गया, जिसने सोयाबीन को पीछे छोड़ दिया, कुल निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 13.3% थी।

पर्यावरण प्रतिबद्धताओं के बारे में चिंताएँ:

ओपेक+ में शामिल होने के फ़ैसले ने पर्यावरणविदों के बीच चिंताएँ बढ़ा दी हैं, उन्हें चिंता है कि यह ब्राजील के पर्यावरण लक्ष्यों के विपरीत हो सकता है। हालाँकि, राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा इस कदम को वैश्विक तेल बाजारों से जुड़ने और संधारणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने का एक तरीका मानते हैं।

पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी के साथ ऊर्जा उत्पादन को संतुलित करना:

ओपेक+ में शामिल होने के अलावा, ब्राजील अंतर्राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा एजेंसी (IRENA) और अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) का भी सदस्य बन गया, जो पर्यावरणीय संधारणीयता के साथ ऊर्जा उत्पादन को संतुलित करने की अपनी प्रतिबद्धता का संकेत देता है।

ONGC और टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी ने बैटरी ऊर्जा भंडारण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भारत की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ONGC) ने बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (BESS) क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (TPREL) के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते को भारत ऊर्जा सप्ताह 2025 के दौरान औपचारिक रूप दिया गया, जिसमें बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण, ग्रिड स्थिरीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण, हाइब्रिड ऊर्जा समाधान, माइक्रोग्रिड और EV चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

सहयोग के मुख्य उद्देश्य

- ग्रिड-स्थिरीकरण बैटरी भंडारण समाधानों का विकास
- भंडारण प्रणालियों के साथ अक्षय ऊर्जा का एकीकरण
- औद्योगिक और वाणिज्यिक भंडारण अनुप्रयोगों का विस्तार
- बैकअप पावर समाधानों और ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे का संवर्धन

भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों के साथ संरेखण

यह साझेदारी 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित क्षमता प्राप्त करने के भारत के लक्ष्य का समर्थन करती है। इसके अतिरिक्त, टीपीआरईएल ने हाल ही में भारत की सबसे बड़ी सौर और बीईएसएस परियोजना शुरू की है - छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में 120 मेगावाट यूटिलिटी-स्केल बीईएसएस के साथ 100 मेगावाट का सौर पीवी संयंत्र, जो भारत के ऊर्जा संक्रमण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

नेपाल और फ्रांस ने हाइड्रोनेपाल परियोजना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नेपाल विद्युत प्राधिकरण (NEA), नेपाल में फ्रांस के दूतावास और ब्लू वाटर इंटेलिजेंस (BWI) ने हाइड्रोनेपाल परियोजना शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन पर NEA के प्रबंध निदेशक कुल मान घीसिंग और BWI के CEO जेरेमी फेन ने फ्रांसीसी राजदूत वर्जिनी कॉर्टेवल की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए।

परियोजना के उद्देश्य

- जलविद्युत संसाधनों के अनुकूलन के लिए नेपाल की नदी घाटियों का डिजिटलीकरण।
- जल विज्ञान संबंधी जोखिमों के लिए तैयारी बढ़ाना।
- उन्नत जल विज्ञान संबंधी अंतर्दृष्टि के माध्यम से नेपाल की कम कार्बन ऊर्जा दृष्टि का समर्थन करना।
- नदी निर्वहन पूर्वानुमान, प्रवाह अवधि वक्र और प्रवाह आवृत्ति विश्लेषण पर डेटा प्रदान करना।

सहयोगी संस्थान

- NEA
- BWI
- केंद्रीय जल विज्ञान और मौसम विज्ञान विभाग, त्रिभुवन विश्वविद्यालय (TU)

महत्व

यह परियोजना हिमालयी क्षेत्र में जल विद्युत उत्पादन दक्षता में सुधार करेगी, जल विज्ञान और ऊर्जा उत्पादन पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को संबोधित करेगी।

भारत ने चार नए रामसर स्थल जोड़े, कुल संख्या 89 हुई

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने चार नए रामसर स्थलों को जोड़ने की घोषणा की:

1. सक्करकोट्टई पक्षी अभयारण्य (तमिलनाडु)
2. थेरथंगल पक्षी अभयारण्य (तमिलनाडु)
3. खेचोपलरी वेटलैंड (सिक्किम)
4. उधवा झील (झारखंड)

भारत में अब 89 रामसर स्थल हैं, जो एशिया में सबसे अधिक और यूनाइटेड किंगडम (176) और मैक्सिको (144) के बाद विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है। भारत में सबसे अधिक रामसर स्थल तमिलनाडु (20 रामसर स्थल) में हैं, उसके बाद उत्तर प्रदेश (10 स्थल) का स्थान है। सिक्किम और झारखंड पहली बार इस सूची में शामिल हुए हैं।

रामसर स्थल और संरक्षण के बारे में

रामसर स्थल रामसर कन्वेंशन (1971) के तहत सूचीबद्ध अंतर्राष्ट्रीय महत्व के वेटलैंड हैं।

- भारत में पहला रामसर स्थल: चिल्का झील (ओडिशा) और केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान) - 1981।

- भारत में सबसे बड़ा रामसर स्थल: सुंदरबन, पश्चिम बंगाल (4230 वर्ग किमी)। भारत में सबसे छोटा रामसर स्थल: रेणुका वेटलैंड, हिमाचल प्रदेश (0.2 वर्ग किमी)।
- आर्द्रभूमि को भारतीय वन अधिनियम (1927), वन (संरक्षण) अधिनियम (1980), पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम (1986), और वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम (1972) जैसे विभिन्न भारतीय कानूनों के तहत संरक्षित किया जाता है।
- विश्व आर्द्रभूमि दिवस: प्रतिवर्ष 2 फरवरी को मनाया जाता है।
- रामसर कन्वेंशन सचिवालय: ग्लैड, स्विट्जरलैंड।

लघु लेख

दिल्ली भूकंप 2025: मुख्य तथ्य और भूकंपीय निहिताह

फरवरी 2025 में दिल्ली में 4.0 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी उत्पत्ति अरावली-दिल्ली फोल्ड बेल्ट के नीचे हाइड्रो फ्रैक्चरिंग से जुड़ी थी।

मुख्य हाइलाइट्स:

भूकंप का केंद्र और गहराई:

भूकंप का केंद्र दिल्ली (हिमालय में नहीं) में 5 किमी की उथली गहराई पर था, जिससे सतह पर कंपन बढ़ गया।

उपरिकेंद्र पृथ्वी की सतह पर उस बिंदु को संदर्भित करता है जो भूकंप के केंद्र के ठीक ऊपर होता है।

भूकंप को गहराई के आधार पर उथले (0-70 किमी), मध्यम (70-300 किमी) या गहरे (300-700 किमी) के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

दिल्ली में भूकंपीय जोखिम:

दिल्ली भारत के भूकंप खतरे के नक्शे के भूकंपीय क्षेत्र 4 के अंतर्गत आता है, जो MSK-8 तीव्रता के साथ उच्च भूकंपीय जोखिम को दर्शाता है।

MSK स्केल तीव्रता को देखे गए प्रभावों के आधार पर मापता है, परिमाण के विपरीत, जो ऊर्जा रिलीज को मापता है।

भूकंप का कारण:

भूकंप सामान्य दोष (ऊर्ध्वाधर चट्टान आंदोलन) और हाइड्रो फ्रैक्चरिंग के कारण हुआ, जहां भूमिगत जल चैनल चट्टान संरचनाओं को नष्ट कर देते हैं, जिससे तनाव रिलीज होता है।

अरावली-दिल्ली फोल्ड बेल्ट, हालांकि टेक्टोनिक रूप से कम सक्रिय है, इसमें दोष हैं जो कभी-कभी हल्के भूकंप को ट्रिगर करते हैं।

हिमालयी भूकंपों के साथ तुलना:

हिमालयी भूकंप यूरोशियन प्लेट के नीचे भारतीय प्लेट के सबडक्शन के कारण होते हैं, जिससे बड़े भूकंप आते हैं।

दिल्ली भूकंप स्थानीय भूवैज्ञानिक तनाव के कारण हुआ था, न कि टेक्टोनिक प्लेट आंदोलनों के कारण।

स्थानीय दोषों की भूमिका:

महेंद्रनगर फॉल्ट और सोहाना फॉल्ट सहित कई सक्रिय दोष दिल्ली में मौजूद हैं और 6 परिमाण तक के भूकंप उत्पन्न कर सकते हैं।

भूकंप की आवाज़:

जबकि भूकंप कम आवृत्ति वाली ध्वनि तरंगें उत्पन्न करते हैं, ये आमतौर पर अश्रव्य होती हैं।

भूकंप के दौरान सुनाई देने वाली आवाज़ें संभवतः भूकंप के बजाय इमारतों के कंपन के कारण थीं।

दिल्ली में बड़े भूकंप की संभावना:

हिमालय में मेन सेंट्रल फॉल्ट (MCF) के साथ 8 तीव्रता का भूकंप दिल्ली को काफी प्रभावित कर सकता है।

यमुना के जलोढ़ मैदान कठोर चट्टान संरचनाओं की तुलना में भूकंपीय ऊर्जा को अवशोषित करने में कम प्रभावी है, जिससे जोखिम बढ़ जाता है।

निष्कर्ष:

दिल्ली भूकंप 2025 क्षेत्र की भूकंपीय भेद्यता को उजागर करता है क्योंकि यह जोन 4 में स्थित है और स्थानीय सक्रिय दोषों की उपस्थिति है। भविष्य के जोखिमों को कम करने के लिए निरंतर निगरानी और भूकंप-रोधी बुनियादी ढाँचा महत्वपूर्ण है।

आर्कटिक वार्मिंग और इसके वैश्विक निहितार्थ

आर्कटिक में तापमान में वृद्धि

आर्कटिक क्षेत्र में तापमान में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, जो औसत से 20 डिग्री सेल्सियस अधिक है, जिससे तेजी से जलवायु परिवर्तन और इसके व्यापक वैश्विक प्रभाव के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं। आर्कटिक वार्मिंग, जिसे आर्कटिक एम्पलीफिकेशन के रूप में भी जाना जाता है, 66.5 डिग्री उत्तरी अक्षांश के उत्तर में क्षेत्र में तापमान में तेजी से वृद्धि को संदर्भित करता है। 1979 से, आर्कटिक वैश्विक औसत से चार गुना तेजी से गर्म हुआ है, जिससे महत्वपूर्ण पर्यावरणीय और जलवायु परिणाम सामने आए हैं।

आर्कटिक वार्मिंग के कारण

अचानक गर्म होने का एक प्राथमिक कारण आइसलैंड के ऊपर एक गहरा निम्न दबाव प्रणाली है, जिसने निचले अक्षांशों से गर्म हवा को आर्कटिक में खींच लिया है। इसके अतिरिक्त, असामान्य रूप से उच्च उत्तर-पूर्व अटलांटिक महासागर के तापमान ने वार्मिंग को तेज कर दिया है, क्योंकि हवा के पैटर्न क्षेत्र की ओर अतिरिक्त गर्मी ले जाते हैं। एल्बेडो प्रभाव (जहां बर्फ और हिम सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करते हैं) में कमी ने अधिक गर्मी अवशोषण का कारण बना है, जिससे तापमान में और वृद्धि हुई है। आर्कटिक की कमजोर संवहन धाराएं भी सतह के पास ग्रीनहाउस गैसों को फंसाती हैं, जिससे वार्मिंग प्रभाव बढ़ जाता है।

आर्कटिक वार्मिंग के परिणाम

आर्कटिक तापमान में तेज़ी से वृद्धि के गंभीर वैश्विक परिणाम हैं। बर्फ पिघलने से तटीय बाढ़ आ सकती है और समुद्र के बढ़ते स्तर के कारण भूमि का नुकसान हो सकता है। आर्कटिक के गर्म होने से जेट स्ट्रीम, ऊपरी वायुमंडल में तेज़ हवाओं की संकीर्ण पट्टियाँ भी बाधित होती हैं, जो बदले में वैश्विक मौसम पैटर्न, वर्षा, तूफान

और चरम जलवायु घटनाओं को प्रभावित करती हैं। इसके अतिरिक्त, ध्रुवीय भालू और सील सहित आर्कटिक वन्यजीवों को आवास के नुकसान का सामना करना पड़ता है, जिससे उनका अस्तित्व खतरे में पड़ जाता है।

आर्कटिक अनुसंधान में भारत की भूमिका

भारत स्वालबार्ड संधि (1920) पर हस्ताक्षर करने के बाद से आर्कटिक अनुसंधान में सक्रिय रूप से लगा हुआ है, जो वैज्ञानिक अध्ययनों के लिए क्षेत्र तक पहुँच की अनुमति देता है। 2007 में, भारत ने अपना आर्कटिक अनुसंधान कार्यक्रम शुरू किया और 2008 में नॉर्वे के स्वालबार्ड में हिमाद्री अनुसंधान आधार की स्थापना की। भारत 2013 में आर्कटिक परिषद में एक पर्यवेक्षक भी बन गया। 2022 में, सरकार ने आर्कटिक में भारत की वैज्ञानिक और रणनीतिक उपस्थिति को मज़बूत करने के लिए राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान केंद्र (NCPOR) को नोडल एजेंसी के रूप में नामित करते हुए अपनी आर्कटिक नीति पेश की।

एक राष्ट्र, एक समय: जाने विस्तार से

"एक राष्ट्र, एक समय" पहल एक प्रस्तावित सरकारी नीति है जिसका उद्देश्य भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आधिकारिक समय को समकालिक बनाना है। यह अवधारणा बताती है कि पूरे देश को आर्थिक गतिविधियों, शासन और संचार में एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए एक ही मानकीकृत समय क्षेत्र और घड़ी प्रणाली का पालन करना चाहिए।

"एक राष्ट्र, एक समय" पर विचार क्यों किया जा रहा है?

भारत वर्तमान में भारतीय मानक समय (IST) का पालन करता है, जो UTC+5:30 है और 82.5° पूर्व (मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश) से गुजरने वाले देशांतर पर आधारित है। हालाँकि, इस बात पर लंबे समय से बहस चल रही है कि क्या भारत में कई समय क्षेत्र होने चाहिए या अलग-अलग क्षेत्रों, खासकर पूर्वोत्तर में बेहतर तरीके से अपने मानक समय को समायोजित करना चाहिए।

उत्तर पूर्व के कुछ राज्य (जैसे असम, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड) गुजरात और राजस्थान जैसे पश्चिमी राज्यों की तुलना में बहुत पहले सूर्योदय और सूर्यास्त का अनुभव करते हैं। इससे ऊर्जा की अक्षमता, उत्पादकता में कमी और कार्य शेड्यूल में बेमेल होता है। "एक राष्ट्र, एक समय" का प्रस्ताव या तो देश भर में आईएसटी को सख्ती से लागू करने या डेलाइट सेविंग टाइम (डीएसटी) या एक नया समय क्षेत्र जैसे सुधार पेश करने का लक्ष्य रख सकता है।

पहल के मुख्य उद्देश्य:

राष्ट्रीय समन्वय: सभी राज्यों और क्षेत्रों को सुचारू समन्वय के लिए एक समान समय मानक के साथ संरेखित करना।
आर्थिक दक्षता: इसका उद्देश्य व्यापार, व्यापार और शासन में भ्रम को कम करना और दक्षता में सुधार करना है।

ऊर्जा संरक्षण: काम के घंटों को मानकीकृत करने से बिजली की खपत कम हो सकती है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां दिन के उजाले के घंटे काफी भिन्न होते हैं।

उत्पादकता में सुधार: यह सुनिश्चित करना कि भारत भर में कार्यालय, बाजार और संस्थान एक ही समय मानक पर काम करते हैं, समग्र उत्पादकता को बढ़ा सकता है।

चुनौतियाँ और आलोचना

क्षेत्रीय असमानताएँ: पूर्वोत्तर राज्यों में पश्चिमी राज्यों की तुलना में बहुत पहले दिन का उजाला होता है, इसलिए एक ही समय सभी के लिए उपयुक्त नहीं हो सकता है।

ऊर्जा उपयोग की चिंताएँ: पूर्व के राज्य शाम को अधिक कृत्रिम प्रकाश व्यवस्था का उपयोग कर सकते हैं, जिससे ऊर्जा की खपत बढ़ सकती है।

ऐतिहासिक मिसालें: स्वतंत्रता से पहले, भारत में कई समय क्षेत्र (बॉम्बे समय, मद्रास समय, कलकत्ता समय) थे, और विशेषज्ञों का तर्क है कि एकल मानक लागू करने की तुलना में क्षेत्रीय समय क्षेत्र अधिक व्यावहारिक हो सकते हैं।

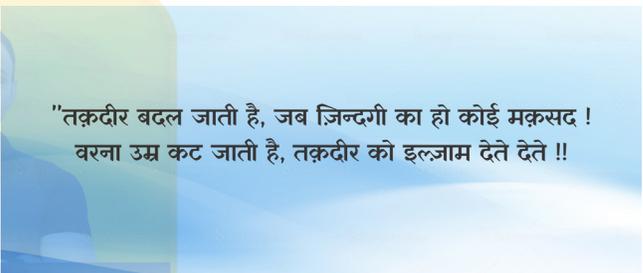
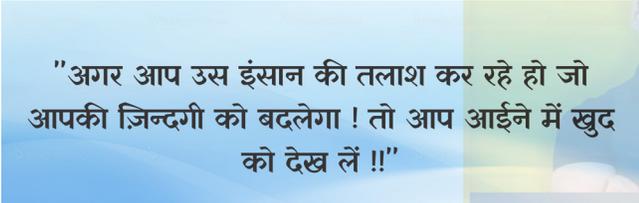
संभावित विकल्प

दूसरा समय क्षेत्र: विशेषज्ञों ने भारत को दो समय क्षेत्रों में विभाजित करने का सुझाव दिया है: अधिकांश भागों के लिए IST (UTC+5:30) और पूर्वोत्तर और पूर्वी राज्यों के लिए एक अलग (UTC+6:30)।

डेलाइट सेविंग टाइम (DST): कुछ देश मौसम के अनुसार अपनी घड़ियों को समायोजित करते हैं; भारत क्षेत्रीय समय अंतर को संतुलित करने के लिए इसका पता लगा सकता है।

निष्कर्ष

"एक राष्ट्र, एक समय" विचार का उद्देश्य बेहतर शासन और दक्षता के लिए पूरे भारत में समय को एकीकृत करना है। हालाँकि, भारत के विशाल भूगोल और विविध समय की ज़रूरतों को देखते हुए, सरकार को देश की समय प्रणाली में कोई भी बड़ा बदलाव करने से पहले इसके निहितार्थों पर सावधानीपूर्वक विचार करना चाहिए।



10 FEB



NATIONAL DE-WORMING DAY

INCEPTION: 2015
2025 THEME:
 To improve the health and well-being of children in India

National Deworming Day is a groundbreaking initiative focused on reducing the threat of parasitic worm infections, a widespread health issue affecting over 241 million children in India alone.

Motto
 The objective of National Deworming Day is to deworm all preschool and school-age children (enrolled and non-enrolled) between the ages of 1-19 years through the platform of schools and Anganwadi Centers in order to improve their overall health, nutritional status, access to education and quality of life.

Ministry Involved
 Ministry of Health & Family Welfare.

Note

- India has the highest burden of soil-transmitted helminths--parasitic worms--in the world.
- According to the 2012 report 'Children in India', published by MOSPI 48% of children under the age of five years are stunted and 19.8% are wasted.

11 FEB



INTERNATIONAL DAY OF WOMEN AND GIRLS IN SCIENCE

THEME:
 Investment in Women and Girls in Science for Inclusive Green Growth.

Importance
 On 22 December 2015, the UN General Assembly decided to establish an annual International Day to recognize the critical role women and girls play in science and technology & marks 11 Feb as the same.

Motto
 To ensure full and equal access to and participation in science for women and girls.

Note

- According to UNESCO data (2014 - 2016), only around 30 per cent of all female students select STEM-related fields in higher education.
- The International Day of Women and Girls in Science, is implemented by UNESCO and UN-Women in collaboration institutions and civil society partners.
- This Day is an opportunity to promote full and equal access to and participation in science for women and girls.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

IN-SPACe ने अंतरिक्ष क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए ₹500 करोड़ का प्रौद्योगिकी अपनाने का कोष (TAF) लॉन्च किया

भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (IN-SPACe) ने अंतरिक्ष क्षेत्र में स्टार्टअप और एमएसएमई को समर्थन देने के लिए ₹500 करोड़ के प्रौद्योगिकी अपनाने के कोष (TAF) की घोषणा की है। इस कोष का उद्देश्य आयात पर निर्भरता को कम करना, घरेलू अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विकास को प्रोत्साहित करना और वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग में भारत की स्थिति को बढ़ावा देना है।

वित्त पोषण विवरण:

- स्टार्टअप और एमएसएमई: परियोजना लागत का 60% तक।
- बड़े उद्योग: परियोजना लागत का 40% तक।
- अधिकतम सीमा: प्रति परियोजना ₹25 करोड़।
- इस पहल से फर्मों को विचार से व्यावसायीकरण में बदलाव, बौद्धिक संपदा विकसित करने और भारत के अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

अतिरिक्त सहायता:

वित्त पोषण के अलावा, कार्यक्रम फर्मों को तकनीकी सलाह और मार्गदर्शन प्रदान करेगा। इस पहल का उद्देश्य रोजगार के अवसर पैदा करना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

IN-SPACe:

- गठन: 2020
- मुख्यालय: अहमदाबाद, गुजरात, भारत
- मंत्री: नरेंद्र मोदी, भारत के प्रधान मंत्री और अंतरिक्ष मंत्री
- उप मंत्री: जितेंद्र सिंह, अंतरिक्ष राज्य मंत्री
- अध्यक्ष: डॉ. पवन गोयनका
- कार्य: अंतरिक्ष गतिविधियों में गैर-सरकारी संस्थाओं (NGE) को विनियमित करने और बढ़ावा देने के लिए अंतरिक्ष विभाग (DoS) के तहत एक स्वायत्त नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है।

NSIL इस साल भारत का पहला पूरी तरह से उद्योग-निर्मित PSLV लॉन्च करेगा

इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) 2025 में भारत का पहला पूरी तरह से उद्योग-निर्मित पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (PSLV-XL N1) लॉन्च करने की तैयारी कर रही है।

मुख्य विशेषताएं:

उद्योग-आधारित विनिर्माण:

NSIL ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) और लार्सन एंड टुब्रो (L&T) को पाँच PSLV रॉकेट बनाने का अनुबंध दिया है। HAL एंड-टू-एंड उत्पादन, एकीकरण और सॉलिड मोटर प्राप्ति

जैसी महत्वपूर्ण प्रणालियों के लिए जिम्मेदार है। उत्पादन GOCO (सरकारी स्वामित्व वाली, कंपनी द्वारा संचालित) मॉडल का अनुसरण करता है।

पेलोड क्षमता:

सूर्य-तुल्यकालिक ध्रुवीय कक्षा (600 किमी) तक 1,750 किलोग्राम

उप-भूस्थिर स्थानांतरण कक्षा तक 1,425 किलोग्राम

विस्तार योजनाएँ और भविष्य की परियोजनाएँ:

- NSIL LVM3 हेवी-लिफ्ट रॉकेट उत्पादन को बढ़ाने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल अपना रहा है।
- वार्षिक LVM3 लॉन्च दो से बढ़कर पाँच या छह हो जाएँगे, जिससे वैश्विक लॉन्च बाज़ार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ेगी।
- GSAT-N3 संचार उपग्रह 2026 में लॉन्च होगा, जिसमें सरकारी संचार के लिए S-बैंड स्पेक्ट्रम का उपयोग किया जाएगा।

भारत की वैश्विक अंतरिक्ष बाज़ार महत्वाकांक्षाएँ:

NSIL का लक्ष्य लागत-प्रभावी लॉन्च समाधान प्रदान करके \$447 बिलियन की वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा करना है। 2019 से, NSIL ने 124 अंतर्राष्ट्रीय उपग्रह लॉन्च किए हैं और मई 2023 से वैश्विक ग्राहकों को पृथ्वी अवलोकन डेटा प्रदान कर रहा है।

कंपनी भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के सहयोग से कस्टम संचार और रिमोट सेंसिंग उपग्रह भी विकसित कर रही है। यह पहल अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता को रेखांकित करती है और वैश्विक वाणिज्यिक अंतरिक्ष क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत करती है।

रूस बेलारूस में ओरेशनिक हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइलों की तैनाती करेगा

रूस दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच हुए समझौते के अनुरूप बेलारूस में अपनी ओरेशनिक हाइपरसोनिक मध्यम दूरी की मिसाइल प्रणालियों की तैनाती करेगा। यह कदम संघ राज्य की सुरक्षा अवधारणा और 2024 की सुरक्षा गारंटी पर द्विपक्षीय समझौते के तहत अपने संबद्ध दायित्वों के प्रति रूस की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि यह तैनाती यूक्रेन द्वारा लंबी दूरी के हथियारों के इस्तेमाल के जवाब में की गई थी, जिसने पहले रूसी सैन्य ठिकानों पर हमला किया था। पुतिन ने इस बात पर जोर दिया कि अगर पश्चिमी शक्तियों द्वारा इसे और भड़काया गया तो इस वृद्धि के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

बेलारूस:

- राजधानी: मिन्स्क
- मुद्रा: बेलारूसी रूबल
- राष्ट्रपति: अलेक्जेंडर लुकाशेंको

ईरान ने तीन नए स्वदेशी उपग्रहों का अनावरण किया

ईरान ने अपने राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर तेहरान में तीन नए स्वदेशी रूप से विकसित उपग्रहों का अनावरण किया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी मंत्री सैय्यद सत्तार हाशमी और अन्य कैबिनेट सदस्य, अधिकारी और सैन्य कमांडर शामिल हुए।

उपग्रहों का विवरण

अनावरण किए गए उपग्रहों का नाम नवाक-1, पारस-2 और पारस-1 का उन्नत मॉडल है। उपग्रहों को ईरानी अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र द्वारा विकसित किया गया था।

1. नवाक-1: यह संचार उपग्रह सिमोर्ग लॉन्च वाहन के उन्नत संस्करण के कार्य का परीक्षण करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका वजन लगभग 34 किलोग्राम है और यह कॉस्मिक किरणों को मापने के लिए एक डोसिमेट्री पेलोड और पृथ्वी के विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र को मापने के लिए एक मैग्नेटोमीटर सेंसर से लैस है।
2. पारस-2: यह रिमोट-सेंसिंग उपग्रह 150 किलोग्राम वजन का है और यह दो इमेजिंग पेलोड से लैस है। यह पर्यावरण निगरानी, वानिकी, प्राकृतिक आपदा प्रतिक्रिया और शहरी प्रबंधन से संबंधित मिशनों को अंजाम दे सकता है।
3. उन्नत पारस-1: उन्नत मॉडल का वजन 150 किलोग्राम से कम है और इसमें तीन इमेजिंग पेलोड हैं: मल्टीस्पेक्ट्रल, शॉर्ट-वेव इंफ्रारेड और थर्मल इंफ्रारेड। यह गैलियम आर्सेनाइड सौर कोशिकाओं से उत्पन्न ऊर्जा द्वारा संचालित है।

आगामी अंतरिक्ष प्रक्षेपण

रक्षा मंत्री अजीज नसीरजादेह ने कहा कि ईरान वर्तमान ईरानी कैलेंडर वर्ष के अंत से पहले दो अंतरिक्ष प्रक्षेपण करने की योजना बना रहा है, जो 20 मार्च, 2025 को समाप्त होगा।

जापान ने H3 रॉकेट पर नेविगेशन सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया

लॉन्च विवरण:

जापान की अंतरिक्ष एजेंसी ने H3 रॉकेट पर नेविगेशन सैटेलाइट, मिचिबिकी 6 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। यह लॉन्च दक्षिण-पश्चिमी जापानी द्वीप पर तनेगाशिमा स्पेस सेंटर से हुआ। यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि जापान अपने स्थान निर्धारण प्रणाली की सटीकता को बढ़ाने का लक्ष्य रखता है।

सैटेलाइट का उद्देश्य:

मिचिबिकी 6 सैटेलाइट जापान के अपने क्षेत्रीय नेविगेशन सिस्टम को मजबूत करने के प्रयास का हिस्सा है। यह क्वासी-जेनिथ सैटेलाइट सिस्टम (QZSS) में शामिल हो जाएगा, जो 2018 में अपनी शुरुआत के बाद से वर्तमान में चार सैटेलाइट के साथ काम कर रहा है। मिचिबिकी 6 सैटेलाइट इस समूह में पाँचवाँ बन जाएगा।

ऑर्बिट और टाइमलाइन:

सैटेलाइट के लगभग दो सप्ताह में अपनी लक्षित भू-स्थानिक कक्षा में पहुँचने की उम्मीद है।

H3 रॉकेट की सफलता:

मौसम की स्थिति के कारण एक दिन की देरी से होने वाला यह लॉन्च जापान की नई H3 रॉकेट प्रणाली की लगातार चौथी सफल उड़ान है।

इसरो ने श्रीहरिकोटा से NVS-02 उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया'

ऐतिहासिक GSLV-F15 प्रक्षेपण

29 मई, 2024 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से GSLV-F15 रॉकेट पर NVS-02 उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया। यह प्रक्षेपण ISRO के 100वें GSLV मिशन और श्रीहरिकोटा से 100वें प्रक्षेपण को चिह्नित करता है, जिसने भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को और मजबूत किया।

GSLV-F15 की मुख्य विशेषताएं

GSLV-F15 मिशन जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (GSLV) की 17वीं समग्र उड़ान और स्वदेशी क्रायोजेनिक चरण का उपयोग करने वाला 11वाँ सफल मिशन है। रॉकेट में 3.4-मीटर मेटैलिक पेलोड फेयरिंग थी और इसने NVS-02 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (GTO) में स्थापित किया।

NVS-02 उपग्रह के बारे में

NVS-02 उपग्रह नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन (NavIC) प्रणाली के लिए दूसरी पीढ़ी के उपग्रहों का हिस्सा है, जो भारत का स्वदेशी नेविगेशन नेटवर्क है। इसे भारत और भारतीय क्षेत्र से 1,500 किलोमीटर तक के क्षेत्रों में उपयोगकर्ताओं को सटीक स्थिति, वेग और समय (PVT) सेवाएँ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। उपग्रह L1 आवृत्ति बैंड का समर्थन करता है, जिससे विश्वसनीयता और सेवा सटीकता बढ़ती है।

तकनीकी विनिर्देश

NVS-02 उपग्रह मानक I-2K बस प्लेटफॉर्म पर संचालित होता है, जिसका भारोत्तोलन भार 2,250 किलोग्राम है और इसकी पावर हैंडलिंग क्षमता लगभग 3 kW है। यह L1, L5 और S बैंड पर काम करने वाले नेविगेशन पेलोड के साथ-साथ C-बैंड में रेंजिंग पेलोड भी ले जाता है। उपग्रह को IRNSS-1E की जगह 111.75°E पर रखा जाएगा।

NavIC सेवाएँ और सटीकता

NavIC दो प्रकार की सेवाएँ प्रदान करता है: मानक पोजिशनिंग सेवा (SPS): नागरिक उपयोग के लिए उपलब्ध, 20 मीटर से बेहतर स्थिति सटीकता प्रदान करता है। प्रतिबंधित सेवा (RS): अधिकृत उपयोगकर्ताओं के लिए एक एन्क्रिप्टेड सेवा।

योद्धा डेटा सर्विसेज ने 'माईशक्ति' लॉन्च किया - भारत का पहला सॉवरेन B2C जेनरेटिव AI चैटबॉट

‘मेक इन इंडिया’ और AI इनोवेशन को बढ़ावा

योद्दा डेटा सर्विसेज ने भारत का पहला सॉवरिन B2C जेनरेटिव AI चैटबॉट ‘माईशक्ति’ पेश किया।

भारत के घरेलू AI इकोसिस्टम और डेटा सॉवरिनिटी को सपोर्ट करने के लिए बनाया गया है।

डीपसीक के ओपन-सोर्स AI मॉडल पर बनाया गया

डीपसीक के AI मॉडल का इस्तेमाल करता है जबकि यह पूरी तरह से भारतीय सर्वर पर काम करता है।

भारत के अंदर पूरी तरह से डेटा सुरक्षा और सॉवरिनिटी सुनिश्चित करता है।

स्व-निर्भर और पूरी तरह से भारत-आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर

सभी ओपन-सोर्स और पार्टनरशिप डेटा को स्थानीय सर्वर पर प्रोसेस करता है।

योद्दा की एक समर्पित टीम द्वारा सिर्फ 4 दिनों में विकसित किया गया।

योद्दा के NM1 डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर पर तैनात किया गया।

उपलब्धता और पहुँच

फ़िलहाल वेब ऐप के ज़रिए बीटा में उपलब्ध है।

अभी इस्तेमाल करने के लिए निःशुल्क।

सरकारी सहायता और AI सुरक्षा पहल

- भारतीय सीमाओं के भीतर DeepSeek AI की मेजबानी AI अवसंरचना पर पूर्ण नियंत्रण सुनिश्चित करती है।
- केंद्रीय मंत्री ने AI की नैतिक तैनाती सुनिश्चित करने के लिए AI सुरक्षा संस्थान की घोषणा की।
- भारत AI सुरक्षा के लिए एक तकनीकी-कानूनी ढाँचा विकसित कर रहा है।
- भारत का AI पारिस्थितिकी तंत्र विकास
- पिछले 1.5 वर्षों में, भारत एक मज़बूत AI पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है।
- अपने स्वयं के स्वदेशी AI मॉडल की नींव रख रहा है।

लघु लेख

दैनिक अनुप्रयोगों के लिए ISRO की अंतरिक्ष तकनीक हस्तांतरण

अवलोकन

भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (IN-SPACe) ने अंतरिक्ष मिशनों के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा विकसित 166 तकनीकों की पहचान की है जिन्हें गैर-अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए उद्योगों में स्थानांतरित किया जा सकता है। इन तकनीकों में ऑटोमोटिव, निर्माण, स्वास्थ्य सेवा, रसद और ऊर्जा सहित कई क्षेत्रों में क्रांति लाने की क्षमता है, जो अंततः दैनिक जीवन को बेहतर बनाती हैं और औद्योगिक क्षमताओं को बढ़ाती हैं।

ISRO की अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग

ऑटोमोटिव क्षेत्र में, ISRO के टकराव से बचने के एल्गोरिदम, जो मूल रूप से चंद्रयान-3 के लिए डिज़ाइन किए गए थे, दुर्घटनाओं को रोकने के लिए वाहनों में एकीकृत किए जा सकते हैं। लॉन्च वाहनों में उपयोग किए जाने वाले दबाव सेंसर एयरबैग की तैनाती को अनुकूलित कर सकते हैं, जिससे यात्री सुरक्षा में सुधार होता है। इसके अतिरिक्त, 3D LiDAR कैमरे, जो शुरू में अंतरिक्ष नेविगेशन के लिए डिज़ाइन किए गए थे, स्वायत्त ड्राइविंग और पैदल यात्री सुरक्षा को बढ़ा सकते हैं। ISRO के विशेष सेंसर आयातित घटकों पर निर्भरता को कम करके उत्पादन लागत को कम करने में भी मदद कर सकते हैं।

स्वास्थ्य सेवा में, 3D LiDAR कैमरा जीवनशैली संबंधी बीमारियों के निदान और चिकित्सा इमेजिंग तकनीकों में सुधार के लिए सटीक शारीरिक माप में सहायता कर सकता है। निर्माण और बुनियादी ढांचे को इसरो के NRCM-204 संक्षारण प्रतिरोधी कोटिंग से लाभ मिल सकता है, जो धातुओं को अम्लीय वातावरण से बचाता है और इमारतों और वाहनों के स्थायित्व को बढ़ाता है। प्रक्षेपण के दौरान उपग्रहों की सुरक्षा के लिए विकसित कंपन प्रबंधन प्रणाली का उपयोग भूकंपरोधी इमारतों के लिए भूकंपीय अलगाव में किया जा सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और लॉजिस्टिक्स में, इसरो का बेंजोक्साज़िन पॉलीमर इलेक्ट्रॉनिक घटकों और मुद्रित सर्किट बोर्डों के लिए स्थिरता प्रदान करता है, जो तापमान भिन्नता और आग के खतरों के खिलाफ बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करता है। LiDAR कैमरा कुशल पैकेजिंग के लिए पार्सल माप को अनुकूलित कर सकता है और बेहतर शहरी प्रबंधन और आपदा तैयारी के लिए बाजारों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में भीड़ की निगरानी को बढ़ा सकता है। ऊर्जा और परिवहन क्षेत्र को इसरो की लिथियम-आयन बैटरी तकनीक से लाभ हो सकता है, जो इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी ला सकती है, जिससे स्वच्छ और अधिक टिकाऊ परिवहन समाधानों को बढ़ावा मिल सकता है। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लाभ उद्योगों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण कई लाभ प्रदान करता है। सेंसर, बैटरी और LiDAR सिस्टम के घरेलू उत्पादन को सक्षम करके भारत के विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देना आयात पर निर्भरता को कम करता है और आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भर भारत) को मजबूत करता है। यह औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ाता है, एयरोस्पेस, स्वास्थ्य सेवा और निर्माण में स्टार्टअप और एमएसएमई को अत्याधुनिक समाधानों को नया रूप देने और विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक सुरक्षा और शहरी प्रबंधन में काफी सुधार हो सकता है, जिसमें आपदा प्रतिक्रिया, कानून प्रवर्तन और शहर नियोजन में सहायता करने के लिए LiDAR-आधारित भीड़ निगरानी शामिल है।

अंतरिक्ष-तकनीक हस्तांतरण को सक्षम करने में IN-SPACe की भूमिका

IN-SPACe अंतरिक्ष विभाग (DoS) के तहत एकल-खिड़की, स्वायत्त एजेंसी के रूप में कार्य करता है, जो अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी खिलाड़ियों की भागीदारी को सुविधाजनक बनाता है। भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र सुधारों के हिस्से के रूप में 2020 में स्थापित, यह गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा अंतरिक्ष गतिविधियों को अधिकृत,

पर्यवेक्षण और बढ़ावा देता है। IN-SPACe निजी फर्मों को ISRO के बुनियादी ढांचे तक पहुँचने, लॉन्च वाहन विकसित करने और अंतरिक्ष-आधारित सेवाएँ प्रदान करने में भी सक्षम बनाता है। ISRO और निजी उद्यमों के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करके, IN-SPACe कुशल अंतरिक्ष संसाधन उपयोग सुनिश्चित करता है और भारत में नवाचार-संचालित औद्योगिक विकास को बढ़ावा देता है।

इन-विट्रो गैमेटोजेनेसिस (IVG): एक क्रांतिकारी प्रजनन तकनीक

इन-विट्रो गैमेटोजेनेसिस (IVG) क्या है?

इन-विट्रो गैमेटोजेनेसिस (IVG) एक उन्नत प्रजनन तकनीक है जो त्वचा, बाल या रक्त जैसे स्रोतों से प्राप्त स्टेम कोशिकाओं से अंडे और शुक्राणु बनाती है। इन प्रयोगशाला में उगाए गए युग्मकों को फिर एक भ्रूण बनाने के लिए निषेचित किया जा सकता है, जिसे गर्भावस्था के लिए सरोगेट में प्रत्यारोपित किया जाता है। पारंपरिक तरीकों के विपरीत, IVG में प्राकृतिक अंडे या शुक्राणु की आवश्यकता नहीं होती है, जो इसे इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) का एक आशाजनक विकल्प बनाता है।

IVG में वैज्ञानिक प्रगति

जापान में शोधकर्ताओं ने IVG का उपयोग करके सफलतापूर्वक चूहे पैदा किए हैं, जबकि यूके के वैज्ञानिकों को तीन साल के भीतर मानव परीक्षण की उम्मीद है। इस तकनीक में समान लिंग वाले जोड़ों, वृद्ध व्यक्तियों और बांझ लोगों को दाता की आवश्यकता के बिना जैविक बच्चे पैदा करने में सक्षम बनाने की क्षमता है।

भारत के लिए IVG का महत्व

कई सामाजिक-जैविक चुनौतियों के कारण IVG भारत के लिए विशेष रूप से लाभकारी हो सकता है:

- प्रजनन आयु में कमी: भारतीय महिलाओं में अंडाशय की कार्यक्षमता में पश्चिमी महिलाओं की तुलना में छह साल पहले गिरावट देखी जाती है।
- शुक्राणुओं की घटती संख्या: पिछले 50 वर्षों में, पुरुषों के शुक्राणुओं की संख्या में गिरावट आई है, और यह चार दशकों में न्यूनतम स्तर पर पहुँच सकती है।
- बढ़ती उम्रदराज आबादी: भारत की प्रजनन दर 2.1 प्रतिस्थापन स्तर से नीचे गिर गई है, जिससे भविष्य की जनसांख्यिकीय चुनौतियों के बारे में चिंताएँ बढ़ गई हैं।

इन-विट्रो गैमेटोजेनेसिस (IVG) और इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) की तुलना

इन-विट्रो गैमेटोजेनेसिस (IVG) और इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) दो उन्नत प्रजनन तकनीकें हैं, लेकिन वे कई प्रमुख पहलुओं में भिन्न हैं। नीचे एक विस्तृत तुलना दी गई है:

युग्मक स्रोत

IVG: IVG में, स्टेम कोशिकाओं का उपयोग व्यक्ति की अपनी कोशिकाओं से अंडे और शुक्राणु बनाने के लिए किया जाता है, जैसे कि त्वचा, बाल या रक्त से प्राप्त कोशिकाएँ। यह प्राकृतिक रूप से उत्पादित अंडे या शुक्राणु की आवश्यकता के बिना युग्मकों के उत्पादन की अनुमति देता है।

आईवीएफ: दूसरी ओर, आईवीएफ, व्यक्तियों या दाताओं से प्राकृतिक अंडे और शुक्राणु के उपयोग पर निर्भर करता है। इन अंडों और शुक्राणुओं को भ्रूण बनाने के लिए शरीर के बाहर निषेचित किया जाता है।

आनुवंशिक संपादन

आईवीजी: आईवीजी आनुवंशिक संपादन की क्षमता प्रदान करता है, जिससे निषेचन होने से पहले हानिकारक आनुवंशिक लक्षणों को हटाया जा सकता है। इससे "डिजाइनर शिशुओं" का निर्माण हो सकता है, जहाँ कुछ खास लक्षण, जैसे शारीरिक गुण या बुद्धिमत्ता, का चयन किया जा सकता है।

आईवीएफ: आईवीएफ में, आनुवंशिक संपादन निषेचन के बाद भ्रूण की विशिष्ट आनुवंशिक विकारों के लिए जांच करने तक सीमित है। यह आईवीजी के समान आनुवंशिक चयन की अनुमति नहीं देता है।

प्रजनन आयु

आईवीजी: आईवीजी का एक प्रमुख लाभ यह है कि यह किसी भी उम्र में माता-पिता बनने में सक्षम बनाता है। चूंकि स्टेम सेल से नए युग्मक बनाए जाते हैं, इसलिए उम्र से जुड़ी प्रजनन सीमाएँ (जैसे उम्र बढ़ने के साथ अंडे या शुक्राणु की गुणवत्ता में गिरावट) को दरकिनार किया जा सकता है।

आईवीएफ: आईवीएफ प्राकृतिक अंडों और शुक्राणुओं की गुणवत्ता और व्यवहार्यता पर निर्भर करता है, जो स्वाभाविक रूप से उम्र के साथ कम हो जाते हैं। इसलिए, आईवीएफ आयु-संबंधी मुद्दों के आधार पर प्रजनन सीमाओं के अधीन है।

कानूनी स्थिति

आईवीजी: अभी तक, आईवीजी को अधिकांश देशों में व्यापक रूप से विनियमित नहीं किया गया है। यह एक नई तकनीक है जिस पर अभी भी शोध चल रहा है, और इसके उपयोग को नियंत्रित करने के लिए कानूनी ढाँचे पूरी तरह से स्थापित नहीं हुए हैं।

आईवीएफ: आईवीएफ एक अच्छी तरह से स्थापित और विनियमित तकनीक है। इसका दुनिया भर में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है और अधिकांश देशों में इसके स्पष्ट कानूनी दिशानिर्देश हैं।

नैतिक चिंताएँ

आईवीजी: आईवीजी महत्वपूर्ण नैतिक चिंताओं को जन्म देता है, विशेष रूप से आनुवंशिक चयन की संभावना के आसपास। नैतिक बहस शारीरिक लक्षणों, बुद्धिमत्ता और अन्य विशेषताओं को चुनने की क्षमता के इर्द-गिर्द घूमती है, जिससे "डिजाइनर शिशुओं" के बारे में चिंताएँ पैदा होती हैं।

आईवीएफ: जबकि आईवीएफ में भ्रूण का चयन भी शामिल है, इसे आम तौर पर आईवीजी की तुलना में कम विवादास्पद माना जाता है। हालाँकि, यह अभी भी नैतिक मुद्दों को जन्म देता है,

विशेष रूप से आनुवंशिक लक्षणों या लिंग के आधार पर भ्रूण के चयन के संबंध में।

IVG में स्टेम सेल की भूमिका

IVG में स्टेम सेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि उनमें रक्त, हड्डी और मांसपेशियों जैसी विशेष कोशिकाओं को उत्पन्न करने की क्षमता होती है, जो ऊतक की मरम्मत और चिकित्सा प्रगति में सहायता करते हैं।

स्टेम सेल के प्रकार:

भ्रूण (प्लूरिपोटेंट) स्टेम सेल: किसी भी प्रकार की कोशिका बन सकते हैं और भ्रूण या गर्भनाल रक्त से प्राप्त होते हैं।

ऊतक-विशिष्ट (मल्टीपोटेंट/यूनिपोटेंट) स्टेम सेल: रक्त निर्माण के लिए रक्त स्टेम सेल जैसे विशिष्ट प्रकार की कोशिकाएँ उत्पन्न करते हैं।

प्रेरित प्लूरिपोटेंट स्टेम सेल (iPSCs): प्रयोगशाला में निर्मित स्टेम सेल जो भ्रूण स्टेम सेल की नकल करते हैं, जिनका व्यापक रूप से अनुसंधान और दवा परीक्षण में उपयोग किया जाता है।

IVG प्रजनन के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है, जो प्रजनन उपचार के लिए नई संभावनाएँ प्रदान करता है, लेकिन नैतिक और नियामक चिंताओं को भी बढ़ाता है। इसका विकास आने वाले वर्षों में परिवार नियोजन, आनुवंशिक इंजीनियरिंग और चिकित्सा नैतिकता को फिर से परिभाषित कर सकता है।

गुरुत्वाकर्षण चमत्कार: वैज्ञानिकों ने निकटवर्ती आकाशगंगा के चारों ओर आइंस्टीन वलय की खोज की

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) के यूक्लिड अंतरिक्ष दूरबीन ने एक उल्लेखनीय खोज की है - एक दुर्लभ घटना जिसे आइंस्टीन वलय के रूप में जाना जाता है, जो पृथ्वी से लगभग 590 मिलियन प्रकाश वर्ष दूर स्थित एक आकाशगंगा को घेरे हुए है।

सितंबर 2023 में यूक्लिड द्वारा कैप्चर की गई और हाल ही में अनावरण की गई, छवियों में एक चमकदार कोर दिखाई देता है जिसके चारों ओर एक चमकीला, बादल वाला वलय है। यह वलय NGC 6505 के आसपास पाया गया था, एक आकाशगंगा जिसका पहली बार 19वीं शताब्दी में दस्तावेजीकरण किया गया था।

आइंस्टीन वलय क्या है?

आइंस्टीन वलय एक गोलाकार प्रकाश पैटर्न है जो गुरुत्वाकर्षण लेंसिंग के कारण किसी विशाल आकाशीय वस्तु, जैसे कि आकाशगंगा, डार्क मैटर या आकाशगंगाओं के समूह के चारों ओर बनता है।

गुरुत्वाकर्षण लेंसिंग तब होता है जब एक विशाल ब्रह्मांडीय पिंड एक गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र बनाता है जो सीधे उसके पीछे स्थित अधिक दूर की आकाशगंगा से आने वाले प्रकाश को मोड़ता, विकृत करता और बढ़ाता है। यह प्रभाव, जिसकी भविष्यवाणी

सबसे पहले अल्बर्ट आइंस्टीन के सापेक्षता के सामान्य सिद्धांत द्वारा की गई थी, यूक्लिड की हालिया खोज के मामले में, NGC 6505 ने गुरुत्वाकर्षण लेंस के रूप में कार्य किया, जो 4.42 बिलियन प्रकाश वर्ष दूर स्थित एक अनाम आकाशगंगा से प्रकाश को विकृत और तीव्र करता है।

अल्बर्ट आइंस्टीन के नाम पर, पहली आइंस्टीन रिंग की खोज 1987 में की गई थी, और उसके बाद से कई अन्य की पहचान की गई है। हालाँकि, ये संरचनाएँ असाधारण रूप से दुर्लभ हैं - अनुमान है कि 1% से भी कम आकाशगंगाओं में एक है। अपनी फीकी होने के कारण, आइंस्टीन रिंग नंगी आँखों से अदृश्य हैं और केवल यूक्लिड जैसे उन्नत अंतरिक्ष दूरबीनों का उपयोग करके ही देखी जा सकती हैं।

विज्ञान के लिए आइंस्टीन रिंग क्यों महत्वपूर्ण है?

डार्क मैटर को समझना: वैज्ञानिक डार्क मैटर के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए आइंस्टीन रिंग का अध्ययन करते हैं, जो अभी भी पता लगाने योग्य नहीं है, लेकिन माना जाता है कि यह ब्रह्मांड के कुल पदार्थ का 85% हिस्सा है। चूँकि डार्क मैटर प्रकाश उत्सर्जित या अवशोषित नहीं करता है, लेकिन गुरुत्वाकर्षण प्रभाव डालता है, इसलिए गुरुत्वाकर्षण लेंसिंग इसका अध्ययन करने का एक अप्रत्यक्ष तरीका प्रदान करता है।

दूरस्थ आकाशगंगाओं की खोज: ये छल्ले खगोलविदों को दूर की आकाशगंगाओं का निरीक्षण और विश्लेषण करने की अनुमति देते हैं जो अन्यथा पता लगाने के लिए बहुत धुंधली होती हैं। ब्रह्मांड के विस्तार का अध्ययन: आइंस्टीन के छल्ले पृथ्वी और अन्य आकाशगंगाओं के बीच अंतरिक्ष कैसे फैला है, इसका खुलासा करके ब्रह्मांड के विस्तार की दर को मापने में भी मदद करते हैं।

यूक्लिड के मिशन का उद्देश्य ब्रह्मांड का मानचित्रण करना और डार्क मैटर का अध्ययन करना है, यह नवीनतम खोज ब्रह्मांड की संरचना और विकास की हमारी समझ में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

चीन के ओपन-सोर्स AI स्टार्टअप डीपसीक को क्या खास बनाता है

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य में, चीन का ओपन-सोर्स स्टार्टअप डीपसीक एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरा है, जो अपने अभिनव और लागत प्रभावी AI मॉडल के साथ स्थापित तकनीकी दिग्गजों को चुनौती दे रहा है। जुलाई 2023 में चीनी हेज फंड हाई-फ्लायर के सह-संस्थापक लियांग वेनफेंग द्वारा स्थापित, डीपसीक ने AI विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है, विशेष रूप से अपने प्रमुख मॉडल, डीपसीक-R1 के साथ।

स्थापना और विजन

मात्रात्मक व्यापार और AI एकीकरण में दूरदर्शी लियांग वेनफेंग ने आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (AGI) को आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षा के साथ डीपसीक की स्थापना की। हाई-फ्लायर से संसाधनों का लाभ उठाते हुए, लियांग ने चीन पर अमेरिकी सरकार द्वारा लगाए गए AI चिप प्रतिबंधों से पहले 10,000 Nvidia A100 GPU हासिल किए। इस रणनीतिक कदम ने एक बड़े भाषा मॉडल (LLM) डेवलपर के रूप में डीपसीक के संचालन के लिए एक मजबूत नींव रखी। डीपसीक का मिशन तत्काल व्यावसायिक अनुप्रयोगों की तुलना में मूलभूत AI प्रौद्योगिकियों के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता पर जोर देता है, साथ ही अपने सभी मॉडलों को ओपन-सोर्स करने की प्रतिज्ञा करता है।

तकनीकी सफलता: डीपसीक-आर1

20 जनवरी, 2025 को, डीपसीक ने डीपसीक-आर1 का अनावरण किया, जो 671 बिलियन-पैरामीटर ओपन-सोर्स रीजनिंग AI मॉडल है। उल्लेखनीय रूप से, इस मॉडल को केवल 2,048 Nvidia H800 GPU का उपयोग करके \$5.6 मिलियन की लागत से विकसित किया गया था, जो एक संसाधन-कुशल दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है जो पश्चिमी प्रतिस्पर्धियों के अरबों डॉलर के बजट के बिल्कुल विपरीत है। डीपसीक-आर1 का प्रदर्शन अग्रणी उद्योग मॉडलों के बराबर या उससे भी बेहतर है, जो इसे AI क्षेत्र में एक विघटनकारी शक्ति के रूप में स्थापित करता है।

बाजार में व्यवधान और वैश्विक प्रभाव

डीपसीक-आर1 की रिलीज़ ने वैश्विक बाजारों में हलचल मचा दी। 27 जनवरी, 2025 तक, मॉडल ने ChatGPT को पीछे छोड़ते हुए U.S. iOS ऐप स्टोर पर सबसे ज़्यादा डाउनलोड किया जाने वाला मुफ्त ऐप बन गया था। इस तेज़ उछाल के कारण बाज़ार में काफ़ी प्रतिक्रियाएँ हुईं, जिसमें Nvidia के शेयर की कीमत में 18% की भारी गिरावट शामिल है। DeepSeek-R1 की सफलता को "AI को उलटना" के रूप में वर्णित किया गया है, जो कुछ विश्लेषकों

द्वारा वैश्विक AI स्पेस रेस के रूप में संदर्भित की जाने वाली शुरुआत है और AI ब्रिकमैनशिप के एक नए युग की शुरुआत है।

रणनीतिक साझेदारी और उद्योग अपनाया

DeepSeek के अभिनव मॉडल ने प्रमुख निगमों का ध्यान आकर्षित किया है। उदाहरण के लिए, Tencent Holdings ने DeepSeek की AI सेवाओं को अपने मैसेजिंग एप्लिकेशन WeChat में एकीकृत किया, जिससे इसके बाज़ार मूल्य में 4% की वृद्धि हुई और 2021 के बाद से यह अपने उच्चतम स्टॉक स्तर पर पहुँच गया। यह कदम Tencent को सेवा उत्पादों में AI को शामिल करने की बढ़ती प्रवृत्ति के साथ जोड़ता है।

इसी तरह, Xiaomi और जिम रोजर्स जैसे निवेशकों द्वारा समर्थित टाइगर ब्रोकर्स ने अपने AI-संचालित चैटबॉट, TigerGPT को बढ़ाने के लिए DeepSeek के AI मॉडल, DeepSeek-R1 को अपनाया। इस एकीकरण का उद्देश्य बाजार विश्लेषण और ट्रेडिंग क्षमताओं को बेहतर बनाना है, जो संचालन को बदलने के लिए DeepSeek के AI समाधानों को अपनाने वाली चीनी वित्तीय फर्मों के बीच व्यापक प्रवृत्ति को दर्शाता है।

निष्कर्ष

DeepSeek का लागत-प्रभावी और ओपन-सोर्स AI पावरहाउस के रूप में उभरना वैश्विक AI क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करता है। संसाधन दक्षता, ओपन-सोर्स सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को प्राथमिकता देकर, DeepSeek न केवल स्थापित तकनीकी दिग्गजों को चुनौती देता है, बल्कि AI विकास में नवाचार के लिए एक मिसाल भी कायम करता है। जैसे-जैसे कंपनी विकसित होती जा रही है, यह AI उद्योग की गतिशील और प्रतिस्पर्धी प्रकृति का उदाहरण देती है, जो वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए स्टार्टअप की क्षमता को उजागर करती है।

"रास्ते कभी खत्म नहीं होते बस लोग हिम्मत हार जाते हैं !
तैरना सीखना है तो पानी में उतरना पड़ेगा यूं
किनारे पर बैठकर कोई गोताखोर नहीं बनता !!"

"सपने और लक्ष्य में केवल एक ही अंतर है !
सपने के लिए बिना मेहनत की नींद चाहिए और लक्ष्य
के लिए बिना नींद की मेहनत !!"

संस्कृति एवं इतिहास

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कौशल भारत कार्यक्रम के लिए ₹8,800 करोड़ मंजूर किए

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2022-23 से 2025-26 की अवधि के लिए ₹8,800 करोड़ के परिव्यय के साथ 2026 तक कौशल भारत कार्यक्रम (SIP) को जारी रखने और पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है।

मुख्य योजनाओं का एकीकरण

पुनर्निर्मित SIP एक समग्र केंद्रीय क्षेत्र योजना के तहत तीन प्रमुख घटकों को समेकित करता है:

- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 (PMKVY 4.0)
- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (PM-NAPS)
- जन शिक्षण संस्थान (JSS) योजना

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 (PMKVY 4.0)

₹6,000 करोड़ आवंटित, PMKVY 4.0 का उद्देश्य श्रमिकों को AI, 5G तकनीक, साइबर सुरक्षा, हरित हाइड्रोजन और ड्रोन तकनीक में नए युग के कौशल से लैस करना है।

यह योजना वास्तविक दुनिया का अनुभव प्रदान करने के लिए ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण (OJT) को एकीकृत करती है। गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण तक पहुँच का विस्तार करने के लिए प्रमुख संस्थानों में कौशल केंद्र स्थापित किए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय गतिशीलता पर ध्यान केंद्रित करने से यह सुनिश्चित होता है कि भारतीय श्रमिकों को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त कौशल प्रमाणपत्र प्राप्त हों। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना (PM-NAPS) कुल व्यय: शिक्षा से रोजगार तक सुगम संक्रमण की सुविधा के लिए ₹1,958 करोड़। सरकार 14 से 35 वर्ष की आयु के प्रशिक्षुओं के लिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) के माध्यम से वजीफे का 25% (प्रति माह ₹1,500 तक) प्रदान करेगी। AI, रोबोटिक्स, ब्लॉकचेन, हरित ऊर्जा और उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षुता को प्रोत्साहित किया गया।

जन शिक्षण संस्थान (JSS) योजना

आर्थिक रूप से वंचित समूहों, विशेष रूप से महिलाओं और ग्रामीण युवाओं (15-45 वर्ष की आयु) को कुशल बनाने के लिए ₹858 करोड़ आवंटित किए गए। जेएसएस स्वरोजगार और मजदूरी आधारित आजीविका को बढ़ावा देते हुए लचीले शेड्यूल के साथ कम लागत वाली, घर-घर जाकर प्रशिक्षण प्रदान करता है। समावेशी कौशल को बढ़ावा देने के लिए पीएम जनमन और समाज में सभी के लिए आजीवन सीखने की समझ (ULLAS) जैसी सरकारी पहलों से जुड़ा हुआ है।

भारतीय जीवविज्ञानी पूर्णिमा देवी बर्मन को टाइम की 'वर्ष 2025 की सर्वश्रेष्ठ महिला' सूची में शामिल किया

भारतीय जीवविज्ञानी और वन्यजीव संरक्षणवादी पूर्णिमा देवी बर्मन को टाइम पत्रिका की 'वर्ष 2025 की सर्वश्रेष्ठ महिला' सूची में शामिल किया गया है। यह वार्षिक सूची अधिक समान और

बेहतर दुनिया की दिशा में काम करने वाले असाधारण नेताओं को सम्मानित करती है। 45 वर्षीय बर्मन 13 वैश्विक सम्मानित व्यक्तियों में शामिल एकमात्र भारतीय महिला हैं।

वन्यजीव संरक्षण में योगदान

असम की रहने वाली पूर्णिमा देवी बर्मन लुप्तप्राय ग्रेटर एडजुटेड स्टॉक (हरगिला) के संरक्षण में अपने प्रयासों के लिए प्रसिद्ध हैं। इस प्रजाति में भारी गिरावट आई है, इस क्षेत्र में केवल 450 व्यक्ति ही बचे हैं। बर्मन के अथक संरक्षण प्रयासों के कारण, असम में हरगिला की आबादी 1,800 से अधिक हो गई है। इस उपलब्धि के कारण अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) ने 2023 में पक्षी की स्थिति को "लुप्तप्राय" से "निकट संकटग्रस्त" में अपग्रेड किया।

वैश्विक मान्यता

बारमन के अलावा, टाइम की 'युमन ऑफ द ईयर 2025' सूची में हॉलीवुड अभिनेता निकोल किडमैन और फ्रांसीसी कार्यकर्ता गिसेले पेलिकॉट भी शामिल हैं, जो यौन हिंसा की शिकार हैं और ऐसे अपराधों के खिलाफ लड़ाई में एक वैश्विक आइकन बन गई हैं। बारमन का समावेश जैव विविधता संरक्षण में उनके महत्वपूर्ण योगदान और पर्यावरणीय स्थिरता के बारे में जागरूकता बढ़ाने में उनकी भूमिका को उजागर करता है।

भारतीय-अमेरिकी गायिका चंद्रिका टंडन ने ग्रैमी पुरस्कार जीता

चंद्रिका टंडन की उपलब्धि

भारतीय-अमेरिकी गायिका और उद्यमी चंद्रिका टंडन ने 67वें वार्षिक ग्रैमी पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ न्यू एज, एम्बिएंट या चैंट एल्बम श्रेणी में अपने एल्बम 'त्रिवेणी' के लिए ग्रैमी पुरस्कार जीता है।

पुरस्कार समारोह और सम्मान

लॉस एंजिल्स में क्रिष्टो डॉट कॉम एरिना में ग्रैमी पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया, जिसमें संगीत और लचीलेपन का जश्न मनाया गया।

अन्य प्रमुख ग्रैमी पुरस्कार

बेयोंसे ने 11 नामांकन के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया, काउबॉय कार्टर के लिए सर्वश्रेष्ठ कंट्री एल्बम जीता, जिससे वह 99 नामांकन के साथ ग्रैमी इतिहास में सबसे अधिक नामांकित कलाकार बन गई। सबरीना कारपेंटर ने अपने एल्बम 'शॉर्ट एंड स्वीट' के लिए अपना पहला ग्रैमी जीता। केंद्रिक लैमर ने अपने डिस ट्रैक "नॉट लाइक अस" के लिए कई पुरस्कार जीते। बीटल्स ने अपने AI-सहायता प्राप्त ट्रैक "नाउ एंड दैन" के लिए सर्वश्रेष्ठ रॉक प्रदर्शन जीता। डोएची ने बेस्ट रैप एल्बम जीतने वाली तीसरी महिला बनकर इतिहास रच दिया।

सचिन तेंदुलकर को BCCI द्वारा कर्नल सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया गया

अनुभवी भारतीय क्रिकेटर और भारत रत्न सचिन तेंदुलकर को मुंबई में नमन अवार्ड्स 2025 में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) द्वारा कर्नल सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। श्री तेंदुलकर को ICC के अध्यक्ष जय शाह ने दो दशकों से अधिक समय से भारतीय क्रिकेट में उनके अद्वितीय योगदान के लिए सम्मानित किया।

अन्य पुरस्कार विजेता:

जसप्रीत बुमराह को उनके 2024 के प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर (पुरुष) के लिए पॉली उमरीगर पुरस्कार मिला।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने चौथी बार सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर (महिला) का पुरस्कार जीता। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को BCCI घरेलू टूर्नामेंट (2023-24) में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पुरस्कार मिला। आर. अश्विन को 2024 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान अपने अंतर्राष्ट्रीय संन्यास की घोषणा करने के बाद सम्मानित किया गया।

पुरस्कार के बारे में:

भारत के पहले टेस्ट क्रिकेट कप्तान कर्नल सी. के. नायडू के नाम पर रखा गया।

- पहला प्राप्तकर्ता (1994): लाला अमरनाथ, भारत के पहले टेस्ट शतकवीर।
- 31वाँ प्राप्तकर्ता (2024): सचिन तेंदुलकर, कपिल देव, सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री जैसे पिछले प्राप्तकर्ताओं में शामिल हो गए।

गणतंत्र दिवस परेड 2025 में सर्वश्रेष्ठ झांकी का पुरस्कार

उत्तर प्रदेश की झांकी, जिसका विषय 'महाकुंभ 2025 – स्वर्णिम भारत: विरासत और विकास' था, ने 26 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में सर्वश्रेष्ठ झांकी का पुरस्कार जीता। त्रिपुरा की झांकी 'शाश्वत श्रद्धा: त्रिपुरा में 14 देवताओं की पूजा – खर्ची पूजा' के लिए दूसरा पुरस्कार मिला, जबकि आंध्र प्रदेश ने 'एटिकोपका बोम्मालु – पर्यावरण के अनुकूल लकड़ी के खिलौने' के चित्रण के लिए तीसरा पुरस्कार जीता।

केंद्रीय मंत्रालयों में सर्वश्रेष्ठ झांकी

जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने अपनी थीम 'जनजातीय गौरव वर्ष' के लिए सर्वश्रेष्ठ झांकी का पुरस्कार जीता।

सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग टुकड़ियाँ

सेनाओं में, जम्मू और कश्मीर राइफल्स की टुकड़ी ने सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग टुकड़ियों का पुरस्कार जीता। सीएपीएफ और अन्य सहायक बलों की श्रेणी में, दिल्ली पुलिस मार्चिंग टुकड़ी ने पुरस्कार जीता।

संविधान समारोह के लिए विशेष पुरस्कार

केंद्रीय लोक निर्माण विभाग और 'जयति जय मम भारतम्' नृत्य समूह को भारत के संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

लोकप्रिय पसंद श्रेणी के विजेता

लोकप्रिय पसंद श्रेणी में, गुजरात ने MyGov पोर्टल पर आयोजित एक ऑनलाइन सर्वेक्षण के आधार पर अपनी 'स्वर्णिम भारत: विरासत और विकास' थीम के लिए सर्वश्रेष्ठ झांकी का पुरस्कार जीता। उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर रहा, जबकि उत्तराखंड की झांकी, जिसका विषय 'सांस्कृतिक विरासत और साहसिक खेल' था, ने तीसरा स्थान हासिल किया। लोकप्रिय पसंद श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग टुकड़ी के लिए, सिग्नल टुकड़ी ने सेवाओं में जीत हासिल की, जबकि सीआरपीएफ मार्चिंग टुकड़ी ने सीएपीएफ और अन्य सहायक बलों में जीत हासिल की।

गणतंत्र दिवस परेड में त्रिपुरा का प्रतिनिधित्व

त्रिपुरा एकमात्र पूर्वोत्तर राज्य था जिसकी झांकी प्रदर्शन के लिए चुनी गई थी। इसका विषय, 'शाश्वत श्रद्धा: त्रिपुरा में 14 देवताओं की पूजा - खर्ची पूजा', इस पारंपरिक त्योहार के महत्व को दर्शाता है। खर्ची पूजा, मूल रूप से एक हिंदू आदिवासी त्योहार है, जिसे अब सभी समुदाय धार्मिक अनुष्ठानों, मंत्रों के जाप और भव्य उत्सवों के साथ मनाते हैं। यह त्योहार शिव, दुर्गा, विष्णु, लक्ष्मी, सरस्वती, कार्तिक, गणेश, ब्रह्मा, अग्नि और अन्य सहित 14 देवताओं का सम्मान करता है।

त्रिनिदाद और टोबैगो के राष्ट्रपति को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार प्रदान किया गया

सार्वजनिक सेवा के लिए मान्यता

भारत ने सार्वजनिक मामलों में उत्कृष्ट उपलब्धियों और भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा में योगदान के लिए त्रिनिदाद और टोबैगो गणराज्य की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू को प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार (पीबीएसए) से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से त्रिनिदाद और टोबैगो में गणतंत्र दिवस समारोह में भारत के उच्चायुक्त डॉ. प्रदीप राजपुरोहित द्वारा प्रदान किया गया।

प्रवासी भारतीय दिवस में अहम भूमिका

इंडो-त्रिनिडाडियन नेता कंगालू ने 8-10 जनवरी, 2025 को ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में कार्य किया। अपने वर्चुअल संबोधन में उन्होंने ऐतिहासिक संबंधों पर जोर दिया। भारत और त्रिनिदाद और टोबैगो के बीच संबंध 1845 से चले आ रहे हैं, जब भारतीय अनुबंधित श्रमिक कैरेबियाई राष्ट्र में पहुंचे थे।

भारत-त्रिनिदाद और टोबैगो संबंध

कंगालू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत त्रिनिदाद और टोबैगो की स्वतंत्रता के बाद 1962 में उसके साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले पहले देशों में से एक था। उन्होंने शिक्षा, चिकित्सा, गणित और नौवहन में भारत के योगदान की प्रशंसा की और ऐतिहासिक उपलब्धियों का हवाला दिया जैसे:

- तक्षशिला में पहले विश्वविद्यालय की स्थापना
- आयुर्वेद का एक प्राचीन चिकित्सा प्रणाली के रूप में विकास
- बीजगणित, त्रिकोणमिति, कलन और शून्य की अवधारणा का आविष्कार
- सांस्कृतिक योगदान जैसे शतरंज और दशमलव प्रणाली

➤ सर्जरी के जनक के रूप में सुश्रुत को स्वीकार करना

भारतीय प्रवासियों का प्रभाव

कंगालू ने वैश्विक संस्कृति, समाज और अर्थव्यवस्थाओं को आकार देने में भारतीय प्रवासियों के महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता दी। उन्होंने कहा कि 143,000 से अधिक भारतीय अनुबंधित श्रमिक त्रिनिदाद में आए 72 वर्षों से, इसने देश के जनसांख्यिकीय, सांस्कृतिक और आर्थिक परिदृश्य को गहराई से प्रभावित किया है। आज, उनके वंशज देश की आबादी का लगभग 42% हिस्सा बनाते हैं।

भारत के वैश्विक समर्थन की स्वीकृति

कंगालू ने कोविड-19 महामारी के दौरान विशेष रूप से त्रिनिदाद और टोबैगो के अनुरोध पर टीके उपलब्ध कराने में भारत के समर्थन के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार के बारे में

प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार (पीबीएसए) भारत और वैश्विक प्रवासियों के बीच मजबूत संबंधों को बढ़ावा देने वाले विभिन्न क्षेत्रों में उनके असाधारण योगदान के लिए प्रवासी भारतीयों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है।

ICC पुरस्कार 2024 की घोषणा

स्मृति मंधाना: ICC महिला वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर

भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए ICC महिला वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 चुना गया है। उन्होंने 13 पारियों में 57.46 की औसत से 747 रन बनाए, जो सभी खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा है, उन्होंने लॉरा वोल्वार्ट, टैमी ब्यूमोंट और हेले मैथ्यूज़ को पीछे छोड़ दिया। यह उनका तीसरा ICC पुरस्कार है, इससे पहले उन्होंने 2018 और 2022 में जीता था।

जसप्रीत बुमराह: ICC पुरुष टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर

भारत के तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह को ICC पुरुष टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 से सम्मानित किया गया। उन्होंने 13 मैचों में 14.92 की असाधारण औसत से 71 विकेट लिए, जो 2018 में विराट कोहली के बाद यह पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। उनके बेहतरीन प्रदर्शनों में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज़ जीतने वाले स्पेल शामिल थे।

ICC अवार्ड्स 2024 में अन्य प्रमुख विजेता

- ICC पुरुष वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर: अजमतुल्लाह उमरजई (अफगानिस्तान)
- ICC पुरुष टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर: अर्शदीप सिंह (भारत)
- ICC महिला टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर: अमेलिया केर (न्यूजीलैंड)
- ICC इमर्जिंग पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर: कामिंडू मेंडिस (श्रीलंका)

- ICC इमर्जिंग महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर: एनेरी डर्कसेन (दक्षिण अफ्रीका)
- ICC पुरुष एसोसिएट क्रिकेटर ऑफ द ईयर: गेरहार्ड इरास्मस (नामीबिया)
- ICC महिला एसोसिएट क्रिकेटर ऑफ द ईयर: ईशा ओजा (यूएई)
- ICC अंपायर ऑफ द ईयर: रिचर्ड इलिंगवर्थ (इंग्लैंड)

टीम ऑफ द ईयर हाइलाइट्स

स्मृति मंधाना ICC महिला वनडे और टी20 टीम ऑफ द ईयर में शामिल। जसप्रीत बुमराह को आईसीसी पुरुष टेस्ट और टी20आई टीम ऑफ द ईयर में शामिल किया गया। भारत के अर्शदीप सिंह को आईसीसी पुरुष टी20आई टीम ऑफ द ईयर में नामित किया गया।

भारत को प्रिंस माइकल डिकेड ऑफ एक्शन रोड सेफ्टी अवार्ड से सम्मानित किया गया

भारत सरकार को पिछले एक दशक में वाहन सुरक्षा मानकों में उल्लेखनीय प्रगति के लिए प्रिंस माइकल डिकेड ऑफ एक्शन रोड सेफ्टी अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार माराकेच में सड़क सुरक्षा पर चौथे मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में प्रदान किया गया, जहाँ भारत ने मोरक्को के साथ सम्मान साझा किया।

लागू किए गए प्रमुख सुरक्षा उपाय:

भारत को यह सम्मान नई कार सुरक्षा मूल्यांकन कार्यक्रम की शुरूआत और सभी नए दोपहिया वाहनों में एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (ABS) के लिए अनिवार्यता जैसी पहलों के कारण मिला है। सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा ने भारत की ओर से पुरस्कार स्वीकार किया।

नीति सुधार और बुनियादी ढाँचा विकास:

2014 से, भारत के वाहन सुरक्षा मानकों को यूरोपीय मानकों के अनुरूप संशोधित किया गया है। पिछले दस वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में 60% की वृद्धि हुई है, जो 2014 में 91,287 किलोमीटर से बढ़कर 2024 में 146,195 किलोमीटर हो गया है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय हाई-स्पीड कॉरिडोर 2014 में 93 किलोमीटर से बढ़कर 2024 में 2,474 किलोमीटर हो गए हैं।

प्रमुख अवसंरचना परियोजनाएँ:

भारत के राजमार्गों का तेजी से विस्तार भारतमाला परियोजना जैसी प्रमुख सरकारी पहलों से प्रेरित है। इसके अलावा, विश्व बैंक, JICA और ADB जैसी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से वित्तीय सहायता के साथ 2,540 किलोमीटर राजमार्गों का निर्माण किया गया है।

सुनील भारती मित्तल को यू.के. द्वारा मानद नाइटहुड की उपाधि प्रदान की गई

भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल को यू.के.-भारत व्यापार संबंधों में उनके योगदान के लिए किंग चार्ल्स तृतीय द्वारा नाइट कमांडर ऑफ द मोस्ट एक्सेलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (के.बी.ई.) से सम्मानित किया

गया। नई दिल्ली में ब्रिटिश उच्चायुक्त के निवास पर आयोजित एक समारोह में मित्तल को मानद नाइटहुड पदक प्रदान किया गया।

यह सम्मान यू.के. में उनके महत्वपूर्ण निवेशों को दर्शाता है, जिसमें बीटी, ग्लेनीगल्स, नॉरलेक हॉस्पिटैलिटी और वनवेब शामिल हैं।

धन और पहचान:

- फोर्ब्स द्वारा भारत के सबसे अमीर व्यक्तियों में स्थान दिया गया।
- व्यापार और उद्योग में योगदान के लिए पद्म भूषण (2007) से सम्मानित।
- यूके-भारत व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने के लिए यूके से मानद नाइटहुड (केबीई) (2024)।

वैश्विक प्रभाव:

- सैटेलाइट-आधारित इंटरनेट सेवाओं के लिए वनवेब के साथ भागीदारी की।
- विश्व आर्थिक मंच सहित कई अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंचों पर कार्य करता है।
- परोपकार: भारत में शिक्षा और ग्रामीण विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारती फाउंडेशन चलाता है।

केबीई से सम्मानित अन्य भारतीय:

- जमशेद ईरानी (1997): टाटा स्टील के पूर्व निदेशक।
- रवि शंकर (2001): महान सितार वादक।
- रतन टाटा (2009): टाटा संस के पूर्व अध्यक्ष।

सेबेस्टियन बेज़ ने लगातार दो बार रियो ओपन खिताब जीता

- विजेता: अर्जेन्टीना के सेबेस्टियन बेज़ ने फ्रांस के एलेक्जेंडर मुलर (6-2, 6-3) को हराकर रियो ओपन 2024 जीता।
- खिताबों की संख्या: यह बेज़ का 7वाँ ATP खिताब और लगातार दूसरी बार रियो ओपन जीत है।
- क्ले कोर्ट पर दबदबा: 2022 से, बेज़ ने क्ले पर 73 मैच जीते हैं, जो इस अवधि में किसी भी खिलाड़ी द्वारा जीते गए सबसे ज्यादा मैच हैं।
- रियो ओपन दक्षिण अमेरिका का एकमात्र ATP 500 टूर्नामेंट है।
- यह ब्राजील के जाँकी क्लब ब्रासीलीरो में आयोजित किया जाता है।

विराट कोहली सबसे तेज 14,000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली 14,000 वनडे इंटरनेशनल (ODI) रन बनाने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की।

वनडे रन बनाने वालों की बेहतरीन सूची

कोहली अब वनडे इतिहास में यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं, वे हैं:

- सचिन तेंदुलकर (18,426 रन, 350 पारी)
- कुमार संगकारा (14,234 रन, 378 पारी)
- सबसे तेज 14,000 वनडे रन बनाने वाले
- विराट कोहली - 287 पारी (2025)
- सचिन तेंदुलकर - 350 पारी (2006)
- कुमार संगकारा - 378 पारी (2015)

केंद्रीय मंत्री एस.पी. सिंह बघेल द्वारा पंचायत हस्तांतरण सूचकांक रिपोर्ट जारी की

केंद्रीय पंचायती राज राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल ने पंचायत हस्तांतरण सूचकांक रिपोर्ट जारी की, जिसमें ग्रामीण शासन को मजबूत बनाने में इसकी भूमिका पर जोर दिया गया। रिपोर्ट में पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) को शक्तियों और संसाधनों के हस्तांतरण का मूल्यांकन किया गया है और इसका उद्देश्य भारत में समग्र, समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देना है।

उत्तर प्रदेश की उल्लेखनीय प्रगति

रिपोर्ट का एक प्रमुख आकर्षण उत्तर प्रदेश का उल्लेखनीय सुधार है, जो नवीनतम सूचकांक में 15वें स्थान से 5वें स्थान पर पहुंच गया है। राज्य ने पारदर्शिता पहल और भ्रष्टाचार विरोधी उपायों को लागू किया है, जिससे स्थानीय शासन में जवाबदेही बढ़ी है। प्रो. बघेल ने जोर देकर कहा कि उत्तर प्रदेश की प्रगति सीधे तौर पर देश के समग्र विकास में योगदान देती है।

पंचायत हस्तांतरण सूचकांक का महत्व

यह रिपोर्ट राज्यों को ग्रामीण स्थानीय निकायों को सशक्त बनाने और केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रो. बघेल ने सुझाव दिया कि पंचायत भवनों को ग्रामीण विकास केंद्रों के रूप में कार्य करना चाहिए, जहाँ पेंशन, जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी आवश्यक सेवाएँ और आयुष्मान भारत योजना जैसी अन्य कल्याणकारी योजनाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। उन्होंने वित्तीय अनियमितताओं को रोकने के लिए हस्तांतरित निधियों के उपयोग की निगरानी के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (IIPA) द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में कुल हस्तांतरण में 39.9% (2013-14) से 43.9% (2021-22) की वृद्धि पर प्रकाश डाला गया है। 21 अप्रैल 2018 को राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (RGSA) के शुभारंभ ने क्षमता वृद्धि को काफी बढ़ावा दिया, जिससे इसका सूचकांक घटक 44% से बढ़कर 54.6% हो गया। इसके अतिरिक्त, पंचायती राज के बुनियादी ढांचे में सुधार और अधिकारियों की भर्ती के प्रयासों से कार्यकर्ता घटक में वृद्धि हुई है, जो 39.6% से बढ़कर 50.9% हो गई है।

हस्तांतरण सूचकांक में राज्यों की रैंकिंग

55 से अधिक हस्तांतरण सूचकांक (DI) स्कोर वाले शीर्ष 10 राज्य हैं:

1. कर्नाटक
2. केरल

3. तमिलनाडु
4. महाराष्ट्र
5. उत्तर प्रदेश
6. गुजरात
7. त्रिपुरा
8. राजस्थान
9. पश्चिम बंगाल
10. छत्तीसगढ़

आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों का DI स्कोर 50 से 55 के बीच है, जो उन्हें मध्यम स्कोरिंग श्रेणी में रखता है।

भविष्य के निहितार्थ

यह रिपोर्ट महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित ग्राम स्वराज के माध्यम से विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह भारत भर में प्रभावी ग्रामीण शासन और विकास सुनिश्चित करते हुए आत्मनिर्भर स्थानीय सरकारों के रूप में कार्य करने के लिए PRA को मजबूत करने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है।

ब्लूमबर्ग की एशिया के सबसे अमीर परिवारों की सूची में मुकेश अंबानी सबसे आगे हैं

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और सीईओ मुकेश अंबानी ब्लूमबर्ग की एशिया के शीर्ष 20 सबसे अमीर परिवारों की 2025 की सूची में सबसे ऊपर हैं। उनके नेतृत्व में, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्रों में अपना विस्तार किया है।

सूची में शामिल अन्य भारतीय व्यापारिक दिग्गज:

कई अन्य प्रमुख भारतीय व्यापारिक परिवारों ने भी सूची में स्थान प्राप्त किया है, जिनमें शामिल हैं:

1. मिस्त्री
2. जिंदल
3. बिरला
4. बजाज
5. हिंदुजा

ये परिवार विभिन्न उद्योगों में महत्वपूर्ण प्रभाव बनाए रखते हैं, जिससे भारत की आर्थिक ताकत और मजबूत होती है।

एशिया के सबसे धनी परिवारों का व्यापक प्रभाव:

एशिया के 20 सबसे अमीर परिवारों की संयुक्त कुल संपत्ति लगभग 463 बिलियन डॉलर है, जो इस क्षेत्र के पर्याप्त आर्थिक प्रभाव पर जोर देती है।

उभरते उद्यमी: धन की अगली पीढ़ी

डीपसीक के संस्थापक लियांग वेनफेंग जैसे नए उद्यमी तेजी से धन रैंकिंग में ऊपर चढ़ रहे हैं। ओपन-सोर्स एआई कंपनी डीपसीक ने महत्वपूर्ण मूल्यांकन वृद्धि का अनुभव किया है। लियांग वेनफेंग एशिया के धन पदानुक्रम में एक संभावित भविष्य के नेता के रूप में उभर रहे हैं, जो प्रौद्योगिकी-संचालित भाग्य की ओर बदलाव का संकेत देते हैं।

भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (CPI) 2024 में भारत 96वें स्थान पर

- रैंकिंग और स्कोर: भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (CPI) 2024 में भारत 38 अंकों के साथ 180 देशों में से 96वें स्थान पर है। 2023 में यह स्कोर 39 और 2022 में 40 से कम हुआ है।
- पड़ोसियों से तुलना: भारत के पड़ोसियों में पाकिस्तान 135वें, श्रीलंका 121वें, बांग्लादेश 149वें और चीन 76वें स्थान पर है।

वैश्विक नेता और निचली रैंकिंग:

- सबसे कम भ्रष्ट देश: डेनमार्क सूचकांक में सबसे ऊपर है, उसके बाद फिनलैंड, सिंगापुर और न्यूजीलैंड हैं।
- सबसे भ्रष्ट देश: दक्षिण सूडान 8 अंकों के साथ अंतिम (180वें) स्थान पर है, उसके बाद सोमालिया (179वें), वेनेजुएला (178वें) और सीरिया (177वें) स्थान पर है।

वैश्विक रुझान:

- प्रमुख राष्ट्रों में गिरावट: संयुक्त राज्य अमेरिका (28वें), फ्रांस (25वें), जर्मनी (15वें) और रूस (22 अंक) जैसे देशों के CPI स्कोर में गिरावट देखी गई।
- न्यायपालिका और भ्रष्टाचार: भ्रष्टाचार के खिलाफ न्यायिक कार्रवाई की कमी के कारण मेक्सिको पाँच अंक गिरकर 26 पर आ गया।
- यूक्रेन की प्रगति: एक अंक गिरकर 35 पर आने के बावजूद, यूक्रेन ने न्यायिक स्वतंत्रता और भ्रष्टाचार विरोधी अभियोगों में सुधार दिखाया।

मुख्य निष्कर्ष:

भ्रष्टाचार एक वैश्विक मुद्दा बना हुआ है, 2012 से 148 देशों में यह स्थिर या बदतर हो गया है। भ्रष्टाचार जलवायु कार्रवाई में एक बड़ी बाधा है, जो उत्सर्जन में कमी और पर्यावरण संरक्षण के लिए निधियों को प्रभावित करता है। उच्च स्कोर वाले देशों में वित्तीय केंद्र अवैध निधियों को आकर्षित करते हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार का जोखिम पैदा होता है।

रिपोर्ट स्रोत: सीपीआई 2024 को ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी किया गया था, जो 0 (अत्यधिक भ्रष्ट) से 100 (बहुत साफ) के पैमाने का उपयोग करके सार्वजनिक क्षेत्र के भ्रष्टाचार की धारणाओं के आधार पर देशों को रैंक करता है।

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2025: मुख्य विशेषताएं

शीर्ष रैंक वाले पासपोर्ट

सिंगापुर दुनिया का सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट है, जो 193 गंतव्यों तक वीजा-मुक्त पहुँच प्रदान करता है। जापान और दक्षिण कोरिया 190 वीजा-मुक्त गंतव्यों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, इटली और स्पेन तीसरे स्थान पर हैं, जो 189 गंतव्यों तक पहुँच प्रदान करते हैं।

भारत की रैंक और प्रदर्शन

भारत 80वें स्थान पर है, जो अल्जीरिया, इक्वेटोरियल गिनी और ताजिकिस्तान के साथ स्थान साझा करता है। यह रैंकिंग विभिन्न

देशों में वीजा-मुक्त और वीजा-ऑन-अराइवल पहुँच पर आधारित है।

सबसे कम रैंक वाले पासपोर्ट

अफ़गानिस्तान 25 वीजा-मुक्त गंतव्यों के साथ 99वें (अंतिम स्थान) पर है। सीरिया (98वें) और इराक (97वें) क्रमशः 27 और 30 वीजा-मुक्त गंतव्यों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

उल्लेखनीय परिवर्तन वाले देश

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने उल्लेखनीय सुधार किया है, 185 वीजा-मुक्त गंतव्यों को सुरक्षित करते हुए 10वें स्थान पर पहुँच गया है। चीन 2015 में 94वें स्थान से 2025 में 60वें स्थान पर पहुँच गया है, पिछले वर्ष ही उसे 29 और गंतव्यों तक वीजा-मुक्त पहुँच प्राप्त हुई है। वेनेजुएला और संयुक्त राज्य अमेरिका ने पिछले दशक में रैंकिंग में गिरावट देखी है।

शेंगेन वीजा अस्वीकृति रुझान

कोमोरोस में सबसे अधिक शेंगेन वीजा अस्वीकृति दर (61.3%) है, उसके बाद गिनी-बिसाऊ (51%) और घाना (47.5%) हैं। सबसे अधिक अस्वीकृति दर वाले दस देशों में से छह अफ्रीका से हैं।

लघु लेख

राज्यों में पंचायतों को हस्तांतरण की स्थिति 2024

रिपोर्ट का अवलोकन

पंचायती राज मंत्रालय ने भारत भर में पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के सशक्तिकरण का आकलन करते हुए "राज्यों में पंचायतों को हस्तांतरण की स्थिति - एक सांकेतिक साक्ष्य-आधारित रैंकिंग" रिपोर्ट जारी की है। इसे पंचायत हस्तांतरण सूचकांक 2024 के रूप में भी जाना जाता है, रिपोर्ट शक्तियों के हस्तांतरण, वित्तीय स्वतंत्रता और शासन क्षमताओं का विश्लेषण करके पंचायतों की स्वायत्तता का मूल्यांकन करती है। यह छह प्रमुख आयामों पर केंद्रित है: रूपरेखा, कार्य, वित्त, कार्यकर्ता, क्षमता निर्माण और जवाबदेही। बेहतर डिजिटल बुनियादी ढांचे, स्टाफिंग और शासन तंत्र के साथ पीआरआई को कुल हस्तांतरण में सुधार हुआ है, जो 2013-14 में 39.9% से बढ़कर 2021-22 में 43.9% हो गया है।

राज्य रैंकिंग और प्रदर्शन

राज्य रैंकिंग में, कर्नाटक ने शीर्ष स्थान हासिल किया, उसके बाद केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश हैं। इन राज्यों ने मजबूत संस्थागत ढांचे और वित्तीय प्रबंधन प्रथाओं का प्रदर्शन किया है। वित्तीय जवाबदेही में कर्नाटक सबसे आगे रहा, जबकि तमिलनाडु ने कार्यात्मक जिम्मेदारियों को सौंपने में उत्कृष्टता

हासिल की और केरल को इसके मजबूत कानूनी ढांचे के लिए मान्यता मिली। गुजरात, तेलंगाना और कर्नाटक ने क्रमशः कार्मिक प्रबंधन, क्षमता निर्माण और पारदर्शिता में उल्लेखनीय प्रगति दिखाई। दूसरी ओर, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, पुडुचेरी और लद्दाख सबसे निचले स्थान पर रहे, जिसमें कमजोर शासन संरचना और वित्तीय स्वायत्तता को उजागर किया गया।

पंचायतों को हस्तांतरण में चुनौतियाँ

इन सुधारों के बावजूद, कई चुनौतियाँ बनी हुई हैं। एससी, एसटी और महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों का रोटेशन नेतृत्व की निरंतरता को प्रभावित करता है। जिला योजना समितियाँ (DPC) मौजूद हैं, लेकिन प्रभावी रूप से लागू नहीं की जाती हैं। 11वीं अनुसूची में सूचीबद्ध 29 विषयों का हस्तांतरण राज्यों में असंगत है, जो पंचायतों की निर्णय लेने की शक्ति को सीमित करता है। वित्तीय बाधाएँ एक बड़ी बाधा बनी हुई हैं, क्योंकि राज्य वित्त आयोग (SFC) अक्सर सिफारिशों को प्रभावी ढंग से लागू करने में विफल रहते हैं। पंचायतें केंद्रीय और राज्य अनुदानों पर अत्यधिक निर्भर हैं, उनके राजस्व का केवल 1% करों के माध्यम से उत्पन्न होता है। औसतन, प्रत्येक पंचायत को केंद्रीय अनुदान से ₹17 लाख और राज्य अनुदान से ₹3.25 लाख मिलते हैं, जबकि उनका अपना कर राजस्व प्रति पंचायत ₹21,000 जितना कम रहता है।

पीआरआई को मजबूत करने के लिए सिफारिशें

पीआरआई को मजबूत करने के लिए, रिपोर्ट में तदर्थ अनुदानों के बजाय नियमित निधि हस्तांतरण, एमजीएनआरईजीए, एनएचएम और पीएमएवाई जैसी प्रमुख योजनाओं को लागू करने में पंचायतों को सशक्त बनाने का सुझाव दिया गया है। यह नियमित ऑडिट के माध्यम से वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने, स्थानीय करों के माध्यम से स्वयं के राजस्व सृजन को बढ़ाने और बेहतर निधि आवंटन के लिए एसएफसी को मजबूत करने पर जोर देता है। शासन दक्षता और जवाबदेही में सुधार के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम और डिजिटल शासन उपायों की भी सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में पंचायत भवनों को सार्वजनिक सेवा वितरण के लिए केंद्र के रूप में विकसित करने और सामाजिक लेखा परीक्षा और ग्राम सभा की भागीदारी के माध्यम से सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है।

निष्कर्ष

पंचायतों को शक्तियाँ सौंपने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, लेकिन वित्तीय निर्भरता, असंगत विकेंद्रीकरण और जवाबदेही की कमी पूर्ण स्वायत्तता में बाधा बन रही है। संरचनात्मक सुधारों, वित्तीय स्वतंत्रता और क्षमता निर्माण के माध्यम से इन चुनौतियों का समाधान करना भारत में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने और टिकाऊ ग्रामीण शासन सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

"कितना भी पकड़लो फिसलता ज़रूर है !
ये वक्रत है ! जनाब बदलता ज़रूर है !!!"

"लगातार मिल रही असफलताओ से निराश नहीं !
कभी-कभी गुच्छे की आखरी चाबी ताला खोल देती है !!!"

खेल

भारतीय विश्वा राजकुमार ने ग्लोबल मेमोरी चैम्पियनशिप जीती

भारत के 20 वर्षीय विश्वा राजकुमार को फरवरी 2025 में मेमोरी लीग वर्ल्ड चैम्पियनशिप का विजेता घोषित किया गया है, जिसमें उन्होंने अपनी असाधारण मेमोरी स्किल्स का प्रदर्शन किया है।

रिकॉर्ड-ब्रेकिंग परफॉरमेंस:

राजकुमार ने सिर्फ 13.5 सेकंड में 80 अंक याद करके एक नया बेंचमार्क स्थापित किया। उनके असाधारण प्रदर्शन ने उनकी मानसिक चपलता और याद करने की गति को उजागर किया।

मेमोरी तकनीक: "मेमोरी पैलेस":

राजकुमार ने प्राचीन "मेमोरी पैलेस" तकनीक का उपयोग किया, जो रोमन काल की एक रणनीति थी। उन्होंने संख्याओं और शब्दों के अनुक्रमों को मैप करने और याद करने के लिए एक घर में कमरों की कल्पना की। यह तकनीक उन्हें सही क्रम में जानकारी याद करने की अनुमति देती है, यहाँ तक कि 100 शब्दों के लिए 50 कहानियाँ भी।

पंकज आडवाणी ने दोहा में 14वां एशियाई सूकर स्वर्ण जीता

भारत के पंकज आडवाणी ने दोहा में अपना 14वां एशियाई सूकर चैम्पियनशिप स्वर्ण जीता, जिससे क्यू स्पोर्ट्स में उनकी विरासत और मजबूत हुई। इस जीत के साथ, आडवाणी एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करने की कगार पर हैं - एक ही कैलेंडर वर्ष में राष्ट्रीय, एशियाई और विश्व सूकर चैम्पियनशिप जीतना। वह बिलियर्ड्स में पहले ही यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं, और सूकर में इसी तरह की उपलब्धि उन्हें दोनों विषयों में ऐसा करने वाला इतिहास का एकमात्र खिलाड़ी बना देगी।

पंकज आडवाणी की करियर उपलब्धियाँ

- 5 एशियाई सूकर खिताब (15-रेड, 6-रेड और टीम प्रारूप में)
 - 9 एशियाई बिलियर्ड्स खिताब
 - 2 एशियाई खेल स्वर्ण पदक (2006, 2010)
- इस जीत के साथ, आडवाणी क्यू स्पोर्ट्स की दुनिया में अपना दबदबा बनाए हुए हैं और वैश्विक मंच पर भारत की उपस्थिति को मजबूत कर रहे हैं।

राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025: मुख्य परिणाम

सोमन राणा (बिहार) ने पेरिस पैरालंपिक कांस्य पदक विजेता होकाटा सेमा (सर्विसेज) को हराकर पुरुषों की F57 शॉट पुट में स्वर्ण पदक जीता।

- विजेता श्रो: 14.42 मीटर (राणा) बनाम 13.53 मीटर (होकाटा)।

- पेरिस पैरालंपिक कांस्य पदक विजेता दीप्ति जीवनजी (तेलंगाना) ने महिलाओं की 400 मीटर टी20 श्रेणी में 57.85 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।

अन्य विजेता:

पुरुषों के कार्यक्रम:

- शॉट पुट F53: सुमित (हरियाणा) - 6.89 मी
- शॉट पुट F55: मुथुराजा करैयालन (TN) - 10.67 मी
- भाला फेंक F53: सुमित (हरियाणा) - 17.15 मीटर
- लंबी कूद टी37: रामसुंगी ठाकोर (गुजरात) - 5.15 मीटर

महिलाओं के कार्यक्रम:

- 400 मीटर टी13: गीता महतो (दिल्ली) - 1:11.89 सेकंड
- 400 मीटर टी37: हर्षिता तातेर (कर्नाटक) - 1:36.09 सेकंड
- डिस्कस F37: प्रियंका (राजस्थान) - 20.63 मीटर
- डिस्कस F40: अकुताई सीताराम उलभगत (महाराष्ट्र) - 15.63 मीटर
- डिस्कस F57: सुमन बाला (हरियाणा) - 19.76 मीटर
- शॉट पुट F40: अकुताई सीताराम उलभगत (महाराष्ट्र) - 5.85 मीटर

जैकब किप्लिमो ने हाफ-मैराथन का नया रिकॉर्ड बनाया

युगांडा के जैकब किप्लिमो ने 57 मिनट से कम समय में हाफ-मैराथन दौड़ने वाले पहले व्यक्ति बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने बार्सिलोना में वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रेस में 56 मिनट और 42 सेकंड में रेस पूरी की।

पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा

किप्लिमो ने अक्टूबर में इथियोपिया के योमिफ केजेल्चा द्वारा बनाए गए 57 मिनट और 30 सेकंड के पिछले हाफ-मैराथन रिकॉर्ड को तोड़ दिया। 48 सेकंड के उनके सुधार ने रिकॉर्ड समय में अब तक की सबसे बड़ी कमी दर्ज की।

खिताब को फिर से हासिल करना

किप्लिमो, जिन्होंने 2021 से 2024 तक हाफ-मैराथन रिकॉर्ड अपने नाम किया था, ने इस असाधारण प्रदर्शन के साथ अपना खिताब फिर से हासिल कर लिया।

विश्व का सर्वश्रेष्ठ समय निर्धारित करना

इसी रेस के दौरान, किप्लिमो ने 15 किलोमीटर के लिए 39 मिनट और 47 सेकंड का विश्व का सर्वश्रेष्ठ समय भी निर्धारित किया।

गुलवीर सिंह ने डेविड हेमरी आमंत्रण प्रतियोगिता में पुरुषों की इनडोर 3000 मीटर दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया

रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन

भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने बोस्टन में आयोजित डेविड हेमरी आमंत्रण प्रतियोगिता में पुरुषों की इनडोर 3000 मीटर दौड़

में 17 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 7 मिनट 38.26 सेकंड का समय लेकर सुरेंद्र सिंह के पिछले रिकॉर्ड को 11 सेकंड से पीछे छोड़ दिया।

पदक स्थिति

गुलवीर सिंह ने रजत पदक जीता, जबकि एडम्स स्टेट के रोमेन लीजेंडे ने स्वर्ण पदक जीता और मॉर्गन बीडल्सकॉम्ब ने इस स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड

इस उपलब्धि के साथ, गुलवीर सिंह के नाम अब तीन राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं:

आउटडोर 5000 मीटर

आउटडोर 10000 मीटर

इनडोर 3000 मीटर

उनकी रिकॉर्ड-तोड़ दौड़ भारतीय एथलेटिक्स में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और लंबी दूरी की दौड़ में उनके प्रभुत्व को मजबूत करती है।

2025 एशिया कप वर्ल्ड रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट (बैंकॉक) में भारत का प्रदर्शन

स्वर्ण पदक (5)

1. पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत – विष्णु चौधरी (राहुल को 6-2 से हराया)
2. महिला रिकर्व व्यक्तिगत – बसंती महतो (फोंग यू झू को 6-4 से हराया)
3. पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत – कुशल दलाल (चोई योगही को 148-144 से हराया)
4. पुरुष रिकर्व टीम – विष्णु चौधरी, गोल्डी मिश्रा, राहुल (चीन को 5-1 से हराया)
5. पुरुष कंपाउंड टीम – कुशल दलाल, मानव गणेशराव जाधव, गणेश मणि रत्नम (मलेशिया को 237-233 से हराकर U-21 विश्व रिकॉर्ड बनाया - 2129)

रजत पदक (2)

1. पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत – राहुल
2. रिकर्व मिश्रित टीम – विष्णु चौधरी और बसंती महतो

कांस्य पदक (1)

1. महिला कंपाउंड टीम – अवनीत कौर, मधुरावर्शिनी मुरुगनाथम, चिकीथा तनीपार्थी (ईरान को शूट-ऑफ में हराया)

मुख्य बातें

- भारत ने 8 पदकों (5 , 2 , 1) के साथ पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया, दक्षिण कोरिया (5 पदक) को पीछे छोड़ा।
- झारखंड के तीरंदाजों का शानदार प्रदर्शन, गोल्डी मिश्रा और विष्णु चौधरी ने स्वर्ण पदक जीते।

कार्लोस अल्काराज़ ने रॉटरडैम ओपन में पहला इंडोर हार्डकोर्ट खिताब जीता

कार्लोस अल्काराज़ ने पहला इंडोर हार्डकोर्ट खिताब जीता:

कार्लोस अल्काराज़ ने रॉटरडैम ओपन में एलेक्स डी मिनौर को हराकर अपना पहला इंडोर हार्डकोर्ट खिताब हासिल किया। यह जीत उनके 17वें एटीपी टूर खिताब को चिह्नित करती है और उन्हें सभी आधुनिक सतहों: क्ले, घास, आउटडोर हार्डकोर्ट और इनडोर हार्डकोर्ट पर खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बनाती है।

पंकज आडवाणी ने भारतीय सूकर चैंपियनशिप जीती, कुल मिलाकर 36वां राष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता

भारतीय क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने भारतीय सूकर चैंपियनशिप जीतकर अपना 36वां राष्ट्रीय खिताब जीता है। यह जीत उनके 10वें पुरुष सूकर खिताब का भी प्रतीक है। यशवंत क्लब में आयोजित चैंपियनशिप में आडवाणी ने शुरुआती झटके से उबरते हुए फाइनल में बृजेश दमानी को हराया।

करियर की मुख्य बातें:

- विश्व चैंपियनशिप: आडवाणी ने कुल 27 अंतर्राष्ट्रीय बिलियर्ड्स और सूकर महासंघ (IBSF) विश्व खिताब हासिल किए हैं, जिनमें बिलियर्ड्स में 18 और सूकर में 9 खिताब शामिल हैं।
- राष्ट्रीय खिताब: भारतीय सूकर चैंपियनशिप में उनकी हालिया जीत ने उनके 36वें राष्ट्रीय खिताब को चिह्नित किया, जो खेल में उनके स्थायी प्रभुत्व को रेखांकित करता है।
- ऐतिहासिक उपलब्धियाँ: आडवाणी बिलियर्ड्स और सूकर के लंबे और छोटे दोनों प्रारूपों में विश्व खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी हैं, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और कौशल का प्रमाण है।

फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ को निलंबित किया

अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा) ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) को उसके संविधान में संशोधन करने में विफल रहने के कारण निलंबित कर दिया है, जो देश में फुटबॉल के सुचारू और निष्पक्ष प्रशासन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक था।

निलंबन की अवधि

यह निलंबन तब तक प्रभावी रहेगा जब तक कि पीएफएफ कांग्रेस फीफा की आवश्यकताओं के अनुसार अपने संविधान में आवश्यक संशोधन नहीं कर लेती।

पिछले निलंबन

यह 2017 के बाद से पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ का तीसरा निलंबन है, जो संगठन के भीतर चल रहे शासन और प्रशासनिक मुद्दों को दर्शाता है।

सामान्यीकरण समिति की भूमिका

जून 2019 से, पाकिस्तान के फुटबॉल मामलों का प्रबंधन फीफा द्वारा नियुक्त सामान्यीकरण समिति द्वारा किया जा रहा है, जिसे चुनावों के आयोजन और महासंघ के भीतर आंतरिक संघर्षों को संबोधित करने का काम सौंपा गया था। हालांकि, पिछले पांच वर्षों में नेतृत्व और सदस्यता में कई बदलावों के बावजूद, समिति पाकिस्तान के फुटबॉल प्रशासन में संरचनात्मक मुद्दों को हल करने में असमर्थ रही है।

नागेश ट्रॉफी के फाइनल में आंध्र प्रदेश ने अपना दबदबा कायम रखा

आंध्र प्रदेश ने 7वें नागेश ट्रॉफी पुरुष राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट फॉर द ब्लाइंड (2024-25) जीतकर ब्लाइंड क्रिकेट में अपनी बादशाहत फिर से कायम की।

फाइनल मैच की मुख्य बातें:

- आंध्र प्रदेश की पारी: 20 ओवर में 254/1
- दिल्ली की पारी: 20 ओवर में 184/9
- प्लेयर ऑफ द मैच: दुर्गा राव टोमपाकी को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए चुना गया

टूर्नामेंट पुरस्कार और पुरस्कार राशि:

- B1 प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट: अजय कुमार रेड्डी
- B2 प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट: रामबीर सिंह
- B3 प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट: सुनील रमेश
- (प्रत्येक को ₹10,000 और एक ट्रॉफी मिली)

पुरस्कार वितरण:

- विजेता (आंध्र प्रदेश): ₹1,25,000 + ट्रॉफी
- उपविजेता (दिल्ली): ₹1,00,000 + ट्रॉफी

नागेश ट्रॉफी: भारत का प्रीमियर ब्लाइंड क्रिकेट टूर्नामेंट

नेगेश ट्रॉफी पुरुषों का नेशनल टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट फॉर द ब्लाइंड भारत की सबसे प्रतिष्ठित घरेलू ब्लाइंड क्रिकेट चैंपियनशिप है, जिसका आयोजन क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (CABI) द्वारा प्रतिवर्ष किया जाता है। इसे भारत में दृष्टिहीन क्रिकेट के विकास में अग्रणी स्वर्गीय एसपी नागेश की याद में 2018 में लॉन्च किया गया था।

उद्देश्य और महत्व

टूर्नामेंट का उद्देश्य है:

- दृष्टिबाधित क्रिकेटर्स के लिए एक प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करना।
- दृष्टिबाधित एथलीटों के समावेश और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना।
- अंतरराष्ट्रीय दृष्टिबाधित क्रिकेट के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करना और उनका पोषण करना।

प्रारूप और संरचना

- टीमों: पूरे भारत से राज्य की टीमों में भाग लेती हैं।
- मैच: दृष्टिबाधित क्रिकेट नियमों के तहत टी20 प्रारूप में खेले जाते हैं।

- श्रेणियाँ: खिलाड़ियों को उनकी दृष्टि हानि के स्तर के आधार पर तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है:
- बी1 (पूरी तरह से दृष्टिहीन)
- बी2 (आंशिक रूप से दृष्टिहीन - 3 मीटर तक दृश्यता)
- बी3 (आंशिक रूप से दृष्टिहीन - 6 मीटर तक दृश्यता)
- आयोजक: CABI द्वारा प्रबंधित और प्राथमिक प्रायोजक के रूप में इंडसइंड बैंक द्वारा समर्थित।

रवींद्र जडेजा 600 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले पांचवें भारतीय बने

भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा तीनों प्रारूपों में 600 अंतरराष्ट्रीय विकेट तक पहुंचने वाले पांचवें भारतीय गेंदबाज बन गए। उन्होंने नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे के दौरान यह उपलब्धि हासिल की।

600+ विकेट लेने वाले शीर्ष भारतीय गेंदबाज:

1. अनिल कुंबले – 953 विकेट
2. रविचंद्रन अश्विन – 765 विकेट
3. हरभजन सिंह – 707 विकेट
4. कपिल देव – 687 विकेट
5. रवींद्र जडेजा – 600 विकेट

जडेजा की गेंदबाजी और हरफनमौला प्रदर्शन:

- अंतरराष्ट्रीय पदार्पण: 2009
- टेस्ट क्रिकेट: 323 विकेट, 3,370 रन
- वनडे: 198 मैचों में 223 विकेट, जिसमें दो बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है
- T20I: भारत की 2024 T20 विश्व कप जीत के बाद संन्यास

जडेजा की वनडे गेंदबाजी की उपलब्धियां:

200 से अधिक वनडे विकेट के साथ, जडेजा यह उपलब्धि हासिल करने वाले सात भारतीय गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गए: अनिल कुंबले, कपिल देव, जवागल श्रीनाथ, जहीर खान, अजीत अगरकर, हरभजन सिंह और अब रवींद्र जडेजा। सभी प्रारूपों में जडेजा की शानदार ऑलराउंड प्रतिभा ने उन्हें भारत के लिए मैच विजेता बना दिया है, जिससे देश के बेहतरीन क्रिकेटर्स में से एक के रूप में उनकी प्रतिष्ठा मजबूत हुई है।

भारत ने लगातार दूसरी बार महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप का खिताब जीता

फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर भारत ने लगातार दूसरी बार महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप का खिताब जीता।

भारत की पिछली खिताबी जीत

भारत ने इससे पहले 2023 में महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप के उद्घाटन संस्करण में फ़ाइनल में इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर जीत हासिल की थी। यह लगातार जीत भारत को महिला

अंडर-19 क्रिकेट में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित करती है।

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंदधा ने टाटा स्टील मास्टर्स 2025 जीता

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंदधा ने विश्व चैंपियन डोमराजू गुकेश को टाईब्रेकर में हराकर टाटा स्टील मास्टर्स 2025 जीता। 13वें और अंतिम राउंड के बाद, दोनों खिलाड़ी 8.5 अंकों पर बराबरी पर थे, जिसके कारण टाईब्रेकर हुआ। टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट 2025, विज्क आन ज़ी में आयोजित वार्षिक शतरंज टूर्नामेंट का 87वां संस्करण था।

अंतिम राउंड के परिणाम:

गुकेश अर्जुन एरिगौसी से हार गए, जिन्होंने FIDE रैंकिंग में उन्हें पीछे छोड़ते हुए भारत के सर्वोच्च रैंक वाले खिलाड़ी बन गए। प्रज्ञानंदधा विसेंट कीमर (जर्मनी) से हार गए, लेकिन फिर भी संयुक्त नेतृत्व हासिल किया।

मुख्य तथ्य:

यह प्रज्ञानंदधा का पहला टाटा स्टील मास्टर्स खिताब है। गुकेश पहले स्थान पर रहे, लेकिन लगातार दूसरे वर्ष टाईब्रेकर में हार गए (2024 में वेई यी, चीन से हार गए)।

टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट के बारे में मुख्य तथ्य:

- "शतरंज के विंबलडन" के रूप में जाना जाता है
- स्थापना: 1938
- स्थान: विज्क आन ज़ी, नीदरलैंड
- आयोजक: टाटा स्टील
- पूर्व में: हूगोवेन्स टूर्नामेंट (1999 तक), कोरस शतरंज टूर्नामेंट (1999-2010) जाना जाता था
- आवृत्ति: वार्षिक (जनवरी में आयोजित)
- प्रारूप: राउंड-रोबिन प्रारूप के साथ शास्त्रीय शतरंज टूर्नामेंट

श्रेणियाँ:

- मास्टर्स (कुलीन ग्रैंडमास्टर्स के साथ शीर्ष स्तरीय आयोजन)
- चैलेंजर्स (उभरती प्रतिभाओं के लिए द्वितीय स्तरीय आयोजन)

प्रसिद्ध विजेता:

- मैग्नस कार्लसन (8 बार के चैंपियन, इतिहास में सबसे अधिक जीत)
- विश्वनाथन आनंद (5 बार के चैंपियन)
- गैरी कास्पारोव, व्लादिमीर क्रैमनिक और अन्य विश्व चैंपियन

बेंगलुरु के जवानों ने पहली विश्व पिकलबॉल लीग जीती

विश्व पिकलबॉल लीग (WPL) में, बेंगलुरु के जवानों ने रोमांचक फाइनल में पुणे यूनाइटेड पर जीत हासिल करते हुए पहली बार चैंपियन बनकर उभरे। जैक फोस्टर ने पुरुष एकल में शानदार जीत के साथ मंच तैयार किया, जिससे बेंगलुरु को शुरुआती बढ़त मिली।

मैच की मुख्य झलकियाँ:

- पुरुष एकल: जैक फोस्टर (बेंगलुरु) ने शुरुआती बढ़त हासिल की।
- महिला युगल: ट्रांग ह्यून-मैकक्लेन और एलेजांद्रा बोरोबिया (बेंगलुरु) ने 13-9 से जीत दर्ज की।
- पुरुष युगल: विलियम सोबेक और वंशिक कपाड़िया (पुणे) ने जीत दर्ज कर मुकाबले को जीवंत बनाए रखा।
- अंतिम एकल मैच: कैटरिना स्टीवर्ट (बेंगलुरु) ने जीत दर्ज की।
- प्लेयर ऑफ द लीग: कैटरिना स्टीवर्ट
- उपविजेता: पुणे यूनाइटेड
- चैंपियंस: बेंगलुरु जवान

जसप्रीत बुमराह ने ICC पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 के लिए सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी जीती

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को ICC पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 के लिए सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है। वह राहुल द्रविड़ (2004), सचिन तेंदुलकर (2010), रविचंद्रन अश्विन (2016) और विराट कोहली (2017, 2018) के बाद यह प्रतिष्ठित सम्मान जीतने वाले पांचवें भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं।

2024 में रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन

बुमराह, जो वर्तमान में ICC टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में नंबर 1 पर हैं, 200 टेस्ट विकेट लेने वाले सबसे तेज भारतीय तेज गेंदबाज बन गए हैं, उन्होंने यह उपलब्धि 20 से कम गेंदबाजी औसत के साथ हासिल की, जो इतिहास में सर्वश्रेष्ठ है। वह 900 रेटिंग पॉइंट को पार करने वाले पहले भारतीय गेंदबाज भी बने, जिन्होंने साल का अंत रिकॉर्ड 907 पॉइंट के साथ किया।

ICC टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024

बुमराह को ICC मेन्स टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर भी चुना गया, क्योंकि उन्होंने मात्र 13 मैचों में 14.92 की शानदार औसत से 71 विकेट लिए। उनके प्रदर्शन ने भारत को ICC विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए दावेदारी में बनाए रखा, लेकिन टीम पीछे रह गई। विराट कोहली (2018) के बाद वे यह पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय हैं।

ज्योति याराजी ने मीटिंग डे नैनटेस मेट्रोपोल 2025 में महिलाओं की 60 मीटर इनडोर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक जीता

- इवेंट: ज्योति याराजी ने फ्रांस में आयोजित मीटिंग डे नैनटेस मेट्रोपोल 2025 में महिलाओं की 60 मीटर इनडोर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक जीता।
- रिकॉर्ड ब्रेक: याराजी ने पियरे-क्लिनन मेट्रोपॉलिटन स्टेडियम में फाइनल में 8.04 सेकंड के समय के साथ अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा।

- हीट प्रदर्शन: हीट में, उन्होंने एशियाई इंडोर चैंपियनशिप 2024 में बनाए गए 8.12 सेकंड के अपने पिछले रिकॉर्ड में सुधार किया, जिसमें उन्होंने 8.07 सेकंड का समय लिया।
- अन्य प्रतियोगी: मैरियोन फ़ोरी (दक्षिण अफ़्रीका) 8.05 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रहीं और सारा केस्किटालो (फ़िनलैंड) 8.13 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

पुरुषों की 60 मीटर बाधा दौड़ का रिकॉर्ड:

एक अन्य भारतीय बाधा दौड़ खिलाड़ी तेजस शिरसे ने लक्ज़मबर्ग में पुरुषों की 60 मीटर बाधा दौड़ में 7.65 सेकंड का समय लेकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। नैनटेस में, वे 7.68 सेकंड के समय के साथ फाइनल में तीसरे स्थान पर रहे, ऑरिल मंगा (यूएसए) ने 7.60 सेकंड और एरवान सिन्ना (फ़्रांस) ने 7.63 सेकंड के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025: जैनिक सिनर और महिला युगल की मुख्य बातें

पुरुष एकल चैंपियन:

इटली के जैनिक सिनर, विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी, ने रॉड लेवर एरिना में फाइनल में अलेक्जेंडर ज़ेवरेव को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष एकल खिताब जीता। 23 साल की उम्र में, सिनर जिम क्रूरियर (1992-93) के बाद से कई ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति बन गए। यह सिनर का तीन फाइनल में तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है।

चैंपियन

पुरुष एकल: इटली जैनिक सिनर

- महिला एकल: संयुक्त राज्य अमेरिका मैडिसन कीज़
- पुरुष युगल: फ़िनलैंड हैरी हेलियोवारा / यूनाइटेड किंगडम हेनरी पैटन
- महिला युगल: चेक गणराज्य कैटरिना सिनियाकोवा / संयुक्त राज्य अमेरिका टेलर टाउनसेंड
- मिश्रित युगल: ऑस्ट्रेलिया ओलिविया गैडेकी / ऑस्ट्रेलिया जॉन पीयर्स

ओडिशा वारियर्स ने महिला हॉकी इंडिया लीग के उद्घाटन का खिताब जीता

- चैंपियंस: ओडिशा वारियर्स ने फाइनल में जेएसडब्ल्यू सोरमा हॉकी क्लब को 2-1 से हराकर महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) का उद्घाटन जीता।
- स्थल: मैच रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया गया था।
- मुख्य खिलाड़ी: रुतुजा दादासो पिसल ने ओडिशा वारियर्स के लिए मैच विजेता सहित दोनों गोल किए और उन्हें प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया।
- ट्रॉफी प्रस्तुति: झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ओडिशा वारियर्स की कप्तान नेहा गोयल को ट्रॉफी प्रदान की।

पुरस्कार और सम्मान:

- टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी: ज्योति (जेएसडब्ल्यू सोरमा हॉकी क्लब)।
- टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर: यिब्बी जेनसन (ओडिशा वारियर्स) और चार्लोट एंगलबर्ट (जेएसडब्ल्यू सोरमा हॉकी क्लब)।
- सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर: सविता पुनिया (जेएसडब्ल्यू सोरमा हॉकी क्लब)।
- आगामी प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट: सोनम (जेएसडब्ल्यू सोरमा हॉकी क्लब)।

कैम्पा कोला ने आईपीएल 2025 के सह-प्रस्तुतकर्ता के रूप में थम्स अप की जगह ली

कैम्पा कोला ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीज़न के लिए सह-प्रस्तुतकर्ता प्रायोजन हासिल किया है, इस प्रमुख भूमिका में थम्स अप की जगह ली है।

पृष्ठभूमि:

कैम्पा कोला का पुनरुत्थान: मूल रूप से 1970 और 1980 के दशक में लोकप्रिय, कैम्पा कोला ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय वापसी की है। ब्रांड अपनी बाज़ार स्थिति को फिर से स्थापित करने के लिए आईपीएल टीमों के साथ सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहा है।

थम्स अप की पिछली भागीदारी: कोका-कोला के स्वामित्व वाला थम्स अप आईपीएल 2024 सीज़न में सह-प्रस्तुतकर्ता प्रायोजक था।

रणनीतिक निहितार्थ:

आईपीएल 2025 के लिए सह-प्रस्तुतकर्ता प्रायोजक बनकर, कैम्पा कोला का लक्ष्य टूर्नामेंट की विशाल दर्शक संख्या का लाभ उठाकर अपने ब्रांड की दृश्यता और बाज़ार हिस्सेदारी को बढ़ाना है।

यह प्रायोजन भारतीय पेय उद्योग में कोका-कोला और पेप्सिको जैसे स्थापित खिलाड़ियों को चुनौती देने के लिए ब्रांड की व्यापक रणनीति के अनुरूप है।

भारत के 2025 राष्ट्रीय खेल

भारत के 38वें राष्ट्रीय खेल 28 जनवरी से 14 फरवरी, 2025 तक उत्तराखंड में आयोजित किए गए। इस बहु-खेल आयोजन में 28 राज्यों, आठ केंद्र शासित प्रदेशों और सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड (SSCB) का प्रतिनिधित्व करने वाले 10,000 से अधिक एथलीटों ने भाग लिया। खेलों का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया, जबकि समापन समारोह में गृह मंत्री अमित शाह ने शिरकत की।

आदर्श वाक्य: "संकल्प से शिखर तक"

शीर्ष प्रदर्शनकर्ता:

2025 में उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में, सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड (SSCB) और महाराष्ट्र दोनों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसने भारत की खेल उत्कृष्टता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड (SSCB):

पदक तालिका में दबदबा: SSCB ने कुल 121 पदकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसमें 68 स्वर्ण, 26 रजत और 27 कांस्य शामिल हैं। यह उपलब्धि राष्ट्रीय खेलों के पिछले छह संस्करणों में उनके पांचवें खिताब को दर्शाती है।

तलवारबाजी उत्कृष्टता: एसएससीबी ने तलवारबाजी में उल्लेखनीय कौशल का प्रदर्शन किया, दो स्वर्ण पदक, दो रजत और पांच कांस्य पदक जीते। उनके तलवारबाजों के कौशल ने उनके समग्र पदक जीतने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

महाराष्ट्र:

ट्रायथलॉन विजय: महाराष्ट्र के ट्रायथलीटों ने असाधारण धीरज और बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। डॉली देवदास पाटिल ने व्यक्तिगत ट्रायथलॉन (महिला) में स्वर्ण पदक जीता, जबकि मानसी विनोद मोहिते ने इसी स्पर्धा में रजत पदक जीता। इसके अलावा, पार्थ सचिन मिराज ने व्यक्तिगत ट्रायथलॉन (पुरुष) में कांस्य पदक जीता। राज्य ने ट्रायथलॉन में अपने प्रभुत्व को रेखांकित करते हुए मिश्रित रिले स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता।

जिमनास्टिक गौरव: महाराष्ट्र की पुरुष जिमनास्टिक टीम ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें तकनीकी सटीकता के साथ कलात्मक प्रतिभा का संयोजन किया गया। उनके प्रयासों ने जिमनास्टिक स्पर्धाओं में महाराष्ट्र की स्थिति को ऊपर उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खो-खो में वर्चस्व: चपलता और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए, महाराष्ट्र की पुरुष और महिला टीमों ने खो-खो में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया, दोनों श्रेणियों में स्वर्ण पदक हासिल किए। उनका लगातार प्रदर्शन इस स्वदेशी खेल में राज्य की मजबूत परंपरा को उजागर करता है। अंतिम पदक तालिका:

रैंक राज्य/बोर्ड

रैंक	राज्य/बोर्ड	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1	सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड	68	26	27	121
2	महाराष्ट्र	54	71	76	201
3	हरियाणा	48	47	58	153
4	मध्य प्रदेश	34	26	22	82
5	कर्नाटक	34	18	28	80
6	तमिलनाडु	27	30	35	92
7	उत्तराखंड	24	35	44	103
8	पश्चिम बंगाल	16	13	18	47
9	पंजाब	15	20	31	66
10	दिल्ली	15	18	29	62

नोट: उपरोक्त तालिका में पदक तालिका में शीर्ष 10 प्रदर्शन करने वालों की सूची दी गई है।

उल्लेखनीय उपलब्धियाँ:

हरियाणा का प्रदर्शन: हरियाणा ने 48 स्वर्ण सहित कुल 153 पदकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। राज्य के उल्लेखनीय स्वर्ण पदक विजेताओं में महिला बैडमिंटन एकल में अनमोल खरब और शूटिंग में अनीश भानवाला शामिल हैं। मेजबान राज्य उत्तराखंड: मेजबान राज्य ने सराहनीय प्रदर्शन किया, 103 पदकों के साथ सातवें स्थान पर रहा, जिनमें से 24 स्वर्ण थे। इस आयोजन में 32 मुख्य प्रतिस्पर्धी खेल शामिल थे और प्रदर्शन खेलों के रूप में चार पारंपरिक विषयों को पेश किया गया। मुख्य खेल अनुशासन:

जलक्रीड़ा (तैराकी, गोताखोरी, वाटर पोलो), तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल (3x3 प्रारूप सहित), मुक्केबाजी, कैनोइंग, साइकिलिंग, घुड़सवारी, तलवारबाजी, फील्ड हॉकी, फुटबॉल, गोल्फ, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, जूडो, कबड्डी, खो-खो, रग्बी सेवन्स, शूटिंग, टेबल टेनिस, ताइकांडो, टेनिस, ट्रायथलॉन, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती, वुशु

प्रदर्शन खेल:

कलारीपयट्टू (पारंपरिक मार्शल आर्ट)

योगासन (प्रतिस्पर्धात्मक योग)

मल्लखंब (पोल या रस्सी पर किया जाने वाला जिमनास्टिक)

राफ्टिंग (एडवेंचर वाटर स्पोर्ट)

"इंतेज़ार करने वालों को सिर्फ उतना मिलता है !
जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं !!"

"जितने वाले कुछ अलग चीज़े नहीं करते !
बस वो चीज़ों को अलग तरीके से करते हैं !!"

निधन

मुंबई के पूर्व कप्तान और चयनकर्ता मिलिंद रेगे का 76 वर्ष की आयु में निधन



भारतीय घरेलू क्रिकेट में एक सम्मानित हस्ती मुंबई के पूर्व कप्तान और चयनकर्ता मिलिंद रेगे का बुधवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। निधन से कुछ दिन पहले ही वे 76 वर्ष के हुए थे।

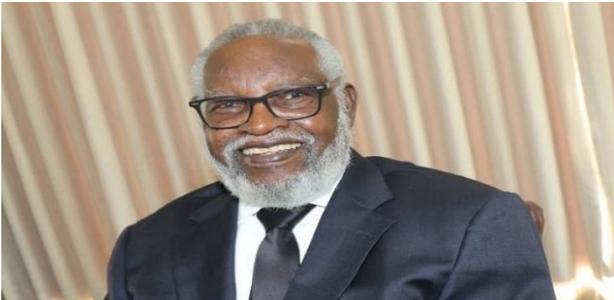
क्रिकेट करियर और उपलब्धियां

मिलिंद रेगे ने 1966-67 और 1977-78 के बीच 52 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जिसमें उन्होंने दाएं हाथ की ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी से 126 विकेट लिए। उन्होंने बल्ले से 23.56 की औसत से 1,532 रन भी बनाए। 26 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने के बावजूद उन्होंने जोरदार वापसी की और रणजी ट्रॉफी में मुंबई की कप्तानी भी की।

मुंबई क्रिकेट से जुड़ाव

रेगे भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के बचपन के दोस्त थे और दादर यूनिवर्सिटी स्पोर्टिंग क्लब में उनके साथ खेलते थे। अपने खेल करियर के अलावा, उन्होंने कई भूमिकाएँ निभाईं, जिनमें मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) के क्रिकेट सलाहकार के रूप में भी शामिल हैं।

नामीबिया के पहले राष्ट्रपति सैम नुजोमा का 95 वर्ष की आयु में निधन



नामीबिया के पहले राष्ट्रपति और संस्थापक पिता सैम नुजोमा का 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया। एट्टंडा गांव में जन्मे, उन्होंने रंगभेदी दक्षिण अफ्रीका से नामीबिया की स्वतंत्रता की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, और 1990 में देश को स्वतंत्रता दिलाई।

राजनीतिक कैरियर

नामीबिया के पहले राष्ट्रपति (1990-2005)।

SWAPO (दक्षिण पश्चिम अफ्रीका पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन) के संस्थापक सदस्य, जिसने स्वतंत्रता के बाद से नामीबिया पर शासन किया है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थापना की और राष्ट्रीय सुलह को बढ़ावा दिया।

श्रद्धांजलि और शोक

नामीबिया के राष्ट्रपति म्बुम्बा ने शोक व्यक्त किया और राष्ट्रीय शोक की अवधि घोषित की। आगे दफन व्यवस्था की घोषणा की जाएगी।

नामीबिया और अफ्रीका में नुजोमा के योगदान को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है।

राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रतीक कामेश्वर चौपाल का निधन



राम जन्मभूमि आंदोलन के एक प्रमुख नेता कामेश्वर चौपाल, जिन्होंने 1989 में अयोध्या में राम मंदिर की पहली आधारशिला रखी थी, का 69 वर्ष की आयु में दिल्ली में निधन हो गया।

चौपाल का योगदान और राजनीतिक यात्रा:

- बिहार के सुपौल से एक दलित नेता।
- राम जन्मभूमि ट्रस्ट के स्थायी सदस्य।
- बिहार विधान परिषद के सदस्य (2002-2014) के रूप में कार्य किया।
- 2014 के लोकसभा चुनाव में सुपौल से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा, लेकिन असफल रहे।
- अपना जीवन धार्मिक और सामाजिक कार्यों के लिए समर्पित कर दिया।

विरासत और राम जन्मभूमि आंदोलन:

- 1989 में राम मंदिर के लिए पहली ईंट रखी।
- बिहार में भाजपा के एक वरिष्ठ नेता और पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष (प्रांतीय अध्यक्ष)।
- अयोध्या विवाद पर 2019 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया, जिससे दशकों पुराना आंदोलन पूरा हुआ।

गुजरात भाजपा विधायक करशन सोलंकी का निधन



कड़ी से गुजरात भाजपा विधायक करशन सोलंकी का लंबी बीमारी से जूझने के बाद निधन हो गया। 1 जनवरी, 1957 को जन्मे सोलंकी एक सामाजिक कार्यकर्ता, किसान और ठेकेदार थे। उनका राजनीतिक जीवन अनुसूचित जाति (एससी) आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र कड़ी के लोगों की सेवा करने पर केंद्रित था। उन्होंने लगातार दो बार भाजपा के सदस्य के रूप में गुजरात विधानसभा में इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। सोलंकी पहली बार 2017 में कांग्रेस के चावड़ा रमेशभाई मगनभाई को 7,746 मतों के अंतर से हराकर चुने गए थे। उन्होंने 2022 के गुजरात चुनावों में कांग्रेस उम्मीदवार परमार प्रवीणभाई गणपतभाई को 28,194 मतों से हराकर फिर से महत्वपूर्ण जीत हासिल की।

जर्मनी के पूर्व राष्ट्रपति और IMF प्रमुख होस्ट कोहलर का 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया



2004 से 2010 तक जर्मनी के पूर्व राष्ट्रपति और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के पूर्व प्रबंध निदेशक होस्ट कोहलर का शनिवार को 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया, जिसकी पुष्टि संघीय राष्ट्रपति कार्यालय ने की है।

प्रारंभिक जीवन और करियर

जर्मनी के कब्जे वाले पोलैंड में 1943 में जन्मे कोहलर ने अपना अधिकांश बचपन शरणार्थी शिविरों में बिताया, उसके बाद वे लुडविग्सबर्ग, बाडेन-वुर्टेम्बर्ग में बस गए। एक प्रशिक्षित अर्थशास्त्री के रूप में वे क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन में शामिल हो गए और बाद में चांसलर हेल्मुट कोहलर के अधीन उप वित्त मंत्री बने। उन्होंने 1990 में साम्यवादी शासन के पतन के बाद पश्चिम जर्मन मार्क को पूर्वी जर्मनी में एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

"जब तक किसी काम को किया नहीं जाता !
तब तक वह असंभव ही लगता है !!"

IMF और राष्ट्रपति का कार्यकाल

2000 में, कोहलर को IMF का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया, जिस पद पर वे चार साल तक रहे। इसके बाद उन्हें 2004 में राष्ट्रपति पद के लिए नामित किया गया। राष्ट्रपति के रूप में, कोहलर ने साहसिक निर्णय लिए, जैसे 2005 में संसद को भंग करके नए चुनाव की घोषणा करना और 2007 में चांसलर एंजेला मर्केल की आलोचना करना कि उन्होंने जर्मनी को वैश्वीकरण के लिए पर्याप्त रूप से तैयार नहीं किया। विदेशी सैन्य कार्रवाइयों के पीछे आर्थिक उद्देश्यों के बारे में अपनी टिप्पणियों के लिए आलोचना का सामना करने के बाद, उन्होंने 2010 में, अपने दूसरे कार्यकाल के एक साल बाद, इस्तीफा दे दिया।

डॉ. केएम चेरियन: प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ का 82 वर्ष की आयु में निधन



विश्व प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ और हृदय शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में अग्रणी डॉ. केएम चेरियन का 82 वर्ष की आयु में बेंगलुरु में निधन हो गया। मणिपाल के कस्तूरबा गांधी अस्पताल में अपनी चिकित्सा शिक्षा पूरी करने के बाद, डॉ. चेरियन ने सीएमसी वेल्लोर में पढ़ाया और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में हृदय शल्य चिकित्सा में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने भारत के राष्ट्रपति के मानद हृदय शल्य चिकित्सक के रूप में भी काम किया और कई अंतरराष्ट्रीय रोगियों का इलाज किया।

प्रमुख योगदान

डॉ. चेरियन को भारत का पहला हृदय-फेफड़ा प्रत्यारोपण करने और चेन्नई में एक बड़े चिकित्सा विज्ञान पार्क फ्रंटियर लाइफलाइन अस्पताल और फ्रंटियर मेडिविले की स्थापना करने के लिए जाना जाता है। अपने दयालु दृष्टिकोण के लिए जाने जाने वाले, उन्होंने बच्चों के इलाज में उत्कृष्टता हासिल की, माता-पिता और बच्चों दोनों के उर के मनोविकृति को सहानुभूति के साथ संबोधित किया।

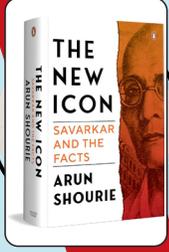
डॉ. चेरियन ने 20 इराकी बच्चों की हृदय शल्य चिकित्सा की और इराक में कैद चार भारतीय ड्राइवरों की रिहाई सुनिश्चित करने में एक कूटनीतिक भूमिका निभाई। प्रौद्योगिकी और नवाचार पर उनके जोर ने भारत में कार्डियोलॉजी को बहुत आगे बढ़ाया।

"जितने वाले कुछ अलग चीजे नहीं करते !
बस वो चीजों को अलग तरीके से करते हैं !!"

परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण दिन

दिवस	मनाया जाता है	थीम/महत्व
01-मार्च	शून्य भेदभाव दिवस	हम एक साथ खड़े हैं
03- मार्च	विश्व वन्यजीव दिवस	वन्यजीव संरक्षण वित्त: लोगों और ग्रह में निवेश
04- मार्च	राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस	विकसित भारत के लिए सुरक्षा और कल्याण महत्वपूर्ण
08- मार्च	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए: अधिकार। समानता। सशक्तिकरण
10- मार्च	सीआईएसएफ स्थापना दिवस	10 मार्च 1969 को CISF की स्थापना को चिह्नित करने हेतु
14- मार्च	नदियों के लिए कार्रवाई का अंतर्राष्ट्रीय दिवस	हमारी नदियाँ, हमारा भविष्य
15- मार्च	विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस	टिकाऊ जीवनशैली की ओर उचित बदलाव
18- मार्च	आयुध निर्माणी दिवस	18 मार्च 1802 को कोलकाता के कोसीपुर में भारत की सबसे पुरानी आयुध निर्माणी की स्थापना को चिह्नित करने हेतु
20- मार्च	अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस	दिमागदार • आभारी • दयालु
21- मार्च	अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस	वन और भोजन
22- मार्च	विश्व जल दिवस	ग्लेशियर संरक्षण
23- मार्च	विश्व मौसम विज्ञान दिवस	प्रारंभिक चेतावनी के अंतर को एक साथ पाटना।
24- मार्च	विश्व क्षय रोग (टीबी) दिवस	हाँ! हम टीबी को खत्म कर सकते हैं: प्रतिबद्ध हों, निवेश करें, परिणाम दें
27- मार्च	विश्व रंगमंच दिवस	रंगमंच कलाओं के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने हेतु

पुस्तकें एवं लेखक



पुस्तक: द न्यू आइकॉन: सावरकर एंड द फैक्ट्स

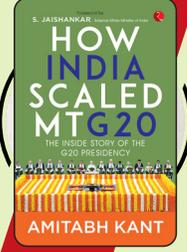
लेखक: अरुण शौरी

बारे में: यह पुस्तक विनायक दामोदर सावरकर की विवादास्पद विरासत पर प्रकाश डालती है, तथा आधुनिक भारतीय राजनीति पर उनके वैचारिक प्रभाव की तीखी आलोचना प्रस्तुत करती है।

पुस्तक: हाउ इंडिया स्केल्ड माउंट जी20: द इनसाइड स्टोरी ऑफ द जी20 प्रेसीडेंसी

लेखक: अमिताभ कांत

बारे में: पुस्तक परस्पर विरोधी हितों वाले विविध राष्ट्रों के बीच आम सहमति प्राप्त करने की चुनौती को रेखांकित करती है।



पुस्तक: आई एम?

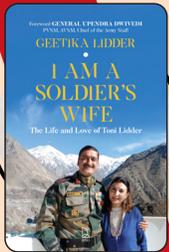
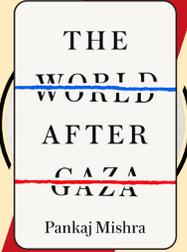
लेखक: गोपीचंद पी. हिंदुजा

बारे में: यह पुस्तक 'मैं' से 'हम' तक की यात्रा को बढ़ावा देती है, जो मानवता से लेकर स्वस्थता तक की प्रगति के लिए आवश्यक है।

पुस्तक: द वर्ल्ड आफ्टर गाज़ा: अ गाइड टू चल्लेंजिंग टाइम्स

लेखक: पंकज मिश्रा

बारे में: यह पुस्तक फिलिस्तीनी गाजा पट्टी में चल रहे युद्ध की एक मार्मिक खोज है, एक संघर्ष जिसे वह मानवाधिकारों और नैतिकता के आदर्शों के लिए एक विनाशकारी झटका के रूप में वर्णित करता है।



पुस्तक: आई एम अ सोल्जर वाइफ

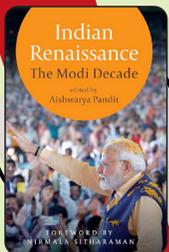
लेखक: गीतिका लिडर

बारे में: पुस्तक 2021 की दुखद हेलीकॉप्टर दुर्घटना के बाद गीतिका लिडर के साहस और लचीलेपन को दर्शाती है, जिसमें ब्रिगेडियर लिडर और अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की जान चली गई थी।

पुस्तक: जूनी

लेखक: एरिन क्रॉस्बी एकस्टाइन

बारे में: गृहयुद्ध की पृष्ठभूमि में, युवा जूनी अपनी बहन की आत्मा को जंगाने के बाद गहन विकल्पों का सामना करती है। कहानी प्रेम, भाग्य और अलौकिकता के विषयों को बुनती है।



पुस्तक: इंडियन रेनिस्संस: द मोदी डिकेड

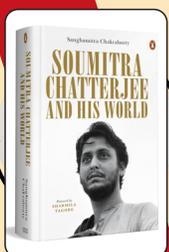
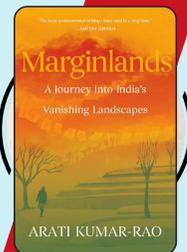
संपादक: डॉ. ऐश्वर्या पंडित

बारे में: पुस्तक 2014 से 2024 तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के परिवर्तन का वर्णन करती है।

पुस्तक: मार्जिनलैंड्स: ए जर्नी इनटू इंडियाज वैनिसिंग लैंडस्केप्स

लेखक: आरती कुमार-राव

बारे में: यह पुस्तक मानव और पृथ्वी के बीच गहरे संबंध पर प्रकाश डालती है, तथा पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर बल देती है।



पुस्तक: सौमित्र चटर्जी एंड हिज वर्ल्ड

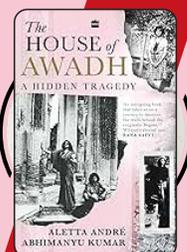
लेखक: संघमित्रा चक्रवर्ती

बारे में: यह पुस्तक सौमित्र चटर्जी का जीवन, करियर और बंगाली सिनेमा, रंगमंच, कविता और कला में उनका योगदान दर्शाती है।

पुस्तक: द हाउस ऑफ अवध: ए हिडन ट्रेजरी

लेखक: एलेटा आंद्रे और अभिमन्यु कुमार

बारे में: लखनऊ के समृद्ध इतिहास की पृष्ठभूमि पर आधारित यह कहानी अवध क्षेत्र की कम चर्चित कहानियों को उजागर करती है।



अभ्यास हेतु प्रश्न बैंक

स्टेटमेंट आधारित

1. WHO ने उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी बीमारियों (CVD) और अत्यधिक नमक के सेवन से होने वाले स्ट्रोक से निपटने के लिए कम सोडियम नमक के विकल्प (LSSS) को बढ़ावा देने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सोडियम नमक के सेवन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) WHO वयस्कों के लिए प्रतिदिन 5 ग्राम (2 ग्राम सोडियम) से कम नमक के सेवन की सलाह देता है।

(2) भारत में नमक का सेवन अनुशंसित मात्रा से कम है, लेकिन पोटेशियम का स्तर उच्च है, जिससे उच्च रक्तचाप का जोखिम कम होता है।

(3) FSSAI ने अनिवार्य किया है कि खाने योग्य नमक में कम से कम 97% सोडियम क्लोराइड होना चाहिए।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (A)

व्याख्या: सोडियम नमक की खपत के बारे में मुख्य तथ्य:

WHO की संस्तुति: WHO वयस्कों के लिए प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक (2 ग्राम सोडियम) की सिफारिश करता है।

यह सरकारों को स्वास्थ्य कार्यक्रमों में LSSS को एकीकृत करने, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में उपयोग को प्रोत्साहित करने और लेबलिंग विनियमों को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

भारत: भारत में नमक का सेवन अधिक (10.4 ग्राम/दिन) और पोटेशियम का निम्न स्तर उच्च रक्तचाप में योगदान देता है।

FSSAI सोडियम में कमी की नीतियों को लागू कर रहा है, खाद्य नमक में 97% सोडियम क्लोराइड को अनिवार्य कर रहा है, एंटीकेकिंग एजेंटों को 2.2% तक सीमित कर रहा है, और "कम सोडियम" और "सोडियम-मुक्त" दावों के लिए सटीक सोडियम लेबलिंग लागू कर रहा है।

2. प्रधानमंत्री (पीएम) ने स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय को उनकी 160वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

लाला लाजपत राय के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक प्रमुख नेता थे और लाल-बाल-पाल तिकड़ी का हिस्सा थे।

(2) उन्होंने भारत के होम रूल आंदोलन का समर्थन करने के लिए 1917 में अमेरिका की होम रूल लीग की स्थापना की।

(3) रॉलेट एक्ट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते समय पुलिस लाठीचार्ज में वे घायल हो गए और उनकी मृत्यु हो गई।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: लाला लाजपत राय

उनके बारे में: उनका जन्म 28 जनवरी 1865 को पंजाब के फिरोजपुर जिले में हुआ था।

पंजाब केसरी के नाम से मशहूर, वे एक प्रेरक नेता, समाज सुधारक थे।

स्वतंत्रता योगदान: वे एक प्रमुख भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) नेता और लाल-बाल-पाल तिकड़ी के प्रमुख सदस्य थे, उन्होंने बंगाल विभाजन (1905) का विरोध किया और असहयोग आंदोलन (1920) का समर्थन किया।

उन्होंने 1916 में बाल गंगाधर तिलक और एनी बेसेंट द्वारा शुरू किए गए भारत के होम रूल आंदोलन का समर्थन करने के लिए होम रूल लीग ऑफ अमेरिका (1917) की स्थापना की और रॉलेट एक्ट और जलियांवाला बाग हत्याकांड का विरोध किया।

उन्होंने साइमन कमीशन (1928) के विरोधी आंदोलन का नेतृत्व किया, जहाँ लाठीचार्ज में लगी चोटों से उनकी मृत्यु हो गई।

3.

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) से अपना ऐतिहासिक 100वां प्रक्षेपण किया।

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र 1971 में स्थापित एक एजेंसी है।

(2) एसडीएससी से पहला प्रक्षेपण अगस्त 1979 में रोहिणी प्रौद्योगिकी पेलोड के साथ हुआ था।

(3) प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 5 सितंबर 2002 को केंद्र का नाम बदलकर सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र कर दिया।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए प्रक्षेपण आधार अवसंरचना प्रदान करने के लिए जिम्मेदार एजेंसी है।

इसकी स्थापना 1971 में हुई थी।

इसके दो लॉन्च पैड हैं, जहाँ से PSLV और GSLV के रॉकेट लॉन्चिंग ऑपरेशन किए जाते हैं।

इसे पहले श्रीहरिकोटा रेंज के नाम से जाना जाता था।

प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 5 सितंबर 2002 को केंद्र का नाम बदलकर सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र कर दिया।

श्रीहरिकोटा रेंज का नाम बदलकर इसरो के पूर्व अध्यक्ष सतीश धवन के नाम पर रखा गया।
एसडीएससी से पहला प्रक्षेपण अगस्त 1979 में रोहिणी प्रौद्योगिकी पेलोड (आंशिक रूप से सफल) के साथ हुआ था।

4. भारत में अनुबंध खेती का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, खास तौर पर प्रसंस्कृत आलू के लिए, और इस सफलता को अन्य फसलों और खाद्य उत्पादों तक बढ़ाया जा सकता है।
भारत में आलू उत्पादन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) आलू एक स्टार्चयुक्त जड़ वाली सब्जी है जो कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होती है।
(2) इसकी उत्पत्ति दक्षिण अमेरिका के पेरूवियन-बोलिवियन एंडीज क्षेत्र में हुई थी।
(3) भारत जापान के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आलू उत्पादक है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: आलू के बारे में: आलू स्टार्च वाली जड़ वाली सब्जी है जो कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होती है। इसकी उत्पत्ति दक्षिण अमेरिका के पेरूवियन-बोलिवियन एंडीज क्षेत्र में हुई थी। आलू को भुरभुरी, छिद्रपूर्ण, अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी की आवश्यकता होती है।

आलू उत्पादन: भारत चीन के बाद दुनिया भर में दूसरा सबसे बड़ा आलू उत्पादक है।

शीर्ष उत्पादक: उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और बिहार।

आलू की कुफरी किस्मों को केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (CPRI), शिमला द्वारा विकसित किया गया था।

कानूनी विवाद (पेक्सिको बनाम भारतीय किसान मामला): 2016 में, पेक्सिको ने गुजरात के किसानों के खिलाफ मुकदमा दायर किया, जिसमें उन पर FL 2027 (आलू की किस्म) की अनधिकृत खेती का आरोप लगाया गया और मुआवजे की मांग की गई।

2024 में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने विवाद को पुनर्जीवित करते हुए पादप किस्मों और किसानों के अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 के तहत पेक्सिको के FL 2027 पंजीकरण को बहाल कर दिया।

5. एनएसआई-टीआरआई अध्ययन ने 179 डीएनटी, एनटी और एसएनटी को एससी, एसटी, ओबीसी सूचियों में शामिल करने की सिफारिश की है।

भारत में एससी, एसटी और ओबीसी से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) अनुच्छेद 17 और 23 अस्पृश्यता और मानव तस्करी पर रोक लगाते हैं, जिससे एससी के लिए सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

(2) अनुच्छेद 17(4) सार्वजनिक रोजगार में आरक्षण प्रदान करता है।

(3) अनुच्छेद 15(4) शैक्षणिक संस्थानों में उन्नति के लिए विशेष प्रावधानों की अनुमति देता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (A)

व्याख्या: भारत में एससी, एसटी और ओबीसी से संबंधित संवैधानिक प्रावधान -

मौलिक अधिकार:

अनुच्छेद 17 और 23 अस्पृश्यता और मानव तस्करी पर रोक लगाते हैं, जिससे एससी के लिए सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

अनुच्छेद 15(4) शैक्षणिक संस्थानों में उन्नति के लिए विशेष प्रावधानों की अनुमति देता है।

अनुच्छेद 16(4) सार्वजनिक रोजगार में आरक्षण प्रदान करता है।

राजनीतिक प्रतिनिधित्व: अनुच्छेद 330, अनुच्छेद 332

अनुच्छेद 340, अनुच्छेद 341 और अनुच्छेद 342:

अनुच्छेद 340: राष्ट्रपति को पिछड़े वर्गों की जांच करने और कल्याणकारी उपायों की सिफारिश करने के लिए एक आयोग नियुक्त करने का अधिकार देता है।

अनुच्छेद 341: राष्ट्रपति को किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के लिए एससी निर्दिष्ट करने का अधिकार देता है।

अनुच्छेद 342: राष्ट्रपति को किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के लिए एसटी निर्दिष्ट करने का अधिकार देता है।

6. राष्ट्र 30 जनवरी 2023 को अपनी 75 वीं मृत्यु की सालगिरह पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देता है। यह दिन शहीदों के दिन के रूप में भी देखा जाता है।

भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) महात्मा गांधी 'गिरमिटिया श्रम' की प्रणाली के उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे।

(2) लॉर्ड चेम्सफोर्ड के 'युद्ध सम्मेलन' में, महात्मा गांधी ने विश्व युद्ध के लिए भारतीयों की भर्ती के प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया।

(3) भारतीय लोगों द्वारा नमक कानून तोड़ने के परिणामस्वरूप, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को औपनिवेशिक शासकों द्वारा अवैध घोषित

किया गया था।

उपरोक्त में से कौन सा सही है / हैं?

- (A) केवल (1) और (2) (B) केवल (2) और (3)
(C) केवल (3) और (1) (D) सभी सही हैं

उत्तर: (C)

व्याख्या: गांधी ब्रिटिश साम्राज्य में गिरमिटिया (अर्थ अनुबंध) श्रम प्रणाली के उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। लॉर्ड चेम्सफोर्ड के 'युद्ध सम्मेलन' में, महात्मा गांधी ने विश्व युद्ध के लिए भारतीयों की भर्ती के प्रस्ताव का समर्थन किया। साम्राज्य का विश्वास हासिल करने और स्वराज को प्राप्त करने के लिए, उन्होंने 12 मार्च, 1930 को प्रथम विश्व युद्ध के लिए सेना में भारतीयों को भर्ती करने के लिए संकल्प का समर्थन किया, गांधीजी ने साबरमती के खिलाफ अपने निवास से प्रसिद्ध डांडी मार्च (नमक सत्याग्रह) की शुरुआत की, जो कि साबरमती विरोध प्रदर्शन कर रहे थे 1882 नमक अधिनियम। 6 अप्रैल, 1930 को गांधीजी ने दांडी में नमक कानूनों को तोड़ दिया। भारतीय लोगों द्वारा नमक कानून तोड़ने के परिणामस्वरूप, जनवरी 1932 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को औपनिवेशिक शासकों द्वारा अवैध घोषित किया गया था।

7. खगोलविदों ने एक्सोप्लैनेट WASP-127b पर 33,000 किमी/घंटा तक की अत्यधिक हवा की गति की खोज की है।

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) आंतरिक ग्रहों को स्थलीय या चट्टानी ग्रह भी कहा जाता है।

(2) बाहरी ग्रहों को जोवियन या गैसीय ग्रह भी कहा जाता है।

(3) हमारे सूर्य यंत्र के गैसोलिन दिग्गज बृहस्पति और शुक्र हैं।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)

(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: गैस दानव एक विशाल ग्रह है जो सामान्यतः गैसों से बना होता है, जिसमें हाइड्रोजन और हीलियम शामिल हैं, जिसका केंद्र काफी छोटा चट्टानी है।

हमारे सूर्य यंत्र के गैसोलिन दानव बृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेपच्यून हैं।

बृहस्पति और शनि यूरेनस और नेपच्यून की तुलना में उल्लेखनीय रूप से बड़े हैं।

बृहस्पति हमारे सूर्य यंत्र में सबसे महत्वपूर्ण ग्रह है। इसकी त्रिज्या पृथ्वी के आयामों से लगभग ग्यारह गुना है।

आठ ग्रहों में से, बुध, शुक्र, पृथ्वी और मंगल को आंतरिक ग्रह कहा जाता है क्योंकि वे सूर्य और क्षुद्रग्रहों की पट्टी के बीच स्थित हैं।

अन्य चार ग्रह अर्थात् बृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेपच्यून को बाहरी ग्रह कहा जाता है।

आंतरिक ग्रहों को स्थलीय या चट्टानी ग्रह भी कहा जाता है। बाहरी ग्रहों को जोवियन या गैसीय ग्रह भी कहा जाता है।

वैकल्पिक रूप से, पहले चार को स्थलीय कहा जाता है, जिसका अर्थ है पृथ्वी जैसा क्योंकि वे चट्टान और धातुओं से बने होते हैं, और उनका घनत्व अपेक्षाकृत अधिक होता है।

8.

बॉम्बे हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया कि लाउडस्पीकर का उपयोग करना संविधान के अनुच्छेद 25 या अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत संरक्षित एक आवश्यक धार्मिक प्रथा नहीं है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) अनुच्छेद 19 सभी नागरिकों को कुछ मौलिक स्वतंत्रताएँ प्रदान करता है, जिसमें भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार भी शामिल है।

(2) संविधान (प्रथम संशोधन) अधिनियम, 1951 ने भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर उचित प्रतिबंध लगाने के लिए अनुच्छेद 19(1)(ए) में संशोधन किया।

(3) अनुच्छेद 19(1)(सी) के तहत संघ बनाने का अधिकार निरपेक्ष है और इसे किसी भी परिस्थिति में राज्य द्वारा प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)

(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: अनुच्छेद 19 सभी नागरिकों को कुछ मौलिक स्वतंत्रताएँ प्रदान करता है, जिसमें भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार भी शामिल है।

यह अधिकार व्यक्तियों को बोले गए शब्दों, लेखन, मुद्रण, चित्रों और संचार के अन्य रूपों के माध्यम से स्वतंत्र रूप से अपने विचार व्यक्त करने की अनुमति देता है।

यह लोकतंत्र में सबसे महत्वपूर्ण अधिकारों में से एक है, जो मुक्त बहस, आलोचना और सूचना के प्रसार को सक्षम बनाता है।

संविधान (प्रथम संशोधन) अधिनियम, 1951 ने मुक्त भाषण पर उचित प्रतिबंध लगाने के लिए अनुच्छेद 19(1)(ए) में संशोधन किया।

पहला संशोधन बृज भूषण बनाम दिल्ली राज्य (1950) और रोमेश थापर बनाम मद्रास राज्य (1950) में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के जवाब में पेश किया गया था, जिसने प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंधों को खत्म कर दिया था।

अनुच्छेद 19(1)(सी) के तहत संघ बनाने का अधिकार निरपेक्ष है और राज्य द्वारा प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है।

संघ, संघ और सहकारी समितियाँ बनाने का अधिकार निरपेक्ष नहीं है।

अनुच्छेद 19(4) राज्य को संप्रभुता, अखंडता या सार्वजनिक व्यवस्था के हित में उचित प्रतिबंध लगाने की अनुमति देता है।

उदाहरण के लिए, सरकार गैरकानूनी या राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल संगठनों पर प्रतिबंध लगा सकती है, जैसा कि गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूपीए) के तहत चरमपंथी समूहों पर प्रतिबंध लगाने के मामले में देखा गया है।

9. भारत के सर्वोच्च न्यायालय (SC) की स्थापना 26 जनवरी 1950 को अनुच्छेद 124 के तहत की गई थी, जिसका उद्घाटन 28 जनवरी 1950 को हुआ था। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) भारतीय संविधान भाग V, अध्याय 6 के तहत सर्वोच्च न्यायालय का प्रावधान करता है।

(2) जैसा कि अनुच्छेद 124(1) में कहा गया है, सर्वोच्च न्यायालय में मूल रूप से भारत के मुख्य न्यायाधीश और दस से अधिक अन्य न्यायाधीश नहीं होते थे।

(3) सर्वोच्च न्यायालय के पास मूल, अपीलीय और सलाहकार क्षेत्राधिकार हैं।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (A)

व्याख्या: भारतीय संविधान भाग V (संघ) और अध्याय 6 (संघ न्यायपालिका) के तहत सर्वोच्च न्यायालय का प्रावधान करता है।

अनुच्छेद 124 से 147 इसके संगठन, स्वतंत्रता, अधिकार क्षेत्र, शक्तियों और प्रक्रियाओं से संबंधित हैं।

यह सर्वोच्च न्यायालय के कामकाज के लिए एक संरचित कानूनी ढांचा सुनिश्चित करता है।

अनुच्छेद 124(1) मूल रूप से भारत के एक मुख्य न्यायाधीश और दस नहीं बल्कि सात से अधिक अन्य न्यायाधीशों का प्रावधान करता है।

हालाँकि, संसद ने संशोधनों के माध्यम से समय के साथ न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि की है।

अभी तक, सर्वोच्च न्यायालय की स्वीकृत शक्ति 34 न्यायाधीशों की है, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश भी शामिल हैं।

भारत का सर्वोच्च न्यायालय तीन मुख्य प्रकार के अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करता है:

मूल अधिकार क्षेत्र (अनुच्छेद 131): केंद्र और राज्यों के बीच या राज्यों के बीच विवाद।

अपील अधिकार क्षेत्र (अनुच्छेद 132-136): उच्च न्यायालयों और अन्य निचली अदालतों से अपील सुनता है।

सलाहकार अधिकार क्षेत्र (अनुच्छेद 143): भारत का राष्ट्रपति कानूनी और संवैधानिक मामलों पर इसकी राय ले सकता है।

10. अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय (एमओएमए) ने अल्पसंख्यक समुदायों को सशक्त बनाने के लिए भारत के चल रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।

भारत में, यदि किसी धार्मिक संप्रदाय/समुदाय को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक का दर्जा दिया जाता है, तो उसे कौन से विशेष लाभ प्राप्त होते हैं?

(1) वह विशिष्ट शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन कर सकता है।

(2) भारत के राष्ट्रपति स्वचालित रूप से समुदाय के एक प्रतिनिधि को लोकसभा में नामित करते हैं।

(3) वह प्रधानमंत्री के 15-सूत्री कार्यक्रम से लाभ प्राप्त कर सकता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (A)

व्याख्या: वर्तमान में मुस्लिम, सिख, बौद्ध, जैन, ईसाई और पारसी (जोरास्ट्रियन) को भारत सरकार द्वारा अल्पसंख्यक धार्मिक समुदाय के रूप में अधिसूचित किया गया है। इन समुदायों को भारत के संविधान के साथ-साथ विभिन्न अन्य विधायी और प्रशासनिक उपायों के तहत कुछ विशेष लाभ प्राप्त हैं।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 30 धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने और उनका प्रशासन करने का अधिकार देता है। भारत के राष्ट्रपति द्वारा अल्पसंख्यक धार्मिक समुदाय के सदस्य को लोकसभा में स्वचालित रूप से नामित करने का कोई प्रावधान नहीं है। यह प्रावधान पहले संविधान के अनुच्छेद 331 के तहत एंग्लो-इंडियन समुदाय के सदस्यों के लिए उपलब्ध था।

धार्मिक अल्पसंख्यक प्रधानमंत्री के 15-सूत्री कार्यक्रम से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और सांप्रदायिक संघर्षों की रोकथाम के क्षेत्र में अल्पसंख्यकों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए 2005 में कार्यक्रम शुरू किया गया था।

11. भारत सरकार ने एमएसएमई के लिए पारस्परिक ऋण गारंटी योजना (एमसीजीएस-एमएसएमई) की शुरुआत को मंजूरी दे दी है।

विनिर्माण क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की हाल की नीतिगत पहल क्या है?

(1) राष्ट्रीय निवेश और विनिर्माण क्षेत्रों की स्थापना

(2) 'एकल खिड़की मंजूरी' का लाभ प्रदान करना

(3) प्रौद्योगिकी अधिग्रहण और विकास कोष की स्थापना

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से सभी

उत्तर: (D)

व्याख्या: अक्टूबर 2011 में सरकार ने राष्ट्रीय विनिर्माण नीति को मंजूरी दी थी।

नीति का मुख्य उद्देश्य सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में विनिर्माण की हिस्सेदारी को 25 प्रतिशत तक बढ़ाना और एक दशक में 100 मिलियन अतिरिक्त रोजगार सृजित करना है।

एनएमपी में क्लस्टर और एकत्रीकरण को बढ़ावा देने का प्रावधान है, खासकर राष्ट्रीय निवेश और विनिर्माण क्षेत्रों (एनआईएमजेड) के निर्माण के माध्यम से।

अब तक घोषित बारह एनआईएमजेड में से आठ डीएमआईसी के साथ हैं।

व्यापार विनियमन और कौशल विकास के सरलीकरण और युक्तिकरण पर राज्यों को सलाह।

नीति के तहत अनुमोदन/निगरानी तंत्र का गठन।

एनएमपी के तहत प्रौद्योगिकी अधिग्रहण और विकास निधि (टीएडीएफ) पर योजना तैयार की गई।

राज्य स्तरीय व्यापार विनियमन के सरलीकरण और युक्तिकरण की प्रक्रिया शुरू करना और एकल खिड़की मंजूरी विकसित करना।

12. हाल ही में, संयुक्त राज्य अमेरिका के दो वैज्ञानिकों, डेविड जूलियस और अर्देम पटापाउटियन को तापमान और स्पर्श के लिए रिसेप्टर्स की उनकी खोजों के लिए फिजियोलॉजी / मेडिसिन के लिए 2021 नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

(1) Somatosensation स्पर्श, तापमान, शरीर की स्थिति और दर्द की संवेदनाओं के लिए एक सामूहिक शब्द है।

(2) इसमें "मैकेनोरसेप्शन, थर्मोरसेप्शन, प्रोप्रियोसेप्शन" जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं।

(3) यांत्रिक संवेदनशील चैनल आकर्षक प्रोटीन हैं, जो सेंसर और प्रभावकारक दोनों के रूप में काम करने में सक्षम हैं।

उपरोक्त में से कौन सा सही है / हैं?

(A) केवल (1) और (2) (B) केवल (2) और (3)

(C) केवल (3) और (1) (D) सभी सही हैं

उत्तर: (D)

व्याख्या: सोमाटोसेप्शन त्वचा और कुछ आंतरिक अंगों में तंत्रिका रिसेप्टर्स के माध्यम से पहचाने जाने वाले स्पर्श, तापमान, शरीर की स्थिति और दर्द की संवेदनाओं के लिए एक सामूहिक शब्द है। इसमें "मैकेनोरसेप्शन, थर्मोरसेप्शन, प्रोप्रियोसेप्शन" जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं। यांत्रिक संवेदनशील चैनल आकर्षक प्रोटीन हैं, जो सेंसर और प्रभावकारक दोनों के रूप में काम करने में सक्षम हैं।

13. वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) - भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान

(आईआईसीटी) के शोधकर्ताओं ने खाद्य अपशिष्ट से बायोहाइड्रोजन (बायोएच₂) का उत्पादन किया है।

प्रमुख प्रकार के जैव ईंधन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) बायोएथेनॉल किण्वन प्रक्रिया का उपयोग करके मक्का और गन्ने से प्राप्त किया जाता है।

(2) बायोडीजल सोयाबीन तेल या पाम तेल, वनस्पति अपशिष्ट तेलों और पशु वसा जैसे वनस्पति तेलों से प्राप्त होता है।

(3) बायोहाइड्रोजन का उत्पादन बायोएथेनॉल की तरह ही किया जाता है, यानी स्टार्च के किण्वन के माध्यम से।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)

(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: जैव ईंधन के प्रमुख प्रकार-

बायोएथेनॉल - यह किण्वन प्रक्रिया का उपयोग करके मकई और गन्ने से प्राप्त किया जाता है। एक लीटर इथेनॉल में एक लीटर पेट्रोल द्वारा प्रदान की जाने वाली ऊर्जा का लगभग दो तिहाई हिस्सा होता है। पेट्रोल के साथ मिश्रित होने पर, यह दहन प्रदर्शन में सुधार करता है और कार्बन मोनोऑक्साइड और सल्फर ऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करता है।

बायोडीजल - यह सोयाबीन तेल या ताड़ के तेल, वनस्पति अपशिष्ट तेलों और पशु वसा जैसे वनस्पति तेलों से "ट्रांसएस्टरीफिकेशन" नामक जैव रासायनिक प्रक्रिया द्वारा प्राप्त किया जाता है। यह डीजल की तुलना में बहुत कम या कोई हानिकारक गैसें नहीं पैदा करता है। इसे पारंपरिक डीजल ईंधन के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

बायोगैस - यह जानवरों और मनुष्यों से निकलने वाले सीवेज जैसे कार्बनिक पदार्थों के अवायवीय अपघटन द्वारा निर्मित होता है। बायोगैस के प्रमुख अनुपात मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड हैं, हालांकि इसमें हाइड्रोजन सल्फाइड, हाइड्रोजन, कार्बन मोनोऑक्साइड और सिलोक्सेन का भी थोड़ा अनुपात होता है। इसका उपयोग आमतौर पर हीटिंग, बिजली और ऑटोमोबाइल के लिए किया जाता है।

बायोब्यूटेनॉल - इसे बायोएथेनॉल की तरह ही बनाया जाता है, यानी स्टार्च के किण्वन के माध्यम से। ब्यूटेनॉल में ऊर्जा की मात्रा अन्य गैसोलीन विकल्पों में सबसे अधिक है। उत्सर्जन को कम करने के लिए इसे डीजल में मिलाया जा सकता है। यह कपड़ा उद्योग में विलायक के रूप में काम करता है और इत्र में आधार के रूप में भी इसका उपयोग किया जाता है।

बायोहाइड्रोजन - बायोगैस की तरह बायोहाइड्रोजन का उत्पादन पायरोलिसिस, गैसीकरण या जैविक किण्वन जैसी

कई प्रक्रियाओं का उपयोग करके किया जा सकता है। यह जीवाश्म ईंधन का सही विकल्प हो सकता है।

14. प्रख्यात भौतिक विज्ञानी, वैज्ञानिक, परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) के पूर्व अध्यक्ष और भारत के परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख वास्तुकार डॉ. राजगोपाला चिदंबरम का हाल ही में निधन हो गया।

डॉ. राजगोपाला चिदंबरम के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

(1) उन्होंने 1967 में प्लूटोनियम के लिए "राज्य के समीकरण" को हल किया, परमाणु विखंडन और पदार्थ विज्ञान में योगदान दिया।

(2) उन्होंने भारत के स्वदेशी सुपरकंप्यूटर विकास का नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

(3) वे 2002 से 2018 तक भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष थे।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: डॉ. राजगोपाला चिदंबरम के प्रमुख योगदान वैज्ञानिक उपलब्धियाँ: प्लूटोनियम (1967) के लिए "राज्य के समीकरण" को हल किया, परमाणु विखंडन और पदार्थ विज्ञान को आगे बढ़ाया।

भारत के स्वदेशी सुपरकंप्यूटर विकास का नेतृत्व किया। परमाणु परीक्षणों में नेतृत्व: स्माइलिंग बुद्धा (1974) और ऑपरेशन शक्ति (1998)।

प्रमुख पद: BARC के निदेशक, परमाणु ऊर्जा आयोग (AEC) के अध्यक्ष, IAEA बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष। प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (2002-2018), RuTAG और राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (NKN) जैसी पहलों की देखरेख करते हैं।

पुरस्कार: विज्ञान में योगदान के लिए पद्म श्री (1975) और पद्म विभूषण (1999)।

15. संस्कृति मंत्रालय ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन (एनएमसीएम) की स्थापना की है।

एनएमसीएम के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) भारत की सांस्कृतिक विविधता को दस्तावेजित करने और उजागर करने के लिए संस्कृति मंत्रालय द्वारा 2017 में मिशन शुरू किया गया था।

(2) एनएमसीएम को मूर्त और अमूर्त दोनों सांस्कृतिक संपत्तियों का दस्तावेजीकरण करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के तहत कार्यान्वित किया जाता है।

(3) इसमें हमारी संस्कृति हमारी पहचान और कलाकारों के लिए विशिष्ट सांस्कृतिक-आईडी (यूसीआईडी) की शुरुआत जैसी पहल शामिल हैं।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (A)

व्याख्या: भारत का सांस्कृतिक मानचित्र बनाने और इसकी विविधता का दस्तावेजीकरण करने के लिए संस्कृति मंत्रालय द्वारा 2017 में राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन (एनएमसीएम) शुरू किया गया था।

इस मिशन का उद्देश्य भारत भर के 6.5 लाख गांवों का मानचित्रण करना है, और 4.5 लाख गांवों को पहले ही कवर किया जा चुका है।

मेरा गांव मेरी धरोहर (एमजीएमडी) एनएमसीएम की एक उप-पहल है जो गांवों को उनकी सांस्कृतिक और पारिस्थितिक विरासत के आधार पर वर्गीकृत करती है, जैसे कला और शिल्प गांव और पारिस्थितिक रूप से उन्मुख गांव।

एनएमसीएम को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) द्वारा कार्यान्वित किया जाता है और इसमें कलाकारों और कारीगरों का समर्थन करने के लिए कला ग्राम (सांस्कृतिक केंद्र) जैसी पहल शामिल हैं।

यह मिशन भाषाओं, रीति-रिवाजों, लोककथाओं, प्रदर्शन कलाओं और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों सहित मूर्त और अमूर्त विरासत दोनों का दस्तावेजीकरण करता है, जो इस कथन को गलत बनाता है।

16. वित्त वर्ष की पहली छमाही में एफडीआई प्रवाह 26% बढ़ा, 42.1 बिलियन डॉलर तक पहुंचा।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) एफडीआई एक गैर-ऋण सृजन पूंजी प्रवाह है, जिसका अर्थ है कि यह कोई प्रत्यक्ष पुनर्भुगतान दायित्व नहीं बनाता है।

(2) विभिन्न पूंजी साधनों के माध्यम से सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध दोनों कंपनियों में एफडीआई किया जा सकता है।

(3) सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश आमतौर पर एफडीआई से जुड़ा होता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: एफडीआई को गैर-ऋण सृजन पूंजी प्रवाह के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जिसका अर्थ है कि यह मेजबान देश पर पुनर्भुगतान दायित्व नहीं लगाता है। बाहरी वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) या विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांड (एफसीसीबी) के विपरीत, एफडीआई को मूलधन या

ब्याज के पुनर्भुगतान की आवश्यकता नहीं होती है, जिससे बाहरी ऋण बोझ बढ़ने का जोखिम कम हो जाता है। एफडीआई पूंजी, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन विशेषज्ञता लाकर दीर्घकालिक आर्थिक विकास में भी योगदान देता है। एफडीआई सूचीबद्ध कंपनियों तक ही सीमित नहीं है; इसे गैर-सूचीबद्ध कंपनियों में भी किया जा सकता है। निवेश विभिन्न पूंजी साधनों, जैसे कि इक्विटी, इक्विटी-लिंक्ड इंस्ट्रुमेंट्स (परिवर्तनीय डिबेंचर, वरीयता शेयर) और यहां तक कि कंपनियों द्वारा जारी किए गए कुछ प्रकार के ऋण साधनों के माध्यम से किया जा सकता है। यह लचीलापन विदेशी निवेशकों को अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में भाग लेने की अनुमति देता है, जिससे व्यापार विस्तार और रोजगार सृजन में योगदान मिलता है। सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश आमतौर पर विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) या विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) से जुड़ा होता है, न कि एफडीआई से। एफआईआई और एफपीआई बॉन्ड, ट्रेजरी बिल और शेयर जैसी वित्तीय परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं, जबकि एफडीआई व्यवसायों और बुनियादी ढांचे में प्रत्यक्ष निवेश है। एफडीआई का प्राथमिक उद्देश्य दीर्घकालिक नियंत्रण और प्रबंधन भागीदारी है, एफआईआई के विपरीत, जो अल्पकालिक वित्तीय रिटर्न पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

17.

आईआईटी मद्रास ने भारत का पहला भारत कैसर जीनोम एटलस लॉन्च किया। विभिन्न प्रकार के कैसर के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

- (1) ल्यूकेमिया एक प्रकार का कैसर है जो रक्त और अस्थि मज्जा को प्रभावित करता है, जिससे असामान्य श्वेत रक्त कोशिकाओं की संख्या में वृद्धि होती है।
- (2) मेलेनोमा एक ऐसा कैसर है जो हड्डियों के ऊतकों के उत्पादन के लिए जिम्मेदार कोशिकाओं में विकसित होता है, जो अक्सर हड्डियों को प्रभावित करता है।
- (3) फेफड़ों का कैसर मुख्य रूप से फेफड़ों में विकसित होता है और धूम्रपान या कुछ रसायनों के संपर्क में आने से हो सकता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर:

(A)

व्याख्या: ल्यूकेमिया वास्तव में एक कैसर है जो रक्त और अस्थि मज्जा को प्रभावित करता है, जिससे श्वेत रक्त कोशिकाओं में असामान्य वृद्धि होती है, जो संक्रमण से लड़ने और ऑक्सीजन ले जाने की शरीर की क्षमता में बाधा उत्पन्न कर सकती है।

मेलेनोमा एक प्रकार का त्वचा कैसर है जो अस्थि ऊतक में नहीं, बल्कि वर्णक-उत्पादक कोशिकाओं (मेलानोसाइट्स) में उत्पन्न होता है। यह मुख्य रूप से त्वचा को प्रभावित

करता है, लेकिन अगर इसका इलाज न किया जाए तो यह शरीर के अन्य भागों में फैल सकता है।

फेफड़ों का कैसर मुख्य रूप से फेफड़ों में विकसित होता है और धूम्रपान, सेकेंड हैंड धुएं के संपर्क में आने और एस्बेस्टस या रेडॉन जैसे कुछ पर्यावरण प्रदूषकों से निकटता से जुड़ा हुआ है।

स्तन कैसर आमतौर पर स्तन कोशिकाओं में शुरू होता है और अगर इसका इलाज न किया जाए तो यह यकृत, फेफड़े या हड्डियों जैसे अन्य अंगों में फैल सकता है।

18.

नोएडा में चिप डिजाइन में NIELIT सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन किया गया।

NIELIT के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

- (1) NIELIT को पहले DOEACC सोसायटी के रूप में जाना जाता था, जिसकी स्थापना 1994 में हुई थी।
- (2) NIELIT देश भर में विभिन्न स्तरों पर आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स प्रशिक्षण प्रदान करता है।
- (3) NIELIT विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एक सरकारी संगठन है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर:

(B)

व्याख्या:

कथन 1 सही है: NIELIT को पहले DOEACC सोसायटी के नाम से जाना जाता था, जिसकी स्थापना 1994 में हुई थी और बाद में 10 अक्टूबर 2011 को इसका नाम बदलकर NIELIT कर दिया गया।

NIELIT विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन नहीं है; यह इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के अधीन काम करता है।

NIELIT पूरे भारत में विभिन्न स्तरों पर सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स प्रशिक्षण प्रदान करता है।

जबकि NIELIT के पूरे भारत में 56 केंद्र हैं, इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

19.

भारत का डिजिटल बुनियादी ढांचा तेजी से विकसित हुआ है, जो 2022-23 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 11.74% का योगदान देगा और 2029-30 तक जीडीपी के 20% तक पहुंचने का अनुमान है।

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

- (1) UPI को 2016 में लॉन्च किया गया था, यह अब वैश्विक रीयल-टाइम लेनदेन (ACI वर्ल्डवाइड रिपोर्ट 2024) के 49% को संचालित करता है।
- (2) भारतनेट, ग्राम पंचायतों को किफायती हाई-स्पीड इंटरनेट प्रदान करने के लिए 2011 में लॉन्च किया गया।
- (3) आधार, 2014 में लॉन्च किया गया, बायोमेट्रिक और जनसांख्यिकीय डेटा को जोड़ने वाले डिजिटल पहचान ढांचे के रूप में कार्य करता है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI): UPI को 2016 में लॉन्च किया गया था, अब यह वैश्विक रीयल-टाइम लेनदेन (ACI वर्ल्डवाइड रिपोर्ट 2024) का 49% हिस्सा संचालित करता है।

डिजिटल लेनदेन 707.93 करोड़ रुपये (2016) से बढ़कर 23.24 लाख करोड़ रुपये (2024) हो गया, जिसमें भाग लेने वाले बैंकों की संख्या 35 से बढ़कर 641 हो गई। इसका विस्तार यूएई, सिंगापुर और फ्रांस सहित 7 देशों तक हो चुका है।

ग्राम पंचायतों को किफायती हाई-स्पीड इंटरनेट प्रदान करने के लिए 2011 में लॉन्च किए गए भारतनेट ने 2025 तक 2.14 लाख ग्राम पंचायतों को जोड़ा है, जिसमें 6.92 लाख किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई गई है और 1.04 लाख वाई-फाई हॉटस्पॉट लगाए गए हैं।

आधार: 2009 में लॉन्च किया गया आधार बायोमेट्रिक और जनसांख्यिकीय डेटा को जोड़ने वाले डिजिटल पहचान ढांचे के रूप में कार्य करता है। इसने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, वित्तीय समावेशन और भ्रष्टाचार को कम करने में मदद की है।

मार्च 2023 तक 136.65 करोड़ आधार कार्ड जारी किए जा चुके थे। आधार फेस ऑथेंटिकेशन ने 100 करोड़ लेन-देन (जनवरी 2025) को पार कर लिया और ई-केवाईसी लेन-देन 0.01 करोड़ (2014) से बढ़कर 1,470.22 करोड़ (2023) हो गया।

20. इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (IBCA) आधिकारिक तौर पर 23 जनवरी 2025 को भारत में मुख्यालय के साथ एक संधि-आधारित अंतर-सरकारी संगठन और अंतरराष्ट्रीय कानूनी इकाई बन गया।

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

- (1) भारत सरकार ने 1 अप्रैल 1973 को "प्रोजेक्ट टाइगर" लॉन्च किया।
(2) एनटीसीए, MoEFCC के तहत एक वैधानिक निकाय है, जिसकी स्थापना 2005 में की गई थी।
(3) 'प्रोजेक्ट टाइगर' एक राज्य प्रायोजित योजना है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: एनटीसीए, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय है, जिसकी स्थापना 2005 में टाइगर टास्क फोर्स की सिफारिशों के बाद की गई थी और इसे वन्यजीव (संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2006 की धारा 38एल के तहत कानूनी दर्जा प्राप्त हुआ।

भारत सरकार ने केवल बाघों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 1 अप्रैल 1973 को "प्रोजेक्ट टाइगर" शुरू किया था। प्रोजेक्ट टाइगर पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक केंद्र प्रायोजित योजना है।

प्रोजेक्ट टाइगर को वन्य जीव (संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2006 के माध्यम से एक वैधानिक प्राधिकरण यानी राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) में बदल दिया गया है।

21. महाराष्ट्र ने सरकार भर में सभी आधिकारिक संचार में मराठी भाषा के उपयोग को अनिवार्य कर दिया है।

निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) मराठी को 1960 में महाराष्ट्र की आधिकारिक भाषा के रूप में नामित किया गया था।

(2) 1961 में, मराठी ने एक शास्त्रीय भाषा का दर्जा हासिल किया।

(3) भारत में 2 आधिकारिक भाषाएँ (हिंदी और अंग्रेजी) और 22 अनुसूचित भाषाएँ हैं।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (A)

व्याख्या: मराठी को 1960 में महाराष्ट्र की आधिकारिक भाषा घोषित किया गया था। 2024 में मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिल गया।

भारत में 2 आधिकारिक भाषाएँ (हिंदी और अंग्रेजी) हैं और भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची के अनुसार 22 अनुसूचित भाषाएँ हैं।

इसमें असमिया, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओडिया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगु और उर्दू शामिल हैं।

भारतीय संविधान के भाग XVII में अनुच्छेद 343 से 351 तक आधिकारिक भाषाओं का उल्लेख है।

22. नई दिल्ली में आयोजित 3 भारत-जापान स्टील संवाद, दोनों देशों को आर्थिक विकास, इस्पात व्यापार और तकनीकी सहयोग पर चर्चा करने के लिए लाया।

स्टील उत्पादन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -
(1) SALTPETRE (पोटेशियम नाइट्रेट) का उपयोग स्टील के उत्पादन में किया जाता है।

(2) रॉक फॉस्फेट का उपयोग उर्वरक के उत्पादन में किया जाता है न कि स्टील के उत्पादन के लिए।

(3) स्टील के उत्पादन को एक टन स्टील का उत्पादन करने के लिए 0.8 टन कोकिंग कोयला की आवश्यकता होती है।

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
(C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (C)

व्याख्या: SALTPETRE (पोटेशियम नाइट्रेट) का उपयोग स्टील के उत्पादन में नहीं किया जाता है। इसका उपयोग उर्वरकों, ट्री स्टंप हटाने, रॉकेट प्रोपेलेंट और आतिशबाजी के उत्पादन में किया जाता है। यह गनपाउडर (ब्लैक पाउडर) के प्रमुख घटकों में से एक है और इसका उपयोग मध्य युग के बाद से एक भोजन परिरक्षक के रूप में किया गया है। रॉक फॉस्फेट का उपयोग उर्वरक के उत्पादन में किया जाता है न कि स्टील के उत्पादन के लिए। भारत आयात कोक कोक आयात करता है। इसलिए विकल्प 3 सही है। स्टील के उत्पादन को एक टन स्टील का उत्पादन करने के लिए 0.8 टन कोकिंग कोयला की आवश्यकता होती है।

23. खगोलविदों ने गैया BH3 की खोज की है, जो मिल्की वे में सबसे बड़ा ज्ञात स्टेलर-मास ब्लैक होल है, जो नक्षत्र एकिला में स्थित है। मिल्की वे गैलेक्सी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

(1) मिल्की वे को एक अण्डाकार आकाशगंगा के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
 (2) सूर्य मिल्की वे के केंद्र से लगभग 25,000 प्रकाश-वर्ष स्थित है।
 (3) मिल्की वे का लगभग 90% द्रव्यमान अंधेरे पदार्थ से बना है, जो मानव आंख के लिए अदृश्य है।
 उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?

(A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
 (C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (C)

व्याख्या: हमारे मिल्की वे गैलेक्सी का आकार सर्पिल है। यह एक सर्पिल आकाशगंगा के रूप में जाना जाता है, क्योंकि ऊपर या नीचे से, यह एक पिनव्हील की तरह चक्कर लगेगा। गैलेक्सी के नाभिक से लगभग 25,000 प्रकाश-वर्ष, सूर्य सर्पिल हथियारों में से एक पर स्थित है। मिल्क-स्पिंकलिंग देवी हेरा के बारे में एक ग्रीक कहानी ने मिल्की वे के नाम को जन्म दिया। मिल्की वे में सितारों की संख्या लगभग 400 बिलियन सितारों है। हमारी आकाशगंगा में लगभग 90% द्रव्यमान अंधेरे पदार्थ है, जो मानव आंख के लिए अदृश्य है, जबकि शेष 10% चमकदार पदार्थ है, जो मानव आंख को दिखाई देता है। जैसा कि मिल्की वे का कोर लगभग 26,000 प्रकाश वर्ष दूर है जहां से हम हैं।

24. केंद्रीय बजट 2025-26 ने 2024 से जनजातीय मामलों के आवंटन मंत्रालय को 45.79% बढ़ा दिया है।

भारत में आदिवासियों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) औपनिवेशिक समय के दौरान आदिवासी प्रमुखों ने अपनी प्रशासनिक शक्तियां खो दीं।
 (2) आदिवासी प्रमुखों को गांवों के क्लस्टर पर अपनी भूमि के खिताब रखने की अनुमति दी गई थी।
 (3) आदिवासी प्रमुखों ने अपने लोगों के बीच अपने पारंपरिक अधिकार का आनंद लिया।
 उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?
 (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
 (C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (B)

व्याख्या: अंग्रेजों के आने से पहले आदिवासी प्रमुख के पास काफी सत्ता थी। ब्रिटिश शासन के आगमन के बाद, वे अपनी प्रशासनिक शक्ति खो देते हैं और उन्हें भारत में ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा किए गए कानूनों का पालन करने के लिए मजबूर किया गया था। लेकिन उन्हें गांवों के एक समूह पर अपनी भूमि के खिताब रखने और आउटलैंड्स किराए पर लेने की अनुमति है, लेकिन वे अपनी प्रशासनिक शक्ति का अधिकांश हिस्सा खो चुके थे और उन्हें भारत में ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा किए गए कानूनों का पालन करने के लिए मजबूर किया गया था। उन्हें अंग्रेजों की ओर से ब्रिटिश और अनुशासन, आदिवासी समूहों को भी श्रद्धांजलि देनी थी। उन्होंने उस अधिकार को खो दिया जो उन्होंने पहले लोगों के बीच आनंद लिया था और वे अपने पारंपरिक कार्यों को पूरा करने में असमर्थ थे।

25. भारत ने 2019 से 2024 तक राष्ट्रव्यापी पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) के स्तर में 26.84% की कमी हासिल की। निम्नलिखित कथनों पर विचार करें -

(1) ओजोन को एक प्राथमिक वायु प्रदूषक माना जाता है।
 (2) सल्फर डाइऑक्साइड मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन के जलने से उत्सर्जित होता है।
 (3) ओजोन को सीधे वातावरण में उत्सर्जित नहीं किया जाता है।
 उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं?
 (A) केवल (1) और (3) (B) केवल (1) और (2)
 (C) केवल (2) और (3) (D) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: (C)

व्याख्या: ओजोन (O₃) ओजोन को एक माध्यमिक वायु प्रदूषक माना जाता है। यह सीधे वायुमंडल में उत्सर्जित नहीं होता है, लेकिन एनओएक्स और वीओसी (वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों) जैसे प्राथमिक प्रदूषकों से जुड़े रासायनिक प्रतिक्रियाओं के माध्यम से बनता है।

ये प्रतिक्रियाएं आमतौर पर सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में होती हैं।

कार्बन मोनोऑक्साइड (CO)

CO एक प्राथमिक वायु प्रदूषक है।

यह सीधे मोटर वाहनों, औद्योगिक प्रक्रियाओं और आवासीय हीटिंग जैसे स्रोतों से उत्सर्जित होता है।

नाइट्रिक ऑक्साइड (NO)

NO एक प्राथमिक वायु प्रदूषक भी है।

यह सीधे दहन प्रक्रियाओं से वातावरण में जारी किया जाता है, जैसे कि कार और बिजली संयंत्रों में।

सल्फर डाइऑक्साइड (SO₂)

SO₂ एक प्राथमिक वायु प्रदूषक है।

यह मुख्य रूप से बिजली संयंत्रों और अन्य औद्योगिक सुविधाओं द्वारा जीवाश्म ईंधन के जलने से उत्सर्जित होता है।

26. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

I. अराघटा शब्द का तात्पर्य भूमि की सिंचाई में प्रयुक्त वाटरव्हील से है।

II. जनवरी 1917 में, मोहनदास करमचंद गांधी विदेश में दो दशकों के निवास के बाद अपने देश लौट आए।

सही विकल्प का चयन करें

(A) केवल I

(B) केवल II

(C) I और II दोनों

(D) न तो I और न ही II

उत्तर: (A)

व्याख्या: अरघट मध्ययुगीन भारत में सिंचाई में उपयोग किया जाने वाला एक फ़ारसी पहिया है। यह एक यांत्रिक उपकरण है जिसका उपयोग पानी में किया जाता है। यह स्रोतों से पानी उठाने के लिए विशेष रूप से खुले कुओं से पशु शक्ति का उपयोग करता है। यहाँ उपयोग किए जाने वाले जानवर मवेशी, बैल आदि हैं, अरघट आरा + घाट से बना है, आरा का अर्थ है बोला जाने वाला और घाट का मतलब होता है घड़ा।

जनवरी 1915 में, मोहनदास करमचंद गांधी विदेश में दो दशकों के निवास के बाद अपनी मातृभूमि लौट आए। इन वर्षों को दक्षिण अफ्रीका में सबसे अधिक समय के लिए बिताया गया था, जहाँ वह एक वकील के रूप में चले गए, और समय के साथ उस क्षेत्र में भारतीय समुदाय के नेता बन गए। जैसा कि इतिहासकार चंद्र देवनसन ने टिप्पणी की है, दक्षिण अफ्रीका "महात्मा का निर्माण" था। यह दक्षिण अफ्रीका में था कि महात्मा गांधी ने पहली बार सत्याग्रह के रूप में जाना जाने वाले अहिंसात्मक विरोध की विशिष्ट तकनीकों को अपनाया, पहली बार धर्मों के बीच सद्भाव को बढ़ावा दिया, और पहली बार उच्च जाति के भारतीयों को निम्न जातियों और महिलाओं के भेदभावपूर्ण व्यवहार के लिए सचेत किया।

27. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

I. स्वदेशी आंदोलन के नेताओं ने औपनिवेशिक शासन के उग्रवादी विरोध की वकालत की, "नरमपंथियों" का एक समूह था, जो अधिक क्रमिक और प्रेरक दृष्टिकोण को प्राथमिकता देता था।

II. 1905-07 के स्वदेशी आंदोलन ने मध्यम वर्गों के बीच अपनी अपील को व्यापक बना दिया था।

सही विकल्प का चयन करें

(A) केवल I

(B) केवल II

(C) I और II दोनों

(D) न तो I और न ही II

उत्तर: (C)

व्याख्या: स्वदेशी आंदोलन, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा और विकासशील भारतीय राष्ट्रवाद, एक आर्थिक रणनीति थी जिसका उद्देश्य ब्रिटिश साम्राज्य को सत्ता से हटाना और स्वदेशी के सिद्धांतों का पालन करके भारत में आर्थिक स्थितियों में सुधार करना था जिसमें कुछ सफलता मिली थी। स्वदेशी आंदोलन की रणनीतियों में ब्रिटिश उत्पादों का बहिष्कार करना और घरेलू उत्पादों और उत्पादन प्रक्रियाओं का पुनरुत्थान B.C भोले स्वदेशी आंदोलन के पाँच चरणों की पहचान करता है।

1850 से 1904: दादाभाई नौरोजी, गोखले, रानाडे, तिलक, जी वी जोशी और भावस के निगोनी जैसे नेताओं द्वारा विकसित। इसे प्रथम स्वदेशी आंदोलन के नाम से भी जाना जाता था।

1905 से 1917: लॉर्ड कर्जन द्वारा बंगाल विभाजन के कारण 1905 में शुरू हुआ।

1918 से 1947: भारतीय उद्योगपतियों के उदय के साथ स्वदेशी को गांधी ने आकार दिया।

1948 से 1991: अंतर्राष्ट्रीय और अंतर-राज्यीय व्यापार पर व्यापक अंकुश। लाइसेंस-परमित राज के दौरान भारत अप्रचलित प्रौद्योगिकी का गढ़ बन गया।

28. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

I. वैदिक साहित्य में चार वेद एवं उनकी संहिताओं, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषदों एवं वेदांगों को शामिल किया जाता है।

II. वेदों को अपौरुषेय कहा गया है। गुरु द्वारा शिष्यों को मौखिक रूप से कंठस्त कराने के कारण वेदों को "श्रुति" की संज्ञा दी गई है।

सही विकल्प का चयन करें

(A) केवल I

(B) केवल II

(C) I और II दोनों

(D) न तो I और न ही II

उत्तर: (C)

व्याख्या: वैदिक साहित्य में चार वेद एवं उनकी संहिताओं, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषदों एवं वेदांगों को शामिल किया जाता है। वेदों की संख्या चार है- ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद। ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद विश्व के प्रथम प्रमाणिक ग्रन्थ है। वेदों को अपौरुषेय कहा गया है।

गुरु द्वारा शिष्यों को मौखिक रूप से कंठस्त कराने के कारण वेदों को "श्रुति" की संज्ञा दी गई है।

29. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
 I. स्थलमंडल - क्रस्ट और मेंटल का ऊपरी भाग है।
 II. छाया क्षेत्र - मेंटल का ऊपरी भाग है।
 सही विकल्प का चयन करें
 (A) केवल I (B) केवल II
 (C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (A)

व्याख्या: स्थलमंडल एक स्थलीय-प्रकार के ग्रह का कठोर, सबसे बाहरी खोल या प्राकृतिक ग्रह है, जिसे इसके कठोर यांत्रिक गुणों द्वारा परिभाषित किया गया है। पृथ्वी पर, यह पपड़ी और ऊपरी मेंटल के हिस्से से बना है जो हजारों साल या उससे अधिक के समय के तराजू पर व्यवहार करता है। एक चट्टानी ग्रह, क्रस्ट का सबसे बाहरी आवरण इसकी रसायन और खनिज विज्ञान के आधार पर परिभाषित किया गया है। स्थलमंडल के नीचे की परत को एस्थेनोस्फीयर के रूप में जाना जाता है।

पृथ्वी के स्थलमंडल में क्रस्ट और ऊपरवाला मैटल शामिल हैं, जो पृथ्वी की कठोर और कठोर बाहरी परत का निर्माण करते हैं। स्थलमंडल टेक्टोनिक प्लेटों में विभाजित है। मिट्टी के निर्माण की प्रक्रिया के माध्यम से रासायनिक रूप से वायुमंडल, जलमंडल और जीवमंडल पर प्रतिक्रिया करने वाले लिथोस्फीयर के ऊपरी भाग को पीडोस्फीयर कहा जाता है। स्थलमंडल को एस्थेनोस्फीयर द्वारा रेखांकित किया जाता है जो ऊपरी मेंटल का कमजोर, गर्म और गहरा हिस्सा है।

30. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
 I. सूरज सौर नेब्युला से घिरा हुआ था जिसमें ज्यादातर हाइड्रोजन और सिलिकॉन थे।
 II. कण की टक्कर से डिस्क के आकार के बादल का निर्माण हुआ और ग्रहों का निर्माण अभिवृद्धि की प्रक्रिया से हुआ।
 सही विकल्प का चयन करें

- (A) केवल I (B) केवल II
 (C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (B)

व्याख्या: नेबुलर हाइपोथीसिस ने माना कि ग्रहों का निर्माण एक युवा सूरज से जुड़ी सामग्री के एक बादल से हुआ था, जो धीरे-धीरे घूम रहा था। बाद में 1950 में, रूस में ओटो श्मिट और जर्मनी में कार्ल वीज़स्कर ने कुछ हद तक 'नेबुलर परिकल्पना' को संशोधित किया, हालांकि विवरण में भिन्नता है।

1. उन्होंने माना कि सूरज सौर नेब्युला से घिरा हुआ था जिसमें ज्यादातर हाइड्रोजन और हीलियम थे जिन्हें धूल कहा जा सकता था।

2. कणों के घर्षण और टकराव से डिस्क के आकार का बादल बन गया और ग्रहों का निर्माण अभिवृद्धि की प्रक्रिया से हुआ।

31. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
 I. सूर्य और क्षुद्रग्रहों के बेल्ट के बीच ग्रह होते हैं
 II. स्थलीय ग्रह जोवियन ग्रहों की तुलना में बड़े हैं और उनके निचले गुरुत्वाकर्षण गैसों को पकड़ सकते हैं।
 सही विकल्प का चयन करें
 (A) केवल I (B) केवल II
 (C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (A)

व्याख्या: हमारे सौर मंडल में आठ ग्रह हैं। हमारे सौर मंडल में सूर्य (तारा), 8 ग्रह, 63 चंद्रमा, क्षुद्रग्रह और धूमकेतु जैसे लाखों छोटे पिंड और भारी मात्रा में धूल-कण और गैसों हैं। आठ ग्रहों में से, बुध, शुक्र, पृथ्वी और मंगल को आंतरिक ग्रह कहा जाता है क्योंकि वे सूर्य के बीच में रहते हैं और अन्य चार ग्रहों के क्षुद्रग्रहों के बेल्ट को बाहरी ग्रह कहा जाता है। वैकल्पिक रूप से, पहले चार को स्थलीय कहा जाता है, जिसका अर्थ है पृथ्वी जैसा कि वे चट्टान और धातुओं से बने होते हैं, और अपेक्षाकृत उच्च घनत्व वाले होते हैं। बाकी चार को जोवियन या गैस जाइंट ग्रह कहा जाता है। जोवियन का अर्थ है बृहस्पति जैसा।

उनमें से अधिकांश स्थलीय ग्रहों की तुलना में बहुत बड़े हैं और घने वायुमंडल हैं, जिनमें से अधिकांश हीलियम और हाइड्रोजन हैं।

- (i) स्थलीय ग्रहों का निर्माण मूल तारे के निकटवर्ती क्षेत्र में हुआ था जहाँ यह ठोस कणों के लिए गैसों के लिए बहुत गर्म था। जोवियन ग्रहों का गठन काफी दूर के स्थान पर किया गया था।
 (ii) सूर्य के निकट सौर वायु सबसे तीव्र थी; इसलिए, इसने स्थलीय ग्रहों से बहुत सारी गैस और धूल उड़ा दी। सौर हवाएं जोवी ग्रहों से गैसों को हटाने के समान तीव्र नहीं थीं।
 (iii) स्थलीय ग्रह छोटे होते हैं और उनके निचले गुरुत्वाकर्षण गुरुत्वाकर्षण गैसों को पकड़ नहीं पाते हैं।

32. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

I. प्रेरित क्लोन परमाणु सेल द्वारा होस्ट सेल में विकसित किए गए हैं।

II. सेल में एंटीजन ट्रांसफर।

सही विकल्प का चयन करें।

- (A) केवल I (B) केवल II
 (C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (A)

व्याख्या: परमाणु हस्तांतरण क्लोनिंग का एक रूप है। स्टेप्स में डीएनए को एक ऑकाइट से हटाना और उस नाभिक को इंजेक्ट करना शामिल है जिसमें डीएनए को क्लोन किया

जाना है। दुर्लभ उदाहरणों में, नवनिर्मित कोशिका सामान्य रूप से विभाजित होगी, जो एक बहुतायत में रहते हुए नए डीएनए की नकल करती है। यदि क्लोन किए गए कोशिकाओं को एक महिला स्तनपायी के गर्भाशय में रखा जाता है, तो एक क्लोन जीव दुर्लभ स्थितियों में विकसित होता है।

थाइमस में एंटीजन ट्रांसफर थाइमिक एंटीजन प्रेजेंटिंग सेल (एपीसी) के बीच स्व-एंटीजन का संचरण है जो टी सेल केंद्रीय सहिष्णुता की स्थापना में योगदान देता है।

थाइमस टी सेल विकास की उत्पत्ति का प्रतिनिधित्व करता है और इसकी जिम्मेदारी कार्यात्मक लेकिन सुरक्षित टी कोशिकाओं का चयन करना है जो स्वयं के ऊतकों पर हमला नहीं करेंगे। स्व-हानिकारक टी कोशिकाओं को आगे ऑटोरिक्टिव टी कोशिकाओं के रूप में संदर्भित किया जाता है, वी डी जे पुनर्संयोजन नामक स्टोकेस्टिक प्रक्रिया के कारण थाइमस में उत्पन्न होता है जो टी सेल रिसेप्टर्स (टीसीआर) की पीढ़ी का संचालन करता है और उनकी असीम परिवर्तनशीलता को सक्षम करता है।

33. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

I. एंटीबॉडी एक प्रकार के व्युत्पन्न लिपिड हैं।

II. मोनोक्लोनल एंटी-बॉडी क्लोन कोशिकाओं द्वारा निर्मित एंटी-बॉडी हैं।

सही विकल्प का चयन करें।

- (A) केवल I (B) केवल II
(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (B)

व्याख्या: मोनोक्लोनल एंटीबॉडी हैं जो समान प्रतिरक्षा कोशिकाओं द्वारा बनाए जाते हैं जो एक अद्वितीय मूल कोशिका के सभी क्लोन होते हैं। मोनोक्लोनल एंटीबॉडी में मोनोक्लोनल आत्मीयता हो सकती है, जिसमें वे एक ही एपिटोप (एंटीजन का एक हिस्सा जिसे एंटीबॉडी द्वारा पहचाना जाता है) से बांधते हैं।

34. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

I. हरे पौधों में हेटरोट्रोफिक पोषण।

II. पिट्यूटरी ग्रंथि शरीर में मौजूद सबसे छोटी ग्रंथि है।

सही विकल्प का चयन करें।

- (A) केवल I (B) केवल II
(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (B)

व्याख्या: जीवित प्राणियों में पोषण के दो तरीके हैं। ऑटोट्रोफिक न्यूट्रीशन- ऑटोट्रोफिक न्यूट्रीशन का मतलब है कि साधारण अकार्बनिक पदार्थों को कार्बनिक अणुओं को संश्लेषित करने में इस्तेमाल किया जाता है। इसे प्राप्त करने के लिए ऊर्जा की आवश्यकता होती है। पौधे स्वपोषी पोषण के उदाहरण हैं क्योंकि वे सूरज की रोशनी, नाइट्रोजन,

पानी और पर्यावरण के अन्य पोषक तत्वों की मदद से भोजन बनाते हैं।

हेटरोट्रोफिक न्यूट्रीशन- हेटरोट्रोफिक न्यूट्रीशन पोषण का वह तरीका है जिसमें जीव दूसरे जीवों पर निर्भर रहते हैं। सभी जानवर और गैर-हरे पौधे हेटरोट्रोफिक हैं। हेटरोट्रोफिक जीवों को उन सभी कार्बनिक पदार्थों को प्राप्त करना और लेना है, जिससे उन्हें जीवित रहने की आवश्यकता है। हरे पौधों को छोड़कर, अन्य सभी विकल्प हेटरोट्रोफिक हैं।

मानव शरीर की सबसे छोटी ग्रंथि पिट्यूटरी ग्रंथि है, जो मानव मस्तिष्क के मध्य में पाई जाती है।

35. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. 2,4-D रासायनिक आमतौर पर किसानों द्वारा खरपतवारों को नष्ट करने के लिए उपयोग किया जाता है।

2. नाइट्रोजन ऑक्साइड यातायात भीड़ वाले शहरों में भूरे रंग की हवा के प्रदूषण से जुड़ा हुआ है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

व्याख्या: 2,4-डाइक्लोरोफेनोएसेटिक एसिड (2,4-डी) एक क्लोरफेनोक्सी हर्बिसाइड है जिसका इस्तेमाल 1940 के बाद से व्यापक रूप से खरपतवार को मारने के लिए किया गया है और अभी भी दुनिया में सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले हर्बिसाइड्स में से एक है। नाइट्रोजन ऑक्साइड यातायात भीड़ वाले शहरों में भूरे रंग की हवा के प्रदूषण से जुड़ा हुआ है।

36. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. जर्मन सिल्वर तांबा, जस्ता, और निकिल का मिश्र धातु है।

2. स्टेनलेस स्टील एक तत्व है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (D)

व्याख्या: जर्मन सिल्वर तांबा, जस्ता और निकल का मिश्र धातु है, कभी-कभी इसमें सीसा और टिन भी होता है। स्टेनलेस स्टील एक लौह मिश्र धातु है जिसमें क्रोमियम, निकल, सिलिकॉन, मैंगनीज, नाइट्रोजन और कार्बन जैसे तत्व शामिल हैं।

37. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. जस्ते के द्वारा तांबे और चांदी को उनके लवण के विलयन से विस्थापित करते हैं।

2. जस्ता में तांबा और चांदी की तुलना में कम ऑक्सीकरण क्षमता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (D)

व्याख्या: जब जस्ता तांबा सल्फेट के विलयन के साथ प्रतिक्रिया करता है, तो जस्ता सल्फेट और तांबा धातु बनता है। इस प्रतिक्रिया में, तांबा की तुलना में जस्ता अधिक प्रतिक्रियाशील होता है, इस प्रकार जस्ता तांबा सल्फेट से तांबे को विस्थापित करता है।

38. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- वे विलयन जो राउल्ट के नियम का पालन करते हैं, आदर्श विलयन कहलाते हैं।
- वे विलयन जो राउल्ट के नियम का पालन नहीं करते हैं, अनादर्श विलयन कहलाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

व्याख्या: जो विलयन हर रेंज में और हर तापमान पर राउल्ट के नियम को मानते हैं, उन्हें आदर्श विलयन कहा जाता है। राउल्ट के नियम से विचलन दिखाने वाले विलयन को गैर-आदर्श विलयन कहा जाता है क्योंकि वे अपेक्षित व्यवहार से विचलित होते हैं।

39. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- धातु सोडियम हाइड्रोक्साइड के साथ अभिक्रिया करके हाइड्रोजन गैस का उत्पादन करता है।
- चूने के पानी में कैल्शियम हाइड्रोक्साइड क्षार पाया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

व्याख्या: सोडियम हाइड्रोक्साइड सोडियम और जिंक और हाइड्रोजन गैस बनाने के लिए जस्ता और पानी के साथ प्रतिक्रिया करता है। कैल्शियम हाइड्रोक्साइड, जिसे ढला हुआ चूना भी कहा जाता है, Ca(OH)_2 , कैल्शियम ऑक्साइड पर पानी की क्रिया द्वारा प्राप्त किया जाता है। जब पानी के साथ मिलाया जाता है, तो इसका एक छोटा अनुपात घुल जाता है, चूने के पानी के रूप में जाना जाता है।

40. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- पारिस्थितिक तंत्र सबसे जटिल पौष्टिकता स्तर का प्रतिनिधित्व करता है।

2. आयरन की कमी के कारण एनीमिया का कारण बनता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

व्याख्या: एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें आपके शरीर के ऊतकों में पर्याप्त ऑक्सीजन ले जाने के लिए पर्याप्त स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाओं और लोहे की कमी होती है। एनीमिया होने से आप थका हुआ और कमजोर महसूस कर सकते हैं। पारिस्थितिक तंत्र सबसे जटिल पौष्टिकता स्तर का प्रतिनिधित्व करता है।

41. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- मस्तिष्क 'पेसमेकर' से जुड़ा हुआ होता है।
- हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं का एक महत्वपूर्ण घटक है।
- मस्तिष्क को मापने के लिए इलेक्ट्रोइंसीफेलोग्राफी का उपयोग किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3 (D) 1, 2 और 3

उत्तर: (D)

व्याख्या: एक मस्तिष्क पेसमेकर एक चिकित्सा उपकरण है जिससे विद्युत संकेतों के साथ तंत्रिका ऊतक को उत्तेजित करने के उद्देश्य से मस्तिष्क में प्रत्यारोपित किया जाता है। मस्तिष्क पेसमेकर का उपयोग पार्किंसंस रोग, मिर्गी या मानसिक विकारों से पीड़ित रोगियों की चिकित्सा के लिए किया जाता है। हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं का प्रोटीन अणु है जो फेफड़ों से ऑक्सीजन को शरीर के ऊतकों तक ले जाता है और ऊतकों से कार्बन डाइऑक्साइड को वापस फेफड़ों तक पहुंचाता है। एक इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राम (ईईजी) एक परीक्षण है जिसका उपयोग मस्तिष्क की विद्युत गतिविधि से संबंधित समस्याओं को खोजने के लिए किया जाता है।

42. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- यकृत मानव शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि है।
- यकृत के दो खंड कौडेट तथा क्राडेट कहलाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (C)

व्याख्या: लिवर मानव शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि है। यह लिपिड और विटामिन के अपघटन के लिए पित्त रस के स्राव जैसे कई

कार्यों को करता है, रक्त प्लाज्मा के लिए प्रोटीन तैयार करता है जो रक्त के थक्के और विषहरण में भी सक्षम बनता है।

43. निम्नलिखित सही कथनों पर विचार करें।
1. मस्तिष्क, रीढ़ की हड्डी के साथ, केंद्रीय तंत्रिका तंत्र का गठन करता है।
 2. यह शरीर की गतिविधियों के लिए विचारों, व्याख्या और नियंत्रण की उत्पत्ति के लिए जिम्मेदार है।
 3. खोपड़ी में 22 हड्डियाँ होती हैं, जिनमें से 14 चेहरे की हड्डियाँ बनती हैं और शेष 8 कपाल की हड्डियाँ बनती हैं।
- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) केवल 3 (D) सभी सही है

उत्तर: (D)

व्याख्या: रीढ़ की हड्डी के साथ मस्तिष्क, केंद्रीय तंत्रिका तंत्र का गठन करता है। यह शरीर की गतिविधियों के लिए विचारों, व्याख्या और नियंत्रण की उत्पत्ति के लिए जिम्मेदार है। मस्तिष्क खोपड़ी के भीतर संलग्न है, जो पार्श्व और पृष्ठीय सुरक्षा प्रदान करता है। खोपड़ी में 22 हड्डियाँ होती हैं, जिनमें से 14 चेहरे की हड्डियाँ बनती हैं और शेष 8 कपाल की हड्डियाँ बनाती हैं। शारीरिक रूप से, मस्तिष्क कपाल के भीतर समाहित है और मस्तिष्कमेरु द्रव से घिरा होता है।

44. निम्नलिखित सही कथनों पर विचार करें।
1. जैव रसायन: भौतिक पदार्थों का अध्ययन जो जीवित चीजों को बनाते हैं।
 2. विकासवादी जीवविज्ञान: जीवित चीजों की बुनियादी सेलुलर इकाइयों का अध्ययन।
- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (A)

व्याख्या: विकासवादी जीवविज्ञान जीव विज्ञान का उपक्षेत्र है जो पृथ्वी पर जीवन की विविधता का उत्पादन करने वाली विकासवादी प्रक्रियाओं (प्राकृतिक चयन, सामान्य वंश, अटकलें) का अध्ययन करता है। कोशिका जीव विज्ञान की एक शाखा है जो कोशिका की संरचना और कार्य का अध्ययन करता है, जिसे जीवन की मूल इकाई के रूप में भी जाना जाता है

45. निम्नलिखित सही कथनों पर विचार करें।
1. कैसर असामान्य और अनियंत्रित कोशिका वृद्धि और प्रसार का रोग है।
 2. अस्थमा एक ऐसी स्थिति है जिसमें आपके वायुमार्ग संकीर्ण और सूज जाते हैं और अतिरिक्त बलगम उत्पन्न करते हैं।
- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (C)

व्याख्या: एक ऐसी स्थिति जिसमें किसी व्यक्ति के वायुमार्ग में सूजन, संकीर्ण और सूजन हो जाती है और अतिरिक्त बलगम का उत्पादन होता है, जिससे सांस लेना मुश्किल हो जाता है। कैसर रोगों का एक समूह है जिसमें शरीर के अन्य हिस्सों में आक्रमण या फैलने की क्षमता के साथ असामान्य कोशिका वृद्धि शामिल है। ये सौम्य ट्यूमर के साथ विपरीत होते हैं, जो फैलते नहीं हैं।

46. निम्नलिखित सही कथनों पर विचार करें।

1. यूकेरियोटिक आमतौर पर प्रोकैरियोट्स कोशिकाओं की तुलना में बहुत छोटे होते हैं।
 2. यूकेरियोट्स ऐसे जीव हैं जिनकी कोशिकाएं आंतरिक झिल्लियों और एक साइटोस्केलेटन द्वारा जटिल संरचनाओं में व्यवस्थित होती हैं।
- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) ऊपर के सभी

उत्तर: (B)

व्याख्या: सभी प्रोकैरियोट्स और यूकेरियोट्स की कोशिकाओं में दो बुनियादी विशेषताएं होती हैं: एक प्लाज्मा झिल्ली, कोशिका झिल्ली और कोशिका द्रव्य, हालांकि, प्रोकैरियोट्स की कोशिकाएं यूकेरियोट्स की तुलना में सरल हैं। प्रोकैरियोटिक कोशिकाएं यूकेरियोटिक कोशिकाओं की तुलना में काफी छोटी होती हैं। प्रोकैरियोट्स का छोटा आकार आयनों और कार्बनिक अणुओं को अनुमति देता है जो उन्हें कोशिका के अन्य भागों में जल्दी से फैलने के लिए प्रवेश करते हैं।

47. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

- I. फाइटोटॉन नियंत्रित स्थितियों में पौधों को उगाने की सुविधा है।
 - II. लंबी अवधि के व्यायाम के दौरान प्रमुख खाद्य ईंधन कार्बोहाइड्रेट है।
- सही विकल्प का चयन करें।
- (A) केवल I (B) केवल II
(C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (A)

व्याख्या: फाइटोटॉन ग्रीन हाउस या प्रयोगशाला से घिरा हुआ है, जहां पौधों को सख्त नियंत्रित पर्यावरण के तहत उगाया जाता है, पौधों और पर्यावरण की बीच का अध्ययन करने के लिए स्थितियां। ये ग्लूकोज अणु जिगर और मांसपेशियों में संग्रहीत होते हैं, जिसका उपयोग ईंधन के लिए किया जाता है, खासकर शारीरिक गतिविधि के दौरान। कार्बोहाइड्रेट थकान को कम करने और एक एथलीट को अधिक समय तक प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देकर एथलेटिक प्रदर्शन में सुधार करते हैं।

48. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?
I. वनों की कटाई प्राकृतिक संसाधनों की कमी का प्रमुख कारण है।
II. अस्थमा की बीमारी एस्परजिलस फ्यूमिगेट्स फफूंद के कारण होती है।
 सही विकल्प का चयन करें।
 (A) केवल I (B) केवल II
 (C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (C)

व्याख्या: पेड़ों और अन्य वनस्पतियों के नुकसान से जलवायु परिवर्तन, मरुस्थलीकरण, मिट्टी का क्षरण, कम फसल, बाढ़, वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि, और स्वदेशी लोगों के लिए समस्याओं का एक कारण हो सकता है। एस्परजिलस फ्यूमिगेट्स कवक की एक प्रजाति है। यह पूरे वातावरण में पाया जा सकता है, जिसमें मिट्टी, पौधे के मामले और घरेलू धूल शामिल हैं। कवक वायुहीन बीजाणु भी पैदा कर सकता है जिसे कोनिडिया कहा जाता है। अधिकांश लोग दैनिक आधार पर इनमें से कई बीजाणुओं को बाहर निकाल सकते हैं। एक स्वस्थ व्यक्ति में, प्रतिरक्षा प्रणाली अक्सर उन्हें शरीर से बिना किसी समस्या के साफ कर देती है। हालांकि, कुछ लोगों के लिए, फ्यूमिगेट्स, बीजाणुओं को साँस लेना संभावित गंभीर संक्रमण का कारण बन सकता है।

49. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?
I. पक्षियों के साउंडबॉक्स को सिरिक्स कहा जाता है।
II. अलसी ओमेगा -3 फैटी एसिड का एक समृद्ध स्रोत है।
 सही विकल्प का चयन करें।
 (A) केवल I (B) केवल II
 (C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (C)

व्याख्या: ओमेगा -3 फैटी एसिड खाद्य पदार्थों में पाए जाते हैं, जैसे मछली और अलसी, और आहार की खुराक में, जैसे मछली का तेल। तीन मुख्य ओमेगा -3 फैटी एसिड अल्फा-लिनोलेनिक एसिड (ALA), इकोसापेनोइक एसिड (EPA), और

डोकोसाहेक्सैनोइक एसिड (DHA) हैं। ALA मुख्य रूप से प्लांट तेलों जैसे कि अलसी, सोयाबीन और कैनोला तेलों में पाया जाता है। डीएचए और ईपीए मछली और अन्य समुद्री भोजन में पाए जाते हैं।

ALA एक आवश्यक फैटी एसिड है, जिसका अर्थ है कि आपका शरीर इसे नहीं बना सकता है, इसलिए आपको इसे उन खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों से प्राप्त करना चाहिए जिनका आप उपभोग करते हैं।

उस बिंदु पर जहां विंडपाइप विभाजन पक्षी के ध्वनि पैदा करने वाले अंग पर स्थित है, एक आवाज बॉक्स जिसे सिरिक्स कहा जाता है। ध्वनि कुछ या सभी झिल्ली ग्रंथियों (सिरिक्स की दीवारों) और पेसूलस के कंपन द्वारा उत्पन्न होती है, जो सिरिक्स के माध्यम से बहने वाली हवा के कारण होती है।

50.

निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

- I.** सीक्रेटिन हार्मोन पाचन रस के उत्पादन के लिए अग्न्याशय को उत्तेजित करता है।
II. किसी अक्ष या तने पर पत्तियों की व्यवस्था को वेनेशन कहा जाता है।
 सही विकल्प का चयन करें।

- (A) केवल I (B) केवल II
 (C) I और II दोनों (D) न तो I और न ही II

उत्तर: (C)

व्याख्या: सीक्रेटिन एक हार्मोन है जो पूरे शरीर में पानी के होमोस्टेसिस को नियंत्रित करता है और पेट, अग्न्याशय और यकृत में स्राव को विनियमित करके ग्रहणी के वातावरण को प्रभावित करता है। यह ग्रहणी के एस कोशिकाओं में उत्पादित पेप्टाइड हार्मोन है, जो आंतों की ग्रंथियों में स्थित हैं। वेनेशन पत्ती की सतह के लामिना में तानों की व्यवस्था की घटना है। यह तीन प्रकार का होता है, रेटिकुलेट, पैरेलल और फ्यूरेट वेनेशन। रेटिकुलेट वेन्यूलेशन में, नसें संरचना की तरह नेटवर्क बनाती हैं। उदाहरण के लिए, डायकोट पौधों की पत्तियाँ। समानांतर शिरा में, नसें मध्य पसली से उठती हैं और समानांतर चलती हैं। उदाहरण के लिए, मोनोकोट पौधों की पत्तियाँ। फ्रैक्ट के स्थान पर शिराएँ द्विबीजपत्री शाखा बनाती हैं। उदाहरण के लिए, फर्न की पत्तियाँ।

"नाकामयाब लोग दुनिया के डर से अपने फैसले बदल देते हैं !
 और कामयाब लोग अपने फैसले से पूरी दुनिया बदल देते हैं !!"

"कितना भी पकड़लो फिसलता ज़रूर है !
 ये वक्रत है ! जनाब बदलता ज़रूर है !!"

सही मिलान प्रश्नावली

1. भारतीय संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों को सुमेलित कीजिए-

(A) अनुच्छेद 343	1- संघ की राजभाषाएँ।
(B) अनुच्छेद 345	2- राज्यों की राजभाषाएँ या भाषाएँ।
(C) अनुच्छेद 348	3- उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में प्रयोग की जाने वाली भाषाएँ।
(D) अनुच्छेद 351	4- हिंदी भाषाओं के विकास के लिए निर्देश।

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
(B) a-2, b-3, c-1, d-4
(C) a-1, b-2, c-4, d-3
(D) a-1, b-2, c-3, d-4

उत्तर: (D)

व्याख्या: अनुच्छेद 343 - संघ की राजभाषाएँ।
अनुच्छेद 345 - राज्यों की राजभाषाएँ या भाषाएँ।
अनुच्छेद 348 - उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में प्रयोग की जाने वाली भाषाएँ।
अनुच्छेद 351 - हिंदी भाषाओं के विकास के लिए निर्देश।

2. भारत में विभिन्न क्षेत्रों के निम्नलिखित जनक को सुमेलित कीजिए -

(A) भारतीय अशांति के जनक	1- बाल गंगाधर तिलक
(B) वायु सेना के पिता	2- सुब्रतो मुखर्जी
(C) भारतीय नौसेना के जनक	3- छत्रपति शिवाजी महाराज

विकल्प

- (A) a-1, b-2, c-3
(B) a-2, b-3, c-1
(C) a-3, b-2, c-1
(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: भारतीय अशांति के जनक - बाल गंगाधर तिलक
वायु सेना के पिता - सुब्रतो मुखर्जी
भारतीय नौसेना के जनक - छत्रपति शिवाजी महाराज

3. भारत की निम्नलिखित मिसाइलों को उनकी सीमा से सुमेलित कीजिए -

- (A) ब्रह्मोस 1- 290 किमी
(B) निर्भय 2- 350 से 600 किमी
(C) त्रिशूल 3- 0.5 किमी से 9 किमी
(D) धनुष 4- 1000 से 1500 किमी

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
(B) a-2, b-3, c-1, d-4
(C) a-1, b-2, c-4, d-3
(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (A)

व्याख्या: ब्रह्मोस - 290 किमी
निर्भय - 1000 से 1500 किमी
त्रिशूल - 0.5 किमी से 9 किमी
धनुष - 350 से 600 किमी

4. निम्नलिखित को मिलाएं -

- (A) ऑपरेशन ब्लैक टॉरनेडो 1- 2008
(B) ऑपरेशन काम डाउन 2- 2016
(C) ऑपरेशन सहयोग 3- 2018

विकल्प

- (A) a-1, b-2, c-3
(B) a-2, b-3, c-1
(C) a-3, b-2, c-1
(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: ऑपरेशन ब्लैक टॉरनेडो - 2008
ऑपरेशन काम डाउन - 2016
ऑपरेशन सहयोग - 2018

5. निम्नलिखित आर्द्रभूमियों का भारत में उनके संबंधित स्थानों से मिलान करें -

आर्द्रभूमि	स्थान
(A) केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान	1- राजस्थान
(B) चिल्का झील	2- ओडिशा
(C) लोकतक झील	3- मणिपुर
(D) सांभर झील	4- राजस्थान
(E) हरिके आर्द्रभूमि	5- पंजाब

विकल्प:

- (A) a-1, b-3, c-2, d-5, e-4
(B) a-4, b-2, c-5, d-1, e-3
(C) a-3, b-5, c-1, d-4, e-2
(D) a-1, b-2, c-3, d-4, e-5

उत्तर: (B)

व्याख्या: केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान) - एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, जो साइबेरियाई क्रेन सहित प्रवासी पक्षियों के लिए प्रसिद्ध है।
चिल्का झील (ओडिशा) - भारत का सबसे बड़ा तटीय लैगून और एशिया का सबसे बड़ा खारे पानी का लैगून, जो अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है।

लोकतक झील (मणिपुर) - पूर्वोत्तर भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील, जो अपने अनोखे तैरते द्वीपों "फुमदी" और लुप्तप्राय संगई हिरणों के लिए जानी जाती है।
सांभर झील (राजस्थान) - भारत की सबसे बड़ी अंतर्देशीय खारे पानी की झील, जो अपने नमक उत्पादन और फ्लेमिंगो आबादी के लिए जानी जाती है।
हरिके वेटलैंड (पंजाब) - ब्यास और सतलुज नदियों के संगम पर स्थित एक महत्वपूर्ण रामसर स्थल, जो प्रवासी पक्षियों के लिए महत्वपूर्ण है।

6. निम्नलिखित महत्वपूर्ण दिनों का मिलान करें -
- | | |
|---------------|--------------------------|
| (A) 17 अप्रैल | 1- विश्व हीमोफीलिया दिवस |
| (B) 5 जून | 2- राष्ट्रीय खेल दिवस |
| (C) 6 जुलाई | 3- विश्व जूनोज दिवस |
| (D) 29 अगस्त | 4- विश्व पर्यावरण दिवस |

- विकल्प
(A) a-1, b-4, c-3, d-2
(B) a-2, b-3, c-1, d-4
(C) a-1, b-2, c-4, d-3
(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (A)

व्याख्या: 17 अप्रैल - विश्व हीमोफीलिया दिवस
05 जून - विश्व पर्यावरण दिवस
06 जुलाई - विश्व जूनोज दिवस
29 अगस्त - राष्ट्रीय खेल दिवस

7. निम्नलिखित योजनाओं को उनके लॉन्च किए गए वर्ष से सुमेलित करें -
- | | |
|-------------------------------|---------|
| (A) स्वच्छ भारत मिशन - | 1- 2014 |
| (B) सांसद आदर्श ग्राम योजना - | 2- 2016 |
| (C) पीएम-किसान - | 3- 2019 |
| (D) उज्ज्वला योजना - | 4- 2015 |

- विकल्प
(A) a-1, b-4, c-3, d-2
(B) a-2, b-3, c-1, d-4
(C) a-1, b-2, c-4, d-3
(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (A)

व्याख्या: स्वच्छ भारत मिशन - 2014
सांसद आदर्श ग्राम योजना - 2015
पीएम-किसान - 2019
उज्ज्वला योजना - 2016

8. निम्नलिखित झीलों को उनके स्थानों से सुमेलित कीजिए -
- | | |
|--------------------|------------|
| (A) तांगानिका झील | 1- अफ्रीका |
| (B) बैकाल झील | 2- रूस |
| (C) ग्रेट बियर लेक | 3- कनाडा |
- विकल्प
(A) a-1, b-2, c-3

- (B) a-2, b-3, c-1
(C) a-3, b-2, c-1
(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: तांगानिका झील - अफ्रीका
बैकाल झील - रूस
ग्रेट बियर लेक - कनाडा

9. निम्नलिखित को मिलाएं -

- | | |
|------------------|--------------------|
| (A) बनिहाल दर्रा | 1- जम्मू और कश्मीर |
| (B) शिपकी ला | 2- सिक्किम |
| (C) नाथू ला | 3- हिमाचल प्रदेश |
| (D) माना दर्रा | 4- उत्तराखंड |

- विकल्प
(A) a-1, b-4, c-3, d-2
(B) a-2, b-3, c-1, d-4
(C) a-1, b-2, c-4, d-3
(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (D)

व्याख्या: बनिहाल दर्रा - जम्मू और कश्मीर
शिपकी ला - हिमाचल प्रदेश
नाथू ला - सिक्किम
माना दर्रा - उत्तराखंड

10. निम्नलिखित को मिलाएं -

(A) चंबल	1- यूपी में यमुना नदी में मिलती है
(B) गंगा	2- बंगाल की खाड़ी
(C) घाघरा	3- बिहार में गंगा में मिलती है

- विकल्प
(A) a-1, b-2, c-3
(B) a-2, b-3, c-1
(C) a-3, b-2, c-1
(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: चंबल - यूपी में यमुना नदी में मिलती है
गंगा - बंगाल की खाड़ी
घाघरा - बिहार में गंगा में मिलती है

11. विश्व के निम्नलिखित प्रसिद्ध जलप्रपातों को सुमेलित कीजिए -

(A) इगाजु फॉल्स	1- यह अर्जेंटीना और ब्राजील के बीच एक सीमा बनाता है।
(B) नियाग्रा फॉल्स	2- यह गुयाना में है।
(C) विक्टोरिया जलप्रपात	3- यह सीएनएन द्वारा दुनिया के सात प्राकृतिक अजूबों में से एक है।
(D) काइटूर जलप्रपात	4- यह कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका की

	अंतरराष्ट्रीय सीमा को साझा करता है।
--	-------------------------------------

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
- (B) a-2, b-3, c-1, d-4
- (C) a-1, b-2, c-4, d-3
- (D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (A)

व्याख्या: इगाजु फॉल्स - यह अर्जेटीना और ब्राजील के बीच एक सीमा बनाता है।

नियाग्रा फॉल्स - यह कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय सीमा को साझा करता है।

विक्टोरिया जलप्रपात - यह सीएनएन द्वारा दुनिया के सात प्राकृतिक अजूबों में से एक है।

काइटूर जलप्रपात - यह गुयाना में है।

12. खेलों में प्रयुक्त निम्नलिखित शब्दों को सुमेलित कीजिए-

(A) बॉक्सिंग	1- ब्लो, बाउंस, बेल्ट, नॉक डाउन।
(B) शतरंज	2- गैम्बिट, स्टेलेमेट, प्यादा, बिशप।
(C) हॉकी	3- स्टिक, पेनल्टी स्ट्रॉक, स्कूप।

विकल्प

- (A) a-1, b-2, c-3
- (B) a-2, b-3, c-1
- (C) a-3, b-2, c-1
- (D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: बॉक्सिंग: ब्लो, बाउंस, बेल्ट, नॉक डाउन।

शतरंज: गैम्बिट, स्टेलेमेट, प्यादा, बिशप।

हॉकी: स्टिक, पेनल्टी स्ट्रॉक, स्कूप।

13. भारत के संविधान में अनुसूचियों पर निम्नलिखित MCQ का मिलान करें

अनुसूची	प्रावधान
(A) पहली अनुसूची	1- राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सूची
(B) सातवीं अनुसूची	2- नगर पालिकाओं के लिए प्रावधान शामिल हैं
(C) दसवीं अनुसूची	3- तीन सूचियाँ शामिल हैं: संघ, राज्य और समवर्ती सूची
(D) बारहवीं अनुसूची	4- दलबदल विरोधी कानून से संबंधित है

विकल्प:

- (A) a-1, b-3, c-4, d-2
- (B) a-2, b-4, c-1, d-3
- (C) a-3, b-1, c-2, d-4
- (D) a-4, b-2, c-3, d-1

उत्तर: (A)

व्याख्या: पहली अनुसूची में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के नाम सूचीबद्ध हैं।

सातवीं अनुसूची संघ, राज्य और समवर्ती सूचियों को परिभाषित करती है।

दसवीं अनुसूची दलबदल विरोधी कानून से संबंधित है।

बारहवीं अनुसूची में नगर पालिकाओं के संबंध में प्रावधान हैं।

14.

सरकारी डिजिटल पहलों पर निम्नलिखित का मिलान करें

डिजिटल पहल	उद्देश्य
(A) आरोग्य सेतु	1- डिजिटल टीकाकरण पंजीकरण और प्रमाणन
(B) CoWIN	2- सुरक्षित क्लाउड-आधारित दस्तावेज़ संग्रहण
(C) डिजिलॉकर	3- COVID-19 संपर्क अनुरेखण और स्वास्थ्य ट्रैकिंग
(D) दीक्षा	4- छात्रों और शिक्षकों के लिए डिजिटल शिक्षण मंच

विकल्प:

- (A) a-4, b-2, c-1, d-3
- (B) a-1, b-3, c-4, d-2
- (C) a-2, b-4, c-3, d-1
- (D) a-3, b-1, c-2, d-4

उत्तर: (D)

व्याख्या: आरोग्य सेतु → कोविड-19 संपर्क ट्रैकिंग और स्वास्थ्य ट्रैकिंग।

CoWIN → डिजिटल टीकाकरण पंजीकरण और प्रमाणन।

DigiLocker → सुरक्षित क्लाउड-आधारित दस्तावेज़ संग्रहण।

DIKSHA → छात्रों और शिक्षकों के लिए डिजिटल शिक्षण मंच।

15.

निम्नलिखित जनजातियों को अपने संबंधित राज्यों के साथ मिलान करें:

जनजाति	राज्य
(A) गोंड	1- मध्य प्रदेश
(B) भील	2- राजस्थान
(C) संधल	3- झारखंड
(D) टोडा	4- तमिलनाडु

विकल्प:

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
- (B) a-2, b-3, c-1, d-4
- (C) a-1, b-2, c-4, d-3
- (D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (A)

व्याख्या: गोंड - मध्य प्रदेश (ए -1):

गोंड जनजाति भारत में सबसे बड़ी जनजातियों में से एक है, जो मुख्य रूप से मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र और ओडिशा के कुछ हिस्सों में पाया जाता है।

BHIL - राजस्थान (B -4):

भील जनजाति मुख्य रूप से राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में स्थित है। वे अपने पारंपरिक तीरंदाजी कौशल के लिए जाने जाते हैं।

संथल - झारखंड (सी -3):

संथल जनजाति मुख्य रूप से झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार और ओडिशा में पाई जाती है। वे अपनी अनूठी संथाली भाषा और जीवंत नृत्य रूपों के लिए प्रसिद्ध हैं।

टोडा - तमिलनाडु (डी -2):

टोडा जनजाति तमिलनाडु की नीलगिरी पहाड़ियों में रहती है। वे अपने विशिष्ट बैरल के आकार की झोपड़ियों और समृद्ध संस्कृति के लिए जाने जाते हैं, जिसमें एक ही नाम की कढ़ाई भी शामिल है।

16. निम्नलिखित इंडो -यूरोपीय भाषा परिवार का मिलान करें -

भाषा उप-परिवार	भाषाएँ
(A) सेल्टिक	1- अंग्रेजी, जर्मन, डच, स्वीडिश, डेनिश
(B) जर्मनिक	2- ब्रेटन, कॉर्निश, मैक्स, आयरिश, स्कॉटिश गेलिक, वेल्श
(C) रोमांस	3- लैटिन (शास्त्रीय), फ्रेंच, स्पेनिश, इतालवी, पुर्तगाली, रोमानियाई
(D) हेलेनिक	4- ग्रीक (आधुनिक और प्राचीन)

विकल्प:

(A) a-4, b-2, c-1, d-3

(B) a-1, b-3, c-2, d-4

(C) a-3, b-4, c-1, d-2

(D) a-2, b-1, c-3, d-4

उत्तर: (D)

व्याख्या: सेल्टिक → ब्रेटन, कॉर्निश, मैक्स, आयरिश, स्कॉटिश गेलिक, वेल्श

सेल्टिक भाषाएं मुख्य रूप से पश्चिमी यूरोप और ब्रिटिश द्वीप समूह में बोली जाती हैं, जिनमें वेल्स, स्कॉटलैंड और आयरलैंड शामिल हैं। इन भाषाओं में प्राचीन जड़ें हैं और आज भी कुछ क्षेत्रों में बोली जाती हैं।

जर्मनिक → अंग्रेजी, जर्मन, डच, स्वीडिश, डेनिश, नॉर्वेजियन

जर्मनी, यूके, स्कैंडिनेविया और नीदरलैंड सहित जर्मनी भाषा परिवार मुख्य रूप से उत्तरी और पश्चिमी यूरोप में बोला जाता है। अंग्रेजी दुनिया भर में सबसे व्यापक रूप से बोली जाने वाली जर्मनिक भाषा है।

रोमांस → लैटिन (शास्त्रीय), फ्रेंच, स्पेनिश, इतालवी, पुर्तगाली, रोमानियाई

रोमांस भाषाएं लैटिन से विकसित हुईं, रोमन साम्राज्य की भाषा। इन भाषाओं को मुख्य रूप से दक्षिणी और पश्चिमी यूरोप में बोली जाती है, जिसमें फ्रांस, स्पेन, इटली और रोमानिया शामिल हैं।

हेलेनिक → ग्रीक (आधुनिक और प्राचीन)

हेलेनिक उप-परिवार की एकमात्र जीवित भाषा ग्रीक है, जो ग्रीस और साइप्रस में बोली जाती है। इसका 3,000 से अधिक वर्षों का रिकॉर्ड किया गया इतिहास है और इसने अंग्रेजी सहित कई अन्य भाषाओं को प्रभावित किया है।

17. निम्नलिखित का मिलान करें -

गठन वर्ष

(A) आंध्र प्रदेश 1- 1956

(B) केरल 2- 1956

(C) गोवा 3- 1987

(D) गुजरात 4- 1960

विकल्प

(A) a-1, b-2, c-4, d-3

(B) a-2, b-1, c-3, d-4

(C) a-1, b-3, c-2, d-4

(D) a-4, b-2, c-3, d-1

उत्तर: (C)

व्याख्या: आंध्र प्रदेश का गठन 1956 में राज्यों के पुनर्गठन अधिनियम के बाद किया गया था।

केरल का गठन 1956 में त्रावणकोर-कोचिन और मालाबार का विलय करके किया गया था।

गोवा ने 1987 में एक केंद्र क्षेत्र होने के बाद राज्य प्राप्त किया।

गुजरात को 1960 में बॉम्बे राज्य से बाहर रखा गया था।

18. निम्नलिखित का मिलान करें -

ज्वालामुखी स्थान

(A) माउंट एरेबस 1- अंटार्कटिका

(B) क्राकोतौआ 2- इंडोनेशिया

(C) माउंट सेंट हेलेन्स 3- यूएसए

(D) एयाफजल्लाजोकुल 4- आइसलैंड

विकल्प:

(A) a-4, b-1, c-3, d-2

(B) a-1, b-2, c-4, d-3

(C) a-1, b-4, c-2, d-3

(D) a-1, b-2, c-3, d-4

उत्तर: (D)

व्याख्या: माउंट एरेबस अंटार्कटिका में स्थित एक सक्रिय ज्वालामुखी है।

क्राकोतौआ, 1883 में अपनी विशाल विस्फोट के लिए प्रसिद्ध, इंडोनेशिया में स्थित है।

माउंट सेंट हेलेन्स यूएसए में स्थित है और 1980 में इसकी विनाशकारी विस्फोट ने ध्यान आकर्षित किया।
 एयाफजल्लाजोकुल, आइसलैंड में स्थित है और 2010 के विस्फोट के दौरान वैश्विक हवाई यात्रा में रुकावट का कारण बना।

19. निम्नलिखित का मिलान करें -

परमाणु सहयोग	समझौते का विवरण
(A) भारत-अमेरिका परमाणु समझौता	1- जैतापुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के लिए 2010 में हस्ताक्षरित
(B) भारत-फ्रांस परमाणु समझौता	2- नागरिक परमाणु व्यापार को सक्षम करने के लिए 2008 में हस्ताक्षरित
(C) भारत-रूसी परमाणु सहयोग	3- कुडनकुलम रिएक्टरों के लिए 1988 में समझौता
(D) भारत-जापान नागरिक परमाणु समझौता	4- शांतिपूर्ण परमाणु उपयोग के लिए 2016 में हस्ताक्षरित

विकल्प:

- (A) a-2, b-1, c-3, d-4
- (B) a-4, b-2, c-1, d-3
- (C) a-3, b-1, c-4, d-2
- (D) a-2, b-4, c-3, d-1

उत्तर: (A)

व्याख्या: भारत-अमेरिका परमाणु समझौता (A-2)

वर्ष 2008 में हस्ताक्षरित इस ऐतिहासिक समझौते ने भारत और अमेरिका के बीच असैन्य परमाणु व्यापार को संभव बनाया, जिससे भारत का परमाणु अलगाव समाप्त हुआ और परमाणु प्रौद्योगिकी और ईंधन तक पहुँच संभव हुई।

भारत-फ्रांस परमाणु समझौता (B-1)

वर्ष 2010 में हस्ताक्षरित इस समझौते ने भारत में सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में से एक जैतापुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के विकास में मदद की।

भारत-रूसी परमाणु सहयोग (C-3)

वर्ष 1988 में हस्ताक्षरित इस समझौते ने रूसी सहयोग से कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र के विकास की नींव रखी।

भारत-जापान असैन्य परमाणु समझौता (D-4)

वर्ष 2016 में हस्ताक्षरित इस समझौते ने परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया, जिससे जापान को भारत को परमाणु प्रौद्योगिकी और रिएक्टर निर्यात करने की अनुमति मिली।

20. निम्नलिखित का मिलान करें -

शिल्प	विरासत/क्षेत्र
(A) पश्मीना शॉल	1- तमिलनाडु
(B) ब्लू पॉटरी	2- बिहार
(C) मधुबनी पेंटिंग	3- जयपुर

(D) कांजीवरम सिल्क 4- कश्मीर विकल्प:

- (A) a-4, b-3, c-2, d-1
- (B) a-4, b-2, c-3, d-1
- (C) a-3, b-1, c-4, d-2
- (D) a-2, b-4, c-1, d-3

उत्तर: (A)

व्याख्या: पश्मीना शॉल (ए-4)

कश्मीर से आती है, जो शानदार बनावट और बेहतरीन शिल्प कौशल के लिए जानी जाती है।

ब्लू पॉटरी (बी-3)

जयपुर, राजस्थान का एक पारंपरिक शिल्प, जो चमकीले नीले रंग और नाजुक डिज़ाइन के लिए प्रसिद्ध है।

मधुबनी पेंटिंग (सी-2)

बिहार की एक जटिल कला शैली, जो पौराणिक कथाओं और प्रकृति के विषयों को दर्शाती है।

कांजीवरम सिल्क (डी-1)

तमिलनाडु का एक विरासत शिल्प, जो चमकीले रेशमी साड़ियों और जटिल पैटर्न के लिए प्रसिद्ध है।

21. निम्नलिखित का मिलान करें -

रासायनिक नाम	गुण
(A) सोडियम बाइकार्बोनेट	1. अचार में परिरक्षक के रूप में उपयोग किया जाता है
(B) एसिटिक एसिड	2. पेट के एसिड को बेअसर करता है
(C) कैल्शियम कार्बोनेट	3. भोजन में ब्लीचिंग एजेंट के रूप में कार्य करता है
(D) सल्फर डाइऑक्साइड	4. एसिडिटी से राहत के लिए एंटासिड में पाया जाता है

विकल्प:

- (A) a-2, b-1, c-4, d-3
- (B) a-3, b-2, c-1, d-4
- (C) a-4, b-3, c-2, d-1
- (D) a-2, b-4, c-3, d-1

उत्तर: (A)

व्याख्या: (A) सोडियम बाइकार्बोनेट: पेट के एसिड को बेअसर करता है, अक्सर एंटासिड में इस्तेमाल किया जाता है।

(B) एसिटिक एसिड: सिरका का एक प्रमुख घटक, अचार में परिरक्षक के रूप में उपयोग किया जाता है।

(C) कैल्शियम कार्बोनेट: अम्लता से राहत के लिए एंटासिड में पाया जाता है और चाक में भी इस्तेमाल किया जाता है।

(D) सल्फर डाइऑक्साइड: खाद्य उद्योगों में ब्लीचिंग एजेंट और परिरक्षक के रूप में कार्य करता है।

22. निम्नलिखित का मिलान करें -

त्योहार/मेला	अद्वितीय पहलू
--------------	---------------

(A) सोनपुर मेला	1. इसमें ऊंट पोलो, पगड़ी बांधने की प्रतियोगिताएं और रेत कला शामिल है
(B) जैसलमेर रेगिस्तान महोत्सव	2. बिहार में आयोजित एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला
(C) अंबुबाची मेला	3. राजस्थान में आयोजित, सूर्य देव की पूजा से जुड़ा हुआ
(D) चंद्रभागा मेला	4. असम के कामाख्या मंदिर में प्रजनन अनुष्ठान मनाता है

विकल्प:

- (A) a-2, b-3, c-4, d-1
 (B) a-2, b-1, c-3, d-4
 (C) a-3, b-2, c-1, d-4
 (D) a-4, b-1, c-2, d-3

उत्तर: (A)

व्याख्या: (क) सोनपुर मेला: एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला, बिहार के सोनपुर में आयोजित होता है।
 (ख) जैसलमेर रेगिस्तान महोत्सव: राजस्थान में मनाया जाता है, इसमें ऊंट पोलो, पगड़ी बांधने की प्रतियोगिताएं और रेत कला जैसी अनूठी गतिविधियाँ शामिल हैं।
 (ग) अम्बुबाची मेला: असम के कामाख्या मंदिर में मनाया जाता है, जिसमें देवी कामाख्या से जुड़े प्रजनन अनुष्ठानों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।
 (घ) चंद्रभागा मेला: सूर्य देव की पूजा से जुड़ा एक राजस्थानी त्योहार, जिसमें अनुष्ठान और पवित्र स्नान के लिए तीर्थयात्री आते हैं।

23. निम्नलिखित का मिलान करें -

दिन	तिथि
(A) विश्व एड्स दिवस	01 दिसंबर
(B) विकलांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस	03 दिसंबर
(C) अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस	10 दिसंबर
(D) राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस	14 दिसंबर

विकल्प:

- (A) a-1, b-3, c-10, d-14
 (B) a-3, b-10, c-1, d-14
 (C) a-1, b-10, c-3, d-14
 (D) a-1, b-14, c-3, d-10

उत्तर: (A)

व्याख्या: एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए 3 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस मनाया जाता है।

मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाने के उपलक्ष्य में 10 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है।

ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए भारत में 14 दिसंबर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है।

24. निम्नलिखित का मिलान करें -

आक्रमण	वर्ष
(A) सिकंदर का आक्रमण	1- 326 ईसा पूर्व
(B) मुहम्मद गौरी का पहला आक्रमण	2- 1175 ई.पू.
(C) नादिर शाह का आक्रमण	3- 1739 ई.पू.
(D) तैमूर का आक्रमण	4- 1398 ई.पू.

विकल्प:

- (A) a-1, b-3, c-4, d-2
 (B) a-1, b-4, c-2, d-3
 (C) a-2, b-1, c-3, d-4
 (D) a-3, b-2, c-1, d-4

उत्तर: (A)

व्याख्या: सिकंदर ने 326 ईसा पूर्व में भारत पर आक्रमण किया, जो सिंधु नदी को पार करके प्रसिद्ध हुआ। मुहम्मद गौरी ने सबसे पहले 1175 ई. में भारत पर आक्रमण किया, जिसने उपमहाद्वीप में अपने अभियान की शुरुआत की। नादिर शाह ने 1739 ई. में भारत पर आक्रमण किया, जिसके परिणामस्वरूप दिल्ली पर कब्जा हो गया। तैमूर ने 1398 ई. में भारत पर आक्रमण किया, जिसने दिल्ली में तबाही का मंजर छोड़ दिया।

25. विभिन्न क्षेत्रों के निम्नलिखित पिताओं का मिलान करें -

(A) आधुनिक सिनेमा के जनक	1- डेविड वार्क ग्रिफिथ
(B) आयुर्वेद के जनक	2- धन्वंतरि
(C) आवर्त सारणी के जनक	3- एडवर्ड जेनर
(D) टीकाकरण के जनक	4- दमित्री मेंडेलीव

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
 (B) a-2, b-3, c-1, d-4
 (C) a-1, b-2, c-4, d-3
 (D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (C)

व्याख्या: आधुनिक सिनेमा के जनक - डेविड वार्क ग्रिफिथ
 आयुर्वेद के जनक - धन्वंतरि
 आवर्त सारणी के जनक - दमित्री मेंडेलीव
 टीकाकरण के जनक - एडवर्ड जेनर

26. निम्नलिखित को मिलाएं -

(A) आधुनिक भूविज्ञान के जनक	1- जेम्स हटन
(B) अमेरिकी संविधान के जनक	2- जेम्स मैडिसन
(C) भूगोल के जनक	3- जेम्स रेनेल

विकल्प

- (A) a-1, b-2, c-3
(B) a-2, b-3, c-1
(C) a-3, b-2, c-1
(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: आधुनिक भूविज्ञान के जनक - जेम्स हटन
अमेरिकी संविधान के जनक - जेम्स मैडिसन
भूगोल के जनक - जेम्स रेनेल

27. निम्नलिखित का मिलान करें -

नदी	सहायक नदियाँ
(A) चंबल	1- गंभीर, पारबती, काली सिंध
(B) सुवर्णरेखा	2- कांची, खरकई, संजय
(C) भीम	3- कुंडली, घोड, कामिनी
(D) मुसी	4- ईसा, पालेरू, मंजीरा
(E) गोमती	5- सई, कठिना, सरायं

विकल्प:

- (A) a-3, b-2, c-1, d-4, e-5
(B) a-1, b-4, c-3, d-2, e-5
(C) a-5, b-3, c-2, d-1, e-4
(D) a-2, b-5, c-4, d-3, e-1

उत्तर: (A)

व्याख्या: गंगा: रामगंगा, पुनपुन और करमनासा छोटी सहायक नदियाँ हैं जो इसके बेसिन में योगदान देती हैं।
ब्रह्मपुत्र: सुबनसिरी, धनसिरी और कुलसी छोटी लेकिन महत्वपूर्ण सहायक नदियाँ हैं जो इसके प्रवाह को बढ़ाती हैं।
गोदावरी: सबरी, पूर्णा और तलीपेरु गोदावरी बेसिन की कम प्रमुख सहायक नदियाँ हैं।
कृष्णा: मूसी, मालाप्रभा और येरला जैसी छोटी सहायक नदियाँ स्थानीय स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
महानदी: इब, ऑंग और तेल छोटी नदियाँ हैं जो महानदी में मिलती हैं।

28. निम्नलिखित का मिलान करें -

मिसाइल	स्ट्राइक रेंज
(A) पृथ्वी-II	1- 350 किमी
(B) अग्नि-IV	2- 500 किमी
(C) ब्रह्मोस	3- 1,500 किमी
(D) शौर्य	4- 4,000 किमी
(E) निर्भय	5- 800 कि.मी

विकल्प:

- (A) a-1, b-3, c-4, d-5, e-2

- (B) a-5, b-4, c-1, d-2, e-3
(C) a-3, b-2, c-5, d-1, e-4
(D) a-1, b-5, c-2, d-4, e-3

उत्तर: (D)

व्याख्या: पृथ्वी-II (350 किमी):

सतह से सतह पर मार करने वाली कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल, पृथ्वी-II की मारक क्षमता 350 किमी है। यह एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (IGMDP) के तहत पहले से विकसित स्वदेशी मिसाइलों में से एक है।
अग्नि-IV (4,000 किमी):

अग्नि-IV एक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है जिसकी मारक क्षमता 4,000 किमी है। इसमें उन्नत री-एंट्री और नेविगेशन सिस्टम हैं, जो इसे रणनीतिक उद्देश्यों के लिए अत्यधिक सटीक बनाते हैं।

ब्रह्मोस (500 किमी):

भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, ब्रह्मोस की परिचालन मारक क्षमता 500 किमी है (भारत के 2016 में MTCR में शामिल होने के बाद 290 किमी की पिछली सीमा से बढ़ाई गई)। यह अपनी उच्च गति और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाना जाता है।

शौर्य (1,500 किमी):

सतह से सतह पर मार करने वाली हाइपरसोनिक मिसाइल, शौर्य की मारक क्षमता 1,500 किमी है। इसे ज़मीन और पानी के नीचे दोनों ही प्लेटफॉर्म से लॉन्च किया जा सकता है, जिससे यह रणनीतिक अभियानों के लिए बहुमुखी है। निर्भय (800 किमी): निर्भय एक लंबी दूरी की सबसोनिक क्रूज मिसाइल है जिसकी रेंज 800 किमी है। इसे सटीक हमलों के लिए डिज़ाइन किया गया है और इसे कई प्लेटफॉर्म से लॉन्च किया जा सकता है।

29. भारत में निम्नलिखित बाघ अभयारण्यों का मिलान करें -

(A) अरुणाचल प्रदेश	1- नमदाफा टाइगर रिजर्व
(B) तेलंगाना	2- कवल टाइगर रिजर्व
(C) तमिलनाडु	3- सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व
(D) ओडिशा	4- सिमलीपाल टाइगर रिजर्व

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
(B) a-2, b-3, c-1, d-4
(C) a-1, b-2, c-3, d-4
(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (C)

व्याख्या: अरुणाचल प्रदेश - नमदाफा टाइगर रिजर्व
तेलंगाना - कवल टाइगर रिजर्व
तमिलनाडु - सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व
ओडिशा - सिमलीपाल टाइगर रिजर्व

30. निम्नलिखित झीलों का मिलान कीजिए -

- (A) भोजताल झील 1- मध्य प्रदेश

- (B) नक्की झील 2- राजस्थान
 (C) कंवर झील 3- बिहार
 विकल्प
 (A) a-1, b-2, c-3
 (B) a-2, b-3, c-1
 (C) a-3, b-2, c-1
 (D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: भोजताल झील – मध्य प्रदेश
 नक्की झील – राजस्थान
 कंवर झील – बिहार

31. निम्नलिखित रोग को उनके टीकों से सुमेलित कीजिए -

- (A) चेचक 1- वैरीसेला
 (B) डिप्थीरिया 2- DTaP और Tdap
 (C) मम्स 3- पर्टुसिस
 (D) काली खांसी 4- एमएमआर
 विकल्प
 (A) a-1, b-4, c-3, d-2
 (B) a-2, b-3, c-1, d-4
 (C) a-1, b-2, c-4, d-3
 (D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (C)

व्याख्या: चेचक - वैरीसेला
 डिप्थीरिया - DTaP और Tdap
 मम्स - एमएमआर
 काली खांसी - पर्टुसिस

32. निम्नलिखित समितियों को उनके उद्देश्यों से सुमेलित कीजिए-

(A) भिड़े समिति	1- एसएफसी और वाणिज्यिक बैंकों के बीच समन्वय
(B) सी रंगराजन समिति	2- देश के गरीबी के पैमाने को खत्म करना
(C) रसोइया समिति	3- बैंकों की पूंजी पर्याप्तता की जांच करने के लिए

- विकल्प
 (A) a-1, b-2, c-3
 (B) a-2, b-3, c-1
 (C) a-3, b-2, c-1
 (D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: भिड़े समिति एसएफसी और वाणिज्यिक बैंकों के बीच समन्वय
 सी रंगराजन समिति देश के गरीबी के पैमाने को खत्म करना
 रसोइया समिति बैंकों की पूंजी पर्याप्तता की जांच करने के लिए

33. निम्नलिखित का मिलान करें -

खेल	विवरण
(A) क्रिकेट विश्व कप	1- 1975 में शुरू किया गया
(B) ओलंपिक खेल	2- हर 4 साल में आयोजित किया जाता है
(C) फीफा विश्व कप	3- पहली बार 1930 में आयोजित किया गया
(D) बास्केटबॉल	4- लिथुआनिया का राष्ट्रीय खेल

- विकल्प:
 (A) a-1, b-3, c-4, d-2
 (B) a-1, b-2, c-4, d-3
 (C) a-3, b-2, c-1, d-4
 (D) a-2, b-4, c-3, d-1

उत्तर: (B)

व्याख्या: क्रिकेट विश्व कप: क्रिकेट विश्व कप की शुरुआत 1975 में ICC द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप के रूप में की गई थी।

ओलंपिक खेल: ओलंपिक खेल हर 4 साल में आयोजित किए जाते हैं, जिसमें विभिन्न खेल विषयों में वैश्विक भागीदारी दिखाई जाती है।

फीफा विश्व कप: प्रमुख अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट, फीफा विश्व कप, पहली बार 1930 में उरुग्वे में आयोजित किया गया था।

बास्केटबॉल: बास्केटबॉल को लिथुआनिया के राष्ट्रीय खेल के रूप में मान्यता प्राप्त है, जहाँ इसका बहुत बड़ा सांस्कृतिक महत्व है।

34. निम्नलिखित का मिलान करें -

राज्य	रामसर साइट
(A) तमिलनाडु	1- सुंदरवन वेटलैंड
(B) गुजरात	2- सुर सरोवर
(C) उत्तर प्रदेश	3- प्वाइंट कैलिमेरे वन्यजीव और पक्षी अभयारण्य
(D) पश्चिम बंगाल	4- नलसरोवर पक्षी अभयारण्य

- विकल्प:
 (A) a-3, b-4, c-2, d-1
 (B) a-1, b-3, c-4, d-2
 (C) a-4, b-1, c-3, d-2
 (D) a-2, b-4, c-1, d-3

उत्तर: (A)

व्याख्या: तमिलनाडु: प्वाइंट कैलिमेरे वन्यजीव और पक्षी अभयारण्य तमिलनाडु में एक रामसर स्थल है।

गुजरात: नलसरोवर पक्षी अभयारण्य गुजरात का रामसर स्थल है, जो जलपक्षियों के लिए प्रसिद्ध है।

उत्तर प्रदेश: सुर सरोवर, जिसे कीथम झील के नाम से भी जाना जाता है, उत्तर प्रदेश में एक रामसर स्थल है।

पश्चिम बंगाल: सुंदरबन वेटलैंड, एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, पश्चिम बंगाल में स्थित है।

35. निम्नलिखित का मिलान करें -

ज्वालामुखी	विशेषता/स्थान
(A) माउंट टैम्बोरा	1- 1991 में हुए विस्फोट के लिए जाना जाता है, जिससे वैश्विक शीतलन हुआ
(B) माउंट एटना	2- यूरोप का सबसे सक्रिय ज्वालामुखी, सिसिली, इटली में स्थित
(C) माउंट पिनातुबो	3- 1815 में अपने विस्फोट के कारण "बिना गर्मी वाला वर्ष" बना
(D) माउंट किलिमंजारो	4- तंजानिया में निष्क्रिय स्ट्रेटोवोलकानो, अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी

विकल्प:

- (A) a-3, b-2, c-1, d-4
- (B) a-1, b-3, c-2, d-4
- (C) a-3, b-4, c-2, d-1
- (D) a-3, b-1, c-4, d-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: माउंट टैम्बोरा (ए-3):

इंडोनेशिया में स्थित माउंट टैम्बोरा 1815 में फटा था और वायुमंडल में छोड़े गए ज्वालामुखीय राख की भारी मात्रा के कारण "बिना गर्मी वाला साल" बना था, जिससे वैश्विक जलवायु में व्यवधान उत्पन्न हुआ था।

माउंट एटना (बी-2):

माउंट एटना यूरोप का सबसे सक्रिय ज्वालामुखी है, जो इटली के सिसिली में स्थित है। यह अक्सर फटता रहता है, जिससे यह सबसे अधिक अध्ययन और निगरानी वाले ज्वालामुखियों में से एक बन गया है।

माउंट पिनातुबो (सी-1):

फिलीपींस में स्थित माउंट पिनातुबो 1991 में फटा था। यह 20वीं सदी के सबसे बड़े विस्फोटों में से एक था, जिसमें भारी मात्रा में सल्फर डाइऑक्साइड निकला था, जिसके कारण अस्थायी रूप से वैश्विक शीतलन हुआ था।

माउंट किलिमंजारो (डी-4):

माउंट किलिमंजारो तंजानिया में एक निष्क्रिय स्ट्रेटोवोलकानो है। यह अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी है, जो अपने बर्फ से ढके शिखर के लिए प्रसिद्ध है।

36. निम्नलिखित का मिलान करें -

राज्य	परंपरा/त्योहार
(A) गुजरात	1- बैसाखी, फसल की कटाई और सिख नव वर्ष का प्रतीक
(B) पश्चिम बंगाल	2- नवरोज, पारसी समुदाय द्वारा मनाया जाता है
(C) पंजाब	3- दुर्गा पूजा, बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक

(D) केरल	4- ओणम, राजा महाबली की वापसी का उत्सव
----------	---------------------------------------

विकल्प:

- (A) a-2, b-3, c-1, d-4
- (B) a-3, b-1, c-2, d-4
- (C) a-4, b-2, c-3, d-1
- (D) a-2, b-4, c-1, d-3

उत्तर: (A)

व्याख्या: गुजरात (ए-2):

नवरोज, पारसी नववर्ष, गुजरात में एक महत्वपूर्ण त्योहार है, क्योंकि यहाँ पारसी समुदाय का एक बड़ा समूह रहता है।

पश्चिम बंगाल (बी-3):

दुर्गा पूजा पश्चिम बंगाल का सबसे प्रतिष्ठित त्योहार है, जिसे महिषासुर पर देवी दुर्गा की जीत के सम्मान में मनाया जाता है।

पंजाब (सी-1):

बैसाखी पंजाब का पारंपरिक फसल उत्सव है और यह सिख नववर्ष का भी प्रतीक है।

केरल (डी-4):

ओणम केरल का प्रसिद्ध फसल उत्सव है, जिसे राजा महाबली की वापसी के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

37. निम्नलिखित का मिलान करें -

ग्रह	चंद्रमा
(A) बृहस्पति	1- टाइटन
(B) शनि	2- यूरोपा
(C) यूरेनस	3- ट्राइटन
(D) नेपच्यून	4- टाइटैनिया

विकल्प:

- (A) a-5, b-1, c-4, d-3
- (B) a-2, b-5, c-3, d-1
- (C) a-5, b-1, c-3, d-4
- (D) a-2, b-1, c-4, d-3

उत्तर: (D)

व्याख्या: बृहस्पति का चंद्रमा यूरोपा इसके सबसे बड़े चंद्रमाओं में से एक है।

शनि का चंद्रमा टाइटन शनि का सबसे बड़ा चंद्रमा है और सौरमंडल का दूसरा सबसे बड़ा चंद्रमा है।

यूरेनस का चंद्रमा टाइटैनिया यूरेनस का सबसे बड़ा चंद्रमा है।

नेपच्यून का चंद्रमा ट्राइटन नेपच्यून का सबसे बड़ा चंद्रमा है।

38. निम्नलिखित का मिलान करें -

मंदिर	संस्थापक/निर्माता
(A) बृहदेश्वर मंदिर	1. राजा राजा चोल I
(B) सूर्य मंदिर, कोणार्क	2. नरसिंहवर्मन द्वितीय

(C) खजुराहो मंदिर	3. नरसिंहदेव I
(D) मीनाक्षी मंदिर	4. चंदेला राजवंश
(e) शोर मंदिर, महाबलीपुरम	5. नायक राजवंश

विकल्प:

- (A) a-1, b-3, c-4, d-5, e-2
- (B) a-2, b-1, c-3, d-4, e-5
- (C) a-1, b-4, c-3, d-2, e-5
- (D) a-1, b-2, c-5, d-4, e-3

उत्तर: (A)

व्याख्या: स्पष्टीकरण:

बृहदेश्वर मंदिर: राजा राजा चोल प्रथम द्वारा निर्मित।

सूर्य मंदिर, कोणार्क: नरसिंहदेव प्रथम द्वारा निर्मित।

खजुराहो मंदिर: चंदेल शासकों द्वारा निर्मित।

मीनाक्षी मंदिर: नायक वंश के तहत विस्तारित और पुनर्निर्मित।

शोर मंदिर, महाबलीपुरम: नरसिंहवर्मन द्वितीय द्वारा निर्मित।

39. निम्नलिखित को मिलाएं -

- (A) अजातशत्रु 1- डॉ राजेंद्र प्रसाद
- (B) बिहार केसरी 2- डॉ श्रीकृष्ण सिंह
- (C) कश्मीर का अकबर 3- टी प्रकाशम
- (D) आंध्र केसरी 4- जैनुल आब्दीन

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
- (B) a-2, b-3, c-1, d-4
- (C) a-1, b-2, c-4, d-3
- (D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (C)

व्याख्या: अजातशत्रु - डॉ राजेंद्र प्रसाद

बिहार केसरी - डॉ श्रीकृष्ण सिंह

कश्मीर का अकबर - जैनुल आब्दीन

आंध्र केसरी - टी प्रकाशम

40. निम्नलिखित पुस्तकों और लेखकों को सुमेलित कीजिए -

(A) अमित दासगुप्ता	1- इंडिया फॉर अ बिलियन रीज़न्स
(B) अमिताव घोष	2- इन ऐन ऐन्टीक लैन्ड
(C) अनीता देसाई	3- क्लियर लाइट ऑफ़ डे

विकल्प

- (A) a-1, b-2, c-3
- (B) a-2, b-3, c-1
- (C) a-3, b-2, c-1
- (D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: अमित दासगुप्ता - इंडिया फॉर अ बिलियन रीज़न्स

अमिताव घोष - इन ऐन ऐन्टीक लैन्ड

अनीता देसाई - क्लियर लाइट ऑफ़ डे

41. निम्नलिखित को मिलाएं -

- (A) भरतनाट्यम 1- तमिलनाडु
- (B) कथक 2- उत्तर प्रदेश
- (C) कथकली 3- आंध्र प्रदेश
- (D) कुचिपुड़ी 4- केरल

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
- (B) a-2, b-3, c-1, d-4
- (C) a-1, b-2, c-4, d-3
- (D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (C)

व्याख्या: भरतनाट्यम - तमिलनाडु

कथक - उत्तर प्रदेश

कथकली - केरल

कुचिपुड़ी - आंध्र प्रदेश

निम्नलिखित को मिलाएं -

(A) भारत के प्रथम ब्रिटिश गवर्नर जनरल	1- लॉर्ड विलियम बेंटिक
(B) भारत के प्रथम ब्रिटिश वायसराय	2- लॉर्ड कैनिंग
(C) स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल	3- लॉर्ड माउंटबेटन

विकल्प

- (A) a-1, b-2, c-3
- (B) a-2, b-3, c-1
- (C) a-3, b-2, c-1
- (D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: भारत के प्रथम ब्रिटिश गवर्नर जनरल- लॉर्ड विलियम बेंटिक

भारत के प्रथम ब्रिटिश वायसराय-लॉर्ड कैनिंग

स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल- लॉर्ड माउंटबेटन

43. सैम पित्रोदा को भारत में पीली क्रांति का जनक कहा जाता है।

निम्नलिखित को मिलाएं -

- (A) गुलाबी क्रांति के जनक 1- दुर्गेश पटेल
- (B) रजत क्रांति के जनक 2- निरपख तुताज
- (C) स्वर्ण क्रांति के जनक 3- इंदिरा गांधी
- (D) लाल क्रांति के जनक 4- विशाल तिवारी

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
- (B) a-2, b-3, c-1, d-4
- (C) a-1, b-2, c-4, d-3
- (D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (D)

व्याख्या: गुलाबी क्रांति के जनक - दुर्गेश पटेल

रजत क्रांति के जनक - इंदिरा गांधी

स्वर्ण क्रांति के जनक - निरपख तुताज
लाल क्रांति के जनक - विशाल तिवारी

44. केरल उच्च न्यायालय ने खेल परिषद को 2002 के बाद खेल में सक्रियता दिखाने में विफल रहने वाले उम्मीदवार के आवेदन पर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया। खेल में निम्नलिखित शब्दावली का मिलान करें -

(A) फुटबॉल 1- राइट आउट
(B) बैडमिंटन 2- डबल फॉल्ट
(C) बेसबॉल 3- स्ट्राइक
विकल्प

(A) a-1, b-2, c-3
(B) a-2, b-3, c-1
(C) a-3, b-2, c-1
(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: फुटबॉल - राइट आउट
बैडमिंटन - डबल फॉल्ट
बेसबॉल - स्ट्राइक

45. निम्नलिखित राज्यों को उनके बाघ अभयारण्यों से सुमेलित कीजिए -

(A) तमिलनाडु 1- अनामलाई टाइगर रिजर्व
(B) तेलंगाना 2- राजाजी राष्ट्रीय उद्यान
(C) उत्तर प्रदेश 3- पीलीभीत टाइगर रिजर्व
(D) उत्तराखंड 4- कवल टाइगर रिजर्व
विकल्प

(A) a-1, b-4, c-3, d-2
(B) a-2, b-3, c-1, d-4
(C) a-1, b-2, c-4, d-3
(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (A)

व्याख्या: तमिलनाडु - अनामलाई टाइगर रिजर्व
तेलंगाना - कवल टाइगर रिजर्व
उत्तर प्रदेश - पीलीभीत टाइगर रिजर्व
उत्तराखंड - राजाजी राष्ट्रीय उद्यान

46. निम्नलिखित को मिलाएं -

(A) माउंट एवरेस्ट पर दो बार चढ़ने वाली प्रथम भारतीय महिला	1- संतोष यादव
(B) मिस यूनिवर्स बनने वाली प्रथम भारतीय महिला	2- सुष्मिता सेन
(C) भारत रत्न पाने वाली प्रथम भारतीय महिला	3- इंदिरा गांधी

विकल्प
(A) a-1, b-2, c-3
(B) a-2, b-3, c-1
(C) a-3, b-2, c-1
(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: माउंट एवरेस्ट पर दो बार चढ़ने वाली प्रथम भारतीय महिला - संतोष यादव
मिस यूनिवर्स बनने वाली प्रथम भारतीय महिला - सुष्मिता सेन
भारत रत्न पाने वाली प्रथम भारतीय महिला - इंदिरा गांधी

47. निम्नलिखित को मिलाएं -

(A) विष्णुप्रयाग	1- जहां अलकनंदा नदी धौली गंगा नदी से मिलती है
(B) नंदप्रयाग	2- जहां अलकनंदा नदी नंदाकिनी नदी से मिलती है
(C) कर्णप्रयाग	3- जहां अलकनंदा नदी मंदाकिनी नदी से मिलती है
(D) रुद्रप्रयाग	4- जहां अलकनंदा नदी पिंडर नदी से मिलती है

विकल्प
(A) a-1, b-4, c-3, d-2
(B) a-2, b-3, c-1, d-4
(C) a-1, b-2, c-4, d-3
(D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (C)

व्याख्या: विष्णुप्रयाग - जहां अलकनंदा नदी धौली गंगा नदी से मिलती है
नंदप्रयाग - जहां अलकनंदा नदी नंदाकिनी नदी से मिलती है
कर्णप्रयाग - जहां अलकनंदा नदी पिंडर नदी से मिलती है
रुद्रप्रयाग - जहां अलकनंदा नदी मंदाकिनी नदी से मिलती है

48. निम्नलिखित को मिलाएं -

(A) ऑपरेशन पूमलाई 1- 1987
(B) ऑपरेशन कैक्टस 2- 1988
(C) ऑपरेशन सफेद सागर 3- 1999
विकल्प

(A) a-1, b-2, c-3
(B) a-2, b-3, c-1
(C) a-3, b-2, c-1
(D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: ऑपरेशन पूमलाई - 1987
ऑपरेशन कैक्टस - 1988
ऑपरेशन सफेद सागर - 1999

49. निम्नलिखित उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों को उनके कार्यकाल के साथ सुमेलित करें -

(A) कल्याण सिंह	1- 21 सितंबर 1997 से 12 सितंबर 1999 तक
-----------------	--

(B) रामप्रकाश गुप्त	2- 12 नवंबर 1999 से 28 अक्टूबर 2000
(C) राजनाथ सिंह	3- 3 मई 2002 से 29 अगस्त 2003 तक
(D) मायावती	4- 28 अक्टूबर 2000 से 8 मार्च 2002

विकल्प

- (A) a-1, b-4, c-3, d-2
- (B) a-2, b-3, c-1, d-4
- (C) a-1, b-2, c-4, d-3
- (D) a-1, b-3, c-2, d-4

उत्तर: (C)

व्याख्या: कल्याण सिंह - 21 सितंबर 1997 से 12 सितंबर 1999 तक
रामप्रकाश गुप्त - 12 नवंबर 1999 से 28 अक्टूबर 2000

50.

राजनाथ सिंह - 28 अक्टूबर 2000 से 8 मार्च 2002
मायावती - 3 मई 2002 से 29 अगस्त 2003 तक
निम्नलिखित मिस वर्ल्ड विजेताओं का मिलान करें -

- (A) 2021 1- शायलिन फोर्ड
- (B) 2020 2- केट श्राइडर
- (C) 2019 3- जेनिफर ले

विकल्प

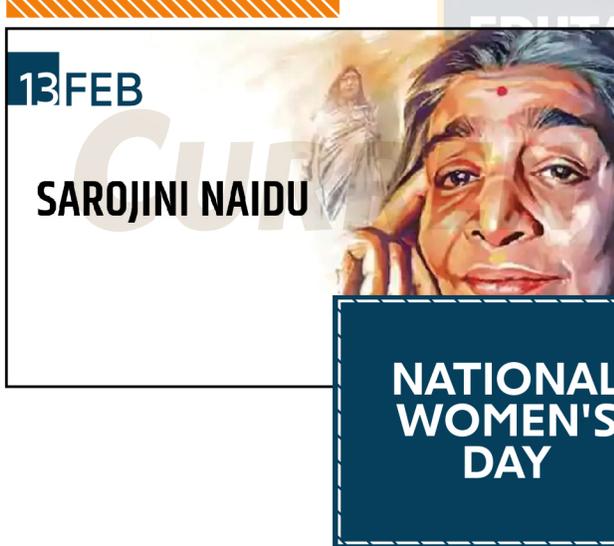
- (A) a-1, b-2, c-3
- (B) a-2, b-3, c-1
- (C) a-3, b-2, c-1
- (D) a-1, b-3, c-2

उत्तर: (A)

व्याख्या: 2021 - शायलिन फोर्ड
2020 - केट श्राइडर
2019 - जेनिफर ले

"जिन्दगी के लिए कभी खराब विचार आये तो एक बात हमेशा याद रखना !
तुम जो जिन्दगी जी रहे हो वो भी किसी के लिए सपने जैसी ही होगी !!"

"आपको शुरुआत करने के लिए महान होना ज़रूरी नहीं है !
आपको महान बनने के लिए शुरुआत करनी होगी !!"



13 FEB
SAROJINI NAIDU
NATIONAL WOMEN'S DAY

Importance

To mark the birth anniversary of India's first women governor Sarojini Naidu. This day has been selected to observe as a National Woman Day in recognition of the works done by her for upliftment and development of women in India. Her name and birth date was proposed to celebrate as the National Women's Day in India by members of Bhartiya Mahila Sangh and Akhil Bhartiya Mahila Sammelan.

Sarojini Naidu

(13 Feb 1879 to 2 Mar 1949)
The Nightingale of India

- She was a child prodigy, a poet and an activist during the independence movement.
- From 1947 to 1949, she served as the first woman to become the governor of Indian state of United Provinces of Agra and Oudh.



13 FEB
WORLD RADIO DAY

INCEPTION: 2012
2025 THEME:
Radio and Climate Change

Importance

To mark the inception of United Nations Radio in 1946.

Motto

To elaborate the role of radio as a way of educating people, providing information, and promoting freedom of expression across cultures.

Organisation Involved

UNESCO

Background

• In 2011, the Spanish Radio Academy proposed to UNESCO that there be

क्विक बाइट्स

- आरबीआई ने उल्लंघन के लिए श्रीराम फाइनेंस, उज्जीवन एसएफबी और नैनीताल बैंक पर जुर्माना लगाया
- ज्ञानेश कुमार को भारत का नया मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया
- स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने पी.डी. सिंह भारत के सीईओ बने
- टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को यूके नाइटहुड से सम्मानित किया गया
- भारत-जापान संयुक्त सैन्य अभ्यास 'धर्म गार्जियन' 2025 सऊदी अरब 2027 में उद्घाटन ओलंपिक ईसपोर्ट्स गेम्स की मेजबानी करेगा
- वरिष्ठ तेलुगु अभिनेता कृष्णवेनी का 102 वर्ष की आयु में निधन
- भारत ने शहरी भूमि सर्वेक्षण के लिए NAKSHA पायलट परियोजना शुरू की
- फिलीपींस भारत से 200 मिलियन डॉलर की आकाश मिसाइल प्रणाली खरीदने के लिए तैयार
- बैंक ऑफ महाराष्ट्र को गिफ्ट सिटी में शाखा खोलने के लिए आरबीआई की मंजूरी मिली
- तेलुगु सिनेमा के अग्रणी सी कृष्णवेनी का 102 वर्ष की आयु में निधन
- प्रसिद्ध बंगाली गायक प्रतुल मुखोपाध्याय का निधन
- स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने भारत के लिए पी. डी. सिंह को सीईओ नियुक्त किया
- भारत और कतर ने रणनीतिक साझेदारी और कर सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए
- शिवराज सिंह चौहान शहरी भूमि सर्वेक्षण के लिए नक्शा का शुभारंभ करेंगे
- फिलीपींस में तिरुवल्लुवर प्रतिमा का उद्घाटन किया गया
- भारत-जापान संयुक्त सैन्य अभ्यास 'धर्म गार्जियन 2025' माउंट फूजी में आयोजित किया जाएगा
- अजमेर ने पहली बार अखिल भारतीय ट्रांसजेंडर सम्मेलन की मेजबानी की
- केंद्रीय मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल ने "राज्यों में पंचायतों को हस्तांतरण की स्थिति" पर रिपोर्ट जारी की
- मिलिंद रेगे: मुंबई क्रिकेट के विश्वकोश का 76 वर्ष की आयु में निधन
- भारत IALA का उपाध्यक्ष बना, समुद्री नेतृत्व को बढ़ावा दिया
- रेखा गुप्ता ने दिल्ली की नई मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली
- भारत, मलेशिया ने सैन्य और Su-30 सहयोग को गहरा किया
- भारत और अर्जेंटीना ने लिथियम अन्वेषण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए
- SBI कार्ड्स ने सलिला पांडे को नया MD और CEO नियुक्त किया
- 360 ONE एसेट भारती एक्सा लाइफ में 15% हिस्सेदारी हासिल करेगा बीमा
- मनु भाकर ने बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ़ द ईयर 2024 जीता
- नुटेला के आविष्कारक फ्रांसेस्को रिबेला का 97 वर्ष की आयु में निधन
- भारतीय विश्वा राजकुमार ने ग्लोबल मेमोरी चैंपियनशिप जीती
- पूर्णिमा देवी बर्मन को टाइम की वूमन ऑफ़ द ईयर लिस्ट में शामिल किया गया
- भारत का पहला वन्यजीव बायोबैंक दार्जिलिंग चिड़ियाघर में खुला
- काश पटेल ने FBI के नौवें निदेशक के रूप में शपथ ली, भगवद गीता पर शपथ ली
- भारत ने बंगाल की खाड़ी अंतर-सरकारी संगठन की अध्यक्षता संभाली
- भारत और सऊदी अरब ने वेक्स 2025 से पहले मीडिया संबंधों को मजबूत किया
- भारत और श्रीलंका समझौता ज्ञापन के तहत 1,500 सिविल अधिकारियों को प्रशिक्षित करेंगे
- बैराइट्स, फेल्सपार, मीका और कार्टज को प्रमुख खनिजों के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया गया
- शमी 200 वनडे विकेट तक पहुँचने वाले सबसे तेज़ भारतीय गेंदबाज़ बन गए
- वियतनाम की संसद ने चीन के लिए 8 बिलियन डॉलर की रेल लाइन को मंजूरी दी
- रोहित शर्मा ने 11,000 वनडे रन पूरे किए
- नीता अंबानी को मैसाचुसेट्स गवर्नर के प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।
- FGM-148 जैवलिन एक पोर्टेबल, कंधे से दागी जाने वाली एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है जिसे रेथियॉन और लॉकहीड मार्टिन ने विकसित किया है।
- बंगाल लगातार तीसरे साल पक्षियों की गिनती में भारत से आगे रहा
- ब्राजील वैश्विक ऊर्जा प्रभाव के लिए पर्यवेक्षक के रूप में ओपेक+ में शामिल हुआ
- मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में वी अनंत नागेश्वरन का कार्यकाल मार्च 2027 तक बढ़ाया गया
- विवेक जोशी ने चुनाव आयुक्त का पदभार संभाला
- केंद्र ने आपदा न्यूनीकरण के लिए 3,027 करोड़ रुपये आवंटित किए
- भारतीय रेलवे ने निर्बाध यात्रा के लिए 'स्वरेल' सुपरएप लॉन्च किया
- सुनीता विलियम्स ने स्पेसवॉक का नया रिकॉर्ड बनाया
- कच्छ का गुनेरी गाँव अब गुजरात का पहला 'जैव विविधता विरासत स्थल' है, जो अपने अद्वितीय अंतर्देशीय मैग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करता है।
- स्विट्जरलैंड बांग्लादेश, अल्बानिया, जाम्बिया के लिए सहायता कार्यक्रम समाप्त करेगा
- नवीन चावला: पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त का 79 वर्ष की आयु में निधन

- न्यूजीलैंड की संसद ने माउंट तरानाकी, जिसे तरानाकी मौंगा के नाम से भी जाना जाता है, को कानूनी व्यक्तित्व प्रदान करने वाला कानून पारित किया है।
- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मेक्सिको, कनाडा और चीन से आयात पर भारी शुल्क लगाने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं।
- बीमा के लिए FDI सीमा 74% से बढ़ाकर 100% की गई
- विशेष रूप से कमज़ोर आदिवासी समूहों के लिए PM-JANMAN पैकेज
- एच शंकर चेन्नई पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अगले एमडी होंगे
- पूर्व CEC नवीन चावला का निधन
- कर्नाटक में केसर रीडटेल डैमसेल्फ़ली की खोज की गई
- माइकल बेवन को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हॉल ऑफ़ फ़ेम में शामिल किया गया
- केंद्रीय बजट में समुद्रयान मिशन को 600 करोड़ रुपये का आवंटन मिला
- गुजरात के भाजपा विधायक करसनभाई सोलंकी का 68 वर्ष की आयु में निधन
- ब्रिटेन AI-जनरेटेड चाइल्ड एब्यूज कंटेंट को अपराधी बनाने वाला पहला देश बन गया
- फ़िनवेसिया और यस बैंक ने 'जम्प' का अनावरण किया
- आर प्रज्ञानंद ने टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज का खिताब जीता
- जापान के H-3 रॉकेट ने मिचिबिकी नंबर 6 उपग्रह को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया
- पूर्व जर्मन राष्ट्रपति और आईएमएफ प्रमुख होस्ट कोहलर का 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया
- बेंगलुरु के जवानों ने पहली विश्व पिकलबॉल लीग जीती
- इस्माइली मुसलमानों के आध्यात्मिक नेता आगा खान चतुर्थ का पुर्तगाल में 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया; उनके उत्तराधिकारी की घोषणा लिस्बन में की जाएगी।
- उत्तर प्रदेश ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में पुरुष कबड्डी में स्वर्ण पदक जीता
- भारत ने 2025 के लिए संयुक्त राष्ट्र के बजट में 37.64 मिलियन डॉलर का योगदान दिया
- शोगो गेल्ड मिसेज वर्ल्ड जीतने वाली पहली अश्वेत महिला बनीं
- दिग्गज ब्रिटिश अभिनेता ब्रायन मर्फी का 92 साल की उम्र में निधन
- ट्रंप ने यू.एस. को यू.एन. अधिकार परिषद से वापस ले लिया, यू.एन.आर.डब्ल्यू. पर प्रतिबंध बढ़ाया
- आगा खान चतुर्थ के निधन के बाद प्रिंस रहीम को इस्माइलिस का 50वां इमाम नियुक्त किया गया
- मोनिका रानी (आई.डी.ए.एस.) को न्याय विभाग में निदेशक नियुक्त किया गया
- आई.ओ.बी. कार्बन अकाउंटिंग के लिए वैश्विक भागीदारी में शामिल हुआ
- गोपाल विट्टल को जी.एस.एम.ए. बोर्ड का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया
- एक युग का अंत: रिद्धिमान साहा ने क्रिकेट से संन्यास लिया
- सरकार ने विदेशियों के लिए 5 साल तक के विस्तार के साथ आयुष वीज़ा पेश किया
- भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बन गया
- चमन अरोड़ा को डोगरी में साहित्य अकादमी पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया
- पूर्व विश्व नंबर 1 सिमोना हालेप ने टेनिस से संन्यास लिया
- भारत-मालदीव संयुक्त सैन्य अभ्यास 'एकुवेरिन' शुरू हुआ
- भारत का पहला AI विश्वविद्यालय महाराष्ट्र में खुलेगा
- नाइजर, माली, बुर्किना फासो ने ECOWAS से संबंध तोड़े
- बार्ट डे वेवर ने बेल्जियम के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली
- सेना ने बांस बंकरों के लिए आईआईटी गुवाहाटी के साथ साझेदारी की
- केरल ने स्वास्थ्य सेवा के लिए विश्व बैंक से 2,424 करोड़ रुपये का ऋण प्राप्त किया
- ऑस्ट्रेलिया ने सख्त घृणा अपराध कानून पारित किया
- आईपीएस सागर सिंह कलसी को MoPNG में निदेशक नियुक्त किया गया
- पनामा ने चीन की बेल्ट एंड रोड पहल से खुद को अलग किया
- पाकिस्तान चीन के चांग'ए-8 चंद्र मिशन में शामिल हुआ
- ओडिशा सरकार ने लॉन्च किया ग्राम विकास के लिए 'बिकाशिता गांव' योजना
- ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने वनडे को अलविदा कहा
- ट्रंप ने महिला खेलों से ट्रांस महिलाओं पर प्रतिबंध लगाने वाले कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए
- अमेरिका से बाहर निकलने के बाद अर्जेंटीना ने डब्ल्यूएचओ से नाता तोड़ा
- मणिपुर के सीएम बीरेन सिंह ने अविश्वास प्रस्ताव से पहले इस्तीफा दिया
- सिंगापुर 2025 का दुनिया का सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट है।
- नामीबिया के संस्थापक पिता सैम नुजोमा का 95 वर्ष की आयु में निधन
- कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) को मुंबई में 19वें अंतर्राष्ट्रीय सीएसआर सम्मेलन में गोल्डन पीकॉक सीएसआर अवार्ड 2024 मिला।
- भारत और निकारागुआ ने त्वरित प्रभाव परियोजनाओं के लिए साझेदारी की
- आरबीआई ने शहरी सहकारी बैंकों के स्वैच्छिक समामेलन को मंजूरी दी
- आरबीआई ने अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन के लिए अतिरिक्त कारक प्रमाणीकरण (एएफए) पेश किया
- आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने एआई अमिताभ बच्चन अवतार का विस्तार किया
- भारत वैश्विक LEED ग्रीन बिल्डिंग 2024 में तीसरे स्थान पर रहा
- भारत और मिस्र के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'साइक्लोन 2025' राजस्थान में शुरू हुआ

- आईपीएस अधिकारी डीके केडिया को 'सीए इन पब्लिक सर्विस' पुरस्कार से सम्मानित किया गया
- वर्षा भारत की बैड गर्ल ने NETPAC पुरस्कार जीता
- वरुण चक्रवर्ती भारत के दूसरे सबसे उम्रदराज वनडे डेब्यूटेंट बने
- नामीबिया के पहले राष्ट्रपति सैम नुजोमा का 95 साल की उम्र में निधन
- स्पिन प्रतिरोध और स्थिरता को बढ़ाने के लिए बड़े बदलावों के बाद एचएएल ने हिंदुस्तान जेट ट्रेनर (एचजेटी-36) का नाम बदलकर 'यशस' कर दिया है।
- एनएसजी आईजी दीपक केडिया ने 'सीए इन पब्लिक सर्विस' अवार्ड जीता
- डॉ. जितेंद्र सिंह ने नई दिल्ली के एम्स में भारत के पहले स्वचालित जैव-चिकित्सा अपशिष्ट उपचार संयंत्र "सृजनम" का उद्घाटन किया।
- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 6 नई भाषाओं में अनुवाद सेवाओं के विस्तार की घोषणा की: बोडो, डोगरी, मैथिली, मणिपुरी, उर्दू और संस्कृत।
- बांग्लादेश ने 'ऑपरेशन डेविल हंट' शुरू किया
- भारतीय सेना और IAF ने पूर्वी थिएटर में 'विंग्ड रेडर' को अंजाम दिया
- नोकिया ने इंटेल के AI प्रमुख होटार्ड को नया CEO नियुक्त किया
- जिल टेचमैन ने मुंबई ओपन 2025 का खिताब जीता
- कार्लोस अल्काराज़ ने रॉटरडैम ओपन में पहला इंडोर हार्डकोर्ट खिताब जीता
- "राकेश रोशन को IIFA उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार मिलेगा"
- "टॉम क्रूज ने फ्रांस का प्रतिष्ठित एयरोनॉटिक्स मेडल प्राप्त किया"
- अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास का निधन हो गया।
- भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (CPI) 2024: भारत 96वें स्थान पर
- इसरो ने महेंद्रगिरि में LVM-3 के लिए CE20 क्रायोजेनिक इंजन का वैक्यूम इग्निशन परीक्षण सफलतापूर्वक किया।
- FAO ने सोमालिया की कृषि खाद्य प्रणालियों को मजबूत करने के लिए \$95M, सात वर्षीय जलवायु-लचीला कृषि परियोजना, "उगबाद" शुरू की।
- 14वां AFAF, जिसका विषय "एशिया-प्रशांत में ब्लू ग्रोथ को हरित बनाना" है, 12-14 फरवरी, 2025 को आयोजित किया जा रहा है।
- फ्रांसीसी खिलाड़ी किरियन जैकेट ने फाइनल में स्वीडन के एलियास यमर को 7-6(1), 6-4 से हराकर चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर का खिताब अपने नाम किया।
- NASA ने VADR अनुबंध के तहत पेंडोरा मिशन के लिए स्पेसएक्स को लॉन्च सेवा प्रदान की।
- मुरलीधरन के साथ रिलायंस ने 'स्पिनर' स्पोर्ट्स ड्रिंक लॉन्च किया
- भारत-मिस्र संयुक्त विशेष बल अभ्यास 'साइक्लोन-III' राजस्थान में शुरू हुआ
- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने नियामक दिशानिर्देशों का पालन न करने के लिए फेडरल बैंक लिमिटेड और करूर वैश्य बैंक लिमिटेड पर मौद्रिक दंड लगाया है। फेडरल बैंक पर ₹27.30 लाख का जुर्माना लगाया गया है, जबकि करूर वैश्य बैंक पर ₹8.30 लाख का जुर्माना लगाया गया है।
- भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि मेघालय फरवरी/मार्च 2027 में राष्ट्रीय खेलों के 39वें संस्करण की मेजबानी करेगा।
- पंकज आडवाणी ने भारतीय सूकर चैम्पियनशिप में जीत हासिल की
- दलाई लामा के बड़े भाई ग्यालो थोंडुप का 97 वर्ष की आयु में निधन
- अडानी ग्रीन ने श्रीलंका की 442 मिलियन डॉलर की पवन ऊर्जा परियोजना से हाथ खींच लिया
- चीन दक्षिण चीन सागर में गहरे पानी में 'स्पेस स्टेशन' बनाएगा
- टाटा एलेक्सी, गरुड़ एयरोस्पेस स्वदेशी यूएवी के लिए भागीदार
- कैपा कोला ने आईपीएल 2025 के सह-प्रस्तुतकर्ता के रूप में थम्स अप की जगह ली
- इली बोलोजन ने रोमानिया के अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली
- ग्रीस की संसद ने पूर्व स्पीकर कॉन्स्टेंटाइन टैसौलस को राष्ट्रपति चुना, जो कैटरीना सकेलारोपोलु का स्थान लेंगे।
- पंकज त्रिपाठी ऑडियो स्टोरी प्लेटफॉर्म वेलवेट के सह-संस्थापक बने
- धवन ICC चैपियंस ट्रॉफी के लिए इवेंट एंबेसडर नियुक्त किए गए
- भारत और फ्रांस ने पीएम मोदी की यात्रा के दौरान उन्नत मॉड्यूलर रिएक्टरों और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर आशय की घोषणा पर हस्ताक्षर किए।
- जोधम नापत वानुअतु के नए प्रधानमंत्री बने
- भारत में उन्नत लेजर चेतवनी प्रणाली के लिए साब और एचएएल ने हाथ मिलाया
- सरकार ने मवेशियों में गांठदार त्वचा रोग के लिए बायोलम्पिक्वैक्सिन को मंजूरी दी
- ISRO और IIT मद्रास ने स्वदेशी अंतरिक्ष चिप IRIS विकसित की
- BEL और सफ़रान ने भारत में HAMMER हथियार बनाने के लिए साझेदारी की
- पुडुचेरी में आयुष्मान भारत वय वंदना योजना शुरू की गई
- क्रिस्टियानो रोनाल्डो 2025 की सबसे अधिक कमाई करने वाले एथलीटों की सूची में शीर्ष पर
- लुकाशेंको ने विवादास्पद बेलारूस चुनाव में सातवीं बार जीत दर्ज की
- भारत पर्यवेक्षक के रूप में यूरोड्रोन कार्यक्रम में शामिल हुआ
- सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आईएफसीआई में 500 करोड़ रुपये की पूंजी निवेश को मंजूरी दी

- आईडीबीआई बैंक ने राकेश शर्मा को 3 साल के लिए एमडी और सीईओ के रूप में फिर से नियुक्त किया
- आईबीए बैंकिंग प्रौद्योगिकी पुरस्कारों में सिटी यूनिन बैंक की लगातार जीत
- हरिमन शर्मा: भारत के एप्पल मैन को पद्म श्री से सम्मानित किया गया
- चुनावी अभियानों के लिए दूरदर्शन को सम्मानित किया गया
- मेली केर ने आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता
- वैश्विक विदेशी सहायता समीक्षा के बीच अमेरिका ने बांग्लादेश को यूएसएआईडी फंडिंग निलंबित कर दी
- बांके बिहारी मंदिर को विदेशी दान स्वीकार करने के लिए एफसीआरए लाइसेंस मिला
- पी. सूर्यराज को धनलक्ष्मी बैंक का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया
- आरबीआई ने गैर-अनुपालन के लिए केनरा, बीओआई और जेएंडके बैंक पर जुर्माना लगाया
- जितेंद्र पाल सिंह को इजरायल में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया गया
- भारतीय ग्रैंडमास्टर इनियान ने मलेशियाई खिताब जीता
- ओमरजई को आईसीसी पुरुष वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर का खिताब मिला
- स्मृति मंधाना को आईसीसी महिला वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 का खिताब मिला
- बुमराह को ICC पुरुष टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर का खिताब मिला
- एम मोहन को लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर का निदेशक नियुक्त किया गया
- इयान पन्निरसेल्वम ने जोहोर शतरंज का खिताब जीता
- ओडिशा वारियर्स ने पहला महिला एचआईएल खिताब जीता
- एसएसबी प्रमुख अमृत मोहन प्रसाद को बीसीएस महानिदेशक की भूमिका सौंपी गई
- प्रसिद्ध हृदय शल्य चिकित्सक के.एम. चेरियन का निधन
- राजेश निरवान को बीसीएस का महानिदेशक नियुक्त किया गया
- सरकार ने महत्वपूर्ण खनिजों की मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए 34,000 करोड़ रुपये से अधिक के परिव्यय के साथ राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन को मंजूरी दी है।
- भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को ICC पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 के लिए प्रतिष्ठित सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।
- अमेरिकी लॉन्ग जंप लीजेंड ग्रेग बेल का 94 वर्ष की आयु में निधन
- ज्योफ एलार्डिस ICC के सीईओ के पद से हटेंगे
- सर्बियाई पीएम मिलोस वुसेविक ने नेतृत्व की जवाबदेही का हवाला देते हुए राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक के साथ चर्चा के बाद अपना अपरिवर्तनीय इस्तीफा सौंप दिया।
- भारत और ओमान ने दोहरे कराधान से बचाव समझौते में संशोधन करने के लिए एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए, इसे अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कराधान मानकों के साथ संरेखित किया और कर प्रक्रियाओं को सरल बनाया।
- भारत ने महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 2 बिलियन डॉलर आवंटित किए
- चीन ने उच्च ऊंचाई वाले विमानों का पता लगाने के लिए सीबेड 'रडार' विकसित किया
- वेदांता रिसोर्सिज ने देशनी नायडू को पहला सीईओ नियुक्त किया
- मारुति सुजुकी ने हिसाशी टेकाउची को एमडी के रूप में फिर से नियुक्त किया और सीईओ
- दिनेश कार्तिक टी20 में भारत के शीर्ष विकेटकीपर रन-स्कोरर बने
- प्रसिद्ध मूर्तिकार लतिका कट्ट का 76 वर्ष की आयु में निधन
- इसरो ने एनवीएस-02 लॉन्च किया, श्रीहरिकोटा से 100वें मिशन का प्रतीक
- लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा को महाराजा हरि से सम्मानित किया गया सिंह पुरस्कार
- ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी महिला चैंपियनशिप ट्रॉफी जीती
- IRDAI ने वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य प्रीमियम में सालाना 10% की वृद्धि की
- BIMTECH ने BIMCOIN लॉन्च किया: भारत की पहली कैपस ब्लॉकचेन मुद्रा
- शुभांशु शुक्ला: ISS के लिए Axiom-4 को पायलट करने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री
- विंग कमांडर अक्षय सक्सेना को सोमाली समुद्री डाकुओं से अपहृत जहाज रुएन को बचाने में उनकी भूमिका के लिए वायु सेना पदक मिला।
- डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माता तपन के बोस का 78 साल की उम्र में निधन
- सचिन तेंदुलकर को बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड मिलेगा
- बुमराह और मंधाना ने बीसीसीआई अवॉर्ड जीते
- हिरोकी टोटोकी ने सोनी के सीईओ के रूप में केनिचिरो योशिदा की जगह ली, मनोरंजन विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया।

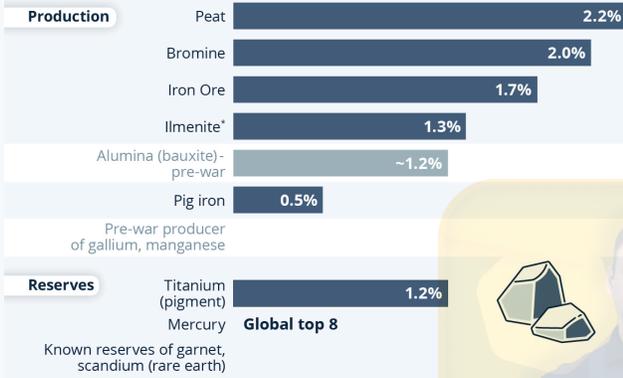
"जिन्दगी में तकलीफ कितनी भी हो कभी हताश मत होना
क्योंकि धूप कितनी भी तेज क्यों न हो समंदर कभी
सुखा नहीं होता !!

"मैदान में हारा हुआ इंसान फिर भी जीत सकता है !
लेकिन मन से हारा हुआ इंसान कभी नहीं जीत सकता !!

इन्फोग्राफिक्स

Ukraine's Mineral Wealth

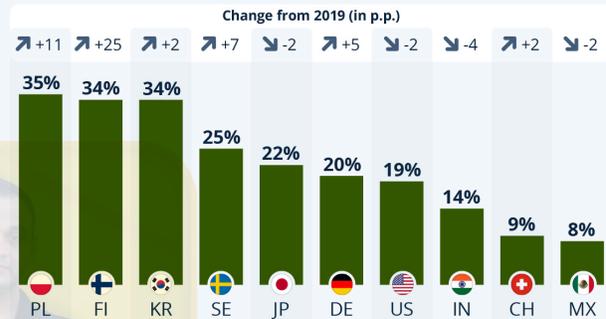
Ukraine's share in selected global mineral/commodity production or reserves in 2024



* Titanium mineral concentrate
Source: USGS

How Important Is Defense to Your Country?

Share of respondents from selected countries who said the issue of defense* was important for their country in 2024

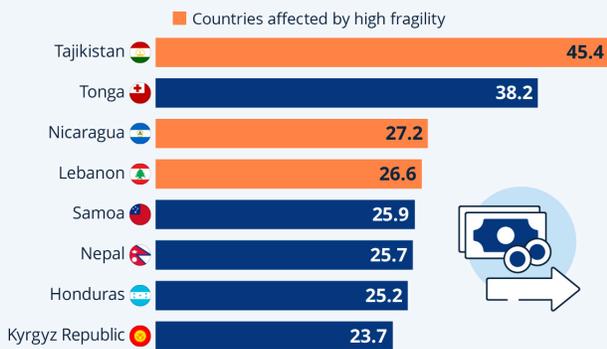


6,000-60,000/2,000-12,000 respondents (18-64 y/o) per country surveyed Jan.-Dec. 2024/
Apr. 2018-Mar. 2019 * And foreign affairs
Source: Statista Consumer Insights



The Countries Which Depend on Remittances the Most

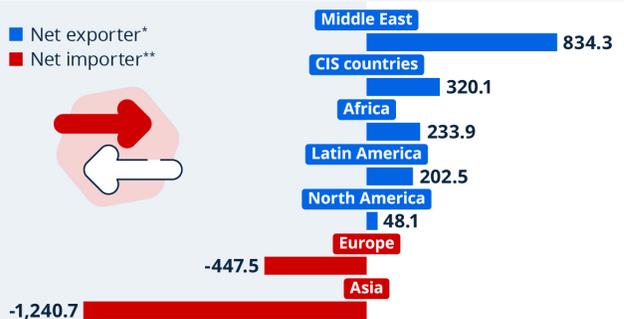
Top remittance inflows as a share of GDP in 2024* (in percent)



* Estimates
Sources: World Bank, OECD States of Fragility 2025

Asia is the World's No. 1 Oil Importer

Crude oil trade balance by region in 2023 (in million tonnes)



* More exports than imports ** More imports than exports
Source: Enerdata

Germany Rises to Global Top 5 of Military Spenders

Biggest national military budgets in the world in 2024 (in billion U.S. dollars)



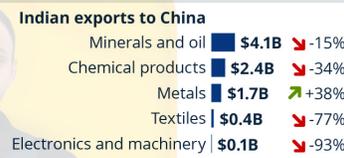
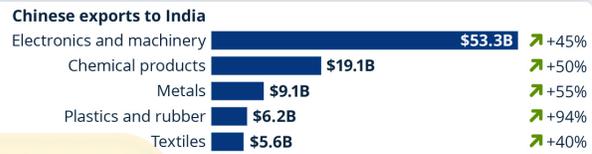
Source: IISS The Military Balance

The Chinese-Indian Trade Relationship

Trade in selected goods between China and India in 2022



↗↘% change since 2018

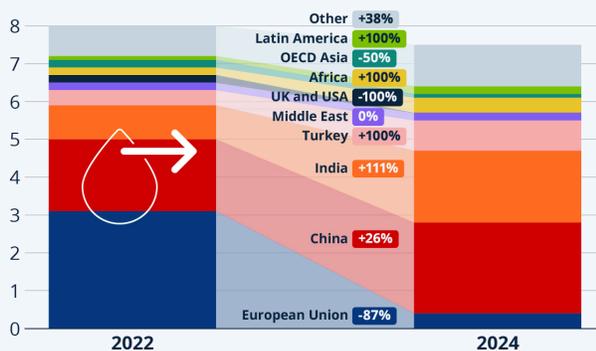


Source: UN Comtrade/BACI International via OEC/MIT

KUMAR EDUTAINMENT

Russia Diverts Oil Exports to India and China

Average volume of Russian oil exports by country and region (in million barrels/day)



Sources: IEA, Statista calculation

Where USAID Is Going

U.S. international aid disbursed by the U.S. Agency for International Development (USAID) in FY 2023

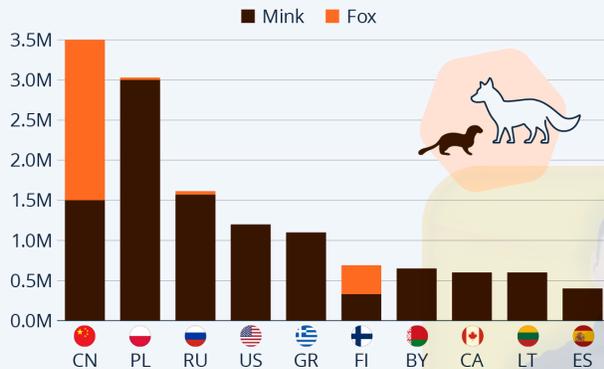


Latest available
Source: Foreignassistance.gov



The World's Biggest Fur Producers

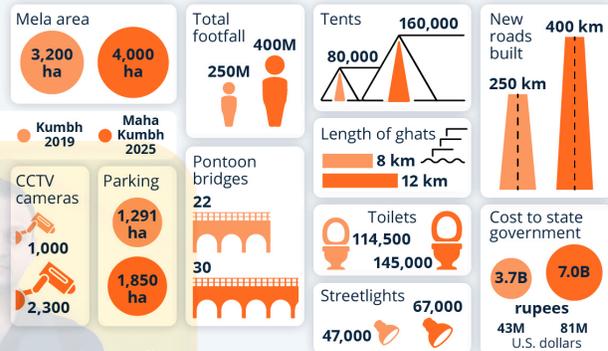
Countries by number of fox and mink pelts produced in 2023



Source: FIFUR

Maha Kumbh Mela: The World's Biggest Festival

Key figures on the Kumbh 2019 and Maha Kumbh 2025 religious gatherings in Prayagraj*, India

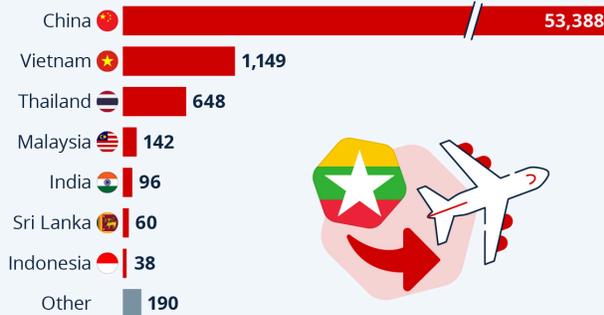


* formerly Allahabad City
Sources: Statista research, Times of India

KUMAR EDUTAINMENT

Myanmar Deports 55,711 People

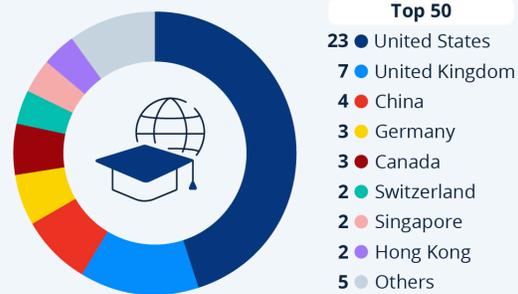
Number of foreign nationals deported by Myanmar's junta to their home countries*



* Between Oct. 5, 2023 and Jan. 13, 2025
Source: Global New Light of Myanmar

The U.S. Dominates the World University Ranking

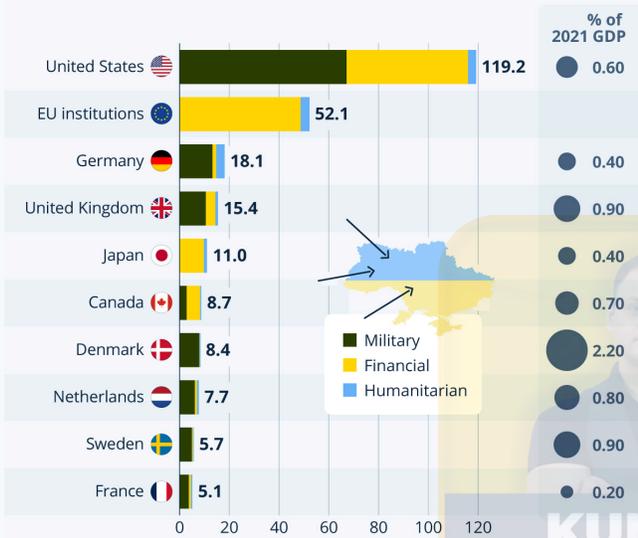
Top 50 universities in the World University Ranking 2025, by country



Place 50 in the ranking is a tie between two universities.
2,000+ universities ranked on five indicators: teaching, research environment, research quality, international outlook and industry
Source: Times Higher Education

The Countries Sending the Most Aid to Ukraine

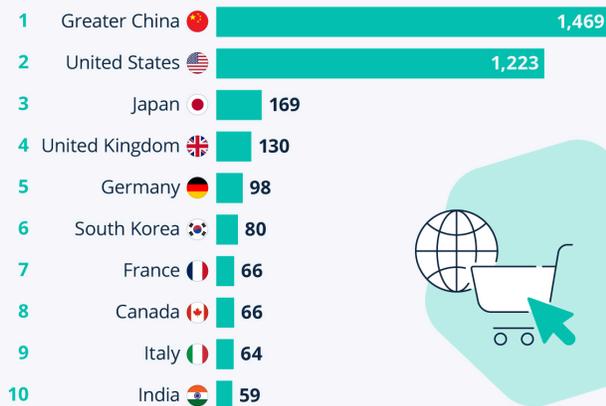
Countries allocating the most aid to Ukraine from Jan. 24, 2022 to Dec. 31, 2024 (in billion U.S. dollars)



Converted from euros on Feb. 14, 2025
Source: IFW Kiel, Ukraine Support Tracker

China Leads the Global E-Commerce Market

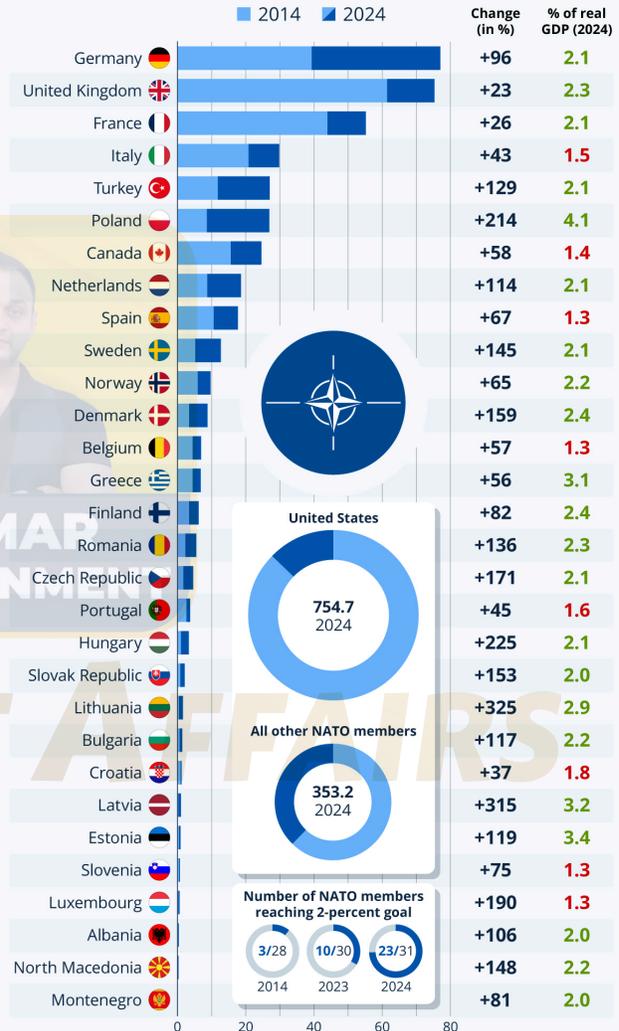
Estimated revenues in the e-commerce segment by country in 2024 (in billion U.S. dollars)



As of October 2024
Source: Statista Market Insights

NATO 2-Percent Goal Sees Major Gains

Estimated military spending of NATO countries in 2014 and 2024 (in billion constant 2015 U.S. dollars) and share of GDP



NATO member Iceland has no armed forces. Sweden, Finland, North Macedonia, Montenegro became members after 2014. Estimates as of mid-year
Source: NATO



Kumar Edutainment Presents

CURRENT AFFAIRS MAGAZINE

 7 Jawahar Nagar, Khandari, Agra, Uttar Pradesh

 8882388888

 Kumariasacademy@gmail.com

 kumarsias.com

   Kumar Edutainment

 your_kumar_sir



Kumar Edutainment